北京大学东方语言文学系教材

印地语
基础教程
Ⅳ

हिन्दी पाठ्यपुस्तक

马孟刚 编著

北京大学出版社

印地语基础教程

हिन्दी पाठ्यपुस्तक

第四册

马孟刚 编著



北京大学出版社

विषय-सूची

पहला पाठ

लेनिन की प्रतिमा

यह घटना सोवियत बाइलो रशिया के एक छोटे से शहर की है। शहर के एक छोर पर मदरसे की इमारत है। यह इमारत नयी और खम्भोंवाली है। मदरसे के सामने एक छोटी-सी पहाड़ी है। पहाड़ी पर लेनिन की प्रतिमा खड़ी है।

यह प्रतिमा ढालकर बनाई गई थी। देखने में चिकनी, काली और सुन्दर है। इसे काले पत्थर की एक बड़ी सी चट्टान पर प्रतिष्ठित किया गया है। गांव से आनेवाले को जो पहली चीज़ दिखाई पड़ती है, वह लेनिन की यह प्रतिमा ही है।

मदरसे के विद्यार्थियों ने प्रतिमा के चारों ओर फूलों के पौधे लगा दिये थे — चारों ओर फूल, फूल और बस फूल ही फूल थे। चारों कोनों पर सनोवर भी लगा दिये गये थे। उनका विचार तो वहां बगीचा लगाने का था, लेकिन वे बगीचा लगा ही नहीं सके, क्योंकि लड़ाई छिड़ गयी थी। एक दिन नाज़ी हवाई जहाज़ आकाश में उड़ते हुए आये। उन्होंने आसमान से उस शान्त नगर पर गोले बरसाये। फिर नाज़ी अपनी तोपों से उसपर गोलाबारी करने लगे।

जब दुश्मन शहर के बहुत पास पहुंच गया, तो शहर के निवासी शहर छोड़ने लगे। स्त्रियां और बच्चे दूर के सुरक्षित स्थानों में भेज दिये गये। आदमियों ने हथियार संभाले और जंगल में जाकर छापामार

बन गये । लेकिन , सबके सब लोग तो नहीं जा सके । कुछ वहीं रह गये थे ।

जब जर्मन शहर में घुसे , तो उनकी तोपों की मार से सारा शहर तहस-नहस हो चुका था । स्कूल का भवन और दूसरे बहुत से अच्छे अच्छे मकान धराशायी हो गये थे । गोलों की मार से , लेनिन की प्रतिमा एक ओर नीचे जा गिरी थी और सड़कें उखड़कर बर्बाद हो गई थीं ।

शहर में आते ही नाज़ी अफ़सर ने पहला काम यह किया कि साबुत बचे हुए मकानों की दीवारों पर नोटिस लगवा दिये । नोटिसों में कहा गया था कि यदि एक भी जर्मन सिपाही मारा गया , तो जर्मन किन्हीं भी दस सोवियत नागरिकों को पकड़कर गोली से उड़ा देंगे , जो भी दस सोवियत नागरिक मिल जायेंगे , पकड़ लिये जायेंगे । चाहे वे बूढ़े हों , चाहे बच्चे और औरतें या मर्द । इस तरह का नोटिस लगा देने के बाद नाज़ी सूने घरों को लूटने लगे और उनकी यह लूटमार रात तक चलती रही ।

रात को शहर के वे निवासी , जो पीछे रह गये थे , चुपके से खिसकने लगे । एक-एक कर पिछवाड़े और वृक्षों के झुरमुटों में से होते हुए , वे जंगल की ओर जानेवाली सड़क पर हो लिये । स्कूल के सामने-वाले खुले मैदान में वे सबके सब मिले । कुल छः आदमी थे । वे उस ध्वस्त नगर के बचे हुए अन्तिम निवासी थे । आपस में बिना कुछ बोले वे छहों वहां रुक गये । फिर , छहों ने एक साथ उस छोटी पहाड़ी की ओर देखा , जहां अभी सबेरे तक लेनिन की प्रतिमा खड़ी थी । उसके बाद , वे चुपचाप एक मनसूबे से पहाड़ी की ओर लौटे ।

वहां उन्हें वह चट्टान मिली जिस पर लेनिन की प्रतिमा प्रति-

ष्ठित की गयी थी । जर्मन बमों ने उसे बीच से चीरकर दो कर दिया था । उन छहों सोवियत नागरिकों ने वे टुकड़े उठा लिये । वे उन टुकड़ों को उठाकर , उस छोटी पहाड़ी की चोटी पर ले गये । वहां उन्होंने उन टुकड़ों को जमा कर साथ साथ रख दिया । फिर , वे प्रतिमा को ढूंढ़ने लगे । प्रतिमा नष्ट होने से बच गई थी , लेकिन जल्दी से मिली नहीं । वह एक सनोवर के नीचे दबी पड़ी थी । यह सनोवर का पेड़ भी जर्मन बम की मार से टूटकर गिर गया था । उन्होंने गिरे हुए सनोवर को उठाया ··· ठीक उसी समय जर्मन सन्तरी ने अपने कान खड़े किये । उसे ऐसा लगा , मानों पहाड़ी पर कुछ खड़-खड़ हो रही हो ।

वह चलकर पहाड़ी के पास आया , लेकिन वहां सन्नाटा था , सिर्फ़ टूटे हुए सनोवर की पत्तियां हवा में हिलकर आवाज़ कर रही थीं । स्कूल की जलती हुई इमारत से धुआं उठकर नंगी पहाड़ी को ढंक रहा था । वहां सन्तरी थोड़ी देर खड़ा कुछ सोचता रहा । फिर , जिस घर में जर्मन सैनिक सो रहे थे , उसके पास लौट गया ।

उसके चले जाने के बाद उन सोवियत देशभक्तों ने प्रतिमा को चुप-चाप आहिस्ते से उठाया । उसे उठाकर , उन्होंने उस की पुरानी जगह उसी काली चट्टान पर रख दिया । चट्टान भी बिल्कुल जुड़ गई थी । ऐसा लगता था , मानो जर्मन बमगोले से उसके दो टुकड़े कभी हुए ही नहीं थे ।

इस के बाद , वे एक-एक कर जंगल में चले गये ।

दूसरे दिन सबेरे , जर्मन अफ़सर शहर देखने और पीछे बचे हुए निवासियों से सवाल-जवाब करने के इरादे से निकला । उसने अपने साथ

दो सैनिकों को और लिया । वे चल पड़े ।

एकाएक जर्मन अफ़सर बुत की तरह खड़ा रह गया , मानों उसे काठ मार गया हो । —— वहां सामने पहाड़ी पर लेनिन की प्रतिमा सही सलामत खड़ी थी ।

मारे गुस्से के उस नाज़ी का चेहरा लाल हो गया । अपना रिवाल्वर खींचकर , वह प्रतिमा की ओर झपटा । उसके पीछे पीछे खड़क-खड़क करते हुए वे दोनों संतरी भी दौड़े । लेकिन पहाड़ी तक पहुंचते ही उस नाज़ी का दिमाग थोड़ा ठंडा हो गया । उसने रिवाल्वर नीचा कर लिया । उसने एक सिपाही के पास से दस्ती बम मांगा ।

लेकिन वह उसे प्रतिमा पर फेंक ही नहीं सका । ठीक उसी समय एक गोली सनसनाती हुई आई और उस अफ़सर के हाथ को बेधती हुई निकल गयी । गोली जंगल की तरफ़ से आयी थी ।

दोनों जर्मन सैनिक अपनी रायफ़ल साधे ज़मीन पर पेटके बल लेट गये । जर्मनों ने ख़तरे का बिगुल बजाया । नाज़ी सैनिकों की पलटन की पलटन दौड़ी आई । अफ़सर ने उन्हें जंगल की ओर जाने का हुक्म दिया।

नाज़ियों की पलटन तो उधर गयी और इतने में दूसरी दिशा से छापामार घुड़सवारों की एक टुकड़ी शहर में घुस आयी । छापामारों ने जर्मनों पर दोनों तरफ़ से हमला बोल दिया । नाज़ी चक्की के दो पाटों में पिस गये । एक भी दुश्मन जीता न बचा ...

थोड़े दिनों बाद सोवियत टैंकों के एक दल ने शहर में प्रवेश किया। टैंकवालों ने जो पहली चीज़ देखी , वह थी लेनिन की प्रतिमा । एक बूढ़ा छापामार वहां खड़ा पहरा दे रहा था । उसके हाथ में एक बंदूक थी ।

लेकिन, टैंकवालों के पास बूढ़े से बात करने का वक्त नहीं था। उनके आगे लड़ाइयां लड़ी जा रही थीं। उन्हें वहां पहुंचने की जल्दी थी। कमाण्डर ने छापामार की ओर हाथ हिलाया। फिर, अपने टैंक का ढक्कन बन्द कर लिया। टैंक आगे बढ़ चले। ऊंची पहाड़ी पर खड़े लेनिन अपना हाथ उठाये जिस ओर दिखला रहे थे, वे टैंक उसी दिशा की ओर जाने लगे ......

शब्दावली

लेनिन 列宁
घटना (स्त्री०) 事件
बाइलो रशिया 白俄罗斯
छोर (पु०) 一端，尽头
मदरसा (पु०) 学校
खम्भा (पु०) 柱子
ढालना (स०क्रि०) 铸造
चिकना (वि०) 平滑的，光滑的
चट्टान (स्त्री०) 岩石
प्रतिष्ठित (वि०) 被建立的
 -- करना 建立
सनोवर (पु०) 松树
बगीचा (पु०) 小花园
नाज़ी (पु०) 纳粹
हवाई (वि०) 空中的；航空的
जहाज़ (पु०) 船
 हवाई -- 飞机
गोला (पु०) 枪弹
बरसाना (स०क्रि०) 洒水；扫射
 गोले -- 扫射，射击
तोप (स्त्री०) 大炮
गोलाबारी (स्त्री०) 轰击
 -- करना 轰击
निवासी (पु०) 居民
हथियार (पु०) 武器
छापामार (पु०) 游击队
जर्मन (पु०) 德国人
मार (स्त्री०) 打击，射击
तहस-नहस (वि०) 被毁坏的

-- होना 毁坏

भवन (पु०) 建筑物，房屋

धराशायी (वि०) 倒下的，倒塌的

-- होना 倒塌

उखड़ना (अ०क्रि०) 被挖出；剥落

बर्बाद (वि०) 被破坏的

-- होना 被破坏

साबुत (वि०) 完整的，完全的

नोटिस (पु०) 布告，告示

-- लगाना 贴布告，出告示

नागरिक (पु०) 市民，公民

उड़ाना (स०क्रि०) 使飞，放飞；砍断

गोली से -- 枪毙

मर्द (पु०) 男人

सूना (वि०) 空旷的，无人居住的

लूटमार (स्त्री०) 抢劫

चुपका (पु०) 安静

चुपके से 悄悄地

खिसकना (अ०क्रि०) 溜走，走开

पिछवाड़ा (पु०) 后屋；后院

वृक्ष (पु०) 树

झुरमुट (पु०) 树丛

ध्वस्त (वि०) 被破坏的，被毁坏的

सवेरे (क्रि०वि०) 早晨

मनसूबा (पु०) 心愿

बम (पु०) 炸弹

चीरना (स०क्रि०) 劈；剪；锯

जमाना (स०क्रि०) 收集，聚集

ढूंढ़ना (स०क्रि०) 寻找

नष्ट (वि०) 毁坏了的

-- होना 毁坏

बचना (अ०क्रि०) 避免

से -- 免于…

दबना (अ०क्रि०) 被压

टूटना (अ०क्रि०) 断

सन्तरी (पु०) 哨兵

कान (पु०) 耳朵

-- खड़े करना 警觉，警惕

खड़-खड़ (स्त्री०) 咯咯声

-- होना 发咯咯声

सन्नाटा (पु०) 寂静，沉静

पत्ती (स्त्री०) 树叶

आवाज़ (स्त्री०) 声音

-- करना 发出声响

धुआं (पु०) 烟

नंगा (वि०) 光秃秃的；赤裸的

ढंकना (स०क्रि०) 盖

देशभक्त (वि०) 爱国的
(पु०) 爱国者
आहिस्ता (क्रि०वि०) 慢慢地
आहिस्ते से 慢慢地
जुड़ना (अ०क्रि०) 连接; 结合
बमगोला (पु०) 炸弹
सवाल-जवाब (पु०) 问答;询问,问话
से -- करना 问话
इरादा (पु०) 愿望; 意图
एकाएक (क्रि०वि०) 突然
बुत (पु०) 偶象
काठ (पु०) 木头
-- मार जाना 呆若木鸡
सलामत (वि०) 平安的; 完好的
सही -- (वि०) 完好的,
(क्रि०वि०) 完好地
के मारे 由于; 因为
रिवाल्वर (पु०) 左轮手枪
झपटना (अ०क्रि०) 猛扑
खड़क (स्त्री०) 咯啷声
खड़क खड़क करना 发出咯啷声
दिमाग (पु०) 头脑
-- ठंडा होना 冷静下来

नीचा (वि०) 低的; 下面的
-- करना 放低
दस्ती (वि०) 手的; 有把手的
-- बम (पु०) 手榴弹
सनसनाना (अ०क्रि०) 作呼呼声
बेधना (स०क्रि०) 刺穿, 戳穿
रायफल (स्त्री०) (英) 来福枪
साधना (स०क्रि०) 瞄准
पेट (पु०) 肚子
-- के बल लेटना 匍伏,趴
बिगुल (पु०) 喇叭, 号角
पलटन (स्त्री०) 队, 小队
हुक्म (पु०) 命令
-- देना 命令
घुड़सवार (पु०) 骑兵
टुकड़ी (स्त्री०) 一队
हमला (पु०) 进攻, 攻击
-- बोल देना 发起进攻
चक्की (स्त्री०) 磨子
पाट (पु०) 磨盘
पिसना (अ०क्रि०) 被捣成碎末
चक्की के दो पाटों में पिस जाना 腹背受敌

टैंक (पु०)坦克

दल (पु०)一队; 一群

प्रवेश (पु०)进入; 加入

-- करना 进入; 加入

पहरा (पु०)岗哨, 守卫

-- देना 站岗, 放哨

बंदूक (स्त्री०)步枪

वक्त (पु०)时间

जल्दी (स्त्री०)快

की -- होना 急于…

कमाण्डर (पु०) 指挥官

ढक्कन (पु०) 盖

दिखलाना (स०क्रि०)指示, 指向

टिप्पणियां

1. ··· चारों ओर फूल, फूल और बस फूल ही फूल थे।

१) बस 这里意为" सिर्फ़ " 。

२) ही 用于叠词中间表示强势。又如:

इतवार को बाज़ार में बहुत भीड़ होती है, हर जगह आदमी ही आदमी दिखाई देते हैं।

(星期天市场里人很多, 到处都是人)

2. उनका विचार तो वहां बगीचा लगाने का था, लेकिन वे बगीचा लगा ही नहीं सके···

१) ××× का विचार --- का होना 表示"某人想…"。例如:

मेरा विचार तो आप से मिलने का था, लेकिन काम की वजह से जा नहीं पाया।

(我原打算去看你的, 因为有事没去成)

२) ही नहीं 用于谓语动词之后, 表示"根本没有"、"根本不"。例如:

उस दिन मैं घर पर था ही नहीं ।

（那天我根本不在家）

यह किताब आप ने कभी पढ़ी ही नहीं थीं ।

（这本书您根本没读过）

3. लेकिन सब के सब तो नहीं जा सके ।

सब 用于否定句中，表示“不是所有的”。例如：

हम सब नहीं जाएंगे , सिर्फ़ दो जाएंगे ।

（我们不是都去，只有两人去）

若表示“所有的都不…”则须用 कोई नहीं。例如：

हम लोगों में कोई नहीं जाएगा ।

（我们谁都不去）

4. ... तो जर्मन किन्हीं भी दस सोवियत नागरिकों को पकड़कर गोली से उड़ा देंगे , ...

किन्हीं 为 कोई 的复数带后形式。

5. एक-एक कर पिछवाड़े और वृक्षों के झुरमुटों में से होते हुए , वे जंगल की ओर जानेवाली सड़क पर हो लिये ।

१) ... से होते हुए 意思是“经过…”。

२) हो लेना 这里的意思是“踏上…路”，用作不及物动词。

6. आपस में बिना कुछ बोले वे छहों वहां रुक गये ।

句中 छहों 为 छह 的集数。

7. जर्मन बमों ने उसे बीच से चीर कर दो कर दिया था ।

दो करना 意为“分成两个”，“一分为二”。

8. ऐसा लगता था , मानो जर्मन बमगोले से उसके दो टुकड़े कभी हुए

ही नहीं थे ।

दो टुकड़े होना 意为“被分成两块”。

9. मारे गुस्से के उस नाज़ी का चेहरा लाल हो गया ।

句中 मारे के गुस्से 为 गुस्से के मारे 的倒置，意义不变。

व्याकरण

1. 后置词 का 置于叠词中间表强势

将 का 置于两个重叠的名词、形容词、数词、副词或分词中间，表示强势，起到加强语气的作用。例如：

घर का घर गया और जान की जान गई ।

（家破人亡）

घर के घर में लड़ाई होने लगी ।

（就在家里吵起来了）

वह वहीं खड़ी की खड़ी रह गई ।

（她呆立在那里一动不动）

उसने तो सौ के सौ रुपये उड़ा दिये ।

（他花掉了整整一百卢比）

जब घर पहुंचे तो सब चीजें वहीं की वहीं मिलीं ।

（到家一看，一切原封未动）

उसका मुंह आश्चर्य से खुले का खुला रह गया ।

（他惊得目瞪口呆）

2. 后置词 का 置于重叠的名词中间表示“全部”，例如：

बाढ़ में गांव का गांव बह गया ।

（整个村子都被大水冲了）

घर के घर बर्बाद हो गये ।

（家家户户都被毁了）

यात्रियों का दल का दल चला गया ।

（旅行团的人全都走了）

कहावतें

एक मछली सारे जल को गंदा करती है ।

（一条鱼可以弄脏一池水）

कुत्ता भूंका ही करता है , हाथी चला ही जाता है ।

（尽管狗在叫，大象照样前进；大人不在乎小人的诋毁）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

ढालना	चट्टान	प्रतिष्ठित	जर्मन	धराशायी
उखड़ना	बर्बाद	नोटिस	उड़ाना	लूटमार
पिछवाड़ा	वृक्ष	झुरमुट	ढूंढ़ना	रिवाल्वर
टूटना	खड़-खड़	सन्नाटा	ढंकना	नष्ट
फेंकना	बेधना	पलटन	हुक्म	चक्की
पाट	टैंक	प्रवेश	वक्त	ढक्कन

2. निम्नलिखित वाक्यों को ऊंची आवाज़ से पढ़िये और उन्हें रटने की कोशिश कीजिये :

१) गांव से आनेवाले को जो पहली चीज़ दिखाई पड़ती है, वह लेनिन की यह प्रतिमा ही है ।

२) जब जर्मन शहर में घुसे, तो उनकी तोपों की मार से सारा शहर तहस-नहस हो चुका था ।

३) शहर में आते ही नाज़ी अफ़सर ने पहला काम यह किया कि साबुत बचे हुए मकानों की दीवारों पर नोटिस लगवा दिये ।

४) उसे ऐसा लगा, मानों पहाड़ी पर कुछ खड़-खड़ हो रही हो ।

५) ऐसा लगता था, मानो जर्मन बमगोले से उसके दो टुकड़े कभी हुए ही नहीं थे ।

3. नीचे लिखे वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) उनका विचार तो वहां बगीचा लगाने का था, लेकिन वे बगीचा लगा ही नहीं सके, क्योंकि लड़ाई छिड़ गई थी ।

२) स्त्रियां और बच्चे दूर के सुरक्षित स्थानों में भेज दिये गये ।

३) प्रतिमा नष्ट होने से बच गई थी, लेकिन जल्दी से मिली नहीं ।

४) उन्होंने गिरे हुए सनोवर को उठाया ··· ठीक उसी समय जर्मन सन्तरी ने अपने कान खड़े किये ।

५) पहाड़ी तक पहुंचते ही उस नाज़ी का दिमाग थोड़ा ठण्डा हो गया ।

4. निम्नलिखित वाक्यों का पहले विश्लेषण कीजिये, फिर उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) नोटिसों में कहा गया था कि यदि एक भी जर्मन सिपाही मारा गया , तो जर्मन किन्हीं भी दस सोवियत नागरिकों को पकड़कर गोली से उड़ा देंगे , जो भी दस सोवियत नागरिक मिल जाएंगे , पकड़ लिये जाएंगे ।

२) रात को शहर के वे निवासी , जो पीछे रह गये थे , चुपके से खिसकने लगे । एक एक कर पिछवाड़े और वृक्षों के झुरमुटों में से होते हुए , वे जंगल की ओर जानेवाली सड़क पर हो लिये।

३) आपस में बिना कुछ बोले वे छहों वहां रुक गये । फिर छहों ने एक साथ उस छोटी पहाड़ी की ओर देखा , जहां अभी सबेरे तक लेनिन की प्रतिमा खड़ी थी ।

४) वह चलकर पहाड़ी के पास आया , लेकिन वहां सन्नाटा था, सिर्फ़ टूटे हुए सनोवर की पत्तियां हवा में हिलकर आवाज़ कर रही थीं ।

५) टैंक आगे बढ़ चले । ऊंची पहाड़ी पर खड़े लेनिन अपने हाथ उठाये जिस ओर दिखला रहे थे , वे टैंक उसी दिशा की ओर जाने लगे ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) दिखाई पड़ना
२) बर्बाद होना
३) चुपके से
४) एक मन्सूबे से
५) से बचना
६) के मारे
७) दिमाग ठण्डा होना
८) पेट के बल लेटना
९) हुक्म देना
१०) प्रवेश करना

6. निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची दीजिये :

मर्द   आवाज़   सवाल-जवाब   एकाएक

हुक्म   हमला   के मारे   वक्त

7. नीचे दिये शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

同等水平   特殊情况

破烂衣服   现代文学

无限欢乐   当前任务

不同处境   精神享受

古老建筑   讽刺意味

8. चीनी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

在苏联白俄罗斯有一个小城镇，城边上有一所小学校，学校对面有一个小山，山顶上立着一座列宁的塑像。学生们在塑像周围种了许多花。他们原打算修一座小花园的，但没有修成，因为战争爆发了。一天，纳粹的飞机轰炸了这个小城镇。安放列宁塑像的石座也被炸毁了。塑像也倒了，埋在一棵松树下面。

德国兵进城以前，居民们大部分撤离到附近森林里去打游击。由于某种原因，有六个人留了下来。

德国兵进城以后，大肆抢劫，直到深夜。

到了晚上，留下来的那几个人在学校前面的广场上集合，准备撤离。他们突然发现列宁的塑像被炸毁了，便悄悄地向小山上走去。他们先找到被炸成两半的石座把它们抬到山顶上放在一起，又找到塑像放回原处。然后向森林走去。

第二天早晨，一名德国军官带领两名士兵出来巡视市区。

没走多远，他惊讶地发现，列宁的塑像安然地立在原处，好像从未炸毁过一样。他气急败坏地掏出左轮枪冲向小山，两名士兵也跟在后面跑去。可是一到山前，他冷静了下来。他向士兵要了一颗手榴弹，刚要扔出去，却突然飞来一颗子弹，正好打在他手上。子弹是从森林那边打来的。德国人吹响了警号，一队德国兵立即跑来。军官命令他们向森林进发。正在这时，一队苏联游击队骑兵从另一方面进入市区。游击队从两方面同时向德国人发起攻击。德国人腹背受敌，统统被歼灭了。

几天以后，一队苏联坦克经过市区。坦克兵们看到的第一件东西就是列宁的塑像。一名老游击队员肩上扛着一只步枪守卫在塑像前面。

坦克朝着站在山顶上的列宁所指示的方向继续前进了。

9。 नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) लेनिन की प्रतिमा कहां पर खड़ी है ?

२) देखने में लेनिन की प्रतिमा कैसी लगती है ?

३) मदरसे के विद्यार्थी चाहते थे कि प्रतिमा के आसपास एक बगीचा लगा दें , लेकिन वे क्यों नहीं लगा सके ?

४) नाज़ियों ने उस शान्त नगर पर किस तरह हमला किया ?

५) जब दुश्मन शहर के बहुत पास पहुंच गया , तो शहर के निवासियों ने क्या किया ?

६) जब जर्मन शहर में घुसे , तब उस शहर की क्या हालत थी ?

७) शहर में आते ही नाज़ी अफ़सर ने पहला काम क्या किया ?

८) फिर नाज़ियों ने क्या किया ?

९) उस ध्वस्त नगर के अन्तिम निवासियों ने जब लेनिन की प्रतिमा को नीचे गिरा हुआ देखा , तो उन्होंने सब से पहले क्या किया ?

१०) जब उन्होंने चट्टान के टुकड़ों को जमा कर साथ साथ रख दिया , तो फिर क्या किया ?

११) वह प्रतिमा उनको क्यों जल्दी से नहीं मिली ?

१२) जब उन्होंने गिरे हुए सनोवर को उठाया तब जर्मन सन्तरी ने क्या किया ?

१३) इस के बाद उन छहों सोवियत देशभक्तों ने क्या किया ?

१४) दूसरे दिन सबेरे जब जर्मन अफ़सर शहर देखने निकला , तो वह क्यों बुत की तरह खड़ा रह गया ?

१५) उस नाज़ी ने गुस्से में आ कर क्या किया ?

१६) वह दस्ती बम प्रतिमा पर क्यों नहीं फेंक सका ?

१७) नाज़ी क्यों चक्की के दो पाटों में पिस गये ?

१८) थोड़े दिनों बाद जब सोवियत टैंकवालों ने शहर में प्रवेश किया तो उन्होंने पहली चीज़ क्या देखी ?

१९) फिर वे टैंक किस दिशा की ओर जाने लगे ?

२०) इस कहानी को पढ़कर आप को क्या शिक्षा मिली ?

10. इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

11. नीचे बताये गये पैराग्राफ़ों को रटकर सुनाइये :

" दूसरे दिन सबेरे..." से लेकर अन्त तक

12. किसी लड़ाई के विषय पर एक लेख लिखिये ।

दूसरा पाठ

मज़दूर से मंत्री

मुझ में परिस्थितियों से संघर्ष करने की जो आदत पैदा हुई, वह बचपन में झेली गई कठिनाइयों का ही परिणाम है। मेरे पिता वर्धा में एक बड़े व्यापारी थे। चावल के व्यापार में बहुत बड़ा घाटा होने से उनका व्यवसाय बिगड़ गया। जो बचा, उसको पिता के देहान्त के बाद चाचा नहीं संभाल सके और जायदाद को हड़पने की कामना से उस पर अधिकार करके बैठ गये। इसी हेतु मुझे वर्धा से हटाकर लखनऊ में उन्होंने अपने पास रख लिया।

उनका व्यवहार मेरे साथ बड़ा ही कठोर था। घर में चाकरों से भी ज़्यादा कठिन काम लिया जाता और तनिक-सी भूल होने पर इतनी बुरी पिटाई होती कि आज भी उसको याद करके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस संकट से मुक्ति पाने के लिये मैंने घर छोड़ने का मन-ही-मन फ़ैसला कर लिया और केवल पहने हुए दो कपड़ों के साथ घर से निकल कर कानपुर चला आया। उस समय मेरे पास केवल चौदह पैसे थे।

कानपुर में आकर बड़ी कठिनाई से एक मिल में झाड़ू लगाने की नौकरी प्राप्त हुई। रहने के लिये जब कहीं जगह न मिली तो मैं मरघट में पहुंचा। यहां दो कब्रें बनी हुई थीं और एक कब्र के लिये ख़ाली जगह छोड़ी गई थी। इसी ख़ाली जगह में मैंने एक छोटी-सी झोंपड़ी बना

ली और उसी में लगभग दो साल ज़िन्दगी बिताई ।

धीरे-धीरे काम बदलता गया और पैकिंग-खाते में मुझे रख लिया गया ।

इन्हीं दिनों एक रिटायर्ड अंग्रेज़ सैनिक अफ़सर, जो मिल के चौकीदारों का ऊपरी था, से मुठभेड़ हो गयी । कुछ अंग्रेज़ बच्चे एक मैदान में फुटबाल खेल रहे थे । उनकी गेंद हमारे सामने रास्ते पर आ पड़ी । मैंने उसको ठोकर मार दी, वह कुछ दूर चली गयी । इस से गेंद खेलने वाले बच्चे नाराज़ हुए और गाली देने लगे । मैंने उन्हें पकड़ कर पीट दिया । इस पर वह अंग्रेज़ पागल कुत्ते की तरह गुर्राया और मुझ पर हमला किया।। मैं भी अखाड़े के कुछ दांव-पेंच जानता था । उसे गिरा दिया और दो-चार घूंसे जमा दिये । खिलाड़ी बच्चे उसकी मदद करने और मुझे मारने के लिये दौड़े, लेकिन मैं भाग निकला ।

इस प्रकार कानपुर में जैसे-तैसे दिन कट रहे थे कि मुझे खोजते हुए चाचा के लड़के ने एक दिन झोंपड़ी में मुझे आ पकड़ा । मैं इस शर्त पर लौटने को राज़ी हुआ कि मुझे पीटा न जाएगा और अपनी मां के पास वर्धा पहुंचा दिया जाएगा ।

मां के पास वर्धा तो चला आया, परन्तु संकटों की लम्बी यात्रा का नया अध्याय अब शुरू होने को था । वर्धा की सारी सम्पत्ति पर चाचा के लड़के अधिकार किये हुए थे । मां बहुत तकलीफ़ में थीं । मेरी छोटी बहन भी मां के साथ ही रहती थी । अब हम तीन प्राणी हो गये । मैं दिनभर काम-काज की खोज में फिरता रहता ।

चौदह पैसे की पूंजी लेकर घर से निकलने के बाद मैंने जिस संघर्ष में दिन बिताए कुछ उससे भी अधिक संघर्ष मुझे वर्धा आने के बाद करना

पड़ा । छोटा शहर था ; न मिल , न कारखाना । यहां झाड़ू लगाने की नौकरी भी प्राप्त नहीं हुई ।

काम की खोज करते-करते मैं टाइप सिखानेवाले की दुकान में पहुंचा । घर के तांबे के बर्तन बेचकर उन्हें फ़ीस के पैसे दे दिये और मैं टाइप सीखने लगा । जो काम दूसरे लोग तीन महीने में सीखते , वही मैंने लगन से एक महीने में सीख लिया ।

दौड़-धूप करके ज़िला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में टाइपिस्ट का काम साढ़े अठारह रुपये महीने के वेतन पर मिल गया । मेरे लिये यह नौ-करी " अंधे को लकड़ी का सहारा " सिद्ध हुई । इसी तरह घर-गृहस्थी का ख़र्च चलने लगा और पुराने कर्ज़ भी चुका दिये गये । मिट्टी के बर्तनों का स्थान तांबे के बर्तनों ने ले लिया ।

लेकिन मेरे जीवन का ध्येय तो कुछ और ही था । मुसाफ़िरी लंबी और मार्ग मज़ेदार ।

राष्ट्र-प्रेम और देश-सेवा की उत्कट भावना ऐसी थी जिसे मुश्किलें और मां-बहन की ज़रूरतें भी नहीं रोक सकीं । मैं कांग्रेस के असहयोग-आन्दोलन में शामिल हो गया और नौकरी त्याग दी । यह जीवन का नया चरण था । कई जेलों की हवा खाई । बम्बई में शराब के विरुद्ध पिकेटिंग करते समय टांग में गोली लगी और यहां तक कि टांग कटने की नौबत आ पहुंची थी परन्तु भाग्य से बच गई । मज़दूरों से मेरा वि-शेष लगाव था , क्योंकि मैं भी स्वयं एक मज़दूर था । अतएव मज़दूर-आन्दोलनों को संगठित करने का बीड़ा मैंने उठाया ।

मेरे स्वभाव की सबसे बड़ी ख़ासियत यह रही है कि मैं जिस काम को करने की ठान लेता उस में जुट जाता और उसको पूरा किये बिना

दम नहीं लेता । इतना उद्यमी नहीं होता तो मेरी कमर कभी की टूट गई होती। जिसको दुनिया हठ कहती है, उसको मैं अपना सबसे बड़ा गुण मानता हूं। मैं अपनी ज़िन्दगी के निचोड़ को तीन शब्दों में " मज़दूर से मंत्री " कहा करता हूं। इसमें मज़दूरी का ही पलड़ा भारी है। परिश्रम और ईमानदारी पर अड़े रहकर सद्भावना आदि हर समय और हर अवस्था में निभाने की कोशिश करता रहा। पिता की गोद में तो मैं अधिक नहीं खेला परन्तु मां की छाया में मुझे बहुत-कुछ सीखने को मिला। मैंने देखा कि बड़ी-से बड़ी विपत्ति में भी वह चट्टान की तरह अटल रहीं। कुछ कर सका हूं, उसके लिये उनका जितना भी उपकार मानूं, थोड़ा है।

(आबिद अली के मूल से संक्षिप्त)

शब्दावली

झेलना (स०क्रि०)经受，遭受
  कठिनाई -- 遭受困难
परिणाम (पु०) 结果
व्यवसाय (पु०) 企业，商业
बिगड़ना (अ०क्रि०) 毁坏;败落
जायदाद (स्त्री०) 财产
हड़पना (स०क्रि०) 侵吞；夺取
कामना (स्त्री०) 愿望，欲望
अधिकार (पु०) 权力；掌握
  पर -- करना 掌握，控制

हेतु (पु०) 原因，理由
  इस -- 因此，所以
वर्धा 瓦尔塔（地名）
हटाना (स०क्रि०) 使离开；移开
लखनऊ 勒克瑙（地名）
कठोर (वि०) 严酷的；粗暴的
चाकर (पु०) 佣人，仆人
काम (पु०) 工作；使用，利用
  से -- लेना 使用，利用
तनिक (वि०) 小的，一点点的

बुरा (वि०) 恶毒的; 惨痛的
पिटाई (स्त्री०) 打, 殴打
रोंगटा (पु०) 汗毛
    रोंगटे खड़े हो जाना 毛骨悚然
संकट (पु०) 危难; 困境
फ़ैसला (पु०) 决定
    का -- करना 决定…
कानपुर 坎普尔(地名)
झाड़ू (पु०) 扫帚
    -- लगाना 扫地
मरघट (पु०) 火葬场; 坟地
क़ब्र (स्त्री०) 坟墓
पैकिंग (पु०) 包装
खाता (पु०) 部门
    पैकिंग -- 包装部
रिटायर्ड (वि०) 退休的
चौकीदार (पु०) 守卫, 看守人
ऊपरी (पु०) 上级; 领导
मुठभेड़ (स्त्री०) 交手; 冲突, 争执
    से -- होना 与…交手(冲突)
फ़ुटबाल (पु०) 足球
    -- खेलना 踢足球
ठोकर (स्त्री०) 踢
    -- मारना 踢

पागल (वि०) 疯狂的
कुत्ता (पु०) 狗
गुर्राना (अ० क्रि०) 吼叫, 狂吠
अखाड़ा (पु०) 摔跤场
दांव-पेंच (पु०) (比武)架式
घूंसा (पु०) 拳头
    -- जमाना 用拳头殴打
खिलाड़ी (वि०) 玩耍的
कटना (अ० क्रि०) (时间)度过
    दिन -- 过日子
खोजना (स० क्रि०) 寻找
शर्त (स्त्री०) 条件
    इस -- पर 在这个条件下
अध्याय (पु०) 章, 节(书籍)
तकलीफ़ (स्त्री०) 困难, 麻烦
प्राणी (पु०) 人
फिरना (अ० क्रि०) 转悠
खोज (स्त्री०) 寻找, 找
    की -- करना 找…
पूंजी (स्त्री०) 本钱; 资本
टाइप (पु०) 打字
तांबा (पु०) 铜
फ़ीस (स्त्री०) 费, 学费
दौड़-धूप (स्त्री०) 奔走, 奔忙

-- करना 奔走

ज़िला (पु०) 区，县

कार्यालय (पु०) 办公室

टाइपिस्ट (पु०) 打字员

अंधा (पु०) 盲人，瞎子

सिद्ध (वि०) 被证实的

कर्ज़ (पु०) 债，债务

चुकाना (स०क्रि०) 偿还

कर्ज़ -- 偿还债务

स्थान (पु०) 地方

का -- लेना 代替，取代

ध्येय (पु०) 目标，目的

मुसाफ़िरी (स्त्री०) 旅程；旅行

मार्ग (पु०) 道路

मज़ेदार (वि०) 有趣味的；愉快的

राष्ट्र-प्रेम (पु०) 爱国

देश-सेवा (स्त्री०) 为国家服务

उत्कट (वि०) 强烈的；热烈的

असहयोग (पु०) 不合作

-- आंदोलन 不合作运动

त्यागना (स०क्रि०) 放弃

जेल (पु०) 监狱，监牢

हवा (स्त्री०) 风

जेल की -- खाना 坐牢

शराब (स्त्री०) 酒

पिकेटिंग (स्त्री०) 纠察，警戒

-- करना 担任纠察、警戒任务

नौबत (स्त्री०) 境况，情况

की -- आना (पहुंचना ，आ पहुंचना) 情况发展到…

लगाव (पु०) 联系，关系

अतएव ═══ इसलिये

संगठित (वि०) 组织起来的

-- करना 组织

बीड़ा (पु०) 槟榔包

का -- उठाना (लेना) 担负…工作

ख़ासियत (स्त्री०) 特点

जुटना (अ०क्रि०) 认真从事…

उद्यमी (वि०) 勤奋的，勤劳的

कमर (स्त्री०) 腰

-- टूटना 丧失信心；无所依靠

हठ (पु०) 固执，执拗

निचोड़ (पु०) 精髓；要素；总结

मज़दूरी (स्त्री०) 做工

पलड़ा (पु०) 秤盘，天平盘

--भारी होना 占优势，占上风

ईमानदारी (स्त्री०) 诚实；忠诚

सद्भावना (स्त्री०) 善意，诚意

अवस्था (स्त्री) 情况

हर -- में 在任何情况下

निभाना (स०क्रि०)保持，维持

छाया (स्त्री०) 影子

की -- में 在…庇护下

विपत्ति (स्त्री०) 灾难

अटल (वि०) 坚定不移的

-- रहना 坚定不移

उपकार (पु०) 好处；恩惠

का -- मानना 对…感恩

टिप्पणियां

लेखक-परिचय —— श्री आबिद अली भारत सरकार के श्रम मंत्रालय में उपमंत्री के पद पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने अपना जीवन किस प्रकार इतना ऊंचा उठाया है, इस का वर्णन उन्होंने अपनी आत्मकथा में दिया है। उसी का एक अंश यहां दिया गया है।

1. **जो बचा, उसको पिता के देहान्त के बाद चाचा नहीं संभाल सके और जायदाद को हड़पने की कामना से उसपर अधिकार करके बैठ गये।**

   句中**बैठना** 意为“占有”、“当家作主”。

2. **उसे गिरा दिया और दो-चार घूंसे जमा दिये।**

   दो-चार 为不定数词，意思是“两三个”、“三四个”。

   印地语中用两个基数词作为不定数词时，两个基数词可以相邻，如**दो-तीन**（两三个），**चार-पांच**（四五个）；也可相隔，如**दस-बारह**（十一二个），而且可以大小数倒置，如**सात-पांच**（五六个，六七个），**दस-आठ**（十来个）。

3. **खिलाड़ी बच्चे उसकी मदद करने और मुझे मारने के लिये दौड़े, लेकिन मैं भाग निकला।**

句中 निकलना 作为复合动词与 भागना 连用，相当于भाग जाना ，意思是“跑掉”。

4. मेरे लिये यह नौकरी " अंधे की लकड़ी का सहारा " सिद्ध हुई ।

" अंधे की लकड़ी का सहारा " 意思是“瞎子有了拐杖的依靠”亦即“瞎子有了拐杖”，“生活有了依靠”。

5. लेकिन मेरे जीवन का ध्येय तो कुछ और ही था ।

कुछ और 意为“另外的”、“其它的”、“不同的”。

6. बम्बई में शराब के विरुद्ध पिकेटिंग करते समय टांग में गोली लगी और यहां तक कि टांग कटने की नौबत आ पहुंची थी ...

句中 यहां तक कि ... 意思是“甚至…”，“以至…”。

मुझे जाने की बहुत जल्दी थी और यहां तक कि बिना किसी से कहे भाग निकला ।

（我当时急于要去，甚至没有跟谁说一声就跑了）

काम बहुत अधिक था ，यहां तक कि देर रात तक पूरा नहीं कर पाया ।

（工作太多了，以至到深夜都没做完）

7. अतएव मज़दूर-आन्दोलनों को संगठित करने का बीड़ा मैंने उठाया ।

按印度古代宫廷习俗，凡有重大任务需人承担时，便召集宫廷会议，将槟榔包置于众人面前，谁愿承担谁就取槟榔包。成语बीड़ा उठाना 由此而来。

8. ... उसको पूरा किये बिना दम नहीं लेता ।

बिना 加过去分词和 दम न लेना 连用表示“不…不罢休”、“非…不可”，与完成分词+ ही 和दमलेना 连用意义相同。这句话也可

以说 उसको पूरा कर के ही दम लेता 。

9. इतना उद्यमी नहीं होता तो मेरा कमर कभी की टूट गयी होती ।

句中 कभी की 为一习语，用作状语，意思是“早已”、“早就”。其基本形式为 कब का 。本句用 कभी，表示加强语气。

（参阅上册第15课注1）

10. सत्- （सद्-，सज्-）（梵）

前缀，表示“好”，“善”。例如：

सत् + कर्म ——→ सत्कर्म 好事

सद् + भावना ——→ सद्भावना 善意

सज् + जन ——→ सज्जन 君子

-आलय （梵）

后缀，表示处所。例如：

कार्य + आलय ——→ कार्यालय 办公室

भोजन + आलय ——→ भोजनालय 食堂

पुस्तक + आलय ——→ पुस्तकालय 图书馆

व्याकरण

1. 不定式 + को 作表语

动词不定式加 को 作表语，与 होना 连用，构成一个特定的时态，即表示即将发生的动作。例如：

वह आज आने को है ।

（他今天要来）

अब पाँच बजने को है।

（快五点钟了）

मैं लौटने को था कि वह आया।

（我正要回去时他来了）

这个用法在时间概念上与不定式加वाला与होना连用相通。

2. 独立分词（1）

独立分词是印地语特有的一种语法现象，从形式上看它属于过去分词，但其用法与含义不同于一般的过去分词。独立分词有以下三个特征：①必须由及物动词构成；②固定用过去分词的阳复形式；③只能作为谓语的一部分，与 होना，देना，लेना 等连用。独立分词与不同的动词连用，表示不同的含义。这里先讲最常见的一种形式，即与 होना 连用。

独立分词与होना 连用，说明主语的状态，即某种动作完成之后仍然处于那种状态之中。例如：

आज वह नया कपड़ा पहने हुए है।

（今天他穿着一件新衣服）

注意：① होना的性、数与主语一致，时态依所述时间变；②独立分词多用繁式，也可用简式。再看几个例句：

उस दिन वह नया कपड़ा पहने था।

（那天他穿着一件新衣服）

अब वह घर का सारा बोझ संभाले हुए है।

（现在他一个人支撑着这个家）

मैं लज्जा से गर्दन झुकाये हुए थी।

（我不好意思地低着头）

सशस्त्र पुलिस संगीनें चढ़ाये हुए है ।

（武装警察的枪都上了刺刀）

कहावतें
काम ही कारीगर बनाता है ।
（熟能生巧）
अंधे के आगे हीरा कंकड़ बराबर ।
（对瞎子来说宝石和砖瓦都一样）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

झेलना	परिणाम	हड़पना	लखनऊ	झाड़ू
कब्र	दौड़-धूप	मजिस्ट्रेट	गुर्राना	प्राणी
टाइप	रिटायर्ड	मुठभेड़	कार्यालय	टाइपिस्ट
चरण	पिकेटिंग	अतएव	बीड़ा	सद्भावना

2. निम्नलिखित वाक्यों को ऊंची आवाज़ से पढ़िये और उन्हें रटने की कोशिश कीजिये :

१) मुझ में परिस्थितियों से संघर्ष करने की जो आदत पैदा हुई, वह बचपन में झेली गयी कठिनाइयों का ही परिणाम है ।

२) खिलाड़ी बच्चे उसकी मदद करने और मुझे मारने के लिये दौड़े, लेकिन मैं भाग निकला ।

३) इस प्रकार कानपुर में जैसे-तैसे दिन कट रहे थे कि मुझे खोजते हुए चाचा के लड़के ने एक दिन झोंपड़ी में मुझे आ पकड़ा ।

४) जो काम दूसरे लोग तीन महीने में सीखते , वही मैंने लगन से एक महीने में सीख लिया ।

५) दौड़-धूप कर के ज़िला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में टाइपिस्ट का काम साढ़े अठारह रुपये महीने के वेतन पर मिल गया ।

3. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) माँ के पास वर्धा तो चला आया , परन्तु संकटों की लम्बी यात्रा का नया अध्याय अब शुरू होने को था ।

२) मैं दिन भर काम-काज की खोज में फिरता रहता ।

३) मेरे लिये यह नौकरी " अंधे को लकड़ी का सहारा " सिद्ध हुई।

४) मिट्टी के बर्तनों का स्थान तांबे के बर्तनों ने ले लिया ।

५) लेकिन मेरे जीवन का ध्येय तो कुछ और ही था ।

4. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) घर में चाकरों से भी ज़्यादा कठिन काम लिया जाता और तनिक-सी भूल होने पर इतनी बुरी पिटाई होती कि आज भी उसको याद करके रोंगटे खड़े हो जाते हैं ।

२) चौदह पैसे की पूंजी लेकर घर से निकलने के बाद में जिस संघर्ष में दिन बिताए कुछ उस से भी अधिक संघर्ष मुझे वर्धा आने के बाद करना पड़ा ।

३) राष्ट्र-प्रेम और देश-सेवा की उत्कट भावना ऐसी थी जिसे मुश्किलें और माँ-बहन की ज़रूरतें भी नहीं रोक सकीं ।

४) बम्बई में शराब के विरुद्ध पिकेटिंग करते समय टाँग में गोली लगी और यहाँ तक कि टाँग कटने की नौबत आ पहुँची थी, परन्तु भाग्य से बच गयी ।

५) मेरे स्वभाव की सब से बड़ी ख़ासियत यह रही है कि मैं जिस काम को करने की ठान लेता उसमें जुट जाता और उसको पूरा किये बिना दम नहीं लेता ।

5. नीचे दिये शब्दों या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) कठिनाई झेलना	६) खोज करना
२) अधिकार करना	७) दौड़-धूप करना
३) काम लेना	८) स्थान लेना
४) फ़ैसला करना	९) अड़ा रहना
५) इस शर्त पर	१०) हर अवस्था में

6. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

下令停火	谈论哲学
等待时机	整理房间
满足愿望	安排食宿
招待朋友	准备起程
迎接外宾	乞求援助
保持关系	动机不良

7. निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची बताइये :

परिणाम देहान्त कामना चाकर

तनिक　　पीटना　　तकलीफ़　　ध्येय

8. चीनी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

我小时候住在瓦尔塔。父亲是个商人，做大米生意。父亲死后，家产被叔父夺去。叔父把我带到勒克瑙。他待我很不好，让我干重活，还常常打我。我受不了，便偷偷跑到坎普尔去，在一家工厂里扫地。没地方住，便在坟地里盖了一间小茅屋。在那里住了两年。我的工作经常调换，最后到了包装车间做工人。

一天，我叔父的儿子找到了我，我又回到母亲身边。母亲当时生活很苦。我整天出去找工作，可瓦尔塔是个小城市，工作很难找。我便去学打字。学会了打字，便做打字员的工作，月薪十八个半卢比。我们的日子好起来了。可我并不满足。我生活的目标是为国家效力。我参加了反对英国人的不合作运动。为此几次坐牢，腿上中过子弹。因为我当过工人，跟工人有特殊关系，所以我就担负起了组织工人运动的工作。

正因为我童年时期遭受那么多苦难，才养成了我与环境作斗争的习惯。只要我决定了的事情，就非完成不可。当然，我从母亲身上也学到了很多东西。无论在任何困难情况下，她永远是那样坚定不移。正是母亲给了我力量，才使我在人生道路上取得一些成绩。

9. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) लेखक का परिवार कैसा था ?

२) वर्धा से वह लखनऊ क्यों गया ?

३) फिर वह कानपुर क्यों चला गया ?

४) कानपुर में उसका जीवन कैसा था ?

५) एक रिटायर्ड अंग्रेज़ सैनिक अफ़सर से उसकी मुठभेड़ क्यों हो गई ?

६) वह वर्धा लौटने को क्यों राज़ी हुआ ?

७) वर्धा में उसका जीवन कैसा था ?

८) वह क्यों टाइप सीखने लगा ?

९) टाइपिस्ट का काम मिलने के बाद उसके जीवन में क्या परिवर्तन हुआ ?

१०) वह कांग्रेस के असहयोग-आन्दोलन में क्यों शामिल हो गया ?

११) आन्दोलन में उसने क्या क्या कठिनाइयां झेलीं ?

१२) उसने मज़दूर-आन्दोलनों को संगठित करने का बीड़ा क्यों उठाया ?

१३) उसके स्वभाव की सब से बड़ी ख़ासियत क्या थी ?

१४) लेखक अपनी ज़िन्दगी के निचोड़ को तीन शब्दों में "मज़दूर से मंत्री" क्यों कहा करता था ?

१५) लेखक ने अपनी मां से क्या-क्या सीखा था ?

१६) इस लेख पर अपने विचार बताइये ।

10. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

11. इस पाठ के अंतिम दो पैराग्राफ़ों को —— " राष्ट्र-प्रेम और देश-सेवा की उत्कट भावना ऐसी थी..." से अन्त तक रटकर सुनाइये ।

12. चीन के किसी क्रान्तिकारी की कहानी सुनाइये ।

तीसरा पाठ

हसे-बसे

दो दोस्त थे हंसि-बसि । हंसि गाय का बछड़ा था और बसि शेर का बेटा । एक ही गुफ़ा में उनका जन्म हुआ । साथ-साथ खेले और बढ़े हुए थे । दोनों में खूब प्रेम था । दोनों एक-दूसरे पर जान देते थे ।

जंगल में चरती हुई गाय गोमती पर एक शेरनी ने हमला किया । उस समय गोमती गर्भवती थी । गोमती को अपने से ज्यादा अपने गर्भ के जीव की चिन्ता थी । उसने शेरनी से प्रार्थना की , " मुझे प्रसव होने तक ज़िन्दा रहने की मोहलत दो । " संयोग से शेरनी भी गर्भवती थी । समान स्थिति में होने के कारण गोमती की भावना शेरनी समझ गई और उसे प्रसव होने तक ज़िन्दा रहने की अनुमति दे दी , परन्तु इस शर्त पर कि गोमती को उसी के साथ गुफ़ा में रहना पड़ेगा। गोमती ने शर्त स्वीकार कर ली और शेरनी के साथ रहने लगी । तभी गोमती ने हंसि को जन्म दिया और शेरनी ने बसि को । साथ जन्मे,साथ पले हंसि-बसि में सगे भाई जैसा प्यार हो गया । दोनों एक-दूसरे के बिना एक क्षण भी नहीं रहते थे ।

कुछ दिन के बाद शेरनी ने गोमती को अपना वादा याद दिलाया । उदास मन से गोमती तैयार हो गई । उस दिन गोमती ने हंसि से कहा, " बेटा ! मैं आज दूर जा रही हूं , उस पत्थर के प्याले में दूध रखा

है , शाम को तू पी लेना और यदि दूध का रंग रक्त जैसा लाल हो जाए तो समझ लेना मैं मर गई हूं ।" यह सुनकर हंसि बहुत दुखी हुआ ।

गोमती शेरनी के साथ दूर घने जंगल में गई और शेरनी ने उसे अपना आहार बना लिया । इधर शाम होते-होते गोमती नहीं लौटी । हंसि ने कटोरे में देखा कि दूध की जगह रक्त था । उसे पक्का विश्वास हो गया कि उसकी मां गोमती मर गई है । बेचारा बहुत दुःखी था । उसे उदास और दुःखी देखकर बंसि भी बहुत उदास था । शेरनी अकेली लौटी तो बंसि ने मां से गोमती के बारे में पूछा । शेरनी ने इधर-उधर की बातों से प्रश्न टाल दिया परन्तु बंसि को पक्का विश्वास हो गया कि गोमती को अवश्य उसकी मां शेरनी ने ही मार डाला है ।

शाम का समय था हंसि-बंसि दोनों ही भूखे थे । शेरनी ने बंसि से अपना स्तन-पान करने का आग्रह किया परन्तु बंसि ने हठ किया कि जब तक उसकी मां शेरनी हंसि को सामने के पोखर के पास की हरी-हरी कोमल घास लाकर नहीं खिलाएगी वह भी स्तन-पान नहीं करेगा । अन्ततः शेरनी को पुत्र की ज़िद माननी पड़ी और वह घास लाने के लिये पोखर के ढलान की ओर उतरी । तभी बंसि ने शेरनी को ज़ोर का धक्का दिया, उसका मुंह सामने के पत्थर से टकराया और शेरनी की तत्काल मृत्यु हो गयी ।

अब तो हंसि-बंसि दोनों एक जैसे निराश्रित हो गये थे । परस्पर एक-दूसरे के रक्षक और सहायक थे । बंसि को हंसि की ज़्यादा चिन्ता थी । उसे सदैव डर लगा रहता था कि इतने बड़े जंगल में कोई भी हिंसक पशु हंसि को मार सकता है । आखिर बंसि को एक उपाय सूझा । उसने एक घंटी लाकर हंसि के गले में बांध दी और कहा कि, " कोई संकट

आ पड़े तो ज़ोर से घंटी बजाना । मैं फ़ौरन तुम्हारी सहायता के लिये आ पहुंचूंगा । " इस योजना के बाद बैल कुछ निश्चिंत हो गया।

एक दिन घास चरते-चरते हंस को शरारत सूझी और उसने ज़ोर से घंटी बजाना शुरू किया । दूर जंगल में शिकार पर झपटते हुए बैल ने घंटी सुनी और वह अपना शिकार छोड़कर हंस की सहायता के लिये दौड़ा और कुछ ही मिनटों में हंस के पास आ पहुंचा । बैल को परेशान देखकर हंस हंसता रहा । बैल के पूछने पर उसने कहा , " मैं तो यूं ही तुम्हारी परीक्षा ले रहा था । " दोनों मित्र हंसते-हंसते घर पहुंचे । उस दिन बैल को भूखा ही सोना पड़ा ।

कुछ दिन के बाद एक दिन हंस की घंटी फिर ज़ोर-ज़ोर से बजने लगी । बैल ने अनसुनी कर दी , यही सोचकर कि हंस को हरदम शरारत ही सूझती है । कुछ देर के बाद बैल घूमता हुआ हंस के हरी घास के मैदान की ओर आया । देखकर उसका कलेजा धक् रह गया कि उसके मित्र हंस को मारकर कुछ जंगली लोग उसके टुकड़े कर रहे थे और पास में जला रखी आग में भूनने की तैयारी कर रहे थे । बैल क्रोध में पागल हो गया । वह ज़ोर से दहाड़ा और लोगों पर टूट पड़ा । लोग डर के मारे कांपने लगे । बैल ने लोगों से कहा कि उन्होंने उसके मित्र हंस को मारकर अच्छा नहीं किया है । यदि वे अपनी जान की ख़ैर चाहते हैं तो अब भी उसके शरीर को खाएं नहीं, बल्कि आग में जला दें । उन लोगों ने वैसा ही किया । इधर बैल ने भी आग में छलांग लगाई और क्षण भर में अपने मित्र हंस के साथ हमेशा के लिये भस्म हो गया ।

शब्दावली

हरि　小牛名

बलि　小狮子名

बछड़ा (पु०) 小牛，牛犊

गुफ़ा (स्त्री०)山洞；窑洞

जान (स्त्री०) 生命

　पर -- देना 非常喜欢…

चरना (स०क्रि०) (牲畜)吃青草

गोमती　母牛名

शेरनी (स्त्री०) 母狮

गर्भवती (वि०) 怀孕的

　(स्त्री०)孕妇

गर्भ (पु०) 胚胎；子宫

जीव (पु०)生命；生物

चिन्ता (स्त्री०)担心；忧虑

　की -- होना 担心…，忧虑…

प्रसव (पु०) 分娩

मोहलत (स्त्री०) 期限

अनुमति (स्त्री०) 允许

　की -- देना 允许…

जन्मना (अ०क्रि०)出生，诞生

पलना (अ०क्रि०)被养育，被抚养

सगा (वि०)亲生的，同母的

वादा (पु०)诺言

याद (स्त्री०)记忆，回忆

　-- दिलाना 提醒

प्याला (पु०)杯，小碗

रक्त (पु०) 血

घना (वि०) 浓密的

आहार (पु०)食物

कटोरा (पु०)碗，杯

पक्का (वि०)成熟了的；坚决的

इधर-उधर (क्रि०वि०) 四处，这儿那儿

　-- की बातें 东拉西扯

टालना (स०क्रि०)移开；规避

भूखा (वि०)饥饿的

स्तन-पान (पु०)吮吸(母亲的奶)

　-- करना 吮吸(母亲的奶)

आग्रह (पु०) 要求

　से...का -- करना 要求…

पोखर (पु०) 水池

कोमल (वि०)柔软的，嫩的

अंततः (क्रि॰वि॰)最后

ज़िद (स्त्री॰) 固执,坚定的要求

ढलान (पु॰)斜坡

धक्का (पु॰) 推

-- देना 推,

टकराना (अ॰क्रि॰) 碰，撞

निराश्रित (वि॰)无依靠的

रक्षक (पु॰) 保护者

सदैव (क्रि॰वि॰) 经常，总

सूझना (अ॰क्रि॰) 想，想出

निश्चिन्त (वि॰)无忧虑的

शरारत (स्त्री॰) 调皮;恶作剧

परीक्षा (स्त्री॰)考试; 考验

की -- लेना 考验…

अनसुनी (स्त्री॰) 装没听见

-- करना 装没听见,不理睬

कलेजा (पु॰) 心脏，心

धक् (स्त्री॰)心房的跳动

कलेजा -- रह जाना

胆战心惊，十分惶恐

टुकड़ा (पु॰)一块,一段,一节

के टुकड़े करना 分成几块

भूनना (स॰क्रि॰) 烤，烘

दहाड़ना (अ॰क्रि॰)咆哮,吼叫

टूटना (अ॰क्रि॰) 断，折

पर टूट पड़ना 向…猛扑

कांपना (अ॰क्रि॰)发抖

ख़ैर (स्त्री॰)安宁，平安

जान की -- चाहना

想保住性命，想活命

हमेशा (क्रि॰वि॰) 经常

-- के लिये 永远

टिप्पणियां

1. बंसे के पूछने पर उसने कहा , "मैं तो यूंही तुम्हारी परीक्षा ले रहा था । "

१) 不定式的动作发出者若为有生命名词时，须加का。例如：

मेरा जाना ज़रूरी है ।

（我去是必要的）

२) पूछने पर 意为 पूछने के बाद 。

2. कुछ दिन के बाद एक दिन हंस की घंटी फिर ज़ोर-ज़ोर से बजने लगी ।

句中ज़ोर重叠表示强势，意即बड़े ज़ोर से 。

3. बंसे ने अनसुनी कर दी , यही सोचकर कि हंस को हरदम शरारत ही सूझती है ।

१) 本句是个倒装句，按正常词序应为 बंसे ने यही सोच कर कि ... अनसुनी कर दी 。

२) 完成分词 सोचकर 与谓语动词所表示的动作是因果关系。这句话的意思是“因为想到…，所以…”。

4. देखकर उसका कलेजा धक् रह गया कि उसके मित्र हंस को मार कर कुछ जंगली लोग उसके टुकड़े कर रहे थे और पास में जला रखी आग में भूनने की तैयारी कर रहे थे ।

१) 由 कि引导的从句是主句中的完成分词 देखकर 的宾语从句，相关词 यह 省略。

२) पास में जला रखी 意思是पास में जला कर रखी（点着以后放在旁边的）。

5. ... यदि वे अपनी जान की ख़ैर चाहते हैं तो अब भी उसके शरीर

को खाएं नहीं , बल्कि आग में जला दें ।

句中 अब भी 本意是“即使现在也…”，这里的意思是“尽管已经杀死了他，也不要把他吃掉，而是…”。

主句谓语动词用虚拟语气表示祈使。

6. उन लोगों ने वैसा ही किया ।

这句话的意思是“他们就照他说的做了”，后面可理解为省略了 जैसा उसने कहा 。

7. -आ（印）

后缀。将名词变为形容词。例如：

भूख	——	भूखा	饥饿的
प्यास	——	प्यासा	渴的
ठंड	——	ठंडा	冷的

-तः（梵）

后缀。将名词、形容词变为副词。例如：

अंत	——	अंततः	最后
विशेष	——	विशेषतः	特别地
फल	——	फलतः	结果，因此

व्याकरण

语气词 भी 小结

语气词是一种虚词。它本身不是句子的成分，但当它和实词连用时，却能表示出其它词类不能取代的各种语气意味。

भी是语气词的一种，可表示多种含义。这里将主要的几种作一小结。

1）表示类同关系

语气词 भी 用于某一成分后面，表示该成分与另一相同的成分相比，有类同关系。有汉语“也”的意思。这是 भी 的基本含义和主要用法。

लोग उसकी ओर देखते और उसकी चालाकी पर हंसकर आगे का रास्ता नापते । इतने में एक भोलाभाला पथिक भी उसी रास्ते से निकला । ④

（圆圈内的数字表示本例句引自本教材第三册第几课，下同）

在一定的上下文中，或者与带 भी 的成分类同的成分不言而喻时，常常不出现类同成分。

बोलना भी एक कौशल है और उचित अभ्यास से ही इसका विकास होता है ।①

दस-बारह मील दूर स्थित लाल किला और जामा मस्जिद भी स्पष्ट दीख रहे थे । ⑤

语气词 भी 在句中的位置是不固定的，它用在不同成分后面表示的类同关系也不同。这一点须特别注意。例如 मैंने उसको यह बात कही（我对他说了这件事），这句话可以有不同的类同关系。

मैंने भी उसको यह बात कही ।

我也对他说了这件事。（别人说了，我也说了）

मैंने उसको भी यह बात कही ।

我也对他说了这件事。（对别人说了，也对他说了）

मैंने उसको यह बात भी कही ।

我也对他说了这件事。（说了别的事，也说了这件事）

由此可见，语气词 भी 与不同成分连用，表示不同关系，句子的意思也就不同。而由于汉语的“也”总和动词连用，故译为汉语则是相同的。在口语中，汉语用重读来表示。

表示类同关系的 भी 常用于后一成分的后面，但有时为了强调，也可用于前后两个成分的后面。

भाषा फैलती है तो बिखरती भी है，उभरती भी है ।③

2）表示范围扩大，有汉语“还”的意思。

फिर हम लोग किले के अन्य दर्शनीय स्थानों को देखते रहे，जिनमें ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित संग्रहालय भी था ।⑤

सन् १८९० में यहां एक सुन्दर मंदिर बनाया गया । संगमरमर की वेदी भी बनाई गयी ।⑧

3）表示让步关系

表示让步关系时语气词 भी 常与不定式加 पर、现在分词、完成分词等连用，有汉语“虽然”、“尽管”的意思。

जब बहुत देर तक ताक-झांक करने पर भी कुछ नतीजा न निकला तो मन ही मन वह अपने आप को कहने लगा ··· । ⑥

अब उनके अच्छे दिन आ गये । खूब ऐशो-आराम से रहते हुए भी पत्नी का खुराफ़ाती दिमाग अपने पति को आराम से नहीं बैठने देता था । ⑫

4 ）在条件从句中，与谓语动词连用，表示“即使…也”、“就是…也”等意思。

यदि कोई भूल भी करता तो आपस में ही विचार करके उसे दंड दे देते । ⑧

5 ）与 पर, में 等连用，表示“尽管”、“即使”等意思。

इस पर भी पत्नी का व्यवहार पति के साथ अच्छा न था ।⑫

अब बुढ़ापे के दिनों में भी उसकी पत्नी उतनी ही कर्कशा थी ।⑪

6 ）表示强调

इस मछली का हाथ आना तो और भी कठिन था । ⑥

उधर और भी पुलिसवाले आज़ाद पर गोली चला रहे थे । ⑩

वहां तिल रखने की भी जगह न थी । ⑨

7 ）与不定代词或关系代词等连用，如कोई भी , कुछ भी , कभी भी , जो भी , जहां भी , जितना भी , जब भी 等，表示任指性。

मतलब यह कि कोई भी आवश्यकता ऐसी नहीं है जिस का प्रबंध होटल में न हो सके ।⑬

पहाड़ की चोटियों पर , समुद्र के किनारे , शहरों और गांवों में , जहां भी यात्री जाना चाहते हैं , वहां होटल मौजूद हैं ।⑬

शायद अब शांति नहीं मिलेगी , जब भी मिलेगी चिर शांति ही।⑦

इस मंदिर की जितनी भी प्रशंसा की जाए , थोड़ी है ।⑤

8 ）与तो,फिर连用，表示“然而”的意思。

यद्यपि उनकी अवस्था छोटी ही थी , तो भी भारतीय राजनीति में उनकी रुचि जग गई ... ।⑩

यद्यपि वे अभी बालक ही थे , फिर भी पुलिस ने उन्हें गिरफ़्तार कर लिया ।⑩

कहावतें
लालच बुरी बला है ।
（贪婪是万恶之源）
दूध का दूध , पानी का पानी ।
（奶是奶，水是水；是非分明；黑白分明）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

हँस	बछड़ा	गर्भवती	प्रसव	तभी
जन्मना	रक्त	कटोरा	पक्का	इधर-उधर
टालना	स्तन-पान	आग्रह	अंततः	ढलान
धक्का	निराश्रित	रक्षक	सूझना	निश्चिंत
शरारत	झपटना	परीक्षा	अनसुनी	धक्
टुकड़ा	भूनना	दहाड़ना	टूटना	भस्म

2. निम्नलिखित वाक्यों को ऊँची आवाज़ से पढ़िये :

१) दो दोस्त थे हंसे-बसे । हंसे गाय का बछड़ा था और बसे शेर का बेटा । एक ही गुफ़ा में उन का जन्म हुआ । साथ-साथ खेले और बड़े हुए थे ।

२) साथ जन्मे , साथ पले हंसे-बसे में सगे भाई जैसा प्यार हो गया । दोनों एक-दूसरे के बिना एक क्षण भी नहीं रहते थे ।

३) उस दिन गोमती ने हंसे से कहा , " बेटा ! मैं आज दूर जा रही हूं , उस पत्थर के प्याले में दूध रखा है , शाम को तू पी लेना और यदि दूध का रंग रक्त जैसा लाल हो जाए तो समझ लेना मैं मर गई हूं । "

४) बेचारा बहुत दुखी था । उसे उदास और दुखी देखकर बसे भी बहुत उदास था ।

५) अन्ततः शेरनी को पुत्र की ज़िद माननी पड़ी और वह घास लाने के लिये पोखर के ढलान की ओर उतरी ।

3. नीचे लिखे वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) दोनों एक दूसरे पर जान देते थे ।

२) दोनों एक दूसरे के बिना एक क्षण भी नहीं रहते थे ।

३) बसे को हंसे की ज़्यादा चिन्ता थी ।

४) इस योजना के बाद बसे कुछ निश्चिन्त हो गया ।

५) बसे ने अनसुनी कर दी , यही सोचकर कि हंसे को हरदम शरारत ही सूझती है ।

4. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका चीनी में अनु-

वाद कीजिये :

१) समान स्थिति में होने के कारण गोमती की भावना शेरनी समझ गयी और उसे प्रसव होने तक ज़िन्दा रहने की अनुमति दे दी , परन्तु इस शर्त पर कि गोमती को उसी के साथ गुफ़ा में रहना पड़ेगा ।

२) शेरनी ने इधर-उधर की बातों से प्रश्न टाल दिया , परन्तु बँसि को पक्का विश्वास हो गया कि गोमती को अवश्य उस की माँ शेरनी ने ही मार डाला है ।

३) शेरनी ने बँसि से अपना स्तन-पान करने का आग्रह किया,परंतु बँसिनेहठ किया कि जब तक उसकी माँ शेरनी हँस को सामने के पोखर के पास की हरी-हरी कोमल घास लाकर नहीं खिला-एगी , वह भी स्तन-पान नहीं करेगा ।

४) आखिर बँसि को एक उपाय सूझा । उसने एक घंटी लाकर हँसे के गले में बाँध दी और कहा कि," कोई संकट आ पड़े , तो ज़ोर से घंटी बजाना । मैं फ़ौरन तुम्हारी सहायता के लिये आ पहुँचूंगा । "

५) देख कर उसका कलेजा धक् रह गया कि उसके मित्र हँस को मार कर कुछ जंगली लोग उस के टुकड़े कर रहे थे और पास में जला रखी आग में भूनने की तैयारी कर रहे थे ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) एक ही	३) चिन्ता होना
२) जान देना	४) संयोग से

५) अनुमति देना　　　　१०) धक्का देना

६) याद दिलाना　　　　११) डर लगना

७) आग्रह करना　　　　१२) यूं ही

८) हठ करना　　　　१३) परीक्षा लेना

९) जब तक　　　　१४) हमेशा के लिये

6. निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची दीजिये :

जान	चिन्ता	ज़िन्दा
अनुमति	याद	रक्त
निश्चिन्त		

7. नीचे दिये शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

狂轰滥炸	站岗放哨
幸免于难	取而代之
四处奔走	腹背受敌
平安无恙	洗劫一空
坚定不移	呆若木鸡
拳打脚踢	完整无损

8. निम्नलिखित विशेषणों के लिये एक-एक संज्ञा दीजिये :

चिकना	शान्त	नंगा
कठोर	पागल	रिटायर्ड
मज़ेदार	उत्कट	

9; चीनी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1) 我们的班长关心同学胜过关心自己。

2) 谢谢你的提醒，不然我就忘记了。

3 ）他答应跟我一起去的，所以我才在等他。

4 ）我坚决相信他一定会实践自己的诺言。

5 ）别东拉西扯了，想说什么你就说吧。

6 ）我说这话无非是想考验考验他。

7 ）我知道他在屋里，可我怎么喊他，他都装听不见。

8 ）老师接受了我们的要求，但有个条件，我们必须准时回来。

9 ）他四处奔走，费了很大劲才找到一个合适的工作。

10 ）只要我活着，我就要为人民的利益努力工作。

10。प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) हंसि -बंसि कौन थे ?

२) जब शेरनी ने गोमती पर हमला किया , तब गोमती ने शेरनी से क्या प्रार्थना की ?

३) क्या शेरनी ने गोमती की बात स्वीकार कर ली ? और क्यों ?

४) जब हंसि-बंसि दोनों का जन्म हुआ , तब शेरनी ने गोमती को क्या बात याद दिलायी ?

५) शेरनी की बात सुनकर गोमती ने अपने बेटे हंसि से क्या कहा ?

६) जब शाम होते-होते गोमती नहीं लौटी , तब हंसि को किस बात पर विश्वास हो गया ?

७) हंसि को उदास और दुःखी देखकर बंसि ने क्या किया ?

८) जब शेरनी ने बंसि से अपना स्तन-पान करने का आग्रह किया , तब बंसि ने क्या कहा ?

९) शेरनी की किस तरह मृत्यु हुई ?

१०) जब हँसे-बँसे दोनों एक जैसे निराश्रित हो गये , तब वे किस तरह रहने लगे ?

११) बँसे को क्यों हँसे की ज़्यादा चिन्ता थी ?

१२) आख़िर बँसे को क्या उपाय सूझा ?

१३) एक दिन हँसे को क्या शरारत सूझी ?

१४) क्या बँसे को हँसे की शरारत पर क्रोध आया ?

१५) उस दिन बँसे को क्यों भूखा ही सोना पड़ा ?

१६) एक दिन जब हँसे की घंटी फिर ज़ोर-ज़ोर से बजने लगी , बँसे ने क्यों अनसुनी कर दी ?

१७) कुछ देर के बाद जब बँसे घूमता हुआ हँसे के पास आया , तो उसने क्या देखा ?

१८) इस पर बँसे ने क्या किया ?

१९) बँसे ने जंगली लोगों से क्या कहा ?

२०) जब उन लोगों ने वैसा ही किया , तब बँसे ने क्या किया ?

२१) इस कहानी पर अपने विचार प्रकट कीजिये ।

11. इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

12. इस पाठ के अंतिम दो पैराग्राफ़ों को —— " एक दिन घास चरते-चरते ... " से अन्त तक —— रटकर सुनाइये ।

13. एक कल्पित कहानी लिखिये ।

चौथा पाठ

भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम

सन् १८५६ में जब लार्ड केनिंग भारत का गवर्नर-जनरल बनकर आया, उस समय ऊपर से सर्वत्र शान्ति और व्यवस्था ही दिखाई पड़ती थी। परन्तु अगले ही वर्ष भारत में जगह-जगह भयंकर विद्रोह फूट पड़ा। यह सन् अठारह सौ सत्तावन का भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम था। इसके संक्षेप में निम्नलिखित कारण थे :

लार्ड केनिंग से पहले के गवर्नर-जनरल, लार्ड डलहौज़ी ने देशी राज्यों को हड़पने का कुचक्र चलाया था। अतः सभी राज्यों में बड़ा असंतोष फैला था। गोद लिये पुत्र को गद्दी का उत्तराधिकारी न स्वीकार कर सतारा, नागपुर, झांसी आदि राज्यों को और कुप्रबंध का आरोप लगाकर अवध के राज्य को हड़प लिया गया था।

देशी नरेशों के अलावा, ज़मींदारों के साथ भी अत्याचार हुआ था और उनमें से बहुतों की ज़मीनें किसी न किसी बहाने छीन ली गयी थीं।

औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप, इंग्लैंड में उस समय बहुत सस्ता माल तैयार हो रहा था। भारत उस विदेशी माल के लिये एक बड़ी मंडी था। इससे देशी उद्योग-धंधे चौपट होते जा रहे थे और लोग आर्थिक शोषण से पिस रहे थे।

ईसाई धर्म-प्रचारकों को राजकीय सहायता और संरक्षण प्राप्त था । वे अपने प्रवचनों में खुल्लमखुल्ला हिन्दू धर्म तथा इस्लाम की निंदा करते थे और उनके देवी-देवताओं , अवतारों और पैगम्बरों को गा-लियां देते थे । जो लोग ईसाई धर्म स्वीकार कर लेते थे , उन्हें सभी तरह की सुविधाएं मिलने लगती थीं ।

अंग्रेज़ अफ़सर हिन्दुस्तानी सैनिकों के साथ अधिक दुर्व्यवहार करते थे । अंग्रेज़ और हिन्दुस्तानी सैनिकों के वेतन और भत्ते आदि में बड़ा अन्तर था । ऊंचे-ऊंचे पदों पर केवल अंग्रेज़ ही रखे जाते थे और युद्ध के समय प्रायः हिन्दुस्तानी सैनिकों को ही आगे कर दिया जाता था ।

सर्वप्रथम विद्रोह का विस्फोट बैरकपुर में हुआ । उन दिनों सेना में बड़े ज़ोरों के साथ यह अफ़वाह फैली थी कि कारतूस में , जिनके दोनों सिरों को दांतों से पहले काटना पड़ता था , गाय और सुअर की चर्बी मिली रहती है । बैरकपुर के हिन्दुस्तानी सैनिकों ने चर्बी वाले कारतूसों को इस्तेमाल करने से इन्कार कर दिया । २९ मार्च , १८५७ को मंगल पांडे नामक एक ब्राह्मण सैनिक ने अंग्रेज़ अफ़सर , सार्जेंट मेजर ह्यूहन की हत्या कर दी । मंगल पांडे का कोर्ट मार्शल हुआ और उसे फांसी पर लटका दिया गया ।

१० मई , १८५७ को मेरठ में भी विद्रोह की आग भड़क उठी । विद्रोही सैनिकों ने जेलखाने पर हमला कर कैदियों को मुक्त कर दिया । जहां कहीं अंग्रेज़ मिले , वे तलवार के घाट उतार दिये गये । मेरठ से विद्रोही दिल्ली पहुंचे । दिल्ली के लाल किले पर उन्होंने अधिकार कर लिया । मुग़ल बादशाह बहादुरशाह को विद्रोह का संचालन करने

के लिये तैयार कर लिया गया ।

इसके बाद सारे उत्तरी भारत में विद्रोह की आग भड़क उठी । कानपुर और लखनऊ में उसने बड़ा विकराल रूप धारण किया । नाना साहब ने कानपुर पर अपना अधिकार स्थापित कर अपने को पेशवा घोषित कर दिया । बुन्देलखण्ड में झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई ने और मध्य भारत में तात्या टोपे ने विद्रोहियों का नेतृत्व संभाला। बिहार में जगदीशपुर के कुंवरसिंह ने विद्रोह का संचालन किया । पंजाब शांत रहा और सिक्खोंने अंग्रेज़ों का साथ दिया । राजपूताना तथा दक्षिण भारत में भी विद्रोह का प्रसार नहीं हो सका ।

लार्ड केनिंग ने विद्रोह के दमन के लिये सबसे पहले अंग्रेज़ी सेनाएं दिल्ली की ओर भेजीं । छः सप्ताह की भीषण लड़ाई के बाद दिल्ली पर फिर से अंग्रेज़ों का अधिकार हो गया । बहादुरशाह कैद कर के रंगून भेज दिये गये ।

उत्तर प्रदेश में विद्रोहियों के दमन के लिये कर्नल नील को भेजा गया। उसने बनारस और इलाहाबाद पर अधिकार करने के बाद कानपुर पर हमला किया । दिसम्बर, १८५७ में कानपुर पर अंग्रेज़ों का अधिकार हो गया ।

मार्च, १८५८ में झांसी में अंग्रेज़ सेनापति ह्यूरोज़ और महारानी लक्ष्मीबाई के बीच घमासान लड़ाई हुई । महारानी ने बड़ी वीरता दिखाई । तात्या टोपे भी वहां रानी की सहायता के लिये पहुंचे। परन्तु अंत में जीत अंग्रेज़ों की ही हुई और झांसी पर उनका कब्ज़ा हो गया । महारानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे की अंग्रेज़ी सेना से फिर कालपी और ग्वालियर में लड़ाई हुई । महारानी लड़ते-लड़ते

ही गृवालियर में मारी गई । थोड़े दिन बाद तात्या टोपे को भी पकड़ लिया गया और उन्हें फांसी दे दी गई ।

सन् अठारह सौ सत्तावन का विद्रोह स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिये भारतीयों का पहला प्रयास था , जो असफल रहा । यह उत्तर भारत तक ही सीमित रहा और अखिल भारतीय रूप धारण नहीं कर सका । उत्तर भारत में भी पंजाब में पूर्ण शांति रही । गृवालियर , हैदराबाद तथा अन्य राज्यों ने इस विद्रोह के दमन में अंग्रेज़ों की बड़ी सहायता की । विद्रोहियों की सैनिक शक्ति अंग्रेज़ों से बहुत कम थी । इस के अलावा , उनके पास महारानी लक्ष्मीबाई , तात्या टोपे , नाना साहब और कुंवरसिंह के अतिरिक्त कोई अच्छा नेता या सेनापति भी न था । इसीलिये यह विद्रोह जल्दी ही कुचल दिया गया ।

फिर भी इस विद्रोह के कारण अंग्रेजों की शासन-पद्धति,सैनिक व्यवस्था और नीति में बहुत परिवर्तन आया । ईस्ट इंडिया कंपनी का सौ वर्षों का शासन समाप्त हो गया ।

शब्दावली

संग्राम (पु०)战争; 战斗

१८५६ अठारह सौ छप्पन

लार्ड (पु०) 勋爵

केनिंग 肯宁(印度总督名)

गवर्नर-जनरल (पु०)总督

विद्रोह (पु०)起义; 暴动

संक्षेप (पु०)简略的叙述

लार्ड डलहौज़ी 大贺婿勋爵

देशी (वि०)本国的; 国内的

कुचक्र (पु०)阴谋, 诡计

का -- चलाना 密谋…

असंतोष (पु०)不满

गोद (स्त्री०) 怀抱

-- लिया पुत्र 养子

गद्दी (स्त्री०)座位; 宝座, 政权

उत्तराधिकारी (पु०)
继承人

सतारा 色达拉(地名)

नागपुर 那格布尔(地名)

कुप्रबंध (पु०)管理不善

आरोप (पु०)指责, 责备

-- लगाना 指责…, 责备…

अवध 阿沃特(地名)

नरेश (पु०) 王公

ज़मींदार (पु०) 地主

अत्याचार (पु०)虐待, 欺凌

औद्योगिक (वि०) 工业的

मंडी (स्त्री०) 市场

उद्योग-धंधा (पु०) 工业企业

चौपट (वि०) 被毁坏的

शोषण (पु०)剥削

पिसना (अ०क्रि०) 被摧残,受折磨

प्रचारक (पु०)宣传者

धर्म-प्रचारक 传教士

राजकीय (वि०)国家的,官方的

संरक्षण (पु०)保护

प्रवचन (पु०) 对宗教经典的
口头解说,传教

खुल्लमखुल्ला (क्रि०वि०)公开,
公然

इस्लाम (पु०)伊斯兰教

निंदा (स्त्री०)谴责

की -- करना 谴责…

अवतार (पु०)化身

पैगम्बर (पु०) 使者, 天使

दुर्व्यवहार (पु०) 虐待

के साथ -- करना 虐待…

भत्ता (पु०) 津贴

पद (पु०) 职位

आगे (क्रि०वि०)前面

-- करना 放在前面

सर्वप्रथम (क्रि०वि०)首先,起初

विस्फोट (पु०)爆发

बैरकपुर 柏拉克布尔(地名)

अफ़वाह (स्त्री०)谣言, 传说

-- फैलना 谣传

कारतूस (पु०)子弹
चर्बी (स्त्री०) 油脂
इन्कार (पु०) 拒绝; 否认
से -- करना 拒绝
२९ उनतीस
५७ सतावन
सार्जेंट मेजर (पु०) 中士，军士长
हत्या (स्त्री०)杀害
की -- करना 杀害…
कोर्ट मार्शल (पु०)军事法庭
का -- होना被送交军事法庭
फांसी (स्त्री०) 绞刑架
को -- पर लटकाना 处以绞刑
को -- देना 绞死
मेरठ 密拉特（地名）
भड़कना (अ०क्रि०) 燃烧
विद्रोही (वि०) 起义的，暴动的
तलवार (स्त्री०) 剑，宝剑
घाट (पु०) 剑刃
तलवार के -- उतारना 刺死
मुग़ल 莫卧尔（王朝名）
बादशाह (पु०)皇帝
संचालन (पु०) 领导; 管理
का -- करना 领导;管理
विकराल (वि०)恐怖的;严厉的
पेशवा (पु०) 领袖，首领
मध्य (वि०) 中间的
-- भारत 中印度
जगदीशपुर 杰格迪什布尔（地名）
पंजाब 旁遮普
सिक्ख (पु०) 锡克人
साथ (पु०) 共同，一起
का -- देना 支持…
भीषण (वि०)严酷的;可怕的
रंगून 仰光
कर्नल (पु०) 上校
५८ अट्ठावन
सेनापति (पु०)司令官，将领
घमासान (वि०)激烈的
कालपी 加尔比（地名）
ग्वालियर 瓜廖尔（地名）
प्राप्ति (स्त्री०)取得，获得
अखिल (वि०)全部的，整个的
कुचलना (स०क्रि०)践踏; 镇压
पद्धति (स्त्री०)制度; 方式

ईस्ट इंडिया कंपनी 东印度公司

टिप्पणियां

1. सन् १८५६ में जब लार्ड केनिंग भारत का गवर्नर-जनरल बनकर आया, उस समय ऊपर से सर्वत्र शान्ति और व्यवस्था ही दिखाई पड़ती थी।

句中बनकर आया意思是“作为（总督）来到（印度）”，亦即“以（总督）身份来到（印度）”，或“来（印度）任（总督）”

2. देशी नरेशों के अलावा, ज़मींदारों के साथ भी अत्याचार हुआ था और उनमें से बहुतों की ज़मीनें किसी न किसी बहाने छीन ली गयी थीं।

句中किसी न किसी बहाने省略了से，意思是“以某种借口”，从整句意义来看，亦即“以各种借口”。

3. जहां कहीं अंग्रेज़ मिले, वे तलवार के घाट उतार दिये गये।

句中जहां कहीं意思是“无论何处”，用于地点状语从句，主句中वहां可以省略。

4. मुग़ल बादशाह बहादुरशाह को विद्रोह का संचालन करने के लिये तैयार कर लिया गया।

本句中तैयार करना意思是“使…同意”。请注意तैयार करना与तैयार होना在意义上的区别。

5. पंजाब शांत रहा ...

句中रहना意为“保持”，“维持”,शांत रहा意思是“保持平静”。请注意 शांत रहा与 शांत हुआ （平静下来）的区别。

6. सन् अठारह सौ सतावन का विद्रोह स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिये भारतीयों का पहला प्रयास था，जो असफल रहा ।

本句中的रहना表示“持续”的意思。असफल रहा 意即“终未成功”。

7. यह उत्तर भारत तक ही सीमित रहा ···

本句中的रहना也是“保持”的意思。सीमित रहा 意为“一直局限于…”。

8. आ-इ-क（梵）

这是一个特殊的构词成份。它不同于前缀或后缀，而是加于名词的前部、中部和后部，将名词变为形容词。例如：

समाज ——→ सामाजिक 社会的

शरीर ——→ शारीरिक 身体的

संप्रदाय ——→ सांप्रदायिक 宗教教派的

由以上各例可以看出，它们是由आ-इ-क与名词拼合而构成的，即आ与第一个字母拼合，इ-क与末一个字母拼合。若第一个字母为 इ，则将इ变为ऐ；若第一个字母为 उ，则将उ变为औ 。例如：

इतिहास ——→ ऐतिहासिक 历史的

उद्योग ——→ औद्योगिक 工业的

9. कु-（梵）

前缀。表示“不好”、“恶劣”、“低级”。例如：

कु + चक्र ——→ कुचक्र 阴谋诡计

कु + प्रबंध ——→ कुप्रबंध 管理不善

कु + कर्म ——→ कुकर्म 坏事

सं-（梵）

前缀。表示“好”、“完善”、“完美”。例如：

सं + रक्षण ——→ संरक्षण 保护

सं + चालन ——→ संचालन 主持，领导

सं + तोष ——→ संतोष 满意

व्याकरण

语气词ही 小结

ही 是印地语语气词中使用较多的一个，无论口语或书面语均大量出现。它可以和各种词类的词或各种成分连用，而赋予该词或该成分以限制或强调的意味。

语气词 भी 表示某一事物或动作与另一事物或动作类同，是含括性的，而语气词 ही 则是排他性的，它只限于它所强调的事物或动作。

这里将 ही 常见用法作一小结。

1. 表示限制

这是语气词 ही 的基本意义，有汉语“只”、“仅”等意思。例如：

इस धरती में मैं ही एक लड़का थोड़े ही हूं ।⑭
शायद अब शान्ति नहीं मिलेगी, जब भी मिलेगी चिरशान्ति ही ।⑦
एक-दो स्टेशन आने तक तो सब ठीक रहा पर उसके पश्चात सामान की रक्षा किसने की, यह भगवान ही जाने ।⑤
शब्दों का अर्थ जान लेना ही भाषा-ज्ञान नहीं है ।①
शास्त्रों में भी लिखा है कि दान दरिद्र को ही देना चाहिये।④
इतना ही नहीं, भावावेश में फूट-फूटकर रोने लगी···।⑦

2. 表示强调

这是语气词ही使用最广的一种意义，含有“肯定”的意味，有汉语“正是”、“恰恰”、“就是”、“根本”等意思。例如：

यही तो मेरी मुश्किल है ।⑮
तुम दान लेने योग्य हो, अब मैं तुम्हें ही देना चाहता हूं ।④
तुम मुझे बहुत ही दरिद्र दिखाई पड़ रहे हो ।④
उसका धार्मिक रूप देखकर मुझे हंसी आ गयी, पर दूसरे ही क्षण में गंभीर हो गया ।④
हमें विश्वास है कि इसी भावना को विकसित करते हुए पढ़ोगे या और कोई काम करोगे, तो तुम को अवश्य ही अधिक सफलताएं प्राप्त होंगी ।①
दूसरे दिन प्रातः ही हम लोग चल पड़े नयी दिल्ली में बिड़ला बन्धुओं द्वारा बनाए गये प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर को देखने ।⑤
लाल किला, जैसा कि उसके नाम से ही बोध होता है, लाल पत्थर

का बना हुआ है । ⑤

झील के पास ही एक पगडंडी थी । ④

अगर आपके पास काफ़ी पैसे हैं , तो रेल के डिब्बे में ही होटल का आदमी आप का स्वागत करने को मिलेगा । ⑬

हम अधिकतर कार्य बोलकर ही चला लेते हैं । ①

बाघ ने देखा, पथिक ने अन्य राहगीरों की भांति उसके निमंत्रण की उपेक्षा नहीं की , और न ही तिरस्कार की हंसी हंसता हुआ आगे बढ़ गया । ④

कोई और कैंडीडेट मेरी योग्यता की टक्कर का था ही नहीं । ⑮

पथिक कुछ बोलने ही वाला था कि बाघ फिर बोल उठा । ④

चांदनी चौक जाने के लिये तांगेवाले से बात कर ही रहे थे कि पीछे से घंटी बजने की आवाज़ आयी । ⑤

पत्नी का डर तो उसे था ही , ख़ैर उसने मछली को टोकरी में डाला और घर की ओर चल दिया । ⑪

在这种意义下，语气词 ही 若与动词连用，有时则带有“确定”、“坚定”的意味。例如：

तुम जानती ही हो रंजना , कि आजकल सारे सुख पैसे से ही ख़रीदे जा सकते हैं । ⑭

यदि इस समय आपकी मां-बहनें यहां आकर खड़ी हों तो क्या आप बैठे ही रहेंगे ? ②

यद्यपि उसमें बहुत अधिक भीड़ थी, पर हम लोग भी किसी तरह चढ़ ही गये । ⑤

मार डालो , एक एक कर सब को मार डालो ! जब मारना ही

था , तो पैदा ही क्यों किया था ? ⑦

3。与现在分词简式（阳复）连用，表示“一…就…”。例如：

कल अर्चना स्कूल ड्रेस फाड़कर आई । देखते ही मेरा पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया । ⑦

इस घटना के होते ही ब्रिटिश सरकार की ओर से गिरफ़्तारियाँ होने लगीं ... ।⑩

बेड़े के पुराने निशान तक डूबते ही मल्लाह ने उसमें पत्थर भरने बंद कर दिये ।⑨

4。用于叠词中间表示强势。例如：

जब बहुत देर तक ताक-झांक करने पर भी कुछ नतीजा न निकला तो मन ही मन वह अपने आपको कहने लगा ... ।⑥

लेटे ही लेटे आप चाय , काफ़ी , अख़बार चाहे जो भी मंगवा सकते हैं । ⑬

कहावतें

एक और एक ग्यारह होते हैं ।

（*1* 加 *1* 等于 *1 1*；团结就是力量）

एका बड़ी शक्ति है ।

（团结就是力量）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

संग्राम	लार्ड	गवर्नर-जनरल	विद्रोह
कृषक	गद्दी	उत्तराधिकारी	अत्याचार
औद्योगिक	शोषण	खुल्लम-खुल्ला	भत्ता
सर्वप्रथम	सार्जेंट मेजर	हत्या	कोर्ट मार्शल
धारण	मध्य	भीषण	कर्नल
ग्वालियर	पद्धति	परिवर्तन	ईस्ट इंडिया कंपनी

2. निम्नलिखित वाक्यों को ऊंची आवाज़ से पढ़िये :

१) परंतु अगले ही वर्ष भारत में जगह-जगह भयंकर विद्रोह फूट पड़ा ।

२) देशी नरेशों के अलावा , ज़मींदारों के साथ भी अत्याचार हुआ था और उनमें से बहुतों की ज़मीनें किसी न किसी बहाने छीन ली गयी थीं ।

३) जो लोग ईसाई धर्म स्वीकार कर लेते थे , उन्हें सभी तरहकी सुविधाएं मिलने लगती थीं ।

४) २० मई , १८५७ को मेरठ में भी विद्रोह की आग भड़क उठी।

५) बुन्देलखंड में झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई ने और मध्य भारत में तात्या टोपे ने विद्रोहियों का नेतृत्व संभाला ।

६) फिर भी इस विद्रोह के कारण अंग्रेज़ों की शासन-पद्धति , सैनिक व्यवस्था और नीति में बहुत परिवर्तन आया । ईस्ट इंडिया कंपनी का सौ वर्षों का शासन समाप्त हो गया ।

3. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये , फिर उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) सन् १८५६ में जब लार्ड केनिंग भारत का गवर्नर-जनरल बनकर आया , उस समय ऊपर से सर्वत्र शान्ति और व्यवस्था ही दिखाई पड़ती थी ।

२) गोद लिये पुत्र को गद्दी का उत्तराधिकारी न स्वीकार कर सतारा , कानपुर , झांसी आदि राज्यों को और कुप्रबंध का आरोप लगा कर अवध के राज्य को हड़प लिया गया था ।

३) इससे देशी उद्योग-धंधे चौपट होते जा रहे थे और लोग आर्थिक शोषण से पिस रहे थे ।

४) ऊंचे-ऊंचे पदों पर केवल अंग्रेज़ ही रखे जाते थे और युद्ध के समय प्रायः हिन्दुस्तानी सैनिकों को ही आगे कर दिया जाता था ।

५) उन दिनों सेना में बड़े ज़ोरों के साथ यह अफ़वाह फैली हुई थी कि कारतूसों में , जिन के दोनों सिरों को दांतों से पहले काटना पड़ता था , गाय और सुअर की चर्बी मिली रहती है ।

६) जहां कहीं अंग्रेज़ मिले , वे तलवार के घाट उतार दिये गये ।

७) महारानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे की अंग्रेज़ी सेना से फिर कालपी और ग्वालियर में लड़ाई हुई ।

८) सन् अठारह सौ सत्तावन का विद्रोह स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिये भारतीयों का पहला प्रयास था , जो असफल रहा ।

4、निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों से वाक्य बनाइये :

१) ऊपर से
२) संक्षेप में
३) आरोप लगाना
४) निन्दा करना
५) दुर्व्यवहार करना
६) इस्तेमाल करना
७) इन्कार करना
८) जहां कहीं
९) रूप धारण करना
१०) घोषित करना
११) वीरता दिखाना
१२) परिवर्तन आना

5. नीचे दिये शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

花草树木
武器弹药
男女老少
风俗习惯
艰难险阻
真心诚意
飞机大炮
高楼大厦
枪林弹雨
金银财宝
勤劳勇敢
无私无畏

6. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1）1857年印度爆发了反对英国统治的民族大起义。

2）1857年的大起义是英国对印度长期统治的结果。

3）英国人以种种借口吞并印度的土邦，掠夺印度的土地。

4）英国人把印度作为自己的商品销售市场，使印度的工业受到破坏。

5）英国传教士公开谴责印度教和伊斯兰教，引起印度教徒和伊斯兰教徒的极大不满。

6）在英国军队里的印度士兵常常受到英国军官的虐待。

7）1857年3月29日一名婆罗门士兵杀死了一名英国军官，那名士兵被处以绞刑。

8）1857年5月10日密拉特的士兵举行起义，杀死了许多英国人，然后向德里进军，占领了红堡。

9）英国人派遣大量军队镇压起义者。

10）在战斗中起义者表现得非常英勇。

11）章西王公夫人拉克希米巴依就是在战斗中壮烈牺牲的。

12. 1857年的大起义是印度争取独立的第一次尝试。它虽然失败了，却唤起了印度各阶层人民的觉醒。

7. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम किस वर्ष में हुआ था ?

२) अंग्रेज़ों ने किस तरह देशी राज्यों को हड़प लिया था ?

३) भारतीय ज़मींदारों के साथ अंग्रेज़ किस तरह अत्याचार करते थे ?

४) उन दिनों भारत किस देश के माल के लिये एक बड़ी मंडी था ?

५) ईसाई धर्म-प्रचारक हिन्दू धर्म और इस्लाम के साथ कैसा व्यवहार करते थे ?

६) अंग्रेज़ अफ़सर हिन्दुस्तानी सैनिकों के साथ कैसा व्यवहार करते थे ?

७) सर्वप्रथम विद्रोह का विस्फोट कहां और किस कारण से हुआ ?

८) मेरठ में विद्रोही सैनिकों ने क्या किया ?

९) इसके बाद सारे भारत में जो विद्रोह हुआ , उसका वर्णन

कीजिये ।

१०) यह विद्रोह क्यों असफल रहा ?

११) आप के विचार में इस विद्रोह से भारतीय जनता को क्या लाभ हुआ ?

8. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

9. किसी भी विषय पर एक छोटा-सा भाषण दीजिये ।

10. इस पाठ के अंतिम तीन पैराग्राफ़ों को —— " मार्च, १८५८ में फांसी में ..." से अन्त तक —— रटकर सुनाइये ।

पांचवां पाठ

छोटा जादूगर

कार्निवल के मैदान में बिजली जगमगा रही थी । हंसी और विनोद का कलनाद गूंज रहा था । मैं खड़ा था उस छोटे फुहारे के पास, जहां एक लड़का चुपचाप शरबत पीने वालों को देख रहा था । उसके गले में फटे कुरते के ऊपर से एक मोटी-सी सूत की रस्सी पड़ी थी और जेब में कुछ ताश के पत्ते थे । उसके मुंह पर गम्भीर विषाद के साथ धैर्य की रेखा थी । मैं उसकी ओर न जाने क्यों आकर्षित हुआ । मैंने पूछा —— " क्यों जी, तुमने इसमें क्या देखा ? "

" मैंने सब देखा है । यहां चूड़ी फेंकते हैं । खिलौनों पर निशाना लगाते हैं । मुझे तो खिलौनों पर निशाना लगाना अच्छा मालूम

हुआ । जादूगर तो बिलकुल निकम्मा है । उससे अच्छा तो ताश का खेल मैं ही दिखा सकता हूं । " —— उसने बड़े जोश से कहा । उस की वाणी में कहीं रुकावट न थी ।

मैंने पूछा —— और उस परदे में क्या है ? वहां तुम गये थे ?

" नहीं , वहां मैं नहीं जा सका । टिकट लगता है । "

मैंने कहा —— तो चलो मैं वहां पर तुमको लिवा चलूं ।

उसने कहा —— वहां जाकर क्या कीजियेगा ? चलिये निशाना लगाया जाये ।

मैंने उससे सहमत होकर कहा —— तो फिर चलो पहले शरबत पी लिया जाय । उसने हां के बहाने सिर हिला दिया ।

मनुष्यों की भीड़ से जाड़े की संध्या भी वहां गर्म हो रही थी। हम दोनों शरबत पीकर निशाना लगाने चले । राह में ही उससे पूछा —— तुम्हारे और कौन हैं ?

" मां और बाबूजी । "

" उन्होंने तुमको यहां आने के लिये मना नहीं किया ? "

" बाबूजी जेल में हैं । "

" क्यों ? "

" देश के लिये । " —— वह गर्व से बोला ।

" और तुम्हारी मां ? "

" वह बीमार है । "

" और तुम तमाशा देख रहे हो ? "

उसके मुंह पर तिरस्कार की हंसी फूट पड़ी । उसने कहा —— तमाशा देखने नहीं , दिखाने निकला हूं । कुछ पैसे ले जाऊंगा , तो मां

को पथ्य दूंगा । मुझे शरबत न पिलाकर आपने मेरा खेल देखकर मुझे कुछ दे दिया होता , तो मुझे अधिक तसल्ली होती !

मैं आश्चर्य से उस तेरह-चौदह वर्ष के लड़के को देखने लगा ।

मैंने दीर्घ निःश्वास लिया । चारों ओर बिजली के लट्टू नाच रहे थे । मन व्यग्र हो उठा । मैंने उससे कहा —— अच्छा चलो , निशाना लगाया जाय ।

हम दोनों उस जगह पर पहुंचे , जहां खिलौनों को गेंद से गिराया जाता था । मैंने बारह टिकट खरीदकर उस लड़के को दिये ।

वह निकला पक्का निशानेबाज़ । उसका गेंद कोई खाली नहीं गया । देखने वाले दंग रह गये । उसने बारह खिलौनों को **बटोर लिया ;** लेकिन उठाता कैसे ? कुछ मेरे रूमाल में बंधे , कुछ जेब में रख लिये गये ।

लड़के ने कहा —— " बाबूजी , आपको तमाशा दिखाउंगा । बाहर आइये । मैं चलता हूं । " वह नौ-दो ग्यारह हो गया । मैंने मन-ही-मन कहा —— " इतनी जल्द आंख बदल गई । "

मैं घूमकर पान की दूकान पर आ गया । पान खाकर बड़ी देर तक इधर-उधर टहलता देखता रहा । झूले के पास लोगों का ऊपर-नीचे आना देखने लगा । अकस्मात किसी ने ऊपर के हिंडोले से पुकारा —— बाबूजी !

मैंने पूछा —— कौन ?

" मैं हूं छोटा जादूगर । "

(२)

कलकत्ता के सुन्दर बोटानिकल-उधान में लाल कमलिनी से भरी

हुई एक छोटी-सी झील के किनारे घने वृक्षों की छाया में अपनी मंडली के साथ बैठा हुआ मैं जलपान कर रहा था । बातें हो रही थीं । इतने में वही छोटा जादूगर दिखाई पड़ा । हाथ में चारखाने की खादी का झोला , साफ़ जांघिया और आधी बांहों का कुरता। सिर पर मेरा रूमाल सूत की रस्सी से बंधा हुआ था । मस्तानी चाल से झूमता हुआ आकर कहने लगा —— " बाबूजी नमस्ते ! आज कहिये तो खेल दिखाऊं । "

" नहीं जी , अभी हम लोग जलपान कर रहे हैं । "

श्रीमती जी ने कहा —— दिखलाओ जी , तुम तो अच्छे आये । भला कुछ मन तो बहले । मैं चुप हो गया , क्योंकि श्रीमती जी की बोली में वह मां की-सी मिठास थी , जिसके सामने किसी भी लड़के को रोका नहीं जा सकता । उसने खेल आरम्भ किया ।

उस दिन कार्निवल के सब खिलौने उसके खेलने में अपना अभिनय करने लगे । भालू मनाने लगा । बिल्ली रूठने लगी । बन्दर घुड़कने लगा ।

गुड़िया का व्याह हुआ । गुड्डा वर काना निकला । लड़के की बातों से ही खेल हो रहा था । सब हंसते-हंसते लोट-पोट हो गये ।

मैं सोच रहा था । बालक को ज़रूरतों ने कितना शीघ्र चतुर बना दिया । यही तो संसार है ।

ताश के सब पत्ते लाल हो गये । फिर सब काले हो गये । गले की सूत की डोरी टुकड़े-टुकड़े होकर जुड़ गई । लट्टू अपने से नाच रहे थे । मैंने कहा —— अब हो चुका । अपना खेल बटोर लो , हम लोग भी अब जाएँगे ।

श्रीमती जी ने धीरे से उसे एक रुपया दे दिया । वह उछल उठा।

मैंने कहा —— लड़के !

" छोटा जादूगर कहिये । यही मेरा नाम है । इसी से मेरी जीविका है । "

मैं कुछ बोलना ही चाहता था कि श्रीमती जी ने कहा —— अच्छा तुम इस रुपये से क्या करोगे ?

" पहले भरपेट पकौड़ी खाऊंगा । फिर एक सूती कम्बल लूंगा ।"

वह नमस्कार करके चला गया । हम लोग बनावटी जंगल देखने के लिये चले ।

उस छोटे से बनावटी जंगल में संध्या सांय-सांय करने लगी थी । डूबते हुए सूर्य की अन्तिम किरण पेड़ों की पत्तियों से बिदाई ले रही थी । चारों ओर सुनसान था । हम लोग धीरे-धीरे मोटर से हावड़ा की ओर आ रहे थे ।

रह-रहकर छोटा जादूगर स्मरण हो आता था । सचमुच वह एक झोंपड़ी के पास कम्बल कन्धे पर डाले खड़ा था । मैंने मोटर रोककर उससे पूछा —— तुम यहां कहां ?

" मेरी मां यहीं है न । अब उसे अस्पताल वालों ने निकाल दिया है । " मैं उतर गया । उस झोंपड़ी में देखा , तो एक स्त्री चिथड़ों से लदी हुई कांप रही थी ।

छोटे जादूगर ने कम्बल ऊपर डालकर उसके शरीर से चिमटते हुए कहा —— मां !

मेरी आंखों से आंसू निकल पड़े ।

(जयशंकर प्रसाद)

शब्दावली

जादूगर (पु०)魔术师

कार्निवल (पु०)游艺团

जगमगाना (अ०क्रि०) अपनी या दूसरे की रोशनी से चमकना 闪闪发光

विनोद (पु०) मनोरंजन 娱乐

कलनाद (पु०) 轻柔悦耳的声音

गूंजना (अ०क्रि०)回响,回声荡漾

फुहारा (पु०)喷泉

शरबत (पु०)果汁，饮料

कुरता (पु०)印度式衬衫

सूत (पु०)线；纱

ताश (पु०)扑克牌

पत्ता (पु०)卡片;扑克牌的一张

विषाद (पु०) उदासी , निराशा 忧郁，悲伤，失望

धैर्य (पु०)忍耐；冷静

रेखा (स्त्री०)线条；标记

आकर्षित (वि०)被吸引的

-- होना 被吸引

चूड़ी (स्त्री०) 手镯

खिलौना (पु०) खेलने की चीज़ 玩具

निशाना (पु०) लक्ष्य; वह जिस को दृष्टि में रखकर कोई अस्त्र चलाया जाए靶子

पर -- लगाना瞄准后射击

निकम्मा (वि०)जो कोई काम धंधा करने के योग्य न हो 无用的，没有本事的

रुकावट (स्त्री०) 阻碍，停滞

परदा (पु०)幕，帷幔

लिवाना (स०क्रि०)(लाना 的致使)带，携带

सहमत (वि०) 同意的

से -- होना 同意

जाड़ा (पु०)冬季；寒冷

संध्या (स्त्री०) शाम

बाबू (पु०)对父亲或长者的称呼

मना (वि०) 被禁止的

को .. के लिये -- करना

禁止…做…

गर्व (पु०) 骄傲

पथ्य (पु०) 病人吃的食物

पिलाना (स०क्रि०) 使喝，请人喝

तसल्ली (स्त्री०) 安慰

दीर्घ (वि०) 长的，长久的

नि:श्वास (पु०) 呼吸

दीर्घ -- 深呼吸

-- लेना 吸气

लट्टू (पु०) 灯泡；陀螺

व्यग्र (वि०) परेशान 不安的

निशानेबाज़ (पु०) 射击手

ख़ाली (वि०) 空的

-- जाना 落空，未击中目标

दंग (वि०) आश्चर्य में पड़ा हुआ 吃惊的

-- रह जाना 大为惊讶

बटोरना (स०क्रि०) इकट्ठा करना 收集，聚集

बंधना (अ०क्रि०) 被包，被捆

नौ दो ग्यारह हो जाना (अ०क्रि०) 逃跑，溜走

आंख (स्त्री०) 眼

-- बदलना 态度改变

झूला (पु०) 秋千；转盘

हिंडोला (पु०) 转盘的座厢

बोटानिकल (वि०) 植物的

उद्यान (पु०) 花园，园子

कमलिनी (स्त्री०) कमल का समूह 荷花

मंडली (स्त्री०) दल 一队；一伙

जलपान (पु०) 点心，小吃

-- करना 吃点心

चारखाना (पु०) 带方格子的布

खादी (स्त्री०) हाथ का बुना मोटा कपड़ा 土布

झोला (पु०) 袋子，口袋

जांघिया (पु०) 短裤，裤衩

बांह (स्त्री०) 臂膀

आधी बांहों का 短袖的

मस्ताना (वि०) 陶醉的，沉醉的

चाल (स्त्री०) 步伐，脚步

मस्तानी -- 蹒跚

झूमना (अ०क्रि०) 踉跄而行

श्रीमती (स्त्री०) 夫人，太太

बहलना (अ०क्रि०) 娱乐，消遣

मन -- 开心

मिठास (स्त्री०) 甜

अभिनय (पु०) 表演

-- करना 表演

भालू (पु०) 狗熊

मनाना (स०क्रि०) ईश्वर से प्रार्थना करना 祈祷

बिल्ली (स्त्री०) 猫

रूठना (अ०क्रि०) अप्रसन्न होना 不高兴，生气

बन्दर (पु०) 猴子

घुड़कना (स०क्रि०) 责骂

गुड़िया (स्त्री०) 洋娃娃

ब्याह (पु०) विवाह 结婚

गुड्डा (पु०) 大洋娃娃

वर (पु०) 新郎

काना (वि०) जिसकी एक आंख फूट गयी हो 一只眼睛的

लोट-पोट (वि०) 笑得前仰后合的

हंसते-हंसते -- हो जाना 笑得前仰后合

चतुर (वि०) 机灵

डोरी (स्त्री०) रस्सी

टुकड़ा (पु०) 一截，一段

टुकड़े टुकड़े होना 断成几截

अपना 自己

अपने से 自己，自动

उछलना (अ०क्रि०) 欢跳

जीविका (स्त्री०) 生计

भरपेट (क्रि०वि०) 饱

-- खाना 饱食

पकौड़ी (स्त्री०) 炸丸子

सूती (वि०) 线的

कम्बल (पु०) 毯子

नमस्कार (पु०) 敬礼；〔见面或分手时用语〕您好；再见

--करना 致敬礼

बनावटी (वि०) 人造的

सांय-सांय करना (स०क्रि०) भयानक दीखना 显得阴森恐怖

किरण (स्त्री०) 光线，光辉

बिदाई (स्त्री०) 告别

-- लेना 告别

सुनसान (वि०) 寂静无声的

हावड़ा   कलकत्ते की एक जगह का नाम

चिथड़ा (पु०) फटा-पुराना कपड़ा 破布; 破衣服

लदना (अ०क्रि०) 盖; 缠裹

चिमटना (अ०क्रि०) 搂抱

टिप्पणियां

लेखक-परिचय —— जयशंकर प्रसाद (१८९० जन्म ; १९३७ मृत्यु)

प्रसाद जी की बचपन से ही साहित्य में रुचि थी । उनका झुकाव विशेष रूप से प्राचीन भारतीय संस्कृति , दर्शन , इतिहास और पुरातत्व की ओर रहा । उन्होंने नाटक , कहानियां और उपन्यास भी लिखे । प्रसाद जी भावुक साहित्यकार थे । कवि होने के कारण उनकी कहानियों में भी कवित्व की झलक है।

1. मैंने पूछा —— क्यों जी , तुम ने इस में क्या देखा ?

本句中的 क्यों 不是问词，而是招呼用语，相当于汉语的“喂”，“嗳”。

2. उसने कहा —— " वहां जाकर क्या कीजियेगा ? ..."

完成分词与 क्या करना 连用，表示"…作什么？"，本句意为"去那儿作什么？"。又如：

यह पूछकर क्या करोगे ?

（你问这个作什么？）

3. उसने हां के बहाने सिर हिला दिया ।

१) 句中 के बहाने 相当于 के लिये ，本句的意思是"他为了表示同意点了点头，亦即"他点了点头表示同意"。

२) सिर हिलाना 意为"摆头"、"摇头"。按印度人习惯，摆一下头表示"同意"。

4. वह निकला पक्का निशाने बाज़ ।

本句为倒装句，निकलना 作系动词，意为"被验证"、"被证实"。又如：

आपकी भविष्यवाणी ठीक निकली ।

（您的预言被证明是正确的。或事实证明，您的预言是正确的。）

5. उसने बारह खिलौनों को बटोर लिया , लेकिन उठाता कैसे ?

后一句 उठाता कैसे 省略了主语 वह 。

उठाता 是假设语气的一种特殊用法，常与 क्या , कैसे 等连用，作为反问句，表示"不能"，本句的意思相当于 " कैसे उठा सकता था ? " 又如：

वह बड़ा काम था , मैं अकेला क्या करता ?

（那项任务很艰巨，我一个人怎么干得了？）

6. आज कहिये तो खेल दिखाऊँ ।

कहना 这里意为“吩咐”、“指示”。这句话的意思是“如果您愿意的话，我就表演一下”。

7. श्रीमती जी ने कहा —— दिखलाओ जी , तुम तो अच्छे आये ।

१) श्रीमती जी 指作者自己的夫人。

२) अच्छे 这里作状语，本句的意思是“你来得太好了”。

8. भला कुछ मन तो बहले ।

१) भला这里用作感叹语，意思是“好啊”、“好极啦”。又如：

भला आप आये तो ।

（好极啦，您总算来了）

२) बहले 为虚拟语气，表示“可以”、“能够”。

9. गुड्डा वर काना निकला ।

这里 निकलना 意为“被发现”、“被看到”。

10. फिर एक सूती कम्बल लूँगा ।

本句中的 लेना 意思是 ख़रीदना 。这种用法多见于口语中。

11. रह-रहकर छोटा जादूगर स्मरण हो आता था ।

१) रह-रहकर 意思是“一阵阵地”、“断断续续地”、“一再地”。如：

मेरे पेट में रह-रहकर दर्द होता है ।

（我的肚子一阵阵地疼）

२) आना 作为复合动词与某些不及物动词连用表示“突然”的意思。例如：

यह कहते-कहते उसकी आँखें डबडबा आईं ।

（他说着说着眼泪夺眶而出）

तत्काल उन्हें क्रोध चढ़ आया ।

（他顿时勃然大怒）

12. तुम यहाँ कहाँ ?

१) 本句省略了谓语 खड़े हो 。

२) 句中 कहाँ 的意思相当于 क्यों ，但含有“轻蔑”的意味。又如：

यहाँ बैठे रहो ，तुम वहाँ कहाँ जाओगे ?

（在这儿呆着吧，你去那儿干吗？）

व्याकरण

1. 祈使语气用作陈述语气

आप 的将来时祈使语气有时可用来代替将来时陈述语气。这种用法含有更为尊敬的意味，且多用于带有疑问代词的疑问句中。例如：

चलो ，हम लोग भी बाहर निकलें । यहाँ बैठे-बैठे क्या कीजियेगा ?

（走，咱们也到外面去吧，在这里呆着干什么？）

आप ऐसा क्यों कीजियेगा ?

（您干吗要这么做呢？）

यहाँ कब तक पड़े रहियेगा ?

（您在这儿要呆到什么时候啊？）

有时也可不用于疑问句。例如：

यह बुरी आदत छोड़ना ही अच्छा है, नहीं तो पीछे पछताइयेगा।

（这种坏习惯还是改掉为好，不然您会后悔的）

2. 祈使语气用作虚拟语气

现在时祈使语气有时可用于条件从句，代替虚拟语气，表示“假设”。例如：

आप कहिये तो मैं भी साथ चलूं।

（如果您愿意的话，我也一起去）

छत पर बैठा हुआ कबूतर, "आ-आ" की आवाज़ सुनकर सशंक हो जाता है, और ज़मीन पर नहीं उतरता; पर थोड़ा-सा दाना बखेर दो, तो तुरन्त उतर आता है।

（躲在屋顶上的鸽子，听到人们“来，来”的呼唤声，常常心怀疑惧，不会飞下来的；假如你撒一点米粒，那它马上就会飞下来的）

कहावतें

जिसकी लाठी उसकी भैंस।

（强权即公理）

मेल से बल है।

（团结就是力量）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

कार्निवल	पत्ता	विषाद	धैर्य	आकर्षित
चूड़ी	निकम्मा	संध्या	पथ्य	तसल्ली
लट्टू	व्यग्र	हिंडोला	उद्यान	मंडली
श्रीमती	मिठास	बिल्ली	गुड़िया	गुड्डा
जुड़ना	भरपेट	पकौड़ी	चिथड़ा	चिमटना

2. निम्नलिखित वाक्यों को ऊंची आवाज़ से पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान रखिये :

१) क्यों जी , तुम ने इस में क्या देखा ?

२) उससे अच्छा तो ताश का खेल मैं ही दिखा सकता हूं ।

३) तो चलो मैं वहां पर तुम को लिवा चलूं ।

४) वहां जाकर क्या कीजियेगा ? चलिये निशाना लगाया जाए।

५) तो फिर चलो पहले शरबत पी लिया जाए ।

६) तुम्हारे और कौन है ?

७) बाबू जी नमस्ते ! आज कहिये तो खेल दिखाऊं ।

८) दिखलाओ जी , तुम तो अच्छे आये । भला कुछ मन तो बहले ।

९) छोटा जादूगर कहिये । यही मेरा नाम है । इसी से मेरी जीविका है ।

१०) मेरी मां यहीं है न । अब उसे अस्पतालवालों ने निकाल दिया है ।

3. नीचे दिये वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) उसकी वाणी में कहीं रुकावट न थी ।

२) उन्होंने तुम को यहां आने के लिये मना नहीं किया ?

३) देखनेवाले दंग रह गये ।

४) वह नौ-दो ग्यारह हो गया ।

५) यही तो संसार है ।

६) इसी से मेरी जीविका है ।

4. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) मैं खड़ा था उस छोटे फुहारे के पास , जहां एक लड़का चुपचाप शरबत पीनेवालों को देख रहा था ।

२) मनुष्यों की भीड़ से जाड़े की संध्या भी वहां गर्म हो रही थी ।

३) मुझे शरबत न पिलाकर मेरा खेल देखकर मुझे कुछ दे दिया होता , तो मुझे अधिक तसल्ली होती ।

४) कलकत्ता के सुन्दर बोटानिकल-उद्यान में लाल कमलिनी से भरी हुई एक छोटी-सी झील के किनारे घने वृक्षों की छाया में अपनी मंडली के साथ बैठा हुआ मैं जलपान कर रहा था ।

५) मैं चुप हो गया , क्योंकि श्रीमती जी की बोली में वह मां की-सी मिठास थी , जिसके सामने किसी भी लड़के को रोका नहीं जा सकता ।

६) डूबते हुए सूर्य की अंतिम किरण पेड़ों की पत्तियों से बिदाई ले रही थी ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) आकर्षित होना

२) सहमत होना

३) मना करना

४) तसल्ली होना

५) खाली जाना

६) दंग रह जाना

७) नौ-दो ग्यारह हो जाना

८) आंख बदलना

९) मन बहलना

१०) अभिनय करना

6. निम्नलिखित संज्ञाओं के लिये नीचे दिये विशेषणों में से एक-एक चुनिये, जो उचित हो :

कठिन	खाली	विशेष	सुरक्षित	सूना
लगाव	स्थान	घर	काम	जगह

7. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

悄悄溜走

突然站住

勤奋学习

坚决要求

屡次提醒

随便走走

慢慢抬起

立刻答应

愉快接受

时常担心

四处张望

永远记住

8. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1）请原谅，您的意见我不能同意。

2）虽然这次我没有成功，不过您同意的话，我愿意再试一次。

3）这种病不用吃药，休息两天自己就好了。

4）看到我们在学校里愉快地学习和生活，家长们都感到很大安慰。

5）如果老师知道的话，肯定不允许你这样做的。

6）有话就说嘛，谁也没有禁止你发言。

7）对不起，那天没有向你告别就走了。

8）他是一位射击能手，每次射击都是百发百中。

9）今天星期天，咱们玩会儿扑克牌消遣消遣怎么样？

10）这种书我家里多得很，你买它做什么？

9. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) कार्निवल के मैदान में जो लड़का खड़ा था , वह क्या कर रहा था ?

२) जब लेखक ने उससे पूछा कि तुम ने इस में क्या देखा , तो उस ने क्या जवाब दिया ?

३) वह लड़का उस परदे में क्यों नहीं जा सका ?

४) जब लेखक ने कहा कि मैं वहां पर तुम को लिवा चलूं , तो लड़के ने क्या जवाब दिया ?

५) जब दोनों शरबत पीकर निशाना लगाने चले , तो राह में लेखक ने क्या प्रश्न किये और लड़के ने क्या उत्तर दिये ?

६) जब लड़का निशाना लगाने लगा , तो लोग क्यों दंग रह गये ?

७) लड़के ने खिलौनों को बटोर कर कैसे उठाया ?

८) फिर वह क्यों नौ-दो ग्यारह हो गया ?

९) जब लेखक झूले के पास लोगों का ऊपर-नीचे आना देखने लगा

तो किसने उसको पुकारा ?

१०) लेखक कहां पर बैठा हुआ जलपान कर रहा था ?

११) इतने में कौन दिखाई पड़ा ? और उसने आकर लेखक से क्या कहा ?

१२) लेखक ने इसका क्या उत्तर दिया ?

१३) तो फिर लड़के ने कैसे खेल आरम्भ किया ?

१४) वे खिलौने किस तरह अपना अभिनय करने लगे ?

१५) लोग क्यों हंसते-हंसते लोट-पोट हो गये ?

१६) तब लेखक क्या सोच रहा था ?

१७) इसके बाद लड़के ने और क्या तमाशा दिखाया ?

१८) जब श्रीमती जी ने उस लड़के को एक रुपया दिया , तो उसने क्या किया ?

१९) जब श्रीमती जी ने लड़के से पूछा कि तुम इस रुपये से क्या करोगे , तो उसने क्या उत्तर दिया ?

२०) जब लेखक मोटर से हावड़ा की ओर आ रहा था, उस ने लड़के को कहां पर खड़ा देखा ?

२१) मोटर से उतर कर लेखक ने उस झोंपड़ी में क्या देखा ?

२२) लेखक की आंखों से आंसू क्यों निकल पड़े ?

10. इस कहानी पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

11. इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

12. इस पाठ के अंतिम भाग को —— "श्रीमती ने धीरे से उसे एक रुपया दे दिया " से अन्त तक —— रटकर सुनाइये ।

13. एक छोटी कहानी लिखिये ।

छठवां पाठ

हाय राम !.... ये बच्चे !!!

जोशी साहब और मीर साहब पड़ोसी हैं । दोनों बड़े आदमी हैं । यों तो ब्राह्मणों में जोशी और मुसलमानों में सैय्यद कुल के बड़प्पन और पवित्रता से ही बड़े होते हैं । परन्तु वकील जोशी साहब और डाक्टर मीर साहब उस बड़प्पन पर निर्भर नहीं करते । जोशी साहब ज़िले के सफल वकील हैं और मीर साहब ज़िले के सिविल सर्जन। दोनों ही उदार विचार के हैं ।

शहर में लड़के-लड़कियों के लिये और फिर हिन्दू-मुसलिम लड़के-लड़कियों के लिये अलग-अलग स्कूल मौजूद हैं , परन्तु बड़े लोगों के बच्चे सफ़ाई, सभ्यता के ख्याल से प्रायः मिशन स्कूल में ही पढ़ाये जाते हैं । वकील जोशी साहब की दोनों लड़कियां नीलू और उषा डाक्टर मीर साहब के पांच बरस के लड़के बन्ने और सात बरस की लड़की नस्सू (नसीम) एक ही जगह पढ़ते हैं ।

नीलू और नस्सू समवयस्क, सहपाठी और पड़ोसी होने के कारण सहेलियां भी बन गयी हैं । दोनों वही खेल खेलती हैं जो हिन्दुस्तान भर की इस आयु की लड़कियां खेला करती हैं : गुड़िया का खेल। दोनों अपनी गुड़ियों की शादियां करती रहती हैं । इन शादियों में एक दूसरे को न्योतती रहती हैं । दोनों के गुड्डे आधुनिक यानी साहबी पोशाक

पहने हुए हैं , परन्तु गुड़ियों की पोशाक में कुछ अन्तर है । नीलू की एक गुड़िया साड़ी , दूसरी लहंगा और तीसरी फ्राक पहने है । नस्सू की एक गुड़िया सलवार पहने हुए है , दूसरी गरारा और तीसरी फ्राक । इतने साम्प्रदायिक भेद से उन में दंगा हो जाने की कभी कोई आशंका नहीं हुई । अलबत्ता , नीलू अपनी मां से एक सलवार पहने गुड़िया और नस्सू अपनी अम्मी जान से एक साड़ी वाली गुड़िया मांगती रहती है ।

डाक्टर मीर को चौथे पहर अपने यहां बन्ने और नस्सू के साथ नीलू और ऊषा दिखाई दे जायें तो सभी को अपने पास बुलाकर दो-दो बिस्कुट अपने हाथ से उनके मुंह में देकर खुश हो जाते हैं । दोनों की गुड़ियों का हाल-चाल पूछ लेते हैं । गुड़ियों के लिये चाकलेट ला देने का पक्का वायदा कर भूल जाते हैं । बच्चे आपस में इतने हिलमिल गये हैं कि दोनों घरों में सभी जगह कमरों और बरामदों में धमा-चौकड़ी मचाते रहते हैं ।

नस्सू की अम्मी जान चौथे पहर बन्ने और नस्सू को नाश्ता देने लगती हैं तो नीलू और ऊषा को साथ देख उन्हें भी कुछ देने को मन हो आता है , परन्तु अपनी रसोई में पकी चीज़ ब्राह्मण के बच्चों को देते हाथ झिझक जाता है । वे " आदमी " की चीज़ छोड़ , भगवान या अल्लाह की बनाई चीज़ , जिसमें हिन्दू-मुसलमान की छूत का परहेज़ नहीं होता , कोई फल-वल या कारखाने का बना बिस्कुट, टाफ़ी जोशी साहब के बच्चों को दे देती हैं । ऐसी कठिनाई जोशी साहब के यहां नहीं होती , क्योंकि ब्राह्मण अपने-आपको संसार के सब मनुष्यों से पवित्र समझते हैं । ब्राह्मण के विचार में उसके हाथ

की छुई हुई चीज़ से किसी को परहेज़ नहीं हो सकता , परन्तु एक झिझक यहां भी हो ही जाती है ।

झिझक ऐसी कि जब नीलू और ऊषा की मम्मी या दादी अपने बच्चों को खाने के लिये कोई चीज़ कांसे की कटोरी या तश्तरी में देती है तो वही चीज़ बन्ने या नस्सू को कांसे की कटोरी या तश्तरी सामने रहने पर भी चीनी या कांच का बरतन ढूंढ़कर देनी पड़ती है । उनके विश्वास में कांसे का बरतन पवित्र और चीनी या कांच का बरतन अपवित्र होता है । यों भी कहा जा सकता है कि कांसे-पीतल का बर्तन हिन्दू होता है जो दूसरों की छूत से अपवित्र हो जाता है । मुसलमान या अछूत को धातु के बरतन में खिला देने पर बरतन को शुद्ध करने के लिये आग में रखना ज़रूरी हो जाता है । इसलिये नीलू और ऊषा को दादी और मां ने कई बार समझाया है ——" पागलो , रसोई खेलने की जगह नहीं । ···रसोई और पूजा की कोठरी में बन्ने और नस्सू को कभी नहीं लाना । "

नीलू अपनी गुड़िया की शादी अपने गुड्डे से कई बार कर चुकी थी । उस दिन वह अपनी गुड़िया की शादी नस्सू के गुड्डे के साथ करने के लिये नस्सू को न्योत कर साथ लिवा लाई थी । दोनों समधिनें बनने वाली थीं । यों तो गुड़िया की शादी और दावत का प्रबन्ध बरामदे में ही था परन्तु किसी चीज़ की ज़रूरत पड़ जाने पर दोनों साथ साथ दौड़ती रसोई में जा पहुंचीं ।

नीनू की मां और दादी उस समय शाम की चाय जोशी साहब के लिये उनके कमरे में भेज कर स्वयं कांसे के गिलासों में चाय पी रही थीं । दोनों लड़कियों को रसोई में धंसे आते देख उन्होंने अपनी चाय

नस्सू की नज़र से छिपा कर बड़ी कठिनाई से उन्हें दरवाज़े पर ही रोका और दो मिनिट में स्वयं ही सब कुछ बरामदे में पहुंचा देने का आश्वासन दे बहला दिया ।

बरामदे की ओर लौटते हुए उसने नीलू के गले में बांह डाल कर पूछा —— "एक बात सुन । तेरी दादी और मां मुझे रसोई में नहीं आने देतीं ? मेरे सामने खाती-पीती भी नहीं !...क्या बात है ?"

नीलू ने भौंह चढ़ाकर सोचा और नस्सू की कमर से लिपटते हुए उसे अपने साथ चिपकाकर समझाया —— "मैं बताऊं, तू मुसली है न ? "

नस्सू ने सोचकर पूछा —— "अच्छा तू मुसली नहीं है ? "

" नहीं , मैं जोशी हूं । " —— नीलू ने समझाया , "तेरी अम्मी जान सलवार पहनती हैं , वह मुसली हैं । मेरी मम्मी धोती पहनती हैं , वह जोशी हैं । "

" तू कहां धोती पहनती है ? तू फ्राक पहनती है । मैं भी फ्राक पहनती हूं । " —— नस्सू ने फिर आग्रह किया ।

" मैं बताऊं नस्सू , अभी हम लोग बच्चे हैं " —— नीलू सोच कर बोली , " जब हम बड़ी हो जायेंगी तो मैं मम्मी की तरह धोती पह-नूंगी , मैं जोशी हो जाऊंगी । तू अम्मी जान की तरह सलवार और गरारा पहनेगी , तू मुसली हो जायेगी । फिर मैं तेरे हाथ का नहीं खाऊंगी । अभी तो छोटी हूं । छोटों को समझ नहीं होती है न ? बड़ी हो जाऊंगी तो तेरे हाथ का थोड़े ही खाऊंगी । "

" तू मेरे हाथ का नहीं खायेगी तो मैं भी तेरे हाथ का नहीं खाऊंगी । " —— नस्सू ने समर्थन किया , " जब हम बड़ी हो जायेंगी

तो हिन्दू और मुसलमान हो जायेंगी । हिन्दू-मुसलमानों में खूब लड़ाई होगी , हम लोग भी खूब लड़ेंगी । है न ? "

" हां , तो फिर तेरे गुड्डे और मेरी गुड़िया की शादी कैसे होगी ? ... हम खेलेंगी कैसे ? "—— नीलू ने चिन्ता से पूछा ।

" शादी नहीं होगी तो गुड्डे गुड़िया की लड़ाई का खेल खेलें !" —— नस्सू ने सुझाया , " तू मेरे गुड्डे को छुरी मार , मैं तेरी गुड़िया को छुरी मारूंगी और फिर गुड्डे-गुड़िया के घर में आग लगा देंगी !... है न ? "

नीलू के सहमत हो जाने पर नस्सू ने सुझाया—— " तो जा ! तू रसोई से तरकारी काटने की छुरी ले आ । हिन्दू-मुसलमान की लड़ाई का खेल खेलें । "

नीलू ने जाकर दादी से बड़ी छुरी मांगी । उन्होंने विस्मय से पूछा —— " हैं , छुरी ? ...छुरी का क्या करोगी ? ... न ! हाथ कट जायेगा । "

" नहीं नहीं !... नहीं कटेगा ! हम हिन्दू-मुसलमान की लड़ाई का खेल खेलेंगे ! ... दो न जल्दी ! " —— नीलू ने मचल कर आग्रह किया ।

दादी की आंखें भय और विस्मय से फैल गयीं । दोनों हाथों में सिर थाम , उन्होंने नीलू की मां को पुकारा —— " हाय राम ! ... देख तो !!... ये बच्चे !!! "

(यशपाल)

शब्दावली

हाय (感)唉!

-- राम 唉! 天哪!

जोशी (पु०) ब्राह्मणों की एक उपजाति ; आदमी का नाम

मीर (पु०) सैय्यदों की उपाधि; आदमी का नाम

सैय्यद (पु०) मुसलमानों की एक बड़ी उपजाति 穆斯林四大宗族之一

कुल (पु०) 家族; 家庭

बड़प्पन (पु०) बड़े या श्रेष्ठ होने का भाव 高贵; 荣誉

पवित्रता (स्त्री०) पवित्र होने का भाव 神圣, 圣洁

वकील (पु०) 律师

निर्भर (वि०)依靠的

पर -- करना 依靠…

सफल (वि०)有成效的,有成绩的

सिविल सर्जन (पु०)政府医官

उदार (वि०) ऊँचे दिलवाला; दयालु 宽宏大量的

मिशन (पु०)传教机构

-- स्कूल 教会学校

ख़ान मुसलमान का नाम

समवयस्क (वि०) 同年龄的

आयु (स्त्री०)年纪, 年龄

न्योतना (स०क्रि०) उत्सव, भोज आदि के लिये निमंत्रित करना 邀请

साहबी (वि०) साहब जैसा, साहब का 绅士风度的

पोशाक (स्त्री०)衣服, 服装

साड़ी (स्त्री०) 纱丽

लहंगा (पु०)印度女式裙子

फ़्राक (पु०)女上衣; 工装

सलवार (पु०)一种宽裤腿裤子

गरारा (पु०)一种宽裤脚裤子

सांप्रदायिक (वि०)教派的

दंगा (पु०) 争吵

आशंका (स्त्री०)疑虑, 担心

अलबत्ता (连) बेशक, निस्संदेह,

परंतु , लेकिन

अम्मीजान (स्त्री०) माता

पहर (पु०)三小时（印度的计时单位，一天分为八个三小时）

चौथे -- 下午，傍晚

हाल-चाल (पु०)情况，状况

हिलना-मिलना (अ०क्रि०) आना-जाना; मित्रता रखना

धमा-चौकड़ी (स्त्री०)吵闹，喧闹

-- मचाना 吵闹，喧闹

रसोई (स्त्री०)厨房

अल्लाह (पु०)安拉，真主

छूत (स्त्री०)接触，触摸

परहेज़ (पु०) खाने-पीने आदि का संयम 禁忌；忌食

टाफ़ी (स्त्री०)太妃糖

छूना (अ०क्रि०)接触

(स०क्रि०)接触，触摸

मम्मी (स्त्री०) माँ

कांसा (पु०)青铜

तश्तरी (स्त्री०)小盘，碟子

चीनी (पु०)瓷器

कांच (पु०) 玻璃

अछूत (पु०)（印度教）不可接触者

पागल (पु०)疯子

समधिन (स्त्री०)岳母；婆婆

दावत (स्त्री०) भोजन के लिये दिया जानेवाला निमंत्रण 宴请

-- देना 宴请

घुसना (अ०क्रि०)ज़बरदस्ती के साथ अंदर जाना 撞入

पहुंचाना (स०क्रि०)送

आश्वासन (पु०)安慰；保证

का -- देना 安慰；保证

बहलाना (स०क्रि०)哄骗

भौंह (स्त्री०)眉毛

-- चढ़ाना 皱眉头

मुसली (स्त्री०)मुसलिम 的俗称

समर्थन (पु०)赞成；支持

सुझाना (स०क्रि०) किसी के ध्यान में कोई नई बात लाना;सुझाव के रूप में किसी के सामने कोई बात रखना 出主意；建议

छुरी (स्त्री०)小刀，小匕首

को -- मारना用小刀刺

आग (स्त्री०)火

-- लगाना 点火，放火

तरकारी (स्त्री०) 菜，青菜

विस्मय (पु०) 惊异；疑惑

मचलना (अ०क्रि०) किसी चीज़ को लेने या न देने का हठ पकड़ लेना; किसी चीज़ के लिये रोना-धोना 坚持要某件东西，(为要某件东西而) 纠缠

टिप्पणियां

लेखक के सम्बन्ध में ——

हिन्दी के जाने माने प्रगतिशील कथाकार यशपाल (१९०३ —— १९७६) का जन्म कांगड़ा (पंजाब) में हुआ था । सातवीं कक्षा तक वहां पर उन्होंने शिक्षा प्राप्त की । पहली कहानी उन्होंने पांचवीं या छठी कक्षा में लिखी थी । १९२० से बराबर लिखने लगे ।

श्री यशपाल उन लेखकों में हैं जो साहित्य को साधन मानते हैं तथा साहित्य के द्वारा क्रान्ति की भावना तैयार करने का प्रयत्न करते हैं । " उत्तराधिकारी " उनका सर्वश्रेष्ठ कहानी संग्रह है । उपन्यासों में " दिव्या "," देशद्रोही " , " पार्टी कामरेड " आदि सुन्दर उपन्यास हैं ।

- o - - o -

1. यों तो ब्राह्मणों में जोशी और मुसलमानों में सैय्यद कुल के बड़प्पन और पवित्रता से ही बड़े होते हैं , परन्तु वकील जोशी साहब और डाक्टर मीर साहब उस बड़प्पन पर निर्भर नहीं करते ।

句中 यों तो 作连词，意思是“虽然”、“虽说”，后

一句常接पर 或 परन्तु 。例如：

यों तो वह मेरा रिश्तेदार है , परन्तु हम बहुत कम मिलते हैं ।

（虽然他是我的亲戚，但我们很少见面）

2. ...परन्तु अपनी रसोई में पकी चीज़ ब्राह्मण के बच्चों को देते हाथ झिझक जाता है ।

句中 देते 省略了हुए ，意思是 देते समय 。

3. ...कोई फल-वल या कारखाने का बना बिस्कुट , टाफ़ी जोशी साहब के बच्चों को दे देती हैं ।

फल-वल 中的 वल 是个附加词，本身没有意义，与 फल连用，表示"水果等等"、"水果什么的"。

其他还有 चाय-वाय （茶水什么的）等，也是这种用法。

4. ... परन्तु किसी चीज़ की ज़रूरत पड़ जाने पर दोनों साथ-साथ दौड़ती रसोई में जा पहुंचीं ।

१） ज़रूरत पड़ना 意思是"需要"。例如：

मेरी ज़रूरत पड़े तो बताओ ।

（需要我时你就说）

२） 句中 पर 表示原因。又如：

उसे अपनी ग़लती पर दुख है ।

（他因自己的错误而难过）

हम लोग अपनी मातृभूमि के नाम पर गर्व करते हैं ।

（我们因祖国的名字而感到骄傲）

5. दोनों लड़कियों को रसोई में घुसे आते देख उन्होंने अपनी चाय

नस्सू की नज़र से छिपाकर बड़ी कठिनाई से उन्हें दरवाज़े पर ही रोका ...

句中 अपनी चाय नस्सू की नज़र से छिपाकर 意思是"把茶水藏起来不让娜苏看到"，这是因为在高等种姓的印度教徒看来，吃的东西被异教徒看到也会受到玷污。

6. फिर मैं तेरे हाथ का नहीं खाऊँगी ।

句中 तेरे हाथ का 意思是 तेरे हाथ का बना खाना，亦即 तेरे हाथ से बनाया गया खाना 。

7. छोटों को समझ नहीं होती है न ?

（ किसी को ）समझ न होना 意思是"不懂事"。这句话的意思是"小孩子不是不懂事吗？"

8. -पन （印）

后缀。将形容词、名词变为抽象名词。例如：

बड़ा ——→ बड़प्पन 伟大；高贵

बच्चा ——→ बचपन 童年

पागल ——→ पागलपन 疯狂

स-（梵）

前缀。表示"连同"、"带有"、"具有"。例如：

स + फल ——→ सफल 成功的

स + परिवार ——→ सपरिवार 携眷属的

स + चेत ——→ सचेत 警觉的

व्याकरण

语气词 तो 小结

तो 也是较为常见的一种语气词，尤其在口语中使用更广。它的含义也较多，与其它某些词类连用，还可构成新的含义。下面对其主要用法作一小结。

1。表示强调、肯定

这是语气词 तो 的基本意义。它可以放在各种成分后面，对该成分加以强调或肯定。相当于汉语里表示强调的“是”，“可”，“嘛”等。否定句里有时相当于“并不是”、“并没有”等。

口语中对 तो 所强调的成分一般需重读。

रिटायर होने से पहले और बात थी । तुम तो अच्छी तरह जानते हो । ⑭

मैं ने तो रंजना से नहीं कहा कि वह मुझे चाहे । ⑮

वह तो सब महिलाओं को करना पड़ता है । ⑭

इस मछली का हाथ आना तो और भी कठिन था । ⑥

ख़बर नहीं , कहां की रहनेवाली है । मुझे तो बिल्कुल गंवार मालूम होती है । ⑥

उसने तुम्हारे बारे में ऐसी-ऐसी गालियां बकी हैं कि मेरा तो दिल हिल गया । ⑥

यह सुनकर तो हरी मछली आपे से बाहर हो गयी । ⑥

जब रवीन्द्रनाथ जी स्वयं होते , तब तो विद्यार्थियों की

प्रसन्नता के क्या कहने ।⑧

在这种意义下，有时为了更加强调所述成分，在 तो 后面还可接用一个语气词 ही 。

यह तो बिस्कुट-चाकलेट खाने की उम्र ही है ।⑦

पत्नी का डर तो उसे था ही , खैर उसने मछली को टोकरी में डाला और घर की ओर चल दिया ।⑪

बिजली की रोशनी और पंखे का तो सवाल ही नहीं ।⑬

हाय , मेरा तो भाग्य ही फूट गया ।⑦

किस को लिया जाना है , यह पहले से ही तय होता है । फिर भी तैयारी तो करनी ही है ।⑭

2. 表示对比

在意义相左的两句话之间进行对比，तो置于所强调的成分之后。

तुम इस तालाब के दलदल की बात कहते हो , मैं तो तुम्हें संसार के दलदल से ही छुड़ानेवाला हूं ।④

हमें तो तुम दुख देते हो , और कोई नहीं देता ।⑮

कुछ देर पहले तो रंजना के प्रति वैराग्य दिखा रहे थे , अब रंजना को चाहने की बात करने लगे ।⑮

3. 表示让步

在一个并列复合句里，前面一句用 तो，表示让步关系，后面一句用转折连词 पर 引导，相当于汉语“虽然…,但是…”。

एक-दो स्टेशन आने तक तो ठीक रहा पर उसके पश्चात सामान की रक्षा किसने की , यह भगवान ही जाने ।⑤

पुलिस की मोटर देखकर आज़ाद का साथी तो बच निकला , किन्तु वे स्वयं वहीं रह गये ।⑩

（本用法参见第三册第五课语法注释）

4. 用于祈使句里，表示恳切，委婉

अब मैं आया हूं , तो कुछ देर तो बैठो ।⑭

रंजना बेटा , दो कप चाय तो बना लाओ ।⑭

在这种意义下，तो 还可用于祈使句的句尾，以加强祈使的语气。（参见第三册第十四课语法注释）

5. 与 ही 连用，加强 ही 的语气

हम उसकी खूब खातिर करेंगे , आखिर यह सब उसीका दिया हुआ ही तो है ।⑫

ले-देकर हम चाय ही तो पिला सकते हैं ।⑭

यही तो मेरी मुश्किल है ।⑮

कहावतें
मुंह में राम बग़ल में छुरी ।
（口蜜腹剑）
एक से दो भले ।
（两个比一个好；协作比单干好）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

सैय्यद	बड़प्पन	पवित्रता	निर्भर	सर्जन
स्कूल	समवयस्क	न्योतना	साड़ी	फ्राक
सांप्रदायिक	अलबत्ता	अम्मीजान	भौंह	लिपटना
झिझकना	अल्लाह	आश्वासन	धमा-चौकड़ी	

2. निम्नलिखित बातचीत को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान रखिये :

" एक बात सुन । तेरी दादी और मां मुझे रसोई में नहीं आने देतीं ? मेरे सामने खाती-पीती भी नहीं ! ... क्या बात है ? "

" मैं बताऊं , तू मुसली है न ? "

" अच्छा , तू मुसली नहीं है ? "

" नहीं , मैं जोशी हूं । तेरी अम्मीजान सलवार पहनती हैं , वह मुसली हैं । मेरी मम्मी धोती पहनती हैं , वह जोशी हैं । "

" तू कहां धोती पहनती है ? तू फ़्राक पहनती है । मैं भी फ़्राक पहनती हूं । "

" मैं बताऊं नस्सू अभी हम लोग बच्चे हैं । जब हम बड़ी हो जाएंगी तो मैं मम्मी की तरह धोती पहनूंगी , मैं जोशी हो जाऊंगी । तू अम्मीजान की तरह सलवार और गरारा पहनेगी, तू मुसली हो जाएगी । फिर मैं तेरे हाथ का नहीं खाऊंगी । अभी तो छोटी हूं । छोटों को समझ नहीं होती है न ? बड़ी

हो जाऊंगी तो तेरे हाथ का थोड़े ही खाऊंगी । "

" तू मेरे हाथ का नहीं खाएगी तो मैं भी तेरे हाथ का नहीं खाऊंगी । जब हम बड़ी हो जाएंगी तो हिन्दू और मुसलमान हो जाएंगी । हिन्दू-मुसलमानों में खूब लड़ाई होगी , हम लोग भी खूब लड़ेंगी । है न ? "

" हां , तो फिर तेरे गुड्डे और मेरी गुड़िया की शादी कैसे होगी ? ··· हम खेलेंगी कैसे ? "

" शादी नहीं होगी तो गुड्डे -गुड़िया की लड़ाई का खेल खेलें ! तू मेरे गुड्डे को छुरी मार , मैं तेरी गुड़िया को छुरी मारूंगी और फिर गुड्डे-गुड़िया के घर में आग लगा देंगी । है न ? "

3. नीचे दिये वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) नीलू और नन्हू समवयस्क , सहपाठी और पड़ोसी होने के कारण सहेलियां भी बन गयी हैं ।

२) इतने साम्प्रदायिक भेद से उन में दंगा हो जाने की कभी कोई आशंका नहीं हुई ।

३) मुसलमान या अछूत को धातु के बरतन में खिला देने पर बरतन को शुद्ध करने के लिये आग में रखना ज़रूरी हो जाता है ।

४) दोनों समधिनें बननेवाली थीं ।

५) तू कहां धोती पहनती है ?

६) छुरी का क्या करोगी ?

4. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये , फिर उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) यों तो ब्राह्मणों में जोशी और मुसलमानों में सैय्यद कुल के बड़प्पन और पवित्रता से ही बड़े होते हैं , परन्तु वकील जोशी साहब और डाक्टर मीर साहब उस बड़प्पन पर निर्भर नहीं करते ।

२) डाक्टर मीर को चौथे पहर अपने यहां बन्ने और नस्सू के साथ नीलू और ऊषा दिखाई दे जाएं तो सभी को अपने पास बुलाकर दो-दो बिस्कुट अपने हाथ से उनके मुंह में देकर ख़ुश हो जाते हैं ।

३) नस्सू की अम्मीजान चौथे पहर बन्ने और नस्सू को नाश्ता देने लगती हैं , तो नीलू और ऊषा को साथ देख उन्हें भी कुछ देने को मन हो आता है , परन्तु अपनी रसोई में पकी चीज़ ब्राह्मण के बच्चों को देते हाथ झिझक जाता है ।

४) वे " आदमी " की चीज़ छोड़ , भगवान या अल्लाह की बनाई चीज़ , जिसमें हिन्दू-मुसलमान की छूत का परहेज़ नहीं होता, कोई फल-वल या कारखाने का बना बिस्कुट , टाफ़ी जोशी साहब के बच्चों को दे देती हैं ।

५) झिझक ऐसी कि जब नीलू और ऊषा की मम्मी या दादी अपने बच्चों को खाने के लिये कोई चीज़ कांसे की कटोरी या तश्तरी में देती हैं तो वही चीज़ बन्ने और नस्सू को कांसे की कटोरी या तश्तरी सामने रहने पर भी चीनी या कांच का बरतन ढूंढ़कर देनी पड़ती है ।

६) दोनों लड़कियों को रसोई में घुसे आते देख उन्होंने अपनी चाय नस्सू की नज़र से छिपा कर बड़ी कठिनाई से उन्हें दरवाज़े पर

ही रोका और दो मिनिट में स्वयं ही सब कुछ बरामदे में पहुंचा देने का आश्वासन दे बहला दिया ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिये :

१) यों तो
२) निर्भर करना
३) अलग-अलग
४) ...के ख्याल से
५) वायदा करना
६) ...के विचार में
७) बड़ी कठिनाई से
८) आश्वासन देना

6. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

严酷的现实
有趣的谈话
机灵的孩子
落日的余辉
同胞姐妹
嫩绿的青草
退休教师
热烈的情感
人工湖
寂静的夜晚
茂密的树林
无忧无虑的人

7. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1) 这本书我虽然读过几遍了，但还想再读一遍。

2) 不同的民族使用不同的语言。

3) 我们将主要依靠自己的努力来完成这项任务。

4) 在我看来，这个计划是可行的。

5) 您这个主意不错，咱们就这么办吧。

6) 他因为有件要紧的事情进城去了。

7) 需要的话我会通知你的。

8 ）幸好你提醒我，不然我答应了的事情又会忘记了。

9 ）你要这个做什么？这东西已经坏了。

10 ）那天我看见她了，她穿着一件新纱丽。

8. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) जोशी साहब किस प्रकार के आदमी थे ?

२) मीर साहब किस प्रकार के आदमी थे ?

३) शहर में बड़े लोगों के बच्चे कहां पर पढ़ाये जाते थे ? और क्यों ?

४) नीलू और नस्लू कौन-सा खेल खेला करती थीं ?

५) दोनों की गुड़ियों की पोशाक में क्या अन्तर था ?

६) मीर साहब दोनों लड़कियों के साथ कैसा व्यवहार करते थे ?

७) नस्लू की अम्मी जान नीलू और ऊषा को अपनी रसोई में पकी चीज़ क्यों नहीं दे सकती थीं ?

८) ऐसी कठिनाई जोशी साहब के यहां क्यों नहीं होती थी ?

९) नीलू की मम्मी या दादी नस्लू को खाने की चीज़ कांसे के बरतन में क्यों नहीं देती थीं ?

१०) नीलू की दादी और मां नस्लू को अपनी रसोई में क्यों नहीं जाने देती थीं ?

११) नीलू और नस्लू को अपनी रसोई में घुसे आते देखकर नीलू की मां और दादी ने क्या किया ?

१२) बरामदे की ओर लौटते हुए नस्लू ने नीलू से क्या पूछा ?

१३) नीलू ने इस का क्या जवाब दिया ?

१४) इसके बाद दोनों में क्या बातचीत हुई ?

१५) जब नीलू ने पूछा कि गुड़िया की शादी नहीं होगी तो हम कैसे खेलेंगी , तो नस्सू ने क्या सुझाया ?

१६) जब नीलू ने जाकर दादी से बड़ी छुरी मांगी , तो दादी ने क्या कहा ?

१७) जब नीलू ने मचल कर आग्रह किया तो दादी ने क्या किया ?

१८) इस कहानी पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

9. इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

10. इस पाठ के पहले तीन पैराग्राफ़ों को रटकर सुनाइये ।

11. किसी भी विषय पर दो विद्यार्थी दस मिनट की बातचीत करें ।

सातवां पाठ

सिनेमा और जीवन

सिनेमा का प्रचार दिन-दिन बढ़ रहा है । केवल इंग्लैंड में दो करोड़ दर्शक प्रति सप्ताह सिनेमा देखने जाते हैं । इसलिये प्रत्येक राष्ट्र का फ़र्ज़ हो गया है कि वह सिनेमा की प्रगति पर कड़ी निगाह रखे और इसे केवल धन लुटेरों के ही हाथ में न छोड़ दे । व्यवसाय का नियम है कि जनता में जो माल ज़्यादा खपे, उसकी तैयारी में लगे । अगर जनता को ताड़ी शराब से रुचि है , तो वह ताड़ी शराब की दुकानें खोलेगा और खूब धन कमाएगा । उसे इससे प्रयोजन नहीं कि ताड़ी शराब से जनता को कितनी दैहिक , आत्मिक , चारित्रिक , आर्थिक

और पारिवारिक हानि पहुचती है । उसके जीवन का उद्देश्य तो धन है और धन कमाने का कोई भी साधन वह नहीं छोड़ सकता । यह काम उपदेशकों और सन्तों का है कि वे जनता में संयम और निषेध का प्रचार करें । व्यवसाय तो व्यवसाय है । " बिज़नेस इज़ बिज़नेस " यह वाक्य सभी की ज़बान पर रहता है । इसका अर्थ यही है कि कारोबार में धर्म और अधर्म, उचित और अनुचित का विचार नहीं किया जा सकता । बल्कि उसका विचार करना बेवकूफ़ी है ।

इस में विद्वानों को मतभेद हो सकता है कि आदमी का पूर्व पुरूष बन्दर है या भालू , लेकिन इसमें तो सभी सहमत होंगे कि आदमी में दैविकता भी है और पाशविकता भी । अगर आदमी एक वक्त में किसी की हत्या कर सकता है , तो दूसरे अवसर पर किसी की रक्षा में अपने प्राणों का होम भी कर सकता है और आदि से साहित्य और काव्य और कलाओं का यही ध्येय रहा है कि आदमी में जो पशुत्व है उसका दमन करके , उसमें जो देवत्व है, उसको जगाया जाये। उस में जो निम्न भावनाएं हैं उनको दबाकर या मिटाकर कोमल और सुन्दर वृत्तियों को संचित किया जाये । साहित्य और काव्य में भी ऐसे समय आये हैं , और आते रहते हैं , जब सुन्दर का पक्ष निर्बल हो जाता है और वह असुन्दर, वीभत्स और दुर्वासना का राग अलापने लगता है । लेकिन जब ऐसा समय आता है तो हम उसे पतन का युग कहते हैं । इसी उद्देश्य से साहित्य और कला में केवल मानव जीवन की नकल करने को बहुत ऊंचा स्थान नहीं दिया जाता और आदर्शों की रचना करनी पड़ती है । आदर्शवाद का ध्येय यही है कि वह सुन्दर और पवित्र की रचना करके मनुष्य में जो कोमल और ऊंची भावनाएं हैं ,

उन्हें पुष्ट करे और जीवन के संस्कारों से मन और हृदय में जो गर्द और मैल जम रहा हो उसे साफ़ कर दे । किसी साहित्य की महत्ता की जांच यही है कि उसमें आदर्श चरित्रों की सृष्टि हो । हम सब निर्बल जीव हैं, छोटे-छोटे प्रलोभनों में पड़कर हम विचलित हो जाते हैं, छोटे-छोटे संकटों के सामने हम सिर झुका देते हैं । और जब हमें अपने साहित्य में ऐसे चरित्र मिल जाते हैं, जो प्रलोभनों को पैरों तले रौंदते और कठिनाइयों को धकियाते हुए निकल जाते हैं, तो हमें उनसे प्रेम हो जाता है, हममें साहस का जागरण होता है और हमें अपने जीवन का मार्ग मिल जाता है ।

अगर सिनेमा इसी आदर्श को सामने रखकर अपने चित्रों की सृष्टि करता, तो वह आज संसार की सबसे बलवान संचालक शक्ति होता, मगर खेद है कि इसे कोरा व्यवसाय बनाकर हमने उसे कला के ऊंचे आसन से खींचकर ताड़ी या शराब की दूकान की सतह तक पहुंचा दिया है, और यही कारण है कि अब सर्वत्र यह आन्दोलन होने लगा है कि सिनेमा पर नियंत्रण रखा जाये और उसे मनुष्य की पशुताओं को उत्तेजन देने की कुप्रवृत्ति से रोका जाये ।

जिस ज़माने में बम्बई में कांग्रेस का जलसा था, सिनेमा हाल अधिकांश में ख़ाली रहते थे, और उन दिनों जो चित्र दिखाये गये, उनमें घाटा ही रहा । इसका कारण इसके सिवा और क्या हो सकता है कि जनता के विषय में जो ख़याल है कि वह मारकाट और सनसनी पैदा करने वाली और शोर-गुल से भरी हुई फ़िल्मों को ही पसंद करती है, वह भ्रम है । जनता प्रेम और त्याग और मित्रता और करूणा से भरी हुई फ़िल्मों को और भी रूचि से देखना चाहती है । व्यवसाय

को भी देश और समाज के कल्याण के सामने झुकना पड़ता है । स्वदेशी आन्दोलन के समय में किसकी हिम्मत थी जो " बिज़नेस इज़ बिज़नेस " की दुहाई देता ? बिज़नेस से अगर समाज का हित होता है,तो ठीक है ; वर्ना ऐसे बिज़नेस में आग लगा देनी चाहिये । सिनेमा अगर हमारे जीवन को स्वस्थ आनन्द दे सके , तो उसे ज़िन्दा रहने का हक है । अगर वह हमारे क्षुद्र मनोवेगों को उकसाता है , हममें निर्लज्जता और धूर्तता और कुरूचि को बढ़ाता है , और हमें पशुता की ओर ले जाता है , तो जितनी जल्द उसका निशान मिट जाये , उतना ही अच्छा ।

शब्दावली

दिन-दिन (क्रि०वि०) रोज़-रोज़ 一天天

दर्शक (पु०) 观众

कड़ी (वि०) 严厉的

निगाह (स्त्री०) दृष्टि , नज़र 目光

पर -- रखना 注视，注意

लुटेरा (पु०) लूटनेवाला,डाकू 强盗；掠夺者

छोड़ना (स०क्रि०) 放弃

के हाथ में -- 交给…；托付给…

खपना (अ०क्रि०) बिकना;खर्च होना 销售；消费

ताड़ी (स्त्री०) 印度土酒

रूचि (स्त्री०) 喜好，爱好

से -- होना 喜欢…

प्रयोजन (पु०) अर्थ, अभिप्राय 意义，意图

दैहिक (वि०) देह का 身体的

आत्मिक (वि०) आत्मा का 心灵上的

चारित्रिक (वि०) चरित्र का

品格上的

पारिवारिक (वि०) परिवार का 家庭的

हानि (स्त्री०) नुकसान 损害，损伤

-- पहुंचना 受到损害

साधन (पु०) 手段，方法

उपदेशक (पु०) उपदेश देनेवाला 教导者；传道者

सन्त (पु०) साधु 仙人，出家人

संयम (पु०) 克制，节制

निषेध (पु०) मनाही, रोक लगाना 禁止，禁忌

बिज़नेस (पु०) व्यवसाय

धर्म (पु०) 道德

अधर्म (पु०) 不道德

अनुचित (वि०) 不适宜的，不合理的

बेवकूफ़ी (स्त्री०) 愚蠢

मतभेद (पु०) मत की भिन्नता

पूर्व पुरुष (पु०) 祖先，先人

दैविकता (स्त्री०) 神性，神的特点

पाशविकता (स्त्री०) 兽性

होम (पु०) 牺牲

का -- करना 牺牲

आदि (पु०) आरंभ, शुरू

काव्य (पु०) कविता 诗

पशुत्व (पु०) पाशविकता

देवत्व (पु०) दैविकता

निम्न (वि०) नीच 低下的

मिटाना (स० क्रि०) 消灭，铲除

वृत्ति (स्त्री०) 意念；观念

सचेत (वि०) 觉醒的

-- करना 使觉醒，唤醒

पक्ष (पु०) 方面

निर्बल (वि०) कमज़ोर 无力的

वीभत्स (वि०) 令人嫌恶的

दुर्वासना (स्त्री०) बुरी इच्छा या कामना

राग (पु०) 音调，曲调

अलापना (स० क्रि०) 唱；弹

का राग -- 弹…调

पतन (पु०) ऊपर से नीचे आना, गिरना 堕落，衰败

नकल (स्त्री०) 抄写；复制

की -- करना 抄写；复制

आदर्शवाद (पु०) 理想主义

पुष्ट (वि०) 巩固的，坚实的

-- करना 巩固，使稳固
संस्कार (पु०) 净化；完善
गर्द (स्त्री०) धूल 灰尘
मैल (पु०) 污物
महत्ता (स्त्री०) 意义，价值
चरित्र (पु०) 行为，品行
सृष्टि (स्त्री०) रचना, निर्माण 创造
प्रलोभन (पु०) 引诱
-- में पड़ना 受引诱
विचलित (वि०) 动摇的
तले (क्रि०वि०) नीचे
रौंदना (स०क्रि०) कुचलना 踩
पैरों तले -- 踩在脚下；鄙弃
धकियाना (स०क्रि०) धक्का देना 推
कठिनाइयों को -- 克服困难
जागरण (पु०) 觉醒；萌发
बलवान (वि०) शक्तिशाली 有力的
संचालक (वि०) संचालन करनेवाला 领导的，指挥的
कोरा (वि०) 纯的，纯粹的
सतह (वि०) 水平
उत्तेजन (पु) 煽动，刺激
कुप्रवृत्ति (स्त्री०) 不良倾向
जलसा (पु०) 群众集会
सिनेमा हाल (पु०) 电影院
के विषय में ══ के बारे में
मारकाट (स्त्री०) 斗殴
सनसनी (स्त्री०) 恐怖
भ्रम (पु०) 错觉
स्वदेशी (वि०) 本国的，国内的
-- आंदोलन 独立运动
दुहाई (स्त्री०) 宣布，声明
की -- देना 宣布…；声明…
स्वस्थ (वि०) 健康的
आनन्द (पु०) 享乐，享受
हक (पु०) अधिकार 权利
क्षुद्र (वि०) तुच्छ 低下的
मनोवेग (पु०) 内心的冲动
निर्लज्जता (स्त्री०) 无耻，恬不知耻
धूर्तता (स्त्री०) 欺诈
कुरुचि (स्त्री०) 低级趣味
निशान (पु०) 标志；痕迹

-- मिटना 痕迹被消除；被铲除

टिप्पणियां

1. उसे इससे प्रयोजन नहीं कि ताड़ी शराब से जनता को कितनी दैहिक, आत्मिक, चारित्रिक, आर्थिक और पारिवारिक हानि पहुंचती है ।

किसी व्यक्ति को किसी बात से प्रयोजन न होना是个习惯用语，意思是“×××与…没有关系”、“×××不管…”。例如：

हम को इस बात से क्या प्रयोजन ?

（这件事跟我们有什么关系？）

प्रयोजन 也可用मतलब，意义相同。

2. बल्कि उसका विचार करना बेवकूफ़ी है ।

句中बल्कि 单独使用，意思仍为“而且”。

这句话是承接上句的，बल्कि 前面可理解为省略了 इतना ही नहीं 。

3. ..., लेकिन इसमें तो सभी सहमत होंगे कि आदमी में दैविकता भी है और पाशविकता भी ।

1)主句用将来时，表示“推测”。 सहमत होंगे 意思是“恐怕会同意”。

2)从句中的并列复合句各用一个 भी，表示“既…也…”。又如：

यह बात बुरी भी है और अच्छी भी ।

（这既是件坏事也是件好事）

4. ... आदि से साहित्य और काव्य और कलाओं का यही ध्येय रहा है कि ...

句中 रहा है 意思是“一直是”、“一向是”。又如：

पेकिङ· विश्वविद्यालय का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है।

（北京大学一向具有光荣的历史）

5. और यही कारण है कि अब सर्वत्र यह आंदोलन होने लगा है कि सिनेमा पर नियंत्रण रखा जाये ...

句中 यही कारण है कि 是个习用语，意思相当于इसीलिये，从结构上说，可理解为在 कारण前面省略了 इसका 。

6. स्वदेशी आन्दोलन के समय में किसकी हिम्मत थी जो " बिज़नेज़ इज़ बिज़नेस " की दुहाई देता ?

१) 主句 किसकी हिम्मत थी 是表示否定意义的反问句，相当于汉语的“谁敢…”。

२) 从句中的 जो这里用作 जिससे，主语 वह 省略了。

व्याकरण

假设语气单独用于从句

假设语气一般多用于条件状语从句，其主句也用假设语气。但有时主句并非假设语气，而是用陈述语气的否定句等，表示“不存在”或“不可能”的事情，这时，其从句须用假设语气，以表示其非现实性。例如：

उस समय यह संभव नहीं था कि हम यह काम पूरा कर लेते।

（当时我们完成这项工作是不可能的）

उन दिनों मैं बहुत व्यस्त था। इतना मौका भी न मिला कि आपके यहां आता ।

（那些日子我很忙，根本没时间来您这儿）

मेरे पास पैसे नहीं थे जो यह ख़रीदता ।

（当时我没钱买它）

从以上各例可以看出，从句用假设语气，主句均为过去时态。主句为现在时态时，从句则用虚拟语气。（参阅上册第3和第13课注释）

从句用假设语气，除适用于主句表示“不存在”、“不可能”的事情外，还适用于主句表示“愿望”、“义务”、“责任”等的句子。例如：

मैं चाहता था कि वह मेरे यहां आता ।

（我当时希望他来我这里）

आपका कर्तव्य था कि उस की अच्छी तरह सहायता करते ।

（您的职责是很好地帮助他）

以上各例的主句同样也是过去时态，若为现在时态时，从句则同样须用虚拟语气。例如：

मैं चाहता हूं कि वह मेरे यहा आये ।

आपका कर्तव्य है कि उसकी अच्छी तरह सहायता करें ।

कहावतें

इलाज से बचाव अच्छा ।

（治病不如防病）

एक हाथ से ताली नहीं बजती ।

（一个巴掌拍不响）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

लुटेरा	ताड़ी	दैहिक	आत्मिक	चारित्रिक
पारिवारिक	निषेध	विद्वान	वक्त	वृत्ति
वीभत्स	पुष्ट	महत्ता	सृष्टि	उत्तेजन
कुप्रवृत्ति	स्वस्थ	क्षुद्र	निर्लज्जता	धूर्तता

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये और उनके अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) उसके जीवन का उद्देश्य तो धन है और धन कमाने का कोई भी साधन वह नहीं छोड़ सकता ।

२) व्यवसाय तो व्यवसाय है ।

३) व्यवसाय को भी देश और समाज के कल्याण के सामने झुकना पड़ता है ।

४) बिज़नेस से अगर समाज का हित होता है, तो ठीक है ; वर्ना ऐसे बिज़नेस में आग लगा देनी चाहिये ।

५) सिनेमा अगर हमारे जीवन को स्वस्थ आनन्द दे सके , तो उसे ज़िन्दा रहने का हक है ।

3. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका अनुवाद कीजिये :

१) इसलिये प्रत्येक राष्ट्र का फ़र्ज़ हो गया है कि वह सिनेमा की प्रगति पर कड़ी निगाह रखे और इसे केवल धन लुटेरों के ही हाथ में न छोड़ दे ।

२) इसका अर्थ यही है कि कारोबार में धर्म और अधर्म , उचित और अनुचित का विचार नहीं किया जा सकता । बल्कि उस का विचार करना बेवकूफ़ी है ।

३) आदर्शवाद का ध्येय यही है कि वह सुन्दर और पवित्र की रचना करके मनुष्य में जो कोमल और ऊंची भावनाएं हैं , उन्हें पुष्ट करे और जीवन के संस्कारों से मन और हृदय में जो गर्द और मैल जम रहा हो उसे साफ़ कर दे ।

४) जब हमें अपने साहित्य में ऐसे चरित्र मिल जाते हैं , जो प्रलोभनों को पैरों तले रौंदते और कठिनाइयों को धकियाते हुए निकल जाते हैं , तो हमें उनसे प्रेम हो जाता है,हममें साहस का जागरण होता है और हमें अपने जीवन का मार्ग मिल जाता है ।

५) अगर सिनेमा इसी आदर्श को सामने रखकर अपने चित्रों की सृष्टि करता , तो वह आज संसार की सब से बलवान संचालक शक्ति होता , मगर खेद है कि इसे कोरा व्यवसाय बना कर हमने उसे कला के ऊंचे आसन से खींचकर ताड़ी या शराब

की दुकान की सतह तक पहुंचा दिया है और यही कारण है कि अब सर्वत्र यह आन्दोलन होने लगा है कि सिनेमा पर नियंत्रण रखा जाये और उसे मनुष्य की पशुताओं को उत्तेजन देने की कुप्रवृत्ति से रोका जाये ।

4. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों से वाक्य बनाइये :

१) दिन-दिन	७) नकल करना
२) ...के हाथ में छोड़ना	८) सामने रखना
३) ...से प्रयोजन न होना	९) यही कारण है कि ....
४) हानि पहुंचना	१०) ...को...से रोकना
५) मतभेद होना	११) ज़िन्दा रहना
६) राग अलापना	१२) जितना...उतना ही अच्छा

5. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

领导指示的方向	大雪覆盖的山顶
连在一起的房舍	站岗的卫士
会上决定的事情	被证实的消息
你找的人	已经偿还的债务
他想出的办法	受到指责的人
您教过的学生	老师宣布的规则

6. नीचे दिये विशेषणों के लिये निम्नलिखित संज्ञाओं में से एक-एक चुनिये, जो उचित हो :

दीर्घ	सफल	आधुनिक	सांप्रदायिक	पक्का
निशानेबाज़	पोशाक	खिलाड़ी	भेद	निःश्वास

7. चीनी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1) 印度每年生产几百部电影，是世界上产量最高的。

2) 印度生产的电影多数是娱乐片。

3) 电影是一种重要的宣传工具，应该很好地加以利用。

4) 一部好的影片可以给人以教育，给人以健康的享受。

5) 一部不好的影片会给观众带来恶劣的影响。

6) 不仅电影，一切文艺作品都应考虑是否对国家和社会有利。

7) 凡是有损于人民利益的事情我们都不要做。

8) 一个人的能力有大有小；但只要对人民有利，他的工作就是有意义的。

9) 自已有工作能力而依靠别人生活的人是没有权利生存于社会之中的。

10) "不劳动者不得食"，这句话是完全正确的。

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) सिनेमा की प्रगति पर कड़ी निगाह क्यों रखी जानी चाहिये ?

२) व्यवसाय का नियम क्या है ?

३) " बिज़नेस इज़ बिज़नेस " इस वाक्य का क्या अर्थ है ? क्या यह ठीक है ? और क्यों ?

४) आदि से साहित्य और कलाओं का क्या ध्येय रहा है ?

५) आदर्शवाद का ध्येय क्या है ?

६) किसी साहित्य की महत्ता की जांच किस बात से होती है ?

७) जब हमें अपने साहित्य में आदर्श चरित्र मिल जाते हैं तो उनक हम पर क्या प्रभाव पड़ सकता है ?

८) " जनता के विषय में जो ख़याल है कि वह मारकाट और

सनसनी पैदा करनेवाली और शोर-गुल से भरी हुई फ़िल्मों को ही पसन्द करती है , वह भ्रम है । " इस बात को एक उदाहरण दे कर स्पष्ट कीजिये ।

९) जनता किस तरह की फ़िल्मों को और भी रुचि से देखना चाहती है ?

१०) इस पाठ पर अपने विचार प्रकट कीजिये ।

9. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

10. " साहित्य और जीवन " शीर्षक पर एक लेख लिखिये ।

आठवां पाठ

प्रायश्चित

एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिये खीर बनाई और खीर से भर कर कटोरा कमरे के एक ऐसे ऊंचे ताक पर रखा गया, जहां बिल्ली न पहुंच सके ।

उधर कमरे में कबरी बिल्ली आई, ताक के नीचे खड़े होकर उसने ऊपर कटोरे की ओर देखा , सूंघा , माल अच्छा है, उसने छलांग मारी, पंजा कटोरे में लगा और झनझनाहट की आवाज़ के साथ फ़र्श पर ...

आवाज़ रामू की बहू के कान में पहुंची , वह दौड़ी । क्या देखती है कि फूल का कटोरा टुकड़े टुकड़े और खीर फ़र्श पर और बिल्ली डट कर खीर उड़ा रही है । रामू की बहू को देखते ही कबरी चम्पत ।

रामू की बहू पर खून सवार हो गया , न रहे बांस न बजे बांसु-री । रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर कमर कस ली ।

दूसरे दिन सुबह रामू की बहू एक कटोरा दूध कमरे के दरवाज़े की देहली पर रखकर चली गयी । हाथ में पाटा लेकर लौटी तो देखा कि कबरी दूध पर जुटी हुई है । मौका हाथ में आ गया । सारा बल लगा कर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया । कबरी न हिली न डुली , न चीख़ी न चिल्लाई , बस एक दम उलट गयी ।

आवाज़ जो हुई महरी झाड़ू छोड़कर , मिसरानी रसोई छोड़कर और सास पूजा छोड़कर घटनास्थल पर उपस्थित हो गयीं ।

महरी बोली— अरे राम , बिल्ली तो मर गयी । मां जी यह तो बुरा हुआ ।

मिसरानी बोली — मां जी , बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या बराबर है । हम तो रसोई न बनावेंगे , जब तक बहू के सिर हत्या रहेगी । सास जी बोली — हां , ठीक कहती हो , अब जब तक बहू के सिर से हत्या न उतर जाय , तब तक न कोई पानी पी सकता है , न खाना खा सकता है । बहू , तूने यह क्या कर डाला ।

महरी ने कहा — फिर क्या हो , कहो तो पण्डित जी को बुला लाऊं ?

सास की जान में जान आई —अरे हां , जल्दी दौड़के पंडित जी को बुला ला । पण्डित परमसुख पहुंचे , और कोरम पूरा हुआ । पंचाइत बैठी — सास जी , मिसरानी , किसनू की मां , छन्नू की दादी और पण्डित परमसुख ।

किसनू की मां ने कहा — पण्डित जी , बिल्ली की हत्या करने

से कौन नरक मिलता है ?

पण्डित परमसुख ने पन्ने के पन्ने उलटे, अक्षरों पर उंगलियां चलाई, मत्थे पर हाथ लगाया और कुछ सोचा। चेहरे पर धुंधलापन आया। माथे पर बल पड़े, नाक कुछ सिकुड़ी और स्वर गम्भीर हो गया। "हरे कृष्ण ! हरे कृष्ण ! बड़ा बुरा हुआ, प्रातः काल ब्रह्म-मुहूर्त में बिल्ली की हत्या। घोर कुम्भीपाक नरक का विधान। रामू की मां, मगर चिन्ता की कौन सी बात है ? शास्त्रों में प्रायश्चित का विधान है, सो प्रायश्चित से सब कुछ ठीक हो जायेगा।"

रामू की मां ने कहा —— पण्डित जी, इसीलिये तो आप को बुलवाया था, अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाय ?

" किया क्या जाय ? यही, एक सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाय। बिल्ली दान देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाय।"

रामू की मां ने कहा —— तो पण्डित जी, कितने तोले की बिल्ली बनवाई जाय ? तोला भर की बिल्ली से काम निकलेगा ?

पण्डित परमसुख हंस पड़े —— अरे रामू की मां, शास्त्रों में तो लिखा है कि बिल्ली के वज़न भर सोने की बिल्ली बनवाई जाय। लेकिन अब कलियुग आ गया है, धर्म-कर्म का नाश हो गया है, श्रद्धा नहीं रही। सो रामू की मां, बिल्ली के तौल भर की बिल्ली तो क्या बनेगी ? हां, कम से कम...

मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की बिल्ली पर ठीक हो गया।

इस के बाद पूजा-पाठ की बात आई।

" पूजा का सामान कितना लगेगा ? "

" अरे , कम से कम सामान में हम पूजा कर देंगे । दान के लिये करीब दस मन गेहूं , एक मन चावल , एक मन दाल , मन भर तिल , पांच मन जौ और पांच मन चना , चार पसेरी घी , और मन भर नमक भी लगेगा । बस , इतने में काम चल जायेगा । "

" अरे बाप रे ! इतना सामान , पण्डित जी , इस में तो सौ डेढ़ सौ रूपया खर्च हो जायगा । " रामू की मां ने रूआंसी हो कर कहा ।

पण्डित जी मुस्करा कहे थे , " अरे रामू की मां , रूपये का लोभ बहू से बढ़ गया ? थोड़ा सा खर्च है । इससे मुंह न मोड़ो । "

एक ठंडी सांस लेते हुए रामू की मां ने कहा , " अब तो जो नाच नचाओगे , नाचना ही पड़ेगा । "

पण्डित परमसुख ज़रा कुछ बिगड़ कर बोले , " रामू की मां । यह तो खुशी की बात है । अगर तुम्हें यह अखरता है तो न करो । मैं चला । " इतना कहकर पण्डित जी ने पोथी पत्रा बटोरा ।

" अरे पण्डित जी , रामू की मां को कुछ नहीं अखरता । बेचारी को कितना दुख है । बिगड़ो न । " मिसरानी , छन्नू की दादी और किसनू की मां ने एक स्वर में कहा ।

रामू की मां ने पण्डित जी के पैर पकड़े और अब पण्डित जी ने जमकर आसन जमाया ।

" और क्या हो ? "

" इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रूपये और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पांच पांच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा । " कुछ

रुककर पण्डित परमसुख ने कहा , " सो इस की चिन्ता न करो ,मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूंगा और मेरे अकेले भोजन करने से पांच ब्राह्मणों के भोजन का फल मिल जायगा । "

पण्डित जी की बात ख़त्म भी न हुई थी कि महरी हांफती हुई कमरे में घुस आयी और सब लोग चौंक उठे । रामू की मां ने कहा, " अरी क्या हुआ री ? "

महरी ने लड़खड़ाते स्वर में कहा , " मां जी , बिल्ली तो उठकर भाग गयी । "

(भगवतीचरण वर्मा)

शब्दावली

प्रायश्चित (पु०) 忏悔; 赎罪

खीर (स्त्री०) दुध में पकाया हुआ चावल 奶粥

ताक (पु०) 壁龛, 壁橱

कबरा (वि०) 杂色的

कबरी बिल्ली 花猫

सूंघना (स०क्रि०) 嗅, 闻

पंजा (पु०) 爪

में -- लगना 用爪子抓…

झनझनाहट (स्त्री०) 叮当声

बहू (स्त्री०) 儿媳; 媳妇

डटना (अ०क्रि०) अड़ना, एक स्थान पर रहना, किसी जगह से न हटना 站定, 不动

उड़ाना (स०क्रि०) 大吃,猛吃

चम्पत (वि०) जो बिना किसी से कहे कहीं चला या भाग गया हो 溜走的,跑掉的

-- होना 溜走, 跑掉

खून (पु०) 血

पर -- सवार होना …起杀害念头

बांस (पु०) 竹子

बांसुरी (स्त्री०) 笛子

कसना (स० क्रि०) 缠紧，握紧

पर कमर --下定决心,准备…

देहली (स्त्री०) 门槛

पाटा (पु०) 小板凳

जुटना (अ० क्रि०) 紧贴；连接

बल (पु०) शक्ति 力量

-- लगाना 用力，使劲

पटकना (स० क्रि०) किसी को या कोई चीज़ उठाकर ज़ोर से ज़मीन पर डालना या गिराना 摔，扔

डोलना (अ० क्रि०) 摇动；动摇

एकदम (क्रि० वि०) तुरन्त; एक बारगी ; बिल्कुल 马上；一下子；完全

उलटना (अ० व स० क्रि०) 翻，翻倒；死亡

महरी (स्त्री०) 女佣人

मिसरानी(मिश्रानी) (स्त्री०) ब्राह्मणों की एक उपजाति की स्त्री 女婆罗门；婆罗门的妻子

सास (स्त्री०) पति या पत्नी की माता 婆婆；岳母

घटनास्थल (पु०) घटना होने की जगह 现场

बराबर (वि०)同样的;相等的

जान (स्त्री०) 生命

-- में -- आना 放心；轻松

कोरम (पु०)法定人数

-- पूरा होना 达到法定人数

पंचाइत(पंचायत) (स्त्री०) 印度农村中由五人组成的长老会【农村基层组织】

-- बैठना 长老会开会

नरक (पु०) 地狱

पन्ना (पु०)【书报的】页

मत्था (पु०)额

धुंधलापन (पु०) 阴暗；模糊

बल (पु०) 皱纹；折痕

पर -- पड़ना 露出愁容

सिकुड़ना (अ० क्रि०) 萎缩

कृष्ण (पु०) 克利希那【即黑天，印度教大神之一】

हरे -- ! 天哪！

प्रातःकाल (पु०)早晨

ब्रह्म-मुहूर्त (पु०)日出前的两小时

घोर (वि०)恐怖的; 可恶的

कुंभीपाक (पु) 最低层的地狱

विधान (पु०)规定

शास्त्र (पु०) धर्मग्रंथ 宗教经典

बुलवाना (स०क्रि०) बुलाना 的 致使

बतलाना (स०क्रि०) बताना 告诉; 指出

इक्कीस 二十一

पाठ (पु०)(宗教)经文

-- होना 诵经

तोला (पु०)多拉(印度金银重量单位,每多拉重量为11.6636克)

काम निकलना 满足要求;达到目的

कलियुग (पु०)迦利时期(按印度教传说。世界历史分为四个时期,或称四个大劫。迦利时期为最后一个时期,或称末劫)

नाश (पु०)毁灭,消亡

तौल (पु०)重量

मोल-तोल (पु०)दाम ठहराना 讨价还价

पूजा-पाठ (पु०) 祈祷诵经

मन (पु०) चालीस सेर का वज़न 满(重量单位,约合四十千克)

जौ (पु०) 大麦

चना (पु०)一种三角小豆

पसेरी (स्त्री०) पांच सेर का वज़न 五赛尔

घी (पु०) 酥油

रुआंसा (वि०)欲哭的

मोड़ना (स०क्रि०) घुमाना, दिशा बदलना 转,改变方向

से मुंह -- 逃避,躲避

सांस (स्त्री०) 呼吸

ठंडी -- लेना 叹气

नाच (पु०) 舞蹈

नचाना (स०क्रि०)使舞蹈

अखरना (अ०क्रि०) बुरा लगना 不喜欢; 不合口味

पोथी-पत्रा (पु०) धार्मिक पुस्तक 经书

जमना (अ०क्रि०) अपनी जगह पर डटा रहना 呆在原地

आसन (पु०) वह चीज़ जिस पर
बैठा जाए 座位，座垫

जमाना (स०क्रि०) मज़बूती से
बैठाना 放牢固，使固定

आसन --稳稳当当地坐住

बखत (पु०) वक्त 一顿（饭）

हाँफना (अ०क्रि०) 喘

चौंकना (अ०क्रि०) चकित होना
吃惊

लड़खड़ाना (अ०क्रि०)口吃，结巴

टिप्पणियां

लेखक-परिचय —— भगवतीचरण वर्मा (जन्म १९०३) —— वर्मा जी बहुमुखी प्रतिभा के यशस्वी कलाकार हैं । उन्होंने अनेक कविताएं, कहानियां, नाटक, उपन्यास और निबंध लिखे हैं । " प्रायश्चित " वर्मा जी की एक चिर प्रसिद्ध व्यंग्य-कथा है ।

1. ..., उसने छलांग मारी, पंजा कटोरे में लगा और झनझनाहट की आवाज़ के साथ फ़र्श पर ... ।

   末句省略了主语 कटोरा和谓语 गिर पड़ा 。

2. क्या देखती है कि फूल का कटोरा टुकड़े-टुकड़े और खीर फ़र्श पर और बिल्ली डट कर खीर उड़ा रही है ।

   १) क्या देखती है कि ... 意思是“（她）惊讶地发现…”。这里虽然叙述的是过去的事情，但仍用现在时,这是固定的习惯用法。谓语动词 देखना 的性数随主语变。

   २) टुकड़े-टुकड़े 后面省略了 हुआ，फ़र्श पर 后面省略 फैल गयी 。

3. रामू की बहू को देखते ही कबरी चम्पत ।

本句 चम्पत 后面省略了 हो गयी 。

4. ...,न रहे बांस न बजे बांसुरी ।

这是句谚语，直译为“没有竹子就没有笛子响”，意思是“要斩草就得除根”。这里指“猫是祸根，必须除掉”。

5. कबरी न हिली न डुली , न चीख़ी न चिल्लाई , बस एकदम उलट गयी ।

१) न ... न ... 意思是“既没有…也没有…”。

२) बस 若用作形容词，意思是“足够的”、“充分的”。

这里用作语气词，表示“总之”、“够啦”、“得啦”等意义。

本文中 बस , इतने में काम चल जाएगा । 也是这种用法。

6. आवाज़ जो हुई महरी झाड़ू छोड़ कर , मिसरानी रसोई छोड़कर और सास पूजा छोड़कर घटनास्थल पर उपस्थित हो गयीं ।

句中 जो 用作 जब , " आवाज़ जो हुई " 即 " आवाज़ जब हुई 。

7. हम तो रसोई न बनावेंगी , जब तक बहू के सिर हत्या रहेगी ।

१) 这是个主从复合句。主句中省略了 तब तक 。

२) बहू के सिर 后面省略了 पर 。

३) हत्या 这里指“杀死猫的罪孽”。

8. फिर क्या हो , कहो तो पंडित जी को बुला लाऊं ?

१) " फिर क्या हो " 即 " फिर क्या किया जाए " , " फिर क्या करें " 。

२) बुला लाना 意为“叫来”、“找来”。

9. पण्डित दरमसुख ने पन्ने के पन्ने उलटे, …

पन्ने这里指经书的“页”。

10. शास्त्रों में प्रायश्चित का विधान है, सो प्रायश्चित से सब कुछ ठीक हो जाएगा।

句中सो用作连词，意思是इसलिये, अतः。如：

वह आ गया, सो मैं उससे बातें करने लगा।
（他来了，所以我就跟他谈起来了）

11. अरे बाप रे।

这是个习用感叹语，表示“惊讶”、“哀伤”，意思相当于汉语的“哎呀，我的妈呀！”

12. अब तो जो नाच नचाओगे, नाचना ही पड़ेगा।

这句话直译为“现在你让我跳什么舞我就只好跳什么舞了”，意思是“只好听从你来摆布了”。

13. -आहट（印）

后缀。将动词根变为抽象名词。例如：

झनझना + आहट ⟶ झनझनाहट 叮当声

घबरा + आहट ⟶ घबराहट 慌张

चिल्ला + आहट ⟶ चिल्लाहट 喊叫

व्याकरण

1. 量词

印地语量词为数很少，除度量衡量词（包括度量衡单位和货币单位）外，只有少数表示容量的实物名词可用作量词。例如：

एक गिलास पानी　　一杯水

एक बोतल शराब　　一瓶酒

एक चम्मच चीनी　　一勺糖

एक गाड़ी लकड़ी　　一车木材

此外，有些量词的用法也须注意，它不是放在名词的前面，而是放在名词的后面。例如：

सैनिकों का एक दल　　一队士兵

बंदरों का समूह　　一群猴子

लड़कों का एक झुंड　　一帮孩子

मांस के कई टुकड़े　　几块肉

2。后置词 का 置于重叠的名词中间表示"众多"

在两个重叠的复数名词中间插入后置词 के（ की ）表示"众多"。例如：

लोगों के दल के दल आते जाते रहते हैं।

（人们成群结队络绎不绝）

यह कंपनी हर महीने कपास के बोरे के बोरे थोक भाव में खरीदती है।

（这家公司每月用批发价格购买整包整包的棉花）

कहावतें

ऊंची दुकान, फीका पकवान

（金玉其外，败絮其中）

मानो तो देव, नहीं तो पत्थर।

（信之则为神，否则是石头）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

प्रायश्चित	झनझनाहट	डटना	उड़ाना	पाटा
जुटना	डोलना	घटनास्थल	पण्डित	पंचाइत
मत्था	धुंधलापन	सिकुड़ना	प्रातःकाल	श्रद्धा
ब्रह्म-मुहूर्त	कुंभीपाक	शास्त्र	इक्कीस	चौंकना
पूजा-पाठ	घी	हांफना	लड़खड़ाना	

2. निम्नलिखित बातचीत को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान रखिए :

" अरे राम , बिल्ली तो मर गयी । मां जी यह तो बुरा हुआ । "

" हम तो रसोई न बनावेंगे , जब तक बहू के सिर हत्या रहेगी । "

" हां , ठीक कहती हो , अब जब तक बहू के सिर से हत्या न उतर जाए , तब तक न कोई पानी पी सकता है , न खाना खा सकता है । बहू , तू ने यह क्या कर डाला । "

" फिर क्या हो , कहो तो पण्डित जी को बुला लाऊं ?"

" अरे हां , जल्दी दौड़ के पण्डित जी को बुला ला । "

" रामू की मां , मगर चिन्ता की कौन-सी बात है ? शास्त्रों में प्रायश्चित का विधान है , सो प्रायश्चित से सब कुछ

ठीक हो जाएगा । "

" पंडित जी , इसीलिये तो आपको बुलवाया था , अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए ? "

" किया क्या जाए ? यही , एक सोने की बिल्ली बनवा कर बहू से दान करवा दी जाए । बिल्ली दान देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाए । "

" तो पंडित जी , कितने तोले की बिल्ली बनवाई जाए ? तोला भर की बिल्ली से काम निकलेगा ? "

" अरे रामू की मां , शास्त्रों में तो लिखा है कि बिल्ली के वज़न भर सोने की बिल्ली बनवाई जाए । लेकिन अब कलियुग आ गया है , धर्म-कर्म का नाश हो गया है , श्रद्धा नहीं रही । सो रामू की मां बिल्ली के तौल भर की बिल्ली तो क्या बनेगी ? हां , कम से कम ... । "

3. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) न रहे बांस न बजे बांसुरी ।

२) बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या बराबर है ।

३) कहो तो पण्डित जी को बुला लाऊं ?

४) अब तो जो नाच नचाओगे , नाचना ही पड़ेगा ।

५) अगर तुम्हें यह अखरता है तो न करो ।

4. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिये खीर बनाई और खीर से भरकर कटोरा कमरे के एक ऐसे ऊंचे ताक पर रखा गया ,

जहां बिल्ली न पहुंच सके ।

२) उधर कमरे में कबरी बिल्ली आयी , ताक के नीचे खड़े होकर उसने ऊपर कटोरे की ओर देखा , सूंघा , माल अच्छा है , उसने छलांग मारी , पंजा कटोरे में लगा और झनझनाहट की आवाज़ के साथ फ़र्श पर ... ।

३) आवाज़ रामू की बहू के कान में पहुंची , वह दौड़ी। क्या देखती है कि फूल का कटोरा टुकड़े-टुकड़े और खीर फ़र्श पर और बिल्ली डटकर खीर उड़ा रही है ।

४) पण्डित परमसुख ने पन्ने के पन्ने उलटे , अक्षरों पर उंगलियां चलाईं , मत्थे पर हाथ लगाया और कुछ सोचा ।

५) सो इस की चिन्ता न करो , मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूंगा और मेरे अकेले भोजन करने से पांच ब्राह्मणों के भोजन का फल मिल जाएगा ।

5. नीचे दिये शब्दों या मुहावरों से वाक्य बनाइये :

१) टुकड़े-टुकड़े होना	५) बुला लाना
२) कमर कस लेना	६) जान में जान आना
३) सारा बल लगाना	७) काम निकलना
४) बराबर होना	८) एक स्वर में कहना

6. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

受虐待	受谴责
被毁坏	被吸引
受蔑视	挨批评
被拒绝	被禁止

受损害　　　　遭杀害

被哄骗　　　　被唤醒

7. नीचे दिये शब्दों के विपर्याय बताइये :

असंतोष　इन्कार　निकम्मा　सहमत　चतुर

बनावटी　सफल　पवित्र　अनुचित　निर्बल

8. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1）今天老师在班上提出了一个谁也没有回答出来的问题。

2）他把你的书藏在一个谁也找不到的地方。

3）从北大到火车站乘公共汽车至少需要一个小时的时间。

4）我只有十个卢比，如果够用的话，你就拿去吧。

5）在有些地方，只要说一句话就能把事情办成。

6）我本来非常着急，看见你我就放心了。

7）我认为回避斗争是懦夫的表现。

8）为了完成这项任务，我们将全力以赴。

9）看来这次他下决心要用功读书了。

10）如果你同意，我就写封信通知他。

9. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) रामू की बहू ने खीर से भरा कटोरा कहां पर रखा था ?

२) कबरी बिल्ली ने कटोरा क्यों और किस तरह गिराया ?

३) रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर क्यों कमर कस ली ?

४) उसने किस तरह कबरी की हत्या की ?

५) महरी, मिसरानी और सास ने घटनास्थल पर उपस्थित हो कर क्या क्या कहा था ?

६) पंचायत में कौन-कौन बैठे थे ?

७) किसनू की माँ ने क्या पूछा था ?

८) पण्डित जी ने क्या जवाब दिया था ?

९) पण्डित जी और सास में किस तरह मोल-तोल हुआ ?

१०) जब पण्डित जी ने पूजा का सामान बताया तो सास ने क्या कहा ?

११) इस पर पण्डित जी ने क्या कहा ?

१२) सास की कौन-सी बात सुनकर पण्डित जी बिगड़ गये, फिर वे क्या बोले ?

१३) रामू की माँ ने पण्डित जी के पैर क्यों पकड़े ?

१४) अन्त में पण्डित जी ने क्या फ़ैसला सुनाया ?

१५) महरी क्यों हाँफती हुई कमरे में घुस आई ?

१६) इस कहानी पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

10. इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

11. " अरे बाप रे । " से अन्त तक को रट कर सुनाइये ।

12. पंद्रह मिनट का एक भाषण दीजिये ।

नौवां पाठ

एक रात

रात के दो बज रहे हैं और मैं जाग रहा हूं । सारी दुनिया रंगीन सपनों में खोई है और मैं आकाश में टिमटिमाते तारे गिन रहा हूं । यह रात , यह ख़ामोशी और हृदय में तूफ़ान से उठते हुए विचार न सोने देते हैं , न जागने । पत्र के लिये पंच वर्षीय योजना पर लेख लिख कर देना ज़रूरी है , इसलिये जाग रहा हूं । पंचवर्षीय योजना की नयनाभिराम मुद्रित प्रति अपने हाथ में लिये पन्ने उलट रहा हूं । सारे दिन के श्रम की थकान से चकनाचूर शरीर काम करने से आनाकानी कर रहा है । मन को एकाग्र करने के लिये अपनी अलसाई आंखों से मैं खिड़की से सिर बाहर निकाल कर अपने मकान के नीचे सड़क की ओर देखता हूं ।

जाड़े की रात । फुटपाथ पर चीथड़ों से लिपटे हुए मनुष्य अपने घुटनों को पेट में गड़ाये दे रहे हैं । उसका तीन फुट लम्बा कद सिमट कर दो फुट की गठरी बन गया है ।

मैं देख रहा हूं , फुटपाथ पर सोये भल्ली वाले को , जो एक-एक , दो-दो आने में सारे दिन सिर पर सामान ढोकर , एक या डेढ़ रुपया कमाता है । शाम को थकावट से चूर , घर से दूर कानपुर के फुटपाथ पर चार कपड़ों से आध सेर आटे की चार रोटियां सेंक ,

नमक के साथ खाकर बोझा रखने वाली झल्ली के ऊपर सिर रख कर सो गया है ।

मैं देख रहा हूं , उसी झल्ली वाले के पास पड़े हुए एक बारह - तेरह वर्ष के लड़के को जो सारे दिन जूतों की पालिश कर मुश्किल से दस-बारह आने कमा शाम को कुछ खटरपटर पेट में डाल कर रात को पालिश की पेटी को सिर के नीचे रखकर सो गया है , अपने लंबे फटे कुर्ते में पैरों को छिपाकर । इसी लड़के के पास एक कुत्ता भी सटा पड़ा है जो कभी-कभी ठण्डक से कूं कूं करता हुआ अपने चारों पैरों को समेट कर लड़के के लंबे फटे कुरते में अपने को छिपाने का असफल प्रयास करने लगता है ।

फुटपाथ से हट कर मेरी नज़र पीछे की ओर बने गन्दे अहाते की ओर जा पहुंची । देखा म्युनिसिपैलिटी के जलते बल्ब के प्रकाश में कच्चे घरौंदेनुमा क्वार्टरों की सीलनवाली ज़मीन पर बैठे कई लोग आग का अलाव लगा कर ताप रहे हैं ।

अहाते के बाहर दरवाज़े पर सड़क की नाली से सटा हुआ एक रिक्शा खड़ा है और रिक्शे की गद्दे का सहारा लिये सो रहा है रिक्शा चलानेवाला । सरदी ज़्यादा लगने पर रिक्शे का पाल भी उसने चढ़ा लिया है , फिर भी ठण्डी हवा के आने जाने की रोक नहीं हो सकी । इसीलिये वह भी सिकुड़कर गठरी बन गया है ।

मैं यह सब अपनी आंखों से देख रहा हूं , और सोचता हूं,ये मनुष्य हैं या मनुष्यता के शव ! निष्कर्ष निकालने के पूर्व ही मैंने सुना , सीटी बजी और किसी ने ज़ोर से एक डण्डा रिक्शा के पाल पर मारा । चौंक कर देखा तो रात को गश्त लगानेवाला पुलिस कांसटिबल दिखाई

दिया जिसे सड़क के किनारे पर बैठे, सोते-रोते व्यक्तियों को न बैठने न सोने, न रोने देने की ड्यूटी मिली हुई है। वह इस ड्यूटी को ही ठीक-ठीक अंजाम देता है बिना किसी संकोच और बिना किसी भेदभाव के। पैर की ठोकर खाकर जागे हुए फल्ली वाले और बूट पालिशवाले छोकरे को डांटते हुए सिपाही ने कहा, " क्यों, तुम अपनी हरकतों से बाज़ नहीं आवोगे ? मैं रोज़-रोज़ तुम्हें जगाता हूं और तुम रोज़-रोज़ यहीं सोते हो। " इसके बाद कुछ गालियां देकर उसने चेतावनी दी, " नहीं मानोगे तो बड़े घर की सैर कराऊंगा चोरी के इल्ज़ाम में, समझे। " उत्तर में कसाई के सामने कंपकंपाती गाय की तरह सिर नीचा किये सहमे वे दोनों बैठे ही रहे। सिपाही के दूर चले जाने पर बड़बड़ाता हुआ फल्ली वाला कहने लगा, " कहां जाएं ? घर-द्वार तो है नहीं, किसी के दरवाज़े सोएं तो चोर समझ के भगाये जायें और फुटपाथ पर सोएं, जमादार ठोकर मारें। "

मेरे कानों में ये शब्द पड़े। मैं सोच रहा हूं इनके इस सवाल का जवाब, उस गश्त वाले सिपाही के पास क्या है ? शायद कुछ भी नहीं है, और न वह इस सवाल की गहराई में जाना ही चाहता है।

मगर मैं सोचता हूं सचमुच ये कहां जाएं ? कहां सोएं ? कैसे रहें ?? क्या खाएं ??? इनकी सर्दी दूर करने का, पेट भरने का, रहने का, शिक्षा और दवादारू का कोई भी इन्तज़ाम नहीं है हमारे पास। और तभी पंचवर्षीय योजना की याद पुनः आयी। लेकिन उस में और सब कुछ है, मगर इनके लिये उसमें कुछ भी नहीं है। काम इतने ज़्यादा हैं कि इस तरह के सुधारों की ओर हमारे लोक नायकों का ध्यान ही नहीं जाता। इसी गति को आधार मानकर सोचा जाय तो कम से कम

बीस-पच्चीस पंचवर्षीय योजनाएं कार्यान्वित हो जाने के बाद ही जो योजना बनेगी उसमें संभवत: इन बेज़बानों की भी याद की जाय ।

मैं सोच रहा हूं तब तक इनका क्या होगा ? इसका उत्तर न पंच-वर्षीय योजनाओं में है और न नेताओं की स्पीचों में , इसी चिन्ता में बहुत देर डूबे रहने के बाद मेरी निगाह एक बार अपने हाथों में रखी पंचवर्षीय योजना की नयनाभिराम मुद्रित प्रति पर पड़ी और दूसरी बार सामने सड़क के फुटपाथ पर गठरी बने , कंपकंपाते चीथड़ों में लिपटे काले कलूटे स्वतंत्र भारत के नागरिकों पर ।

नागरिकों पर —— भारत के उन भाग्यशाली नागरिकों पर जिन्हें भारतीय संविधान में भाषण , लेखन तथा विचार-स्वातंत्र्य की पूरी आज़ादी मिली हुई है । जिनके वोट की कीमत उतनी है जितनी किसी भी पूंजीपति या महान् नेता के वोट की । इतना होते हुए भी भारत के यह नागरिक —— जिनकी संख्या हज़ार दो हज़ार नहीं , लाख दो लाख नहीं , करोड़ों में है —— नंगा , भूखा और बीमार हैं , अशिक्षित हैं , बेघर हैं और बेज़बान भी । देश के उपवन में इनके फूल से चेहरे धूप की तपिश से मुरझाते हैं या पाला की शीत से झर जाते हैं ।

मैं खड़ा हुआ अब भी सोच रहा हूं , हमारा देश , हमारा समाज, हमारी सरकार और हम क्या करते हैं ? क्या कर रहे हैं ? इस सवाल का जवाब औरों के पास क्या है कह नहीं सकता । मगर मेरा अन्तर पुकार-पुकार कर कहता है , जागो , उठो , संगठित हो और संघर्ष करो ।

शब्दावली

रंगीन (वि०) रंगोंवाला 彩色的

सपना (पु०) 梦

खोना (स०क्रि०) 失去; 沉入

टिमटिमाना (अ०क्रि०) 发微光, 闪烁

तारा (पु०) 星

गिनना (स०क्रि०) 数

ख़ामोशी (स्त्री०) 寂静, 沉寂

तूफ़ान (पु०) 暴风雨

-- उठना 起暴风雨

पत्र (पु०) समाचार पत्र 报纸

पंच 五

वर्षीय (वि०) वर्ष का

नयनाभिराम (वि०) जो देखने में प्रिय तथा सुंदर हो 好看的, 漂亮的

मुद्रित (वि०) 被印出的, 印刷的

प्रति (स्त्री०) 副本; 复本

थकान (स्त्री०) 疲劳, 劳累

चकनाचूर (वि०) 精疲力尽的

एकाग्र (वि०) 注意力集中的

-- करना 集中注意力

अलसाना (अ०क्रि०) 疲乏, 无精打采

फ़ुटपाथ (पु०) 人行便道

घुटना (पु०) 膝盖

गड़ाना (स०क्रि०) 插入, 埋入

फ़ुट (पु०) 英尺

कद (पु०) 身材, 身高

सिमटना (अ०क्रि०) सिकुड़ना 缩, 蜷缩

गठरी (स्त्री०) कपड़े में बंधा हुआ सामान 包袱

झल्ली (स्त्री०) 篮子, 筐子

थकावट (स्त्री०) थकान

चूर (वि०) 打碎的; 疲倦的

आध (वि०) आधा

आटा (पु०) 小麦粉, 粗面粉

सेंकना (स०क्रि०) 烤; 暖

पड़ना (अ०क्रि०) लेटना 躺, 卧

पालिश (स्त्री०) 擦亮; 磨光

की -- करना 擦; 磨

सटर-पटर (स्त्री०) छोटी चीज़ , मामूली चीज़

पेटी (स्त्री०) 小盒子

सटना (अ०क्रि०) दो वस्तुओं का एक साथ लग जाना 紧靠，靠近

ठंडक (स्त्री०) सर्दी 冷，寒冷

कूं-कूं (स्त्री०) 狗叫声

समेटना (स०क्रि०) बटोरना 收拢

गंदा (वि०) मैला 脏的

अहाता (पु०) 院子，院落

म्युनिसिपैलिटी (स्त्री०) 市；市政委员会

घरौंदा (पु०) खेलने के लिये बच्चों का बनाया हुआ मिट्टी का छोटा-सा घर 玩具泥屋

नुमा (वि०) देखने में किसी के समान होनेवाला 像…的

क्वार्टर (पु०) 住宅区

सीलन (स्त्री०) 潮湿

अलाव (पु०) आग का ढेर; तापने के लिये जलाई गयी आग 火堆；取暖的火

-- लगाना 生火，烧火

तापना (अ०क्रि०) 烤火取暖

नाली (स्त्री०) 下水道

रिक्शा (पु०) 人力车

पाल (पु०) 布篷，帐篷

रोक (स्त्री०) 阻止，阻挡

शव (पु०) 尸体

निष्कर्ष (पु०) 结论

-- निकालना 得出结论

के पूर्व ═══ के पहले

सीटी (स्त्री०) 哨

डंडा (पु०) 棍子

-- मारना 打棍子

गश्त (स्त्री०) 巡逻，巡视

-- लगाना 巡逻，巡视

कांसटिबल (पु०) 警察；警官

ड्यूटी (स्त्री०) 职责

की -- मिलना 负责…

अंजाम (पु०) पूर्ति 完成

-- देना 完成；执行

ठोकर (स्त्री०) 踢

-- खाना 挨踢

-- मारना 踢

छोकरा (पु०) लड़का

हरकत (स्त्री०) 行为，活动

बड़ा घर जेलखाना

इल्ज़ाम (पु०) दोष 罪

कसाई (पु०) 屠夫

सहमना (अ०क्रि०) डरना

बड़बड़ाना (अ०क्रि०) 叨唠，嘟囔

घर-द्वार (पु०) घर

जमादार (पु०) सिपाहियों आदि का मुखिया 班长

गहराई (स्त्री०) 深层，深度

नायक (पु०) नेता

गति (स्त्री०) 状况，状态；速度

आधार (पु०) 基础

कार्यान्वित (वि०) 被执行的，被施行的

-- होना 执行，施行

बेज़बान (वि०) 哑的；无力反抗的

स्पीच (स्त्री०) भाषण 演说

कलूटा (वि०) घोर काला

काला-- बहुत अधिक या बिल्कुल काला

भाग्यशाली (वि०) 幸运的，好运气的

लेखन (पु०) 写作

वोट (पु०) 选票

-- देना 投票

पूंजीपति (पु०) 资本家

अशिक्षित (वि०) 未受教育的

बेघर (वि०) 没有家的

उपवन (पु०) बाग 花园

मुरझाना (अ०क्रि०) 凋谢，枯萎

पाला (स्त्री०) 霜；雪

शीत (स्त्री०) सरदी 冷

झरना (अ०क्रि०) 脱落

अन्तर (पु०) मन , हृदय

टिप्पणियां

1。रात के दो बज रहे हैं ···

本句主语为 दो，意为“两下”，谓语动词बजना 意为“敲”、“响”。दो बज रहे हैं意思是“快两点钟了”。

2。शाम को थकावट से चूर，घर से दूर कानपुर के फुटपाथ पर चार कपड़ों से आध सेर आटे की चार रोटियां सेंक，नमक के साथ खाकर ···

句中चार用作不定数词，意同कुछ 。

3。··· जो सारे दिन जूतों की पालिश कर मुश्किल से दस-बारह आने कमा शाम को कुछ सटरपटर पेट में डालकर रात को पालिश की पेटी को सिर के नीचे रखकर सो गया है，अपने लम्बे फटे कुर्ते में पैरों को छिपाकर ।

१）मुश्किल से用于数字前，表示“至多”，“大不过”。例如：

उस सभा में मुश्किल से बीस आदमी उपस्थित थे ।

（出席那次大会的至多有20人）

२）दस-बारह意思是“十多个”。

३）अपने लम्बे फटे कुर्ते में पैरों को छिपाकर这里是倒装，作为状语，修饰सो गया है，所以倒装，一是避免因修饰语过多而使语言显得拖沓，二是可以增强语势。

4。शायद कुछ भी नहीं है，और न वह इस सवाल की गहराई में जाना ही चाहता है ।

这里गहराई में जाना意思是“深入思考”、“深入探究”。

5. इतना होते हुए भी भारत के यह नागरिक …

句中इतना होते हुए भी意即इतना होने पर भी。

6. -ईन（乌）

后缀。将名词变为形容词。例如：

रंग ——→ रंगीन 彩色的

नमक ——→ नमकीन 咸的

शौक ——→ शौकीन 爱好…的

-ईय（梵）

后缀。将名词变为形容词。例如：

वर्ष ——→ वर्षीय 年度的

वर्ग ——→ वर्गीय 阶级的

राष्ट्र ——→ राष्ट्रीय 国家的

-शाली（梵）

后缀。置于名词后面，表示“具有…的”。例如：

भाग्य ——→ भाग्यशाली 有幸的，幸运的

शक्ति ——→ शक्तिशाली 有力量的

प्रभाव ——→ प्रभावशाली 有影响的

व्याकरण

后置词小结

后置词是印地语中表示词与词的关系的重要手段，不同的后置词有不同的意义和用法，学好印地语必须熟练掌握后置词

印地语后置词分简单后置词（如 में，पर）和复合后置词（如 के लिये，के बारे में）两类。简单后置词虽为数不多，但十分活跃，更须努力掌握。

这里将较为常用的几个简单后置词的主要意义和用法作一小结。（例词和例句均选自“基础印地语”第四册）

में

1. 表示地点、时间、范围

प्याले में，कटोरे में，जेब में，रूमाल में，हाथ में，कार्यालय में，झोंपड़ी में，गुफ़ा में，मैदान में，जेल में，आकाश में，हवा में，राह में，परदे में，सेना में，शहर में，बम्बई में，भारत में，आग में，गोद में，छाया में，बचपन में，सन् १८५६ में，कुछ ही मिनटों में，क्षण भर में

आदमियों ने हथियार संभाले और जंगल में जाकर छापामार बन गये। ①

जो काम दूसरे लोग तीन महीने में सीखते，वही मैं ने लगन से एक महीने में सीख लिया। ②

नाज़ी चक्की के दो पाटों में पिस गये। ①

दोनों में खूब प्रेम था। ③

हिन्दू-मुसलमानों में खूब लड़ाई होगी …। ⑥

2. 表示原因、目的、所处状态、行为方式等

बैसे क्रोध में पागल हो गया। ③

मैं दिन भर काम-काज की खोज में फिरता रहता । ②

(वह आदमी) किसी की रक्षा में अपने प्राणों का होम भी कर सकता है । ⑦

मां बहुत तकलीफ़ में थीं । ②

मैंने देखा कि बड़ी से बड़ी विपत्ति में भी वह चट्टान की तरह अटल रहीं । ②

मिसरानी , छन्नू की दादी और किसनू की मां ने एकस्वर में कहा । ⑧

3. 某些动词（或静动结构）所要求

मैं जिस काम को करने की ठान लेता उसमें जुट जाता । ②

व्यवसाय का नियम है कि जनता में जो माल ज़्यादा खपे उस की तैयारी में लगे । ⑦

चावल के व्यापार में बहुत बड़ा घाटा होने से उसका व्यवसाय बिगड़ गया । ②

अंग्रेज़ और हिन्दुस्तानी सैनिकों के वेतन और भत्ते आदि में बड़ा अन्तर था । ④

फिर भी इस विद्रोह के कारण अंग्रेज़ों की शासन-पद्धति , सैनिक व्यवस्था और नीति में बहुत परिवर्तन आया । ④

मैं कांग्रेस के असहयोग-आंदोलन में शामिल हो गया । ②

ग्वालियर , हैदराबाद तथा अन्य राज्यों ने इस विद्रोह के दमनमेंअंग्रेज़ों की बड़ी सहायता की । ④

4. 构成习惯用语

अन्त में , संक्षेप में , के विचार में , के विश्वास में , देखने

में , इतने में

पर

1. 表示地点、时间、范围

दीवार पर , सड़क पर , ज़मीन पर , जगह पर , घटना-स्थल पर , मुंह पर , सिर पर , ज़बान पर , पद पर (रखना), फांसी पर (लटकाना) , कंधे पर (डालना), दूसरे अवसर पर

पहाड़ी पर लेनिन की प्रतिमा खड़ी है । ①

मैं घूम कर पान की दूकान पर आ गया ।⑤

तो चलो मैं वहां पर तुम को लिवा चलूं ।⑤

उन्होंने अपनी चाय नस्तू की नज़र से छिपा कर बड़ी कठिनाई से उन्हें दरवाज़े पर ही रोका ।⑥

बॉस के पूछने पर उसने कहा , " मैं तो यों ही तुम्हारी परीक्षा ले रहा था ।" ③

किसी चीज़ की ज़रूरत पड़ जाने पर दोनों साथ-साथ दौड़ती रसोई में जा पहुंचीं ।⑥

2. 表示原因、目的、根据等

मैंने उन्हें पकड़कर पीट दिया । इस पर वह अंग्रेज़ पागल कुत्ते की तरह गुर्राया । ②

रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर कमर कस ली ।⑧

मैं इस शर्त पर लौटने को राज़ी हुआ कि मुझे पीटा न जाएगा । ②

मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की झिल्ली पर ठीक हो गया । ⑧

3. 某些动词(或静动结构)所要求

पर झपटना , पर अड़ा रहना , पर टूट पड़ना , पर कब्जा होना , पर अधिकार करना , पर हमला करना , पर जान देना , पर निशाना लगाना , पर निर्भर करना , पर निगाह रखना , पर नियंत्रण रखना , पर पटक देना , पर गोलाबारी करना

से

1. 表示地点、时间、范围

उन्होंने आसमान से उस शान्त नगर पर गोले बरसाये ।①

मेरठ से विद्रोही दिल्ली पहुंचे ।④

मेरी आंखों से आंसू निकल पड़े ।⑤

दूसरी दिशा से छापामार घुड़सवारों की एक टुकड़ी शहर में घुस आयी ।①

2. 表示原因

ऐसा लगता था मानो जर्मन बमगोले से उसके दो टुकड़े कभी हुए ही नहीं थे ।①

भारत उस विदेशी माल के लिये एक बड़ी मंडी था । इस से देशी उद्योग-धंधे चौपट होते जा रहे थे और लोग आर्थिक शोषण से पिस रहे थे । ④

मनुष्यों की भीड़ से जाड़े की संध्या भी वहां गर्म हो रही

थी ।⑤

यों तो ब्राह्मणों में जोशी और मुसलमानों में सैय्यद कुल के बड़प्पन और पवित्रता से ही बड़े होते हैं ।⑥

3. 表示工具(使用、借助、通过)

फिर नाज़ी अपनी तोपों से उसपर गोलाबारी करने लगे ।①

शेरनी ने इधर-उधर की बातों से प्रश्न टाल दिया ।③

कारतूस में, जिनके दोनों सिरों को दांतों से पहले काटना पड़ता था, गाय और सुअर की चर्बी मिली रहती है ।④

अच्छा तुम इस रुपये से क्या करोगे ?⑤

4. 表示比较

गोमती को अपने से ज़्यादा अपने गर्भ के जीव की चिन्ता थी ।③

विद्रोहियों की सैनिक शक्ति अंग्रेज़ों से बहुत कम थी ।④

ब्राह्मण अपने आप को संसार के सब मनुष्यों से पवित्र समझते हैं ।⑥

5. 表示行为方式

रात को शहर के वे निवासी, जो पीछे रह गये थे, चुपके से खिसकने लगे ।①

कानपुर में आकर बड़ी कठिनाई से एक मिल में झाड़ू लगाने की नौकरी प्राप्त हुई ।②

उदास मन से गोमती तैयार हो गयी ।③

उस ने बड़े जोश से कहा ।⑤

वह गर्व से बोला ।⑤

6. 表示连同（带着、抱着）

सवाल-जवाब करने के इरादे से निकला ।①

(चाचा) जायदाद को हड़पने की कामना से उसपर अधिकार करके बैठ गये ।②

7. 某些动词（或静动结构）所要求

से बचना , से टकराना , से चिमटना , से लिपटना , से कहना , से पूछना , से मांगना , से छिपाना , से रोकना , से बात करना , से संघर्ष करना , से प्रार्थना करना , से आग्रह करना , से इन्कार करना , से शादी करना , से सहमत होना, से लगाव होना , से परहेज़ होना , से रुचि होना , से प्रयोजन होना , से प्रेम होना , से बिदाई लेना , से मुक्ति पाना

8. 构成习惯用语

ऊपर से , संयोग से

> कहावतें
>
> चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात ।
>
> （好景不常）
>
> दूर के ढोल सुहावने ।
>
> （远处的鼓声听起来好听）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

टिमटिमाना	एकाग्र	मुद्रित	बोझा	सिमटना
पंचवर्षीय	थकावट	प्रति	क्वार्टर	सटना
नयनाभिराम	समेटना	फुटपाथ	गड़ाना	निष्कर्ष
म्युनिसिपैलिटी	आटा	घुटना	सटरपटर	रिक्शा
कांसटिबल	सीटी	गश्त	डण्डा	ड्यूटी
कार्यान्वित	ठोकर	इल्ज़ाम	बड़बड़ाना	स्पीच
अशिक्षित	बोट	मुरझाना	धूप	झरना

2. नीचे दिये वाक्यों को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान रखिये :

१) " क्यों , तुम अपनी हरकतों से बाज़ नहीं आवोगे ? मैं रोज़ रोज़ तुम्हें जगाता हूं और तुम रोज़-रोज़ यहीं सोते हो । "

२) " नहीं मानोगे तो बड़े घर की सैर कराऊंगा , चोरी के इल्ज़ाम में , समझे ! "

३) " कहां जाएं ? घर-द्वार तो है नहीं , किसी के दरवाज़े सोयें तो चोर समझ के भगाये जाएं और फुटपाथ पर सोएं , जमा-दार ठोकर मारें । "

४) मगर मैं सोचता हूं सचमुच ये कहां जाएं ? कहां सोएं ? कैसे रहें ? क्या खाएं ???

५) इनकी सरदी दूर करने का , पेट भरने का , रहने का , शिक्षा और दवादारू का कोई भी इंतज़ाम नहीं है हमारे पास ।

3. हिन्दी वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) मैं देख रहा हूं , फुटपाथ पर सोये भल्लीवाले को , जो एक एक , दो दो आने में सारे दिन सिर पर सामान ढोकर एक या डेढ़ रुपया कमाता है ।

२) शाम को थकावट से चूर , घर से दूर कानपुर के फुटपाथ पर चार कपड़ों से आध सेर आटे की चार रोटियां सेंक , नमक के साथ खाकर बोझा रखनेवाली भल्ली के ऊपर सिर रख कर सो गया है ।

३) मैं देख रहा हूं , उसी भल्लीवाले के पास पड़े हुए एक बारह तेरह वर्ष के लड़के को जो सारे दिन जूतों की पालिश कर मुश्किल से दस-बारह आने कमा शाम को कुछ सटरपटर पेट में डाल कर रात को पालिश की पेटी को सिर के नीचे रख कर सो गया है , अपने लम्बे फटे कुर्ते में पैरों को छिपा कर ।

४) इसी लड़के के पास एक कुता भी सटा पड़ा है जो कभी कभी ठण्डक से कूं-कूं करता हुआ अपने चारों पैरों को समेटकर लड़के के लम्बे फटे कुरते में अपने को छिपाने का असफल प्रयास करने लगता है ।

५) देखा म्युनिसिपैलिटी के जलते बल्ब के प्रकाश में कच्चे घरौंदेनुमा क्वार्टरों की सीलनवाली ज़मीन पर बैठे कई लोग आग का अलाव लगाकर ताप रहे हैं ।

4. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों से वाक्य बनाइये :

१) आनाकानी करना २) मुश्किल से

३) असफल प्रयास करना
४) सहारा लेना
५) सरदी लगना
६) अपनी आंखों से देखना
७) निष्कर्ष निकालना
८) ड्यूटी मिलना
९) बिना संकोच के
१०) बाज़ आना
११) कार्यान्वित होना
१२) इतना होते हुए भी

5. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

回声荡漾
未击中目标
宽宏大量
犹豫不决
皱眉头
不良倾向
翻脸不认人
教会学校
同龄人
低级趣味
受引诱
短袖衬衣

6. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1 ）快十二点了，你还不睡觉？

2 ）从北大到火车站顶多２０公里。

3 ）这个问题需要深入思考一下。

4 ）没有调查清楚不要下结论。

5 ）照目前这个情况来看，要完成这项任务至少还要三个月。

6 ）学好印地语是有很多困难，尽管这样，我们还是要努力学习。

7 ）今天风很大，我觉得有点冷。

8 ）这是我亲眼所见，因此我深信无疑。

9 ）这件事只有你能办好，不要推托了。

10) 我国经济发展五年计划正在顺利实施。

7. नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) रात के दो बज रहे थे और लेखक को नींद क्यों नहीं आ रही थी ?

२) रात को कानपुर के फुटपाथ पर सोये झल्लीवाले के बारे में कुछ बताइये ।

३) जूतों की पालिश करनेवाले लड़के के बारे में कुछ बताइये ।

४) इस लड़के के पास जो कुत्ता सटा पड़ा था वह क्या कर रहा था ?

५) जब लेखक की नज़र गन्दे अहाते की ओर जा पहुंची तो उसने क्या देखा ?

६) वह रिक्शा कहां पर खड़ा था और रिक्शा चलानेवाला क्या कर रहा था ?

७) रात को गश्त लगानेवाला पुलिस कांसटिबल क्या कर रहा था ?

८) पैर की ठोकर खाकर जागे हुए झल्लीवाले और बूट पालिश वाले लड़के को डांटते हुए सिपाही ने क्या कहा ?

९) सिपाही के दूर चले जाने पर झल्लीवाले ने क्या कहा ?

१०) झल्लीवाले के सवाल पर लेखक ने क्या सोचा ?

११) लेखक के अनुमान से इन बेज़ुबानों की याद कब की जा सकेगी ?

१२) इन बेज़ुबानों की स्थिति में सुधार लाने के लिये क्या किया जाना चाहिये ?

8. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

9. " मेरे कानों में ये शब्द पड़े । " से अन्त तक को रट कर सुनाइये।
10. इस पाठ पर अपना विचार लिखिये ।

दसवां पाठ

मेरा जीवन (१)

मेरा जीवन सपाट, समतल मैदान है, जिसमें कहीं-कहीं गड्ढे तो हैं, पर टीलों, पर्वतों, घने जंगलों, गहरी घाटियों और खण्डहरों का स्थान नहीं है । जो सज्जन पहाड़ों की सैर के शौकीन हैं, उन्हें तो यहां निराशा ही होगी । मेरा जन्म संवत् उन्नीस सौ सैंतीस विक्रमी में हुआ । पिता डाकखाने में क्लर्क थे, माता मरीज़, एक बड़ी बहिन भी थी । उस समय पिताजी शायद बीस रुपये पाते थे । पन्द्रह साल की अवस्था में उन्होंने मेरा विवाह कर दिया और विवाह करने के साल भर बाद ही परलोक सिधारे । उस समय मैं नवें दर्जे में पढ़ता था। घर में मेरी स्त्री थी, विमाता थीं, उनके दो बालक थे और आमदनी एक पैसे की नहीं । घर में जो कुछ लेई-पूंजी थी, वह पिता जी की छः महीने की बीमारी और क्रिया-कर्म में खर्च हो चुकी थी । और मुझे अरमान था, वकील बनने का और एम० ए० करने का । पांव में लोहे की नहीं, अष्टधातु की बेड़ियां थीं और मैं चढ़ना चाहता था पहाड़ पर ।

पांव में जूते न थे । देह पर साबित कपड़े न थे । स्कूल से साढ़े

तीन बजे छुट्टी मिलती थी । हेडमास्टर ने फ़ीस माफ़ कर दी थी। इम्तहान सिर पर था । और मैं एक लड़के को पढ़ाने जाता था । जाड़ों के दिन थे । चार बजे पहुंचता था । पढ़ा कर छः बजे छुट्टी पाता । वहां से मेरा घर देहात में पांच मील पर था । तेज़ चलने पर भी आठ बजे से पहले घर न पहुंच सकता । और प्रातःकाल आठ ही बजे फिर घर से चलना पड़ता था , नहीं तो वक्त पर स्कूल न पहुंचता । रात को भोजन करके कुप्पी के सामने पढ़ने बैठता और न जाने कब सो जाता । फिर भी हिम्मत बांधे हुए था ।

मैट्रिकुलेशन तो किसी तरह पास हो गया , पर आया सेकंड डिवीज़न में और क्वीन्स कालेज में भरती होने की आशा न रही । फ़ीस केवल अव्वल दरजे वाले की ही मुआफ़ हो सकती थी । संयोग से उसी साल हिन्दू कालेज खुल गया था । मैंने इस नये कालेज में पढ़ने का निश्चय किया । प्रिंसिपल थे मि० रिचर्डसन । उनके मकान पर गया । वह पूरे हिन्दुस्तानी वेश में थे । कुरता और धोती पहने फ़र्श पर बैठे कुछ लिख रहे थे । मगर मिज़ाज को तबदील करना इतना आसान न था । मेरी प्रार्थना सुन कर बोले कि " घर पर मैं कालेज की बातचीत नहीं करता , कालेज में आओ । " ख़ैर , कालेज में गया । मुलाक़ात तो हुई , निराशा-जनक । फ़ीस मुआफ़ न हो सकती थी ।

अब क्या करूं ? अगर कोई प्रतिष्ठित सिफ़ारिश ला सकता तो शायद मेरी प्रार्थना पर कुछ विचार होता , लेकिन देहाती युवक को शहर में जानता ही कौन था ?

कई दिनों के बाद एक सिफ़ारिश मिली । एक ठाकुर इन्द्रनारायण सिंह हिन्दू कालेज की प्रबन्ध-कारिणी सभा में थे । उनसे जाकर

रोया । उन्हें मुझ पर दया आ गयी । सिफ़ारिशी चिट्ठी दे दी। उस समय मेरे आनन्द की सीमा न थी । खुश होता हुआ घर आया । दूसरे दिन प्रिंसिपल से मिलने का इरादा था , लेकिन घर पहुंचते ही मुझे ज्वर आ गया और दो सप्ताह से पहले न हिला । (शेष अगले पाठ में)

(प्रेमचन्द)

शब्दावली

सपाट (वि०)平的，平坦的

समतल (वि०) 平的，平坦的

गड्ढा (पु०)坑，穴；沟坎

टीला (पु०) छोटी पहाड़ी 山丘

घाटी (स्त्री०) 山谷，谷地

खण्डहर (पु०) 废墟

शौकीन (वि०)爱好…的

का -- होना 爱好…

संवत् (पु०) 印度健日王的纪元【始于公元前57年左右】

विक्रमी (वि०) 健日王时代的

क्लर्क (पु०) 办事员，事务员

मरीज़ (वि०) बीमार

परलोक (पु०) 来世；天国

सिधारना (अ०क्रि०) जाना ; रवाना होना

परलोक -- मर जाना 去世，过世

नवां 第九

विमाता (स्त्री०) 继母，后母

आमदनी (स्त्री०)收入

लेई-पूंजी (स्त्री०)全部财产

क्रिया-कर्म (पु०) 安葬；殡仪

अरमान (पु०) इच्छा ,कामना 愿望，意愿

एम०ए० (पु०) 文学硕士

〔英语 Master of
Arts的缩写〕
-- करना 攻读文学硕士
अष्टधातु (स्त्री॰)八种金属〔金、银、铜、铁、锡、铅、锌、汞〕
देह (स्त्री॰) शरीर,तन
साबित (वि॰)完整的
हेडमास्टर (पु॰)〔中、小学〕校长
माफ़ (वि॰) 得到宽恕的
फ़ीस -- करना 免费
इम्तहान (पु॰) परीक्षा
कुप्पी (स्त्री॰)盛油的小皮囊
हिम्मत (स्त्री॰) 勇气，无畏精神
-- बांधना 振奋精神
मैट्रिकुलेशन (पु॰)大学入学考试
सैकंड 第二
डिवीज़न (पु॰)等级
क्वीन्स कालेज 皇后学院
अव्वल 第一
दरजा (पु॰) 等，级
मुआफ़ (वि॰) माफ़
प्रिंसिपल (पु॰)大学校长

मि॰ 先生〔英语 Mister的缩写〕
मकान (पु॰)房子；家
वेश (पु॰) पहनावा,पोशाक 服装，装束
तबदील (स्त्री॰) बदलना 改变
-- करना 改变
मुलाक़ात (स्त्री॰) 会面
निराशा-जनक (वि॰) 令人失望的
प्रतिष्ठित (वि॰)有威望的，有威信的
सिफ़ारिश (स्त्री॰)推荐〔信〕
ठाकुर (पु॰)刹帝利的称号
प्रबन्ध-कारिणी सभा 管理委员会
रोना (अ॰क्रि॰)诉苦
से -- 向…诉苦
सिफ़ारिशी (वि॰) 推荐的，介绍的
ज्वर (पु॰)发烧
(को) -- आना 发烧

टिप्पणियां

लेखक-परिचय ——— प्रेमचन्द (१८८० जन्म ; १९३६ मृत्यु) ———

हिन्दी के महान उपन्यासकार और कहानी-लेखक प्रेमचन्द का जन्म बनारस से कुछ दूर एक ग्राम में हुआ था । बी० ए० तक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आप ने अध्यापन करना एवं उर्दू में लिखना प्रारम्भ किया । कुछ वर्षों पश्चात् आप ने हिन्दी में भी कहानी और उपन्यास लिखना शुरू किया ।

प्रेमचन्द यथार्थवादी लेखक थे । आप की भाषा सरल और चलती हुई है । मुहावरे आप की भाषा की जान हैं ।

प्रेमचन्द ने कई प्रसिद्ध उपन्यास और लगभग तीन सौ कहानियां लिखी हैं । आप के साहित्यिक निबंध " कुछ विचार " नाम से प्रकाशित हुए हैं ।

– o o –　　　　– o o –

1. जो सज्जन पहाड़ों की सैर के शौकीन हैं , उन्हें तो यहां निराशा ही होगी ।

शौकीन 意为“喜欢…的”、“爱好…的”，常用作表语，与 होना 一起构成谓语，意思是“喜欢…”、“爱好…”。**शौकीन** 前面须加 **का** ，表示“喜欢”的对象。 **का** 的性数与主语一致。例如：

वह टेनिस का शौकीन है ।

（他喜欢打网球）

2. मेरा जन्म संवत् उन्नीस सौ सैंतीस विक्रमी में हुआ ।

संवत् 为印度健日王纪元，多与 विक्रमी 连用，विक्रमी 也可放在 संवत्前面。如：

विक्रमी संवत् उन्नीस सौ सैंतीस

3. घर में जो कुछ लेई-पूंजी थी，वह पिता जी की छः महीने की बीमारी और क्रिया-कर्म में ख़र्च हो चुकी थी ।

句中जो कुछ意为"不管什么"、"无论多少"、"凡是"。例如：

जो कुछ मैं जानता हूं सब बताऊंगा ।

（我把我知道的全都告诉你）

जो कुछ आप पसन्द करते हैं，उसे ले लीजिये ।

（凡是您喜欢的您就拿去吧）

4. पांव में लोहे की नहीं，अष्टधातु की बेड़ियां थीं और मैं चढ़ना चाहता था पहाड़ पर ।

句中की 后面省略了बेड़ियां，नहीं 后面省略了 थीं 。

अष्टधातु 前面省略了 बल्कि 。

... नहीं...，बल्कि ... 的句型往往用省略形式。又如：

यह मेरा नहीं，तुम्हारा कपड़ा है ।

（这衣服不是我的，是你的）

5. इम्तहान सिर पर था ।

सिर पर होना为成语，意思是"临头"，"即将来到"。例如：

बेटी का ब्याह सिर पर है , लेकिन उससे कोई मतलब नहीं।

（女儿出嫁的日子快到了，可她什么也不管）

परीक्षा सिर पर है , कहीं जा ही नहीं पाती हूं ।

（快考试了，我哪儿也不能去）

6. और प्रातःकाल आठ ही बजे फिर घर से जाना पड़ता था, नहीं तो वक्त पर स्कूल न पहुंचता ।

वक्त पर意为"按时"、"准时"。

7. फिर भी हिम्मत बांधे हुए था ।

बांधे हुए为独立分词，与 होना 连用，构成谓语。

8. दूसरे दिन प्रिंसिपल से मिलने का इरादा था , लेकिन घर पहुंचते ही मुझे ज्वर आ गया और दो सप्ताह से पहले न हिला ।

१) ··· का इरादा होना意为"打算···"，"想···"，其逻辑主语须加 का，本句即省略了 मेरा 。全句应为：

दूसरे दिन प्रिंसिपल से मिलने का मेरा इरादा था।

२) दो सप्ताह से पहले न हिला意思是"（在床上）躺了两个星期"。

9. अति- （梵）

前缀，表示"极"、"最"、"过度"。例如：

अति + प्राचीन ——→ अतिप्राचीन　　原始的

अति + अधिक ——→ अत्यधिक　　很多的

अति + आचार ——→ अत्याचार　　暴行

व्याकरण

含蓄条件句

一般说，条件句是指带有条件状语从句（由 अगर 引导）的主从复合句，其主句和从句的谓语动词均用假设语气。但有些句子并不带有条件状语从句，看起来是个简单句，但具有条件句的含义，其谓语动词用假设语气。这种句子叫含蓄条件句。其条件句的含义是通过各种词、短语或上下文来表现的。下面介绍几种常见的含蓄条件句的表现方式。

१）使用 नहीं तो ，वरना 等连接词。例如：

आज मैं बड़ी जल्दी उठकर आया था，नहीं तो देर हो जाती।

（今天我一大早就起床赶了来，否则就迟到了）

连接词 नहीं तो 的意思就是 अगर नहीं तो，所以具有条件句的含义。这句话若用条件句，则可以说：अगर आज मैं बड़ी जल्दी उठकर न आया होता，तो देर हो जाती।

आपने खूब याद दिलाया，वरना मैं भूल जाता।

（您提醒得好，不然我就忘记了）

२）使用有否定意义的后置词 बिना，के बिना 等。例如：

वायु के बिना मनुष्य जीवित रह सकता？

（没有空气，人还能生存？）

उनसे पूछे बिना आपको इस वाक्य का अर्थ मालूम होता？

（您不问他会知道这句话的意思吗？）

后置词 बिना 或 के बिना 短语实际上是个否定条件句，相当于 अगर... न ..., तो 。

३）利用上下文。例如：

बैठिये , कार्यक्रम आरम्भ होनेवाला है । पहले ही हो गया होता , पर आप की वजह से रोक दिया गया था ।

（请坐，节目马上就要开始了。本来早就开始了，但为了您推迟了一会儿。）

这句话，根据上下文可以看出， पहले ही हो गया होता 前面省略了 अगर आप की वजह से कार्यक्रम रोक न दिया गया होता तो 。

कहावतें
प्रश्न गेहूं उत्तर जौ ।
（答非所问）
आंख कान में चार अंगुली का फ़र्क है ।
（眼睛与耳朵之间只隔几个指头；不要把耳朵当眼睛；耳听为虚，眼见为实）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

सपाट	गड्ढा	खण्डहर	संवत्	विक्रमी
क्लर्क	क्रिया-कर्म	अष्टधातु	हैडमास्टर	कुप्पी
मैट्रिकुलेशन	हिम्मत	क्वीन्स	प्रिंसिपल	अव्वल

2. निम्नलिखित वाक्यों को ऊंची आवाज़ से पढ़िये :

१) मेरा जीवन सपाट, समतल मैदान है, जिस में कहीं कहीं गड्ढे तो हैं, पर टीलों, पर्वतों, घने जंगलों, गहरी घाटियों और खण्डहरों का स्थान नहीं है ।

२) घर में मेरी स्त्री थी, विमाता थी, उनके दो बालक थे और आमदनी एक पैसे की नहीं ।

३) घर में जो कुछ लेई-पूंजी थी, वह पिता जी की छः महीने की बीमारी और क्रिया-कर्म में ख़र्च हो चुकी थी ।

४) मैट्रिकुलेशन तो किसी तरह पास हो गया, पर आया सैकंड डिवीज़न में और क्वीन्स कालेज में भरती होने की आशा न रही ।

५) " घर पर मैं कालेज की बातचीत नहीं करता, कालेज में आओ । "

3. नीचे दिये वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) जो सज्जन पहाड़ों की सैर के शौकीन हैं, उन्हें तो यहां निराशा ही होगी ।

२) पांव में लोहे की नहीं, अष्टधातु की बेड़ियां थीं और मैं चढ़ना चाहता था पहाड़ पर ।

३) इम्तहान सिर पर था ।

४) फिर भी हिम्मत बांधे हुए था ।

५) उस समय मेरे आनन्द की सीमा न थी ।

4. इस पाठ का चीनी में अनुवाद कीजिये ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों से वाक्य बनाइये :

१) कहीं कहीं	७) सिर पर होना
२) शौकीन होना	८) नहीं तो
३) परलोक सिधारना	९) दया आना
४) जो कुछ	१०) सीमा न होना
५) ख़र्च होना	११) इरादा होना
६) अरमान होना	१२) ज्वर आना

6. निम्नलिखित विशेषणों के लिये कम से कम एक-एक संज्ञा दीजिये जो उचित हो :

आर्थिक	निम्न	पवित्र	आदर्श
बलवान	सारा	गम्भीर	स्वतंत्र

7. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

依靠自己的力量	宴请外宾
把工作托付给别人	加强人民之间的友谊
创造美好生活	达到法定人数
宣布脱离关系	答应准时出席
得出结论	克服艰难困苦

8. चीनी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

同学们，朋友们！

印度伟大作家普列姆昌德的名字你们大概听说过吧！你们也许知道，他一生中写过好几部印地语长篇小说和三百多篇短

篇小说。但是关于他的生活情况你们可能知道的不多。好，现在我就给你们讲一讲他的生活的情况。

普列姆昌德生于１８８０年，１９３６年去世。他出生在贝拿勒斯附近的一个村庄里。他的父亲是邮局的一个小职员，每月工资只有２０卢比。普列姆昌德１５岁便结了婚，第二年他父亲便去世了。于是全家的生活重担都落在他一个人身上。当时，他家里除了妻子以外，还有继母和继母的两个孩子。生活是很艰苦的。那时，他还在读中学。他一面读书，一面教书。他教书的地方离他家很远。他每天步行回家，就是快走至少也得需要两个小时。到家已经天黑了。吃过晚饭就坐下来学习。当时农村里哪儿有电灯呢？他就坐在一盏小油灯前面一直学习到深夜，而第二天一早就得起床，不然他就赶不到学校去上学。

普列姆昌德的生活虽然很艰难，但他热爱学习，从未在任何困难面前低头。（待续）

9. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) प्रेमचन्द का जन्म कहां और कब हुआ था ?

२) उन के पिता का क्या पेशा था ?

३) उन का विवाह कब हुआ था ?

४) पिता की मृत्यु के बाद प्रेमचन्द के घर में कौन-कौन थे ?

५) तब उनके परिवार का जीवन कैसा था ?

६) जब वह स्कूल में पढ़ते थे तब उनकी पढ़ाई कैसी होती थी ?

७) प्रेमचन्द ने क्यों हिन्दू कालेज में पढ़ने का निश्चय किया ?

८) हिन्दू कालेज में उनकी फ़ीस क्यों माफ़ न हो सकती थी ?

९) बाद में उनको कहां से एक सिफ़ारिश मिली ?

१०) वह सिफ़ारिशी चिट्ठी मिलने पर भी प्रिंसिपल से क्यों न मिल पाये ?

10. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

11. " मैट्रिकुलेशन तो किसी तरह पास हो गया , ..." से अन्त तक को रटकर सुनाइये ।

12. अपने जीवन के विषय में एक भाषण दीजिये ।

ग्यारहवां पाठ

मेरा जीवन (२)

एक महीने के बाद मैं फिर मि० रिचर्डसन से मिला और चिट्ठी दिखाई । प्रिंसिपल ने मेरी तरफ़ तीव्र नेत्रों से देखकर पूछा —— "इतने दिनों कहां थे ? "

" बीमार हो गया था । "

" क्या बीमारी थी ? "

मैं इस प्रश्न के लिये तैयार न था । अगर ज्वर बताता हूं तो शायद साहब मुझे झूठा समझें । ज्वर मेरी समझ में हल्की-सी चीज़ थी ,

जिसके लिये इतनी लम्बी गैरहाज़िरी अनावश्यक थी। ठाकुर इंद्रनारायण सिंह से जब मैं सिफ़ारिश के लिये मिला था , तो उन्होंने अपने दिल की धड़कन की बीमारी की चर्चा की थी । वह शब्द मुझे याद आ गया ।

मैंने कहा —— " पलपिटेशन आफ़ हार्ट , सर ! "

साहब ने विस्मित होकर मेरी ओर देखा और कहा —— " अब तुम बिल्कुल अच्छे हो ? "

" जी हां । "

" अच्छा , प्रवेश-पत्र भर लाओ । "

मैंने समझा बेड़ा पार हुआ । फ़ार्म लिया , खानापूरी की और पेश कर दिया । साहब उस समय कोई क्लास ले रहे थे । तीन बजे मुझे फ़ार्म वापस मिला । उस पर लिखा था—— " इसकी योग्यता की जांच की जाय ! "

यह नयी समस्या उपस्थित हुई । मेरा दिल बैठ गया । अंग्रेज़ी के सिवा और किसी विषय में पास होने की मुझे आशा न थी , और बीजगणित और रेखागणित से तो मेरी रूह कांपती थी । जो कुछ याद था , वह भी भूल-भाल गया था , लेकिन दूसरा उपाय ही क्या था ? क्लास में गया और अपना फ़ार्म दिखाया । प्रोफ़ेसर साहब बंगाली थे । अंग्रेज़ी पढ़ा रहे थे । घण्टा समाप्त होने पर उन्होंने आज के पाठ पर मुझसे कई प्रश्न किये और मेरे फ़ार्म पर " सन्तोषजनक " लिख दिया ।

दूसरा घण्टा बीजगणित का था । प्रोफ़ेसर साहब ने गणित में मेरी परीक्षा ली और मैं फ़ेल हो गया । फ़ार्म पर गणित के खाने

में " असन्तोषजनक " लिख दिया ।

मैं इतना हताश हुआ कि फ़ार्म लेकर प्रिंसिपल के पास न गया । सीधा घर चला आया ।

ख़ैर, मैं निराश होकर घर तो लौट आया, लेकिन पढ़ने की लालसा अभी तक बनी हुई थी । घर बैठ कर क्या करता ? किसी तरह गणित को सुधारूं और कालेज में भरती हो जाऊं, यही धुन थी । इसी के लिये शहर में रहना ज़रूरी था । संयोग से एक वकील साहब के लड़कों को पढ़ाने का काम मिल गया । पांच रुपये वेतन ठहरा । मैंने दो रुपये में अपना गुज़र करके तीन रुपये घर पर देने का निश्चय किया । वकील साहब के अस्तबल के ऊपर एक छोटी-सी कच्ची कोठरी थी । उसी में रहने की आज्ञा ले ली । घर से कुछ बरतन भी लाया । एक वक्त खिचड़ी पका लेता और बरतन धो-मांज कर लाइब्रेरी चला जाता । गणित तो बहाना था, उपन्यास आदि पढ़ा करता था । जिन वकील साहब के लड़कों को पढ़ाता था, उनके साले मेरे साथ पढ़ते थे । उन्हीं की सिफ़ारिश से मुझे यह पद मिला था । उनसे दोस्ती थी, इसलिये जब ज़रूरत होती, पैसे उधार ले लिया करता था । वेतन मिलने पर हिसाब हो जाता था । कभी दो रुपये हाथ आते, कभी तीन । जिस दिन वेतन के दो-तीन रुपये मिलते मेरा संयम हाथ से निकल जाता । प्यासी तृष्णा हलवाई की दुकान की ओर खींच ले जाती । दो-तीन आने पैसे खाकर उठता । उसी दिन घर जाता और दो-ढाई रुपये दे आता । दूसरे दिन से फिर उधार लेना शुरू कर देता, लेकिन कभी-कभी उधार मांगने में भी संकोच होता और दिन-का-दिन निराहार व्रत रखना पड़ जाता ।

इस तरह चार-पांच महीने बीते । मेरी अब भी पढ़ने की इच्छा थी , लेकिन दिन-दिन निराश होता जाता था । जी चाहता था , कहीं नौकरी कर लूं । पर नौकरी कैसे मिलती है और कहां मिलती है यह न जानता था ।

जाड़ों के दिन थे । पास एक कौड़ी न थी । दो दिन एक-एक पैसे का चबेना खाकर काटे थे । मेरे महाजन ने उधार देने से इनकार कर दिया था , या संकोच-वश मैं उससे मांग न सका था । चिराग़ जल चुके थे । मैं एक बुक-सेलर की दुकान पर एक किताब बेचने गया । किताब दो रुपये की थी , लेकिन एक पर सौदा ठीक हुआ । मैं रुपया लेकर दुकान से उतरा ही था कि एक बड़ी-बड़ी मूंछों वाले सौम्य पुरुष ने , जो उस दुकान पर बैठे हुए थे , मुझसे पूछा —— " तुम कहां पढ़ते हो ? "

मैंने कहा —— " पढ़ता तो कहीं नहीं हूं , पर आशा करता हूं कि कहीं नाम लिखा लूंगा । "

" मैट्रिकुलेशन पास हो ? "

" जी हां । "

" नौकरी करने की इच्छा तो नहीं है ? "

" नौकरी कहीं मिलती ही नहीं । "

यह सज्जन एक छोटे-से स्कूल के हेडमास्टर थे । उन्हें एक सहकारी अध्यापक की ज़रूरत थी । अठारह रुपये वेतन था । मैंने स्वीकार कर लिया । अठारह रुपये उस समय मेरी निराशा-व्यथित कल्पना की ऊंची से ऊंची उड़ान से भी ऊपर थे । मैं दूसरे दिन हेडमास्टर साहब से मिलने का वादा करके चला तो पांव ज़मीन पर न पड़ते थे । यह सन्

अठारह सौ निन्यानवे ई० की बात है ।

शब्दावली

नेत्र (पु०) आंख

झूठा (वि०) झूठ बोलनेवाला
说谎话的

ग़ैरहाज़िरी (स्त्री०) अनुपस्थिति
未出席，不在场；未露面

अनावश्यक (वि०) ग़ैरज़रूरी, जिस की आवश्यकता न हो
不必要的

धड़कन (स्त्री०) 心跳，心悸

पलपिटेशन (पु०) 心悸

हार्ट (पु०) दिल

विस्मित (वि०) चकित 惊异的

प्रवेश-पत्र (पु०) 入学申请书

भरना (स०क्रि०) 填写

पार (पु०) 对岸；另一端

बेड़ा -- होना संकट कटना; काम हो जाना
渡过难关，过关

फ़ार्म (पु०) 表格

खानापूरी (स्त्री०) 填表

-- करना 填表

पेश (क्रि०वि०) सामने, आगे
前面，面前

-- करना 交，递交

क्लास (पु०) कक्षा

-- लेना 上课

दिल (पु०) 心

-- बैठ जाना 灰心丧气

विषय (पु०) 课程

बीजगणित (पु०) 代数学

रेखागणित (पु०) 几何学

रूह (स्त्री०) 灵魂；心灵

-- कांपना 非常害怕

भूलना-भालना (अ०क्रि०) भूलना
忘记，记不起

संतोषजनक (वि०) 令人满意的

हताश (वि०) जिसकी आशा नष्ट हो गयी हो 失望的

लालसा (स्त्री०) किसी चीज़ के
पाने के लिये अत्यधिक इच्छा
渴望

धुन (स्त्री०)愿望；执着追求

ठहरना (अ०क्रि०) तय होना
确定，谈定

गुज़र (पु०) 生活；过日子
-- करना 生活；养活

अस्तबल (पु०)马厩

खिचड़ी (स्त्री०)米豆混煮的
稀饭

पकाना (स०क्रि०)煮，做熟

मांजना (स०क्रि०) रगड़ कर साफ़
करना 擦净；擦亮

लाइब्रेरी (स्त्री०) पुस्तकालय
图书馆

साला (पु०) पत्नी का भाई
内兄；内弟

हाथ (पु०) 手
-- से निकल जाना
失去

तृष्णा (स्त्री०) अप्राप्त वस्तु को
पाने की तीव्र इच्छा ;
लोभ 贪婪

हलवाई (पु०)做糖果点心的人

निराहार (वि०)绝食的；
不吃不喝的

व्रत (पु०)誓言，誓愿
- रखना 发誓，立誓

कौड़ी (स्त्री०)小贝壳；小钱

चबेना (पु०) 炒三角豆

महाजन (पु०) 放债者

चिराग़ (पु०) 油灯

बुक-सेलर (पु०)书商

सौदा (पु०) 生意，买卖

मूंछ (स्त्री०) 胡须

सौम्य (वि०)和善的

लिखाना (स०क्रि०) लिखना
的致使

नाम -- 注册；进入，入

सहकारी (वि०) 合作的，
协作的
(पु०)助手，副手

व्यथित (वि०)为…所苦
恼的

उड़ान (स्त्री०) 飞翔

पांव (पु०) 脚

-- ज़मीन पर न पड़ना

非常快乐，十分高兴

निन्यानवे 九十九

टिप्पणियां

1. दो-तीन आने पैसे खाकर उठता ।

१) आना, रुपया 等货币单位的后面有时加上 पैसा，表示"…钱"。本句 दो-तीन आने पैसे 即"两三个安那"。

२) दो-तीन आने पैसे 后面省略了 का हलवा（一种甜食）。

३) 本句中 उठना 意思是"起身"、"离开"。

2. ग़ैर-（乌）前缀，表示"不"、"非"、"无"。例如：

ग़ैर + हाज़िरी ——→ ग़ैरहाज़िरी 未出席

ग़ैर + कानूनी ——→ ग़ैरकानूनी 非法的

ग़ैर + ज़िम्मेदारी ——→ ग़ैरज़िम्मेदारी 不负责任

सह-（梵）前缀，表示"共同"。例如：

सह + कारी ——→ सहकारी 合作的

सह + अपराधी ——→ सहअपराधी 同谋犯

सह + पाठी ——→ सहपाठी 同学

-जनक （梵）后缀，表示“产生…的”、“引起…的”。例如：

संतोष + जनक ——→ संतोषजनक　令人满意的

आश्चर्य + जनक ——→ आश्चर्यजनक　令人惊奇的

व्याकरण

后置词小结（续）

का（के，की）

1. 表示归属关系

由 का 组成的后置词短语与它后面的名词具有归属关系，这是后置词 का 的主要用法，它可表示下列几种意义：

१) 表示所有者：मेरी बहन，चाचा का लड़का，मेरी कमर，नीलू की मां，बड़े लोगों के बच्चे

२) 表示种类、性质、特征：सनोवर का पेड़，पान की दूकान，ताश का खेल，चावल का व्यापार，घर-गृहस्थी का ख़र्च，पतन का युग，फूल का कटोरा，राष्ट्रप्रेम की भावना，विद्रोह की आग

३) 表示地点、时间、数量：शहर के निवासी，भारत का गवर्नर-जनरल，झांसी की रानी，छ सप्ताह की लड़ाई，सौ वर्षों का शासन，शाम की चाय，चौदह पैसे की पूंजी

४) 表示属性：सूत की रस्सी，तांबे का बर्तन

2. 在不定式或分词短语中，

१) 表示动作的发出者：

उसके चलने के बाद उन सोवियत देशभक्तों ने प्रतिमा को चुपचाप आहिस्ते से उठाया ।①

बँसे के पूछने पर उसने कहा ... ।③

वे आदमी की चीज़ छोड़ , भगवान या अल्लाह की बनाई चीज़ , जिस में हिन्दू-मुसलमान की छूत का परहेज़ नहीं होता , कोई फल-वल या कारखाने का बना बिस्कुट , टाफ़ी जोशी साहब के बच्चों को दे देती हैं ।⑥

ब्राह्मण के विचार में उसके हाथ की छुई हुई चीज़ से किसी को परहेज़ नहीं हो सकता , ... ।⑥

२) 表示动作的地点、时间：

स्कूल की जलती हुई इमारत से धुआं उठकर नंगी पहाड़ी को ढंक रहा था ।①

कारखाने का बना बिस्कुट ... ।⑥

3. 在句中作表语：

यह घटना सोवियत बाइलो रशिया के एक छोटे-से शहर की है ।①

उन का विचार तो वहां बगीचा लगाने का था , ...।①

यह काम उपदेशकों और संतों का है कि वे जनता में संयम और निषेध का प्रचार करें ।⑦

4. 某些静动结构所要求

का फ़ैसला करना	की खोज करना
का आग्रह करना	की तैयारी करना

का संचालन करना	की निन्दा करना
का वायदा करना	की हत्या करना
का प्रचार करना	की सहायता करना
का विचार करना	की नकल करना
का निश्चय करना	की याद करना
का हुक्म देना	की अनुमति देना
का आरोप लगाना	की परीक्षा लेना
का आश्वासन देना	की दुहाई देना
का जन्म होना	की मृत्यु होना
का अधिकार होना	की सृष्टि होना

को

1. 表示直接或简接宾语

फिर वे प्रतिमा को ढूंढ़ने लगे ।①

एक लड़का चुपचाप शरबत पीनेवालों को देख रहा था ।⑤

मैंने बारह टिकट ख़रीद कर उस लड़के को दिये ।⑤

बाबू जी , आपको तमाशा दिखाऊंगा ।⑤

2. 表示时间

रात को शहर के वे निवासी , जो पीछे रह गये थे , चुपके से खिसकने लगे ।①

२० मई , १८५७ को मेरठ में भी विद्रोह की आग भड़क उठी ।④

3. 表示目的

मां की छाया में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला । ②

नन्नू की अम्मीजान चौथे पहर बन्ने और नन्नू को नाश्ता देने लगती हैं तो नीलू और ऊषा को साथ देख उन्हें भी कुछ देने को मन हो आता है । ⑥

4. 与谓语动词 होना 连用，表示“即将”

मां के पास वर्षा तो चला आया , लेकिन संकटों की लम्बी यात्रा का नया अध्याय अब शुरू होने को था । ②

5. 某些动词（或静动结构）的逻辑主语所要求

दिखाई पड़ना , लगना , मिलना , सूझना , चिन्ता होना , प्राप्त होना , मतभेद होना , हक होना , दुख होना, निराशा होना

कहावतें

जैसा बर्ताव अपने साथ करना चाहो वैसा आप भी करो ।
（要求别人做到的，自己也要做到）

मन के हारे हार है मन के जीते जीत ।
（思想上输了是真输,思想上战胜对方才是真胜）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिए :

नेत्र　　झूठा　　गैरहाज़िरी　　धड़कन　　पलपिटेशन

हार्ट　　प्रवेश-पत्र　　बीजगणित　　असंतोषजनक　　सीधा

धुन　　अस्तबल　　खिचड़ी　　लाइब्रेरी　　तृष्णा

व्रत　　कौड़ी　　सौम्य　　व्यथिक　　निन्यानवे

2. निम्नलिखित बातचीत को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान दीजिये :

" इतने दिनों कहां थे ? "

" बीमार हो गया था । "

" क्या बीमारी थी ? "

" पलपिटेशन आफ़ हार्ट , सर ! "

" अब तुम बिल्कुल अच्छे हो ? "

" जी हां । "

" अच्छा , प्रवेश-पत्र भर लाओ । "

" तुम कहां पढ़ते हो ? "

" पढ़ता तो कहीं नहीं हूं , पर आशा करता हूं कि कहीं नाम लिखा लूंगा । "

" मैट्रिकुलेशन पास हो ? "

" जी हां । "

" नौकरी करने की इच्छा तो नहीं है ? "

" नौकरी कहीं मिलती ही नहीं । "

3. नीचे दिये वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) मैंने समझा बेड़ा पार हुआ ।

२) मेरा दिल बैठ गया ।

३) घर बैठकर क्या करता ?

४) गणित तो बहाना था , उपन्यास आदि पढ़ा करता था ।

५) मैं दूसरे दिन हैडमास्टर साहब से मिलने का वादा करके चला तो पांव ज़मीन पर न पड़ते थे ।

4. इस पाठ का चीनी में अनुवाद कीजिये ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों से वाक्य बनाइये :

१) मेरी समझ में	७) आज्ञा लेना
२) चर्चा करना	८) हाथ से निकलना
३) बेड़ा पार होना	९) निराश होना
४) दिल बैठ जाना	१०) जी चाहना
५) रूह कांपना	११) ज़रूरत होना
६) फ़ेल होना	१२) पांव ज़मीन पर न पड़ना

6. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

教派的争吵	邻居的孩子
严厉的目光	心灵上的创伤
国内市场	神圣的使命
不适当的要求	幸运的人
健康的娱乐	最强大的力量
五年计划	疲惫的身体

7. चीनी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

普列姆昌德读完中学以后，想读大学，读硕士，将来当律师。这是他当时的志愿。大学虽然录取了，但他交不起学费。要求免费，没有成功。但他仍然渴望继续求学。为此他

必须住到城里去，因为只有城里有图书馆。碰巧一位律师要给自己的孩子们请一位老师。他便接受了。虽然月薪只有五个卢比，总比没有收入要好。当然，这点钱是不够用的，因此，有时他不得不向朋友借钱，甚至饿肚子的时候也是有的。

为了解决生活问题，他想找个工作，但找工作也不是轻而易举的事。

一天，他到书店去卖书。两个卢比一本的书只卖了一个卢比。他拿了钱正要走，突然书店老板的一位客人叫住他，问他想不想工作。那个人是个小学校长，正需要一位老师。月薪十八个卢比。这么多的钱他是连想也没想过的。他当然非常高兴地接受了。当时他只有十九岁。

上面讲的只是普列姆昌德年轻时候的一段经历。由此我们可以看到，这位伟大的作家在人生的道路上曾经遭遇过多少艰难困苦；也正因为如此，他才终于能成为一位人民的作家。

8. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) एक महीने के बाद जब प्रेमचन्द प्रिंसिपल से फिर मिले तब उन से प्रिंसिपल ने क्या क्या पूछा और उन्होंने क्या क्या जवाब दिये ?

२) जब उन्होंने फ़ार्म पर यह लिखा हुआ देखा कि " इस की योग्यता की जांच की जाय ", तब उनका दिल क्यों बैठ गया ?

३) अंग्रेज़ी के पाठ पर प्रश्न करने के बाद प्रोफ़ेसर साहब ने उनके फ़ार्म पर क्या लिखा ?

४) क्या गणित में भी उन की परीक्षा संतोषजनक थी ?

५) वह फ़ार्म ले कर प्रिंसिपल के पास क्यों नहीं गये ?

६) बाद में वह शहर में क्यों रहने लगे ?

७) वकील साहब के लड़कों को पढ़ाने का काम उनको कैसे मिला ?

८) वहां से जो पांच रुपये वेतन मिलता था उससे वे क्या करते थे ?

९) उस समय वे कहां रहते थे और क्या खाते थे ?

१०) क्या वे अक्सर पैसे उधार ले लिया करते थे ?

११) उनको कभी-कभी निराहार व्रत क्यों रखना पड़ जाता था ?

१२) वे नौकरी क्यों करना चाहते थे ?

१३) वे क्यों किताब बेचने गये ?

१४) वे स्कूल के अध्यापक कैसे बन गये ?

9. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

10. " मेरा जीवन " पढ़कर आप को क्या शिक्षा मिली ?

11. " मेरी अब भी पढ़ने की इच्छा थी , ... " से अन्त तक को रटकर सुनाइये ।

12. " मेरा जीवन " शीर्षक पर एक लेख लिखिये ।

बारहवां पाठ

ठाकुर का कुआं

(१)

जोखू ने लोटा मुंह से लगाया तो पानी में सख्त बदबू आई । गंगी से बोला —— यह कैसा पानी है ? मारे बास के पिया नहीं जाता । गला सूखा जा रहा है और तू सड़ा पानी पिलाये देती है !

गंगी प्रतिदिन शाम को पानी भर लिया करती थी । कुआं दूर था , बार-बार जाना मुश्किल था । कल वह पानी लायी , तो उस में बू बिल्कुल न थी ; आज पानी में बदबू कैसी ? लोटा नाक से लगाया, तो सचमुच बदबू थी । ज़रूर कोई जानवर कुएं में गिरकर मर गया होगा; मगर दूसरा पानी आवे कहां से ?

ठाकुर के कुएं पर कौन चढ़ने देगा । दूर ही से लोग डांट बताएंगे । साहू का कुआं गांव के उस सिरे पर है ; परन्तु वहां भी कौन पानी भरने देगा ? कोई कुआं गांव में है नहीं ।

जोखू कई दिन से बीमार है । कुछ देर तक तो प्यास रोके चुप पड़ा रहा , फिर बोला —— अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता । ला , थोड़ा पानी नाक बन्द करके पी लूं ।

गंगी ने पानी न दिया । ख़राब पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी —— इतना जानती थी ; परन्तु यह न जानती थी कि पानी

को उबाल देने से उसकी ख़राबी जाती रहती है । बोली —— यह पानी कैसे पियोगे ? न जाने कौन जानवर मरा है । कुएं से मैं दूसरा पानी लाये देती हूं ।

जोखू ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा —— दूसरा पानी कहां से लायेगी ?

" ठाकुर और साहू के दो कुएं तो हैं । क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे ? "

" हाथ-पांव तुड़वा आयेगी और कुछ न होगा । बैठ चुपके से । ब्राह्मण आशीर्वाद देंगे , ठाकुर लाठी मारेंगे , साहू जी एक के पांच लेंगे । ग़रीबों का दर्द कौन समझता है ! हम तो मर भी जाते हैं , तो कोई दुआर पर झांकने नहीं आता , कंधा देना तो बड़ी बात है । ऐसे लोग कुएं से पानी भरने देंगे ? "

इन शब्दों में कड़वा सत्य था । गंगी क्या जवाब देती , किन्तु उसने वह बदबूदार पानी पीने को न दिया ।

(२)

रात के नौ बजे थे । थके-मांदे मज़दूर तो सो चुके थे , ठाकुर के दरवाज़े पर दस-पांच बेफ़िक्र जमा थे ।

गंगी कुएं से पानी लेने पहुंची ।

कुप्पी की धुंधली रोशनी कुएं पर आ रही थी । गंगी जगत की आड़ में बैठी मौके का इन्तज़ार करने लगी । इस कुएं का पानी सारा गांव पीता है । किसी के लिये रोक नहीं ; सिर्फ़ ये बदनसीब नहीं भर सकते ।

गंगी का विद्रोही दिल रिवाजी पाबन्दियों और मजबूरियों पर

चोटें करने लगा —— हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊंच हैं ? इसलिये कि ये लोग गले में तागा डाल लेते हैं ? यहां तो जितने हैं, एक-से-एक छंटे हैं । चोरी ये करें, जाल-फ़रेब ये करें, झूठे मुकदमे ये करें । अभी इस ठाकुर ने तो उस दिन बेचारे गड़रिये की एक भेड़ चुरा ली थी और बाद को मारकर खा गया । इन्हीं पण्डित जी के घर में तो बारहों मास जूआ होता है । यही साहू जी तो घी में तेल मिलाकर बेचते हैं । काम करा लेते हैं, मजूरी देते नानी मरती है । किस बात में हैं हमसे ऊंचे । हां, मुंह से हमसे ऊंचे हैं, हम गली गली चिल्लाते नहीं कि हम ऊंचे हैं, हम ऊंचे ! कभी गांव में आ जाती हूं, तो टुकुर-टुकुर ताकने लगते हैं । जैसे सब की छाती पर सांप लोटने लगता है ; परन्तु घमण्ड यह कि हम ऊंचे हैं !

कुएं पर किसी के आने की आहट हुई । गंगी की छाती धक्-धक् करने लगी । उसने घड़ा और रस्सी उठा ली और झुककर चलती हुई एक वृक्ष के अंधेरे साये में जा खड़ी हुई । कब इन लोगों को दया आती है किसी पर ! बेचारे महंगू को इतना मारा कि महीनों लहू थूकता रहा । इसीलिये तो कि उसने बेगार न दी थी ! उस पर ये लोग ऊंचे बनते हैं !

कुएं पर दो स्त्रियां पानी भरने आयी थीं । इनमें बातें हो रही थीं । ...

दोनों पानी भरकर चली गयीं तो गंगी वृक्ष की छाया से निकली और कुएं के जगत के पास आयी । बेफ़िक्र चले गये थे । ठाकुर भी दरवाज़ा बन्द कर अन्दर आंगन में सोने जा रहे थे । गंगी ने क्षणिक सुख की सांस ली । वह दबे पांव कुएं के जगत पर चढ़ी । विजय का ऐसा

अनुभव उसे पहले कभी न हुआ था ।

उसने रस्सी का फंदा घड़े में डाला । दायें-बायें चौकन्नी दृष्टि से देखा , जैसे कोई सिपाही रात को शत्रु के किले में सुराख कर रहा हो । अगर इस समय वह पकड़ ली गयी , तो फिर उसके लिये माफ़ी या रियायत की रत्ती भर उम्मीद नहीं । अन्त में देवताओं को याद करके उसने कलेजा मज़बूत किया और घड़ा कुएं में डाल दिया ।

घड़े ने पानी में गोता लगाया , बहुत ही आहिस्ता । ज़रा भी आवाज़ न हुई । गंगी ने दो-चार हाथ जल्दी-जल्दी मारे । घड़ा कुएं के मुंह तक आ पहुंचा । कोई बड़ा शहज़ोर पहलवान भी इतनी तेज़ी से उसे न खींच सकता था ।

गंगी झुकी कि घड़े को पकड़कर जगत पर रखे , कि एकाएक ठाकुर साहब का दरवाज़ा खुल गया । शेर का मुंह इससे अधिक भयानक न होगा ।

गंगी के हाथ से रस्सी टूट गयी । रस्सी के साथ घड़ा धड़ाम-से पानी में गिरा और कई क्षण तक पानी में हलकोरे की आवाज़ें सुनाई देती रहीं ।

ठाकुर " कौन है , कौन है ? " पुकारते हुए कुएं की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी ।

घर पहुंचकर देखा कि जोखू लोटा मुंह से लगाये वही मैला-गंदा पानी पी रहा है ।

(प्रेमचन्द)

शब्दावली

ठाकुर (पु०) ज़मींदार 地主
लोटा (पु०) जल रखने का धातु
  का एक छोटा पात्र 水罐
सख़्त (वि०) 强烈的
बदबू (स्त्री०) 臭味
  -- आना 发出臭味
बास (स्त्री०) बू 味道
सड़ना (अ० क्रि०) 腐坏，腐烂
डांट (स्त्री०) 责骂，训斥
  -- बताना 责骂，训斥
साहू (पु०) महाजन
सिरा (पु०) 端，头
उबालना (स० क्रि०) 煮沸
जाता रहना (अ० क्रि०) 消失，失去
तुड़वाना (स० क्रि०) तोड़ना 的
  致使
आशीर्वाद (पु०) 祝福
  -- देना 祝福
लाठी (स्त्री०) बांस की लम्बी
  लकड़ी 竹竿
  -- मारना 用竹竿打
दुआर (पु०) द्वार 门，家门

झांकना (अ० क्रि०) 窥探
कंधा (पु०) 肩
  -- देना अरथी ढोने में
  कंधा लगाना 送葬，抬尸架
सत्य (पु०) 真理；现实
बदबूदार (वि०) 有臭味的
थका-मांदा (वि०) 疲惫的；
  困倦的
बेफ़िक्र (वि०) 无忧无虑的；
  漠不关心的
जमा (वि०) 聚在一起的
धुंधला (वि०) धुएं के रंग का
  昏暗的
जगत (स्त्री०) 井台
रोक (स्त्री०) 禁止，制止
बदनसीब (वि०) अभागा
  不幸的，苦命的
रिवाजी (वि०) रिवाज का
  风俗的，习俗的
पाबंदी (स्त्री०) 禁止；限制
मजबूरी (स्त्री०) 迫不得已
चोट (स्त्री०) 攻击；责难

पर -- करना 攻击；谴责
ऊंच (वि०)高尚的，高贵的
तागा (पु०)线（文内指圣线）
छंटना (अ०क्रि०) 被挑选
छंटा हुआ चालाक 狡猾的
जाल-फ़रेब (पु०) 欺诈
मुकदमा (पु०) 诉讼，案件
-- करना 告状
-- चलाना 打官司，告状
गड़ेरिया(गड़रिया) (पु०) एक हिंदू जाति जो भेड़ पालती है 以养羊为业的一种姓
भेड़ (स्त्री०) 羊
चुराना (स०क्रि०) चोरी करना 偷
जूआ (पु०) 赌博
मजूरी (स्त्री०) मज़दूरी 工钱
नानी (स्त्री०) 外祖母
-- मर जाना 难受，如丧考妣
गली (स्त्री०) 胡同
टुकुर-टुकुर (क्रि०वि०) 目不转睛
ताकना (स०क्रि०) 凝视；细看
टुकुर-टुकुर -- 目不转睛地看
सांप (पु०) 蛇
लोटना (अ०क्रि०) नीचे-ऊपर होते हुए जाना 翻滚，滚转
आहट (स्त्री०) चलने की आवाज़ 声音，脚步声
धक्-धक् (स्त्री०) 心跳加快
-- करना 心跳加快
साया (पु०) 阴影，影子
लहू (पु०) ख़ून 血
थूकना (स०क्रि०) 吐
बेगार (स्त्री०) 无偿劳动，劳役
-- देना 作劳役
बनना (अ०क्रि०) 装作，装成
क्षणिक (वि०)短暂的
सांस (स्त्री०) 呼吸
सुख की -- लेना 心情平静
दबना (अ०क्रि०)被压在下面
दबे पांव 蹑手蹑脚地
फंदा (पु०) 绳套，索套
दायें-बायें (क्रि०वि०) 左右
चौकन्ना (वि०)警惕的
सुराख़ (पु०) 孔，小洞
-- करना 挖洞
रियायत (स्त्री०) 宽容
रत्ती (वि०)极少的
-- भर 极少的

देवता (पु०) 神

देवताओं को याद करना
祈祷神灵保佑

कलेजा (पु०) दिल

-- मज़बूत करना 壮着胆

शहज़ोर (वि०) 力气大的

पहलवान (पु०) 角力士

धड़ाम-से ज़ोर की आवाज़ के साथ
扑通一声

हलकोरा (पु०) लहर 波浪

टिप्पणियां

1. जोखू ने लोटा मुंह से लगाया तो ...

句中 लगाना 意为"放"，"贴"。लोटा मुंह से लगाना 意思是"将水罐放在嘴边"。

2. .... तू सड़ा पानी पिलाये देती है ।

句中 पिलाये देना 为独立分词与 देना 连用，其用法详见第15课语法注释2。

3. हाथ-पांव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा ।

१) तुड़वा आएगी 意思是 तुड़वा कर आएगी 。 हाथ-पांव तुड़वाना 意思是"叫人打断胳臂，打断腿"。

२) और 意为 दूसरा ，须重读。

4. साहू जी एक के पांच लेंगे ।

句中 एक 与 पांच 后面都省略了 रुपये 。एक के 可理解为 एक के बदले 之意。全句的意思是"放债的老爷借出一个卢比要收回五个卢比"。

5. हम तो मर भी जाते हैं , तो कोई दुआर पर झांकने नहीं आता, कंधा देना तो बड़ी बात है ।

बड़ी बात होना 用作成语，意思是"很困难"、"了不起"、"不可能"。

6. ठाकुर के दरवाज़े पर दस-पांच बेफ़िक्र जमा थे ।

जमा 为不变形容词，而且只能作表语用。

7. हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊंच हैं ? इसलिये कि ये लोग गले में तागा डाल लेते हैं ?

इसलिये कि意为क्योंकि 。注意 इसलिये कि与 इसलिये 的区别。

इसलिये कि是 " ...इसलिये ...कि ... " （之所以…，是因为…）这一句型的省略用法。这句话完整的讲法是：

हम इसलिये नीच हैं और ये लोग इसलिये ऊंच हैं कि ये लोग गले में तागा डाल लेते हैं ?

8. इन्हीं पण्डित जी के घर में तो बारहों मास जूआ होता है ।

बारहों मास意为"十二个月"，即"整年"。

集数词的这种用法还有 चौबीसों घंटे（二十四小时，整天）等。

9. हां , मुंह से हम से ऊंचे हैं , ...

मुंह से 意思是"嘴上"，"口头上"，"说起来"。

10. कब इन लोगों को दया आती है किसी पर !

कब 用于反问句或感叹句中表示否定意义。例如：

मैंने कब कहा था ?

（我什么时候说过？意思是：我从未说过。）

वह कब आया था !

（他什么时候来过！意思是：他绝没来过。）

11. इसीलिये तो कि उसने बेगार न दी थी !

इसीलिये तो कि 的用法与第7条注释相同。

तो为语气词，与 इसीलिये 配合使用，意思是“只不过因为…”。

12. उस पर ये लोग ऊंचे बनते हैं।

उस पर 意为उस से 。

13. गंगी झुकी कि घड़े को पकड़कर जगत पर रखे, कि एकाएक ठाकुर साहब का दरवाज़ा खुल गया।

本句中第一个主从连词 कि 相当于ताकि，第二个主从连词 कि 意为 इतने में 。

14. बद- （乌）前缀，表示“坏”、“不好”。例如：

बद + बू ——→ बदबू 臭味

बद + नसीब ——→ बदनसीब 不幸的

बद + नाम ——→ बदनाम 名声不好的

-इक （梵）后缀，将名词变为形容词。例如：

क्षण + इक ——→ क्षणिक 短暂的

मास + इक ——→ मासिक 每月的

रस + इक ——→ रसिक 爱好娱乐的

व्याकरण

1. 过去分词与 जाना 连用

过去分词与 जाना 连用，作谓语，一般有如下两种含义：

१)表示动作的“急速”

在这个含义下，过去分词常由不及物动词构成，也可由及物动词构成，谓语动词多用现在或过去进行时。例如：

मोटर भागी जा रही है ।

（汽车飞快地行驶着）

आकाश में एक हवाई जहाज़ दक्षिण की ओर उड़ा जा रहा है ।

（空中有一架飞机急速向南飞去）

बांध के पास लोग बेतहाशा मिट्टी खोदे जा रहे हैं ।

（大堤旁人们在拼命地挖土）

२)表示即将发生的动作或状态

在这个含义下，过去分词均由不及物动词构成，谓语动词多用现在或过去进行时或经常时。这种用法多用于夸张的描写中。例如：

मेरा हृदय फटा जा रहा है ।

（我心痛欲裂）

प्यास के मारे उसके होंठ सूखे जा रहे थे ।

（他渴得嘴唇都快干裂了）

मेरी कमर टूटी जाती है ।

（我的腰都快断了）

2. 无人称被动语态

无人称被动语态不同于一般的被动语态，这是印地语中一种特殊的语态。无人称被动语态的谓语动词是由不及物动词的过去分词和 जाना 构成的，它没有语法上的主语，施事（即逻辑上的主语）后面用后置词 से，谓语动词永远用第三人称阳性单数形式。

无人称被动语态表示能力，常与否定词 नहीं 或 न 连用，表示“不能”的意思。例如：

उससे अब न रहा गया ।

（他再也忍不住了）

लड़कों से तड़के उठा नहीं जाता ।

（孩子们清早起不来）

यह कुर्सी ख़राब हो गई है , इस पर बैठा नहीं जाता ।

（这把椅子坏了，不能坐了）

有两点需要注意：

१）用于无人称被动语态时，动词 जाना 的过去分词变化形式是规则的，即用 जाया 而不用 गया。例如：

बूढ़े से बहुत दूर जाया न जाएगा ।

（老人走不了远路）

२）चला जाना 既可作主动语态，也可作无人称被动语态，要依上下文决定。例如：

वह चला गया ।（他走了）（主动语态）

उससे चला नहीं जाता ।（他走不动了）（无人称被动语态）

कहावतें

ओस चाटे प्यास नहीं बुझती ।

（舔露水解不了渴；杯水车薪，无济于事）

इधर के रहे न उधर के रहे ।

（两头落空）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

सख़्त	सड़ना	डांट	लाठी	झांकना
बेफ़िक्र	धुंधला	चोट	छंटना	गड़ेरिया
भेड़	टुकुर-टुकुर	लोटना	क्षणिक	रत्ती

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान दीजिये :

१) यह कैसा पानी है ? मारे बास के पिया नहीं जाता । गला सूखा जा रहा है और तू सड़ा पानी पिलाये देती है !

२) अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता । ला , थोड़ा पानी नाक बन्द करके पी लूं ।

३) यह पानी कैसे पियोगे ? न जाने कौन जानवर मरा है । कुएं से मैं दूसरा पानी लाये देती हूं ।

४) दूसरा पानी कहां से लाएगी ?

५) ठाकुर और साहू के दो कुएं तो हैं । क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे ?

६) हाथ-पांव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा । बैठ चुपके से । ब्राह्मण आशीर्वाद देंगे , ठाकुर लाठी मारेंगे , साहू जी एक के पांच लेंगे । ग़रीबों का दर्द कौन समझता है ! हम तो मर भी जाते हैं , तो कोई दुआर पर झांकने नहीं आता , कंधा देना तो बड़ी बात है । ऐसे लोग कुएं से पानी भरने देंगे ?

3. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता ।

२) हाथ-पांव तुड़वा आयेगी और कुछ न होगा ।

३) यहां तो जितने हैं , एक-से-एक छंटे हैं ।

४) काम करा लेते हैं , मजूरी देते नानी मरती है ।

५) कब इन लोगों को दया आती है किसी पर !

4. नीचे दिये गये वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) गंगी ने पानी न दिया । ख़राब पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी —— इतना जानती थी ; परन्तु यह नहीं जानती थी कि पानी को उबाल देने से उस की ख़राबी जाती रहती है ।

२) कुप्पी की धुंधली रोशनी कुएं पर आ रही थी । गंगी जगत की आड़ में बैठी मौके का इन्तज़ार करने लगी ।

३) बेचारे महंगू को इतना मारा कि महीनों लहू थूकता रहा । इसीलिये तो कि उसने बेगार न दी थी ! उसपर ये लोग ऊंचे बनते हैं ।

४) उसने रस्सी का फंदा घड़े में डाला । दायें-बायें चौकन्नी दृष्टि से देखा , जैसे कोई सिपाही रात को शत्रु के किले में सुराख़ कर रहा हो ।

५) गंगी झुकी कि घड़े को पकड़ कर जगत पर रखे कि एकाएक ठाकुर साहब का दरवाज़ा खुल गया । शेर का मुंह इससे अधिक भयानक न होगा ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) डांट बताना	७) नानी मर जाना
२) जाता रहना	८) टुकुरटुकुर ताकना
३) चुपके से	९) बनना
४) जमा होना	१०) दबे पांव
५) चोट करना	११) रत्ती भर
६) छंटा हुआ होना	१२) कलेजा मज़बूत करना

6. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1 ）这孩子太顽皮了，他爸爸老训斥他，可他谁的话也不听。

2 ）我认为这件工作对你来说并不困难。

3 ）你不要以为他很老实，他这个人非常狡猾。

4 ）看到这种情况，他再也忍不住了。

5 ）这张床坏了，不能睡人。

6 ）我劝你不要去了，除了空手而归，不会有别的结果。

7 ）刚才我看到学校门口聚集了好多人，不知出了什么事。

8 ）他嘴上说自己能力差，可干起工作来比谁都强。

9 ）我什么时候答应过你，说我今天早上来找你。

10 ）我一点也没有想到他工作干得如此出色。

7. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

निगाह	उपदेशक	हक	खीर	पटकना
एकदम	अखरना	सास	घरौंदा	अलाव

8. नीचे दिये शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

家庭纠纷	愚蠢行为
邪恶的欲望	踩在脚下
吹笛子	亲临现场
宗教经典	为生存而斗争
说话结巴	不合口味
人力车夫	无精打采

9. प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) जोखू ने लोटा मुंह से लगाया तो पानी में सख़्त बदबू आयी। तब गंगी से वह क्या बोला ?

२) गंगी प्रतिदिन कहां से पानी भर लिया करती थी? आज पानी में कैसी बदबू थी ?

३) जब जोखू से मारे प्यास के रहा न गया तो उसने गंगी से क्या कहा ?

४) गंगी ने उसको पानी क्यों नहीं दिया ?

५) जब गंगी ने कहा —— " कुएं से मैं दूसरा पानी लाये देती हूं," तो जोखू ने क्या कहा ?

६) इस पर गंगी ने क्या जवाब दिया ?

७) फिर जोखू ने क्या कहा ?

८) आखिर गंगी ने वह बदबूदार पानी जोखू को दिया कि नहीं ?

९) फिर वह कहां गयी और क्या करने लगी ?

१०) उस समय गंगी का विद्रोही दिल क्या कह रहा था ?

११) जब कुएं पर किसी के आने की आहट हुई , तब गंगी ने क्या किया ?

१२) जब दो स्त्रियां पानी भरकर चली गयीं तब गंगी ने क्या किया ?

१३) गंगी ने घड़ा कुएं में किस तरह डाला और किस तरह खींचा, इसका वर्णन कीजिये ।

१४) आख़िर गंगी कुएं से पानी भर लाई कि नहीं ? और क्यों ?

१५) घर पहुंच कर गंगी ने क्या देखा ?

१६) इस कहानी पर अपने विचार बताइये ।

10. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में सुनाइये ।

11. नीचे बताये पैराग्राफ़ों को रट कर सुनाइये :

" उसने रस्सी का फंदा घड़े में डाला" से अन्त तक

12. एक छोटी कहानी सुनाइये ।

तेरहवां पाठ

आनन्द की फुलझड़ियां

एक बूढ़ा आदमी , जिसके बाल सफ़ेद हो गये थे , ज़मीन खोद रहा था । एक नौजवान ने , जो वहां से गुज़र रहा था , उस बुज़ुर्ग को परिश्रम करते देख पूछा , " बाबा , यह क्या कर रहे हो ? "

" आम की गुठलियां बो रहा हूं । " बूढ़े ने कहा ।

" इस उम्र में ? इसके फल कब खाओगे बाबा ? "

" मैं फल नहीं खा सकता तो क्या हुआ बेटा , तुम तो खा

सकोगे ! मेरे-तुम्हारे नाती-पोते तो खाएँगे ! देखो, वह अमराई मेरे दादा ने लगायी थी तो उसके फल मैंने खाए । इसके फल मेरे नाती-पोते खाएँगे । "

हमारे पूर्वजों की इसी मनोवृत्ति का फल है जो हम जगह-जगह अमराई देखते हैं । अपने स्वार्थी जीवन से ऊंचे उठकर दूसरों को सुख और आनन्द पहुंचाने का यह कैसा सुन्दर स्वभाव है । निस्सन्देह उस बूढ़े का जीवन एक परम सात्त्विक आनन्ददीप्ति से जगमगा उठा होगा और उसकी मृत्यु भी बहुत शान्त और कष्टहीन हुई होगी । हम सभी लोग यदि इस वृत्ति को हृदयंगम कर लें तो इस दुनिया में अधिक आनंद की सृष्टि हो सकेगी , इसमें कोई शक नहीं । हमारा जीवन सच्चे सुख के प्रकाश से आलोकित हो उठेगा ।

एक वृद्ध सम्भ्रान्त महिला रेलगाड़ी से सफ़र कर रही थीं । वह खिड़की के पास बैठकर , बीच-बीच में , अपनी मुट्ठी से कुछ चीज़ बाहर फेंकती जा रही थीं । एक सहयात्री ने , जो यह देख रहा था, पूछा, " यह आप क्या कर रही हैं ? " उस महिला ने जवाब दिया , " ये सुन्दर फलों और फूलों के बीज हैं । मैं इन्हें इस उम्मीद पर फेंक रही हूं कि इनमें से कुछ भी अगर जड़ पकड़ लेंगे तो लोगों का इससे कुछ फ़ायदा होगा । पता नहीं , मैं इस रास्ते से फिर गुज़रूं या न गुज़रूं , इसलिये क्यों न मैं इस अवसर का उपयोग कर लूं ? "

आजकल के ज़माने की रुपये और शिलिंगवाली स्वार्थी तहज़ीब के बावजूद दुनिया में ऐसे व्यक्ति हैं , इसीलिये तो दुनिया रहने लायक बनी है । ऐसे निःस्वार्थी और आदर्शप्रिय लोग न होते तो हम कब के रसातल को पहुंच गये होते । ऐसे भी व्यक्ति हैं जो इस ज़माने के अंधकार

में भी आनन्द की फुलझड़ियों से प्रकाश फैलाते रहते हैं , जिन्हें देख कर हम मानवजाति के भविष्य पर श्रद्धा और विश्वास कर सकते हैं ।

अपने काम से एक बार बम्बई जा रहा था । टिकट लेने के लिये छीनाझपटी होती थी । खिड़की के पास भीड़ लगी हुई थी । टिकट बाबू बेचारे परेशानी से टिकट बनाते जाते थे , लेकिन उस छोटी-सी खिड़की में न जाने कितने हाथ घुस रहे थे और न जाने कितनी आवाजें आ रही थीं —— " दो टिकट अमरावती !" " बाबू , साढ़े तीन आकोला , जल्दी देना । " " अरे , गाड़ी तो छूटी जा रही है । " " बाबू नासिक का एक टिकट...। "

" ठहरो , ठहरो। " टिकट बाबू कहते जा रहे थे और पसीना पोंछते-पोंछते एक-एक आदमी को निपटाते जा रहे थे । और उधर गाड़ी आने का वक्त हो रहा था । लोगों का धीरज छूटने लगा । तानेकशी शुरू हुई —— " अरे भैया, दक्षिणा चढ़ाओ तब जल्दी टिकट मिलेगा।" एक बोले । " बड़ी ' इनएफ़ीशियेंसी ' (अव्यवस्था) है । " एक सूट पहने हुए साहब ने फ़र्माया । " हम स्टेशन मास्टर से शिकायत करेंगे । " तीसरे ने धमकाया ।

लेकिन टिकट बाबू इन बातों को सुनी-अनसुनी करके अपना काम करते रहे । कभी-कभी नाराज़ हो जाते तो अपनी नाराज़ी , जो ताने कस रहे थे , उन्हें टिकट देर से देकर निकालने की कोशिश करने लगे । मैं पास ही खड़ा था , टिकट लेना बाकी ही था । मैंने अपने पास के मुसाफ़िरों से कहा , " ज़रा ठहरिये भाई साहब ! देखिये बेचारा बाबू कितना फंस रहा है । "

" हां-हां , ठीक बात तो है , " एक खद्दरधारी सज्जन बोल उठे,

" ज़रा धीरज से काम लो भाई , सबको टिकट मिल जायगा । "

उस ग़रीब टिकट बाबू पर इन शब्दों का अजीब असर पड़ा । " कुछ पूछिए मत बाबू साहब , " उसने सिर पर से टोपी उतारते हुए कहा, " ऐसी पिसायी हो रही है कि हिसाब नहीं । कम्पनी से स्टाफ़ बढ़ाने के लिये कहा तो ' न ' में जवाब आया । महंगाई-भत्ते के लिये दरख़्वास्त दी तो कहते हैं —— विचार करेंगे । बड़ी मुसीबत है । ख़ैर ! आपको कहां जाना है बाबू साहब ? "

उसने मुझे फ़ौरन टिकट दे दिया । और उसी हो-हल्ले में पूछा, " आप यहीं रहते हैं ? "

मैंने कहा , " हां । "

" लौटकर ज़रूर दर्शन दीजियेगा । " उसने वहीं से नमस्कार करते हुए कहा और उत्साह से खटाखट टिकट काटकर भीड़ छांटना शुरू कर दिया ।

छोटी-सी घटना है , लेकिन एक सबक सिखाती है । जिन्होंने ताने कसे उनके ख़िलाफ़ उसका दिल कड़ा हो गया । मैंने सहानुभूति दर्शायी तो उसका हृदय मोम-सा हो गया और उसने केवल मुझे ही नहीं बल्कि दूसरों को भी जल्दी-जल्दी टिकट देना शुरू किया । सहा-नुभूति के उन थोड़े-से शब्दों ने उसे नयी ताकत दी ।

मेरे शब्द महज़ उसे ख़ुश करने के लिये नहीं कहे गये थे , वे सच्चे हृदय से निकले थे और वह बाबू भी उस सच्चाई को समझ गया । उस पर उनका तुरन्त असर हुआ । हो सकता है , उसके मन को उन शब्दों से कुछ सान्त्वना मिली हो । और मुझे क्या कीमत देनी पड़ी ? कुछ नहीं ।

एक बार मैं बैंक में अपना हिसाब खोलने के लिये गया । क्लर्क मुझ से सवाल पूछता जाता था और पास बुक में दर्ज़ करता जाता था । मैं ने देखा , उसके अक्षर दरअसल बहुत अच्छे हैं । मैंने फ़ौरन कहा,"ज़रा पास बुक दिखाइये तो , आपकी लिपि बहुत सुन्दर दीखती है । " और नज़दीक से देखकर मैंने कुछ मन-ही-मन और कुछ ज़ोर से कहा , " ब्यूटीफुल ! " उस क्लर्क का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा । बैंक के रूखे आंकड़ों से माथापच्ची करते-करते उसका तमाम दिन बीतता है । काम के उन नीरस घण्टों में उसे आनन्द का ऐसा अनुभव नहीं हुआ था। कुछ अभिमान से और कुछ विनय से वह धीरे-धीरे बोला , " जी हां , मैनेजर साहब ने भी इस बारे में मेरी तारीफ़ की है । हाई स्कूल में मुझे हस्तलिपि के लिये पहला पारितोषिक भी मिला था । "

" कोई आश्चर्य की बात नहीं । " मैंने कहा ।

उसका वह आनन्द से खिला हुआ चेहरा अब भी मेरी आंखों के सामने है । मुझे भी बड़ी प्रसन्नता हुई कि मैं उन थोड़े-से शब्दों द्वारा उस क्लर्क के जीवन में किंचित्मात्र भी क्यों न हो, सुख तो पहुंचा सका ।

ऐसे अवसर हमें हर दिन , हर घड़ी मिल सकते हैं । और ज़रा बारीकी से हम सोचें तो पायेंगे कि दूसरों को सुख देने की हमारी शक्ति उपरिमित है , बशर्ते कि हम उसके बारे में जागरूक रहें ।

इससे फ़ायदा ?

क्या हम इतने स्वार्थी बने रहेंगे कि बग़ैर फ़ायदे के कोई काम न करें ? यदि हमारी यही मनोवृत्ति रही तो लोग भी हमसे फ़ायदा निकालने के सिवा और किसी कारण ताल्लुक नहीं रखेंगे ।

और इसमें फ़ायदा क्यों नहीं है ? क्या यह छोटी बात है कि

मैं अपने एक भाई के जीवन में आह्लाद के कुछ क्षण दे सका ? यही वृत्ति यदि मैं अपने स्वभाव में पूरी तरह उतार सका तो न जाने कितने लोगों की सेवा मुझसे हो सकेगी ! और इस सत्प्रवृत्ति के कारण क्या लोग भी मुझे सुख और आनन्द पहुंचाने का यत्न न करेंगे ?

एक बात ज़रूर ध्यान रहे ! गुणों की क़द्र करने का अर्थ चापलूसी करना नहीं है । झूठी प्रशंसा से उलटा ही असर होगा । सहानुभूति और गुण-ग्राहकता की तह में सच्चाई होनी चाहिये , हृदय की भावना होनी चाहिये , नहीं तो सब गुड़ चिट्टी हो जायगा ।

समाज में हमें अक्सर दो छोर की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं । एक तो वे ठकुरसुहाती करते रहते हैं , जिसकी तह में तनिक भी सच्चाई नहीं रहती । ऐसे आदमियों के प्रति धीरे-धीरे घृणा पैदा होने लगती है । दूसरे वे हैं , जो न जाने अपने शब्दों को सोने या हीरे के मोल के समझते हैं और जो एक शब्द से भी दूसरे के प्रति गुणग्राहकता या प्रशंसा के भाव नहीं दर्शाते । हां , दूसरों की कमज़ोरियां और ग़लतियां तो वे बड़े चाव से बतायेंगे , लेकिन यदि उस व्यक्ति ने कोई अच्छा काम किया तो फिर उनकी ज़बान से तारीफ़ का एक शब्द भी न निकलेगा । भाई , अगर किसी के दोष बतलाने में आपको इतना मज़ा आता है तो उस बेचारे के गुणों की —— वे कुछ तो होंगे ही —— क़द्र करना भी तो आपकी ज़िम्मेदारी है । तभी तो वह समझेगा कि आप उसके सच्चे हितैषी हैं ।

आपने शायद मधु-मक्खियों को शहद इकट्ठा करते हुए देखा होगा तो पाया होगा कि वे गन्दे-से-गन्दे और कुरूप-से-कुरूप स्थानों में से भी शहद एकत्रित कर लाती हैं । इसी प्रकार यदि हम भी बुरी-से-

बुरी, विपरीत परिस्थिति में भी सुख ढूंढ़कर निकाल सकें तो हमारे जीवन में सदैव आनन्द का आलोक जगमगाता रहेगा, जिसके कारण न केवल हमारा ही जीवन बल्कि हमारे आसपास के लोगों का जीवन और वातावरण मधुमय हो उठेगा।

(अनन्तगोपाल शेवड़े)

शब्दावली

फुलझड़ी (स्त्री०) 一种烟火（能发出各色火花，供人观赏）
बुज़ुर्ग (वि०) जिसकी अवस्था अधिक हो, वृद्ध
आम (पु०) 芒果
गुठली (स्त्री०)（果实的）核
बोना (स० क्रि०) 播种
नाती (पु०) बेटी का बेटा
पोता (पु०) बेटे का बेटा
अमराई (स्त्री०) वह स्थान जहां आम के बहुत-से वृक्ष हों, आमों का बग़ीचा
पूर्वज (पु०) 先人，祖辈
मनोवृत्ति (स्त्री०) 观念；心意
स्वार्थी (वि०) 自私自利的
सात्त्विक (वि०) प्राकृतिक; वास्तविक 自然的；真实的
आनन्ददीप्ति (स्त्री०) आनन्द की रोशनी
कष्टहीन (वि०) 没有痛苦的
वृत्ति (स्त्री०) 意念；性格
हृदयंगम (वि०) हृदय में अच्छी तरह आया और बैठा हुआ, अच्छी तरह समझ में आया और बैठा हुआ 领悟的，接受的
-- करना 领悟，接受
आलोकित (वि०) 光辉的
सम्भ्रान्त (वि०) 可敬的
बीच-बीच में रह-रह कर, थोड़ी-थोड़ी देर में

मुट्ठी (स्त्री०) 拳头; 掌心
सहयात्री (पु०) 同路人, 旅伴
उम्मीद (स्त्री०) आशा
जड़ (स्त्री०) 根
-- पकड़ना 生根
शिलिंग (पु०) 先令(英国币制单位)
तहज़ीब (स्त्री०) सभ्यता, शिष्टता 文明; 教养
निःस्वार्थी (वि०) 无私的
आदर्शप्रिय (वि०) 有理想的
रसातल (पु०) 地狱
-- पहुंचना 毁灭
अमरावती जगह का नाम
आकोला जगह का नाम
नासिक जगह का नाम
निपटाना (स०क्रि०) 解决; 应付
धीरज (पु०) 耐心, 忍耐
-- छूटना 失去耐心
तानेकशी (स्त्री०) 讽刺, 挖苦
दक्षिणा (स्त्री०) 香火钱, 施舍物, 给婆罗门的钱或物
-- चढ़ाना 给香火钱, <讽>上供

इनएफ़ीशियेंसी (स्त्री०) 无效; 无能
सूट (पु०) (一套) 衣服, 西服
फ़र्माना (स०क्रि०) कोई बात कहना 说, 讲 (敬语)
धमकाना (स०क्रि०) धमकी देना 威吓, 威胁
सुनी-अनसुनी (स्त्री०) 装听不见
-- करना 装没听见
नाराज़ी (स्त्री०) नाराज़ होने का भाव 气愤
-- निकालना 发泄气愤
ताना (पु०) 讽刺, 挖苦
-- कसना 讽刺, 挖苦
पिसायी (स्त्री०) 劳累, 疲劳
स्टाफ़ (पु०) 工作人员(总称)
महंगाई (स्त्री०) 物价上涨
भत्ता (पु०) 补贴, 津贴
महंगाई-भत्ता 物价补贴
दरख़्वास्त (स्त्री०) प्रार्थना; प्रार्थना-पत्र 申请; 申请书
-- देना 递交申请书

खटाखट (क्रि०वि०) तुरन्त
立刻，马上
छांटना (स०क्रि०)切，裁，筛
भीड़ --缓解拥挤现象
दर्शाना (स०क्रि०) दर्शन कराना ,
दिखलाना
表示，表现
मोम (पु०) 腊
-- होना 软化，融化
खुश (वि०) प्रसन्न
-- करना 使高兴，讨欢喜
सांत्वना (स्त्री०) 安慰
-- मिलना 得到安慰
बैंक (पु०) 银行
हिसाब (पु०) 账目
-- खोलना (在银行)开户头
पासबुक (पु०)银行存折
दर्ज (वि०) 登记的,记录的
-- करना登记，记录
अक्षर (पु०)字体
दरअसल (क्रि०वि०) असल में ,
वास्तव में的确；实际上
लिपि (स्त्री०)字体，书法

ब्यूटीफुल (वि०)好看的
रूखा (वि०)枯燥的
आंकड़ा (पु०)数字
नीरस (वि०)枯燥的，
乏味的
विनय (पु०) 谦恭；礼貌
हस्तलिपि (स्त्री०)书法；笔迹
किंचित् (वि०) कुछ , थोड़ा
不多，一些
किंचित्मात्र बहुत ही थोड़ा
很少的
बारीकी (स्त्री०) 细致
अपरिमित (वि०) जो परिमित
न हो , असीम
无限的
बशर्ते कि शर्त यह है कि
条件是…，只要…
जागरूक (वि०)觉醒的
-- रहना 保持觉醒
बना रहना (अ०क्रि०) उपस्थित
या वर्तमान रहना
保持，维持
फ़ायदा (पु०)好处，利益

-- निकालना 捞取好处

ताल्लुक (पु०) 关系

-- रखना 保持关系

आह्लाद (पु०) प्रसन्नता

कद्र (कदर) (स्त्री०) आदर 尊敬，尊重

-- करना आदर करना 尊敬，尊重

गुणग्राहकता (स्त्री०) 赞赏

तह (स्त्री०) 底，底部；根底

गुड़ (पु०) 红糖，土糖

-- मिट्टी होना 化为乌有

प्रवृत्ति (स्त्री०) 倾向

ठकुर सुहाती (स्त्री०) चापलूसी 奉承，拍马

-- करना 奉承，拍马

हीरा (पु०) 金刚石，钻石

हितैषी (पु०) भला चाहने वाला, मित्र

मधु-मक्खी (स्त्री०) 蜜蜂

शहद (पु०) 蜂蜜

-- इकट्ठा करना 采蜜

कुरूप (वि०) 丑的，丑陋的

विपरीत (वि०) 不顺利的

आलोक (पु०) प्रकाश , रोशनी 光辉，光亮

मधुमय (वि०) 甜蜜的

टिप्पणियां

लेखक के बारे में —— अनन्तगोपाल शेवड़े (जन्म १९११) मराठी मातृभाषी हैं । आप ने हिन्दी में बारह उपन्यास लिखे हैं और कई निबन्ध और कहानियां भी लिखी हैं । आप की हिंदी सेवा

के लिये आप को गांधी पुरस्कार मिल चुका है ।

— ० —　　　　　— ० —

1. हमारे पूर्वजों की इसी मनोवृत्ति का फल है जो हम जगह-जगह अमराई देखते हैं ।

从句中的 जो 这里用作 जिस से 。

2. " ज़रा धीरज से काम लो भाई , सब को टिकट मिल जाएगा ।"

成语 काम लेना 有多种含义，这里的意思是“采取某种态度”、“采取某种方式”。例如：

राय साहब ने दमड़ी को फंसे हुए देखा , तो हमदर्दी के बदले कठोरता से काम लिया ।

（莱易先生看到达姆利遭了灾祸，不但不同情，反而采取了非常冷酷的态度）

मेरी समझ में नहीं आता कि लेन-देन में तुम सावधानी से क्यों काम नहीं लेते ?

（我不明白为什么你在银钱来往方面一点也不小心谨慎？）

3. " कुछ पूछिये मत बाबू साहब , " ...

कुछ न （ मत ） पूछना 是个成语，意思是“不提及”、“不谈到”，常用祈使语气。例如：

खाने की तो कुछ न पूछो । मुट्ठी भर चने में काम चल सकता है ।

（你不要提吃饭的事情，吃一把豆子就可以过日子）

文中 कुछ पूछिये मत ，意思相当于汉语的“别提了”，有

哀怨、轻蔑的意味。

4. कम्पनी से स्टाफ़ बढ़ाने के लिये कहा तो " न " में जवाब आया।

जवाब आना 意思是"答复"、"回答"， "न" में जवाब आना 意思是"答复说'不'"，即"回绝"。

5. " आप यहीं रहते हैं ? "

यहीं 这里指"本地"、"当地"，根据不同的上下文，可以有"本市"、"本省"、"本国"等意思。

6. नि:-（梵）前缀，表示"否定"。例如：

नि: + स्वार्थी ——→ नि:स्वार्थी 无私的

नि: + संदेह ——→ नि:संदेह 无疑的；无疑

नि: + शस्त्र ——→ नि:शस्त्र 不带武装的

-हीन（梵）后缀，表示"没有…的"。例如：

कष्ट + हीन ——→ कष्टहीन 没有痛苦的

शक्ति + हीन ——→ शक्तिहीन 没有力量的

बुद्धि + हीन ——→ बुद्धिहीन 没有智慧的

-मय（梵）后缀，表示"充满…的"。例如：

मधु + मय ——→ मधुमय 甜蜜的

सुख + मय ——→ सुखमय 幸福的

दुख + मय ——→ दुखमय 痛苦的

व्याकरण

बशर्ते कि 引导的条件状语从句

बशर्ते कि 引导的条件状语从句表示限定性条件，即如果该条件

能够实现，主句所述情况就一定会成为现实，有汉语“只要…”的意思。

बशर्ते कि 引导的条件状语从句永远在主句后面出现，主句中无相关词，从句多用虚拟语气。例如：

वह ज़रूर ठीक समय पर वापस आयेगा，बशर्ते कि मौसम ठीक हो ।

（只要天气好，他一定会准时回来）

उत्पीड़ित जनता निश्चय ही मुक्ति प्राप्त कर सकती है，बशर्ते कि वह संघर्ष चलाने का साहस करे ।

（被压迫人民只要敢于斗争就一定能获得解放）

कहावतें

चांद खूबसूरत लगता है बिना गहने ।

（月亮不打扮也是美的）

तन्दुरुस्ती हज़ार न्यामत है ।

（健康是最大的财富）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

फुलझड़ी	बुज़ुर्ग	गुठली	कष्टहीन	हृदयंगम
सम्भ्रान्त	निःस्वार्थी	धीरज	दक्षिणा	महंगाई

दरख़्वास्त खटाखट सान्त्वना ताल्लुक आह्लाद

गुणग्राहकता प्रवृत्ति हितैषी मधुमक्खी मधुमय

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान दीजिये :

१) " बाबा , यह क्या कर रहे हो ? "

" आम की गुठलियां बो रहा हूं । "

" इस उम्र में ? इसके फल कब खाओगे बाबा ? "

" मैं फल नहीं खा सकता तो क्या हुआ बेटा , तुम तो खाओगे ! मेरे-तुम्हारे नाती-पोते तो खाएंगे ! देखो , वह अर-माई मेरे दादाने लगाई थी तो उसके फल मैंने खाए । इसके फल मेरे नाती-पोते खाएंगे । "

२) " यह आप क्या कर रही हैं ? "

" ये सुन्दर फलों और फूलों के बीज हैं । मैं इन्हें इस उम्मीद पर फेंक रही हूं कि इन में से कुछ भी अगर जड़ पकड़ लेंगे तो लोगों का इससे कुछ फ़ायदा होगा । पता नहीं , मैं इस रास्ते से फिर गुज़रूं या न गुज़रूं , इसलिये क्यों न मैं इस अवसर का उपयोग कर लूं ? "

३) " दो टिकट अमरावती ! "

" बाबू , साढ़े तीन आकोला , जल्दी देना । "

" अरे , गाड़ी तो छूटी जा रही है । "

" अरे भैया , दक्षिणा चढ़ाओ तब जल्दी टिकट मिलेगा ।"

" बड़ी इनएफ़ीशियेंसी है । "

" हम स्टेशन मास्टर से शिकायत करेंगे । "

४) " ज़रा ठहरिये , भाई साहब ! देखिये बेचारा बाबू

कितना फंस रहा है । "

" हां-हां , ठीक बात तो है , ज़रा धीरज से काम लो भाई , सब को टिकट मिल जाएगा । "

3. नीचे दिये वाक्यों का विश्लेषण कीजिये और उनका चीनी में अनुवाद कीजिये :

१) हम सभी लोग यदि इस वृत्ति को हृदयंगम कर लें तो इस दुनिया में अधिक आनन्द की सृष्टि हो सकेगी , इस में कोई शक नहीं ।

२) ऐसे भी व्यक्ति हैं जो इस ज़माने के अंधकार में भी आनन्द की फुलझड़ियों से प्रकाश फैलाते रहते हैं , जिन्हें देखकर हम मानवजाति के भविष्य पर श्रद्धा और विश्वास कर सकते हैं ।

३) कभी कभी नाराज़ हो जाते तो अपनी नाराज़ी , जो ताने कस रहे थे , उन्हें टिकट देर से देकर निकालने की कोशिश करने लगे ।

४) मैं सहानुभूति दर्शायी तो उसका हृदय मोम-सा हो गया और उसने केवल मुझे ही नहीं बल्कि दूसरों को भी जल्दी-जल्दी टिकट देना शुरू किया ।

५) और ज़रा बारीकी से हम सोचें तो पाएंगे कि दूसरों को सुख देने की हमारी शक्ति अपरिमित है , बशर्ते कि हम उसके बारे में जागरूक रहें ।

4. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) देखिये , बेचारा बाबू कितना फंस रहा है ।

२) ऐसी पिसाई हो रही है कि हिसाब नहीं ।

३) " कोई आश्चर्य की बात नहीं । "

४) क्या हम इतने स्वार्थी बने रहेंगे कि बग़ैर फ़ायदे के कोई काम न करें ?

५) झूठी प्रशंसा से उलटा ही असर होगा ।

5. नीचे दिये शब्दों, या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) बीच-बीच में

२) रसातल पहुंचना

३) धीरज छूटना

४) खुश करना

५) दरअसल

६) बशर्ते कि

७) ताल्लुक रखना

८) गुड़ मिट्टी होना

6. निम्नलिखित शब्द-समूहों का अर्थ हिन्दी में बताइये :

热情地欢迎

猛然问道

马上停住

结结巴巴地说

免费参观

被迫同意

惊异地发现

着急地问道

直接赴会

心里说道

嘟嘟囔囔地说

目不转睛地看

7. नीचे दिये शब्दों के विपर्याय बताइये :

असफल गंदा भाग्यशाली अशिक्षित आसान

निराशा अनावश्यक झूठा फ़ेल कच्चा

8. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1）我不能去有什么关系，你总归要去的。

2）我告诉你这件事是希望你能帮助把它办成。

3）我想利用这个机会对大家讲几句话，向大家表示祝贺。

4) 上课的时间就要到了，咱们快点走吧。

5) 他明明在屋里，我喊了他几次，他却装听不见。

6) 对他来说，仅仅表示同情是不够的，重要的是要给他实际的帮助。

7) 不论什么事情，要想取得成功都得付出一定的代价。

8) 我从来没有像今天这样感到高兴。

9) 对朋友要以诚相见。

10) 尽管在我们面前有许多困难，我们对祖国的未来是充满信心的。

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) वह बूढ़ा आदमी किसलिये आम की गुठलियां बो रहा था , जब कि वह जानता था कि इसके फल वह नहीं खा सकेगा ?

२) वह वृद्ध महिला रेलगाड़ी की खिड़की से क्या क्या चीजें बाहर फेंकती जाती थीं ? और वह ऐसा क्यों करती थीं ?

३) इन दो बातों पर लेखक ने क्या विचार प्रकट किया ?

४) एक बार जब लेखक बम्बई जा रहा था , रेल्वे-स्टेशन पर उस ने क्या देखा ?

५) तब लेखक ने क्या कहा ? और उसकी बातों का क्या असर हुआ ?

६) उस छोटी-सी घटना से लोगों को क्या सबक मिल सकता है ?

७) एक बार जब लेखक अपना हिसाब खोलने के लिये बैंक में गया , तो वहां क्या हुआ ?

८) लेखक ने क्यों कहा कि दूसरों को सुख देने की हमारी शक्ति

अपरिमित है ?

९) लेखक के कथनानुसार समाज में दो छोर की कौन-सी प्रवृत्तियां हैं ?

१०) इस पाठ पर आप का क्या विचार है ? बताइये ।

10. इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में बताइये ।

11. " समाज में हमें ..." से लेकर अन्त तक को रटकर सुनाइये ।

12. " एक छोटी-सी घटना " शीर्षक पर एक लेख लिखिये ।

चौदहवां पाठ

सूत्रधार (१)

गौरीशंकर	नेता
बुधुआ	नेता का नौकर
राकेश	छात्र
बनर्जी	प्रिंसीपल
कालीचरण	सेठ , मिल-मालिक
पुलिस इंस्पेक्टर	
सिपाही	

(एक सजी हुई बैठक । सोफ़, मेज़ और मेज़ पर टेलीफ़ोन । खद्दर के पर्दे दरवाज़ों और खिड़की पर टंगे हैं । खद्दरधारी गौरी-

शंकर दोनों पैर समेटकर एक सोफ़ पर बैठे अख़बार पढ़ रहे हैं। टेलीफ़ोन की घंटी बोलती है। गौरीशंकर एक हाथ में अख़बार थामे फ़ोन उठाते हैं)

गौरीशंकर : हैलो ...अच्छा कालीचरण जी हैं। नमस्कार, नमस्कार। सुनाइये, क्या हाल है ? ... हां, कल पी० एम० ने पार्टी में बुलाया था। वहां मैंने आपके बारे में सारी बातें फ़ाइनेंस मिनिस्टर से कर ली थी। एक लाख रूपये से बात नहीं बनेगी। ... हां, वह तो है ही। जितना बड़ा काम, उतने दाम। वह दस लाख कह रहे थे, मैंने पांच लाख तक मना लिया है। ... अरे भैया ! आप... हां... आप ऐसा कीजिये कि ब्रीफ़केस में पूरे रूपये भर कर मुझे दे जाइये। मैं पहुंचा दूंगा। ... हां, आप इधर आ जाइये।... बाकी बातें भी यहीं कर लेंगे। ... ठीक है ...नमस्कार भैया (फ़ोन रख कर) बुधुआ !

बुधुआ : (अन्दर से आकर) जी मालिक !

गौरीशंकर : (सोफ़ पर बैठते हुए) आज इतवार है। कई लोग आएँगे। बाज़ार से कुछ सामान ले आओ।

बुधुआ : जी !

गौरीशंकर : घासी हलवाई के पास जाना। कहना कि हमने मिठाई और नमकीन मंगवाया है।

बुधुआ : जी !

गौरीशंकर : जी, जी क्या ? जाओ।

बुधुआ : साब, पैसे !

गौरीशंकर : पैसे किसलिये ? घासी से हमारा नाम लोगे, तो वह बिना पैसे दे देगा । आखिर उसे हमने इतनी पार्टियों के आर्डर दिलवाये हैं ।

बुधुआ : अच्छा सा'ब ! मैं अभी लाता हूं । (बाहर निकल जाता है । कुछ क्षण पश्चात् राकेश के साथ लौटता है) मालिक, ये आपको पूछ रहे थे ।

गौरीशंकर : (तपाक से उठकर राकेश से हाथ मिलाते हुए) हल्लो राकेश भाई , अब के तो बड़े दिनों में दर्शन दिये । (बुधुआ से) तू जा । (बुधुआ के चले जाने पर राकेश से) आओ बैठो । कैसे भटक गये आज ?

राकेश : आप तो जानते ही हैं कि आप के पास बिना मतलब के तो कोई आता नहीं है । (दोनों बैठ जाते हैं ।)

गौरीशंकर : (मुस्कराकर) हां , वह तो ठीक है । बताइये , मैं आप की क्या सेवा कर सकता हूं ?

राकेश : हम अपने कालेज में स्टूडेण्ट्स यूनियन की ओर से हड़ताल करना चाहते हैं , उसमें आपके सहयोग की आवश्यकता है ।

गौरीशंकर : ऐसी क्या बात हो गयी ?

राकेश : आपके सामने झूठ बोलना बेकार है , क्योंकि आप , बकील आपके , चेहरा देखकर ही आदमी के दिल की बात जान जाते हैं ।

गौरीशंकर : हां , वह तो है ही ।

राकेश : बात यह है कि परीक्षा में नकल करते हुए सुपरिंटैण्डेण्ट ने हम चार लड़कों को पकड़ लिया । हमने सोचा कि कुछ ले-दे कर

काम बन जाए , लेकिन वह साला बड़ा काइयां निकला , साफ़ मना कर दिया और हमारी कापियां छीनने लगा। हमने कहा कि हम नहीं देते । इस पर उसने पुलिस को बुला कर हमें हाल से निकलवा दिया । हम लोगों ने प्रिंसीपल से जाकर कहा , तो उसने भी साफ़ कह दिया —— " मैं इश मामले में नहीं पॉड़ शक्ता । " हमने बहुत कहा कि हम माफ़ी मांग लेंगे , आप सुपरिंटैंडेण्ट से कह तो दीजिये । इस पर वह उठकर चल दिया और बोला " मेरा कोई ऑ- धिकार नहीं है । आप लोगोन को आपनी कॉरनी का फॉल तो मिलना ही चाहिये । " अब हम चाहते हैं कि हम तो तीन साल के लिये गये ही , इस प्रिंसीपल को भी कालेज से निकलवा कर छोड़ें । यूनियन के प्रेसीडेण्ट और सेक्रेटरी तो अपने इशारों पर नाचते ही हैं , हम प्रिंसीपल को निकलवाने के लिये हड़ताल क्यों न करवा दें ?

गौरीशंकर : (सोच कर) देखिये , मेरी आप लोगों से जितनी मित्रता है , उतनी ही प्रिंसीपल से भी है । और फिर ...

राकेश : वह तो मुझे पता है । परन्तु इतना आप भी जानते हैं कि आपके काम जितने हम लोग आयेंगे , उतना वह प्रिंसीपल नहीं आयेगा । आप जिसको पिटवाना चाहते हैं,हम तैयार रहते हैं ; जिस मीटिंग में हुड़दंग मचवाना चाहते हैं , हम तैयार रहते हैं । बस , आपके इशारों की आवश्यकता होती है । और आपको चाहिये ही क्या ? चुनाव भी तो आप हम जैसों की सहायता से जीतते हैं ।

गौरीशंकर : सो मैं सब समझता हूं । आप लोग अपने आदमी हैं, इसीलिये तो काम पड़ने पर हम एक-दूसरे के पास आते हैं ।

राकेश : बिलकुल ।

गौरीशंकर : ठीक है , आप लोग हड़ताल करवा दीजिये , मगर किसी को पता नहीं चलना चाहिये कि इस हड़ताल का सूत्र-संचालक कौन है ।

राकेश : बिलकुल नहीं साब , आप भी क्या बात करते हैं । हम तो बस आपके आशीर्वाद की ज़रूरत थी , वह हमें मिल गया ।

(बनर्जी प्रवेश करते हैं)

गौरीशंकर : (उठकर हाथ मिलाते हैं) आइये प्रिंसीपल साहब , आप से मिलने की मेरी कई दिनों से इच्छा हो रही थी । आइये, बैठिये ।

(बनर्जी राकेश पर एक जलती दृष्टि फेंककर बैठ जाते हैं)

राकेश : (उठ कर) अच्छा जी , मैं चलता हूं । नमस्ते । (निकल जाता है)

गौरीशंकर : (बैठ कर) कोई सेवा ?

बनर्जी : यह किशलिए आया था ?

गौरीशंकर : अरे साहब , क्या बताऊं । आजकल लौंडे बड़े अनुशासनहीन होते जा रहे हैं । यह मुझे बताने आया था कि आप ने इन्हें कालेज से निकाल दिया है ।

बनर्जी : ये लोग हॉड़ताल करने पर तुले हुए हैं , क्योंकि शुपरिटेंडेंट ने इन्हें नकल करने के कारण एग्ज़ामिनेशन हाल से निकाल दिया है और यूनिवर्शिटी तक इनकी शिकायत पहुंचा दी है ।

गौरीशंकर : शिकायत ?

बनर्जी : हां , शिकायत । यह शायद हॉड़ताल के मामले में आपकी शलाह लेने आया था ।

गौरीशंकर : (घबड़ाकर) लेकिन मैंने तो आपसे यह नहीं कहा ।

बनर्जी : आपने नहीं , कुछ लॉड़कों ने मुझे रिपोर्ट दी है कि ये लॉड़के कालेज में हॉड़ताल करवा कर मुझे निकॉलवाना चाहते हैं ।

गौरीशंकर : कुछ-कुछ भनक तो मेरे कानों में भी पड़ी है । मैंने तो इस को वह लताड़ पिलाई है कि बच्चू का मुंह फीका हो गया। आपने देखा था न ? (व्यंग्यपूर्वक) ये भारत के भावी कर्ण-धार हैं , जिनको सिवाय लड़ाई-झगड़े और छुरेबाज़ी के और कोई काम नहीं सूझता है ।

बनर्जी : मैंने भी शोच लिया है कि इनकी हॉड़ताल का शामना करूंगा, चाहे कुछ हो जाए । आख़िर इन लोगों ने समझ क्या रखा है ।

गौरीशंकर : ऐसा करना ही चाहिये । नहीं तो आज आपको कालेज से निकलवाने की धमकी दे रहे हैं , तो कल सारे स्टाफ़ को निकलवाने की धमकी देंगे । प्रशासन इन लोगों की सलाह से थोड़े ही चल सकता है ।

बनर्जी : आप मेरे आपने अंतरंग मित्रों में शे एक हैं , आप की क्या राय है ?

गौरीशंकर : मेरी राय तो , बनर्जी साहब , यही है कि इन लोगों को हड़ताल करने दीजिये , आगे मैं निपट लूंगा । एस० पी० मेरे हाथों में हैं । इन दादाओं को जेल में न डलवा दिया , तो

मेरा नाम गौरीशंकर नहीं ।

(मूंछों पर हाथ फेरता है)

बनर्जी : बश , मैं यही चाहता हूं । पहले आप इन लोगों को शमझाने की कोशिश कीजिये । न मानें , तो चारा ही क्या है ? मैं नहीं चाहता कि मेरी प्रिंशीपलशिप में कोई हॉड़-ताल-वाड़ताल हो ।

गौरीशंकर : हां , जो काम समझौते से , शान्ति से हो सके , उसे क्यों न किया जाय ? आप बेफ़िक्र रहिये , आपका कोई नुकसान नहीं होगा ।

बनर्जी : मेरा क्या नुकशान हो सकता है ?

गौरीशंकर : अरे साहब , ये लड़के बड़े गुण्डे हैं । कहीं छुरेबाज़ी कर बैठें तो । इन लड़कों के पिता कोई साधारण हैसियत के आदमी तो हैं नहीं , ऊपर तक इन लोगों की पहुंच होती है । जमानत दे-दिला कर छूट जावेंगे । हमारी और आप की हैसियत ही क्या है ?

बनर्जी : मैं शब भुगत लूंगा । देखें , कोई मेरा क्या बिगाड़ता है ।

गौरीशंकर : आप मेरे परम मित्र हैं , इसलिये आपको यह सलाह दे सकता हूं कि आप अपनी ओर से पहल करके समझौता कर लें ।

बनर्जी : मैं शमझौता अपनी ओर शे क्यों करूं ? मेरा इशमें क्या दोश है ?

गौरीशंकर : वह तो ठीक है , लेकिन आप कालेज में नौकरी करते हैं । कालेज आपका नहीं है । प्राइवेट कालेजों में तो झुक कर

चलने में ही भलाई है । ये लोग मैनेजिंग कमेटी में अपना प्रभाव रखते हैं । कालेज को चन्दा देते हैं । अगर हड़ताल होने पर कुछ तोड़-फोड़ हुई , अथवा लड़ाई-झगड़ा हुआ , तो सारा दोष आपका ही माना जाएगा । (बनर्जी सोचने लगते हैं) प्रिंसीपल साहब , मैंने दुनिया देखी है । आजकल न्याय और योग्यता की कोई पूछ नहीं है । जी-हुज़ूरी से काम निकलता है और फिर स्टूडेंट्स यूनियन के लड़कों का किसी न किसी राजनैतिक दल से गठबन्धन होता है । आप मेरे दोस्त हैं । दोस्ती के नाते आपको पहले ही समझाना या सलाह देना मेरा कर्तव्य है , वर्ना मुझे क्या पड़ी है कि ···

बनर्जी : बात तो आप ठीक कहते हैं , लेकिन मैं भी देखना चाहता हूं कि कौन-शा राजनैतिक दल हाड़ताल करवाता है या कौन-शा रईश मुझे कालेज से निकालवाता है । (उठकर) अच्छा , मैं चलता हूं ।

(शेष अगले पाठ में)

(सुधीन्द्र कुमार)

शब्दावली

सूत्रधार (पु०) 傀儡戏演员（牵线人）; 戏院导演; 总管

सेठ (पु०) बहुत बड़ा धनवान; व्यापारी 富人; 商人

प्रिंसीपल (पु०) 校长

मिल-मालिक (पु०) 工厂主

इंस्पेक्टर (पु०) 巡官

बैठक (स्त्री०) 客室

सोफ़ा (पु०) 沙发椅

खद्दर (पु०) 一种土布

टंगना (अ॰क्रि॰)挂

खद्दरधारी (वि॰) खद्दर का कपड़ा पहननेवाला 穿土布衣的

घंटी (स्त्री॰) 铃

-- बोलना 铃响

हैलो 喂(招呼用语)

पी॰ एम॰ 总理(英语 Prime Minister 的缩写)

हाल (पु) 状况，情况

पार्टी (स्त्री॰)茶会

फ़ाइनेन्स मिनिस्टर (पु॰) 财政部长

बात बनना 成功，成事

दाम (पु॰) धन ; कीमत 钱; 价钱

मनाना (स॰क्रि॰) किसी को किसी काम या बात के लिये राज़ी करना 劝说，使同意

भैया (पु॰)兄弟(爱称)

ब्रीफ़केस (पु॰)公事皮包

घासी हलवाई 的名字

नमकीन (पु॰)咸味点心

नाम (पु॰) 名字

का -- लेना 提…的名字

आर्डर (पु॰) 定购;定货单

दिलवाना (स॰क्रि॰) देना 的致使

आर्डर -- 使定购

तपाक (पु॰) तेज़ी , वेग 迅速

-- से 迅速地

हाथ (पु॰) 手

से -- मिलाना 与…握手

हल्लो 招呼用语

दर्शन (पु॰)观看; 瞻仰

-- देना 露面，呈现

भटकना (अ॰क्रि॰) 徘徊; 迷路

मतलब (पु॰) मन में रहनेवाला आशय या उद्देश्य;स्वार्थ 意图; 私利

स्टूडेण्ट्स (पु॰) 学生(复)

यूनियन (पु॰)联合会

हड़ताल (स्त्री॰)罢工，罢课

-- करना 罢工，罢课

के बकील के कथनानुसार 据…讲的

सुपरिंटेंडेंट (पु०) 督学；主管人

ले-दे (स्त्री०) झगड़े का आरंभिक रूप 顶嘴，争执

-- करना 顶嘴

काइयां (पु०) बहुत बड़ा चालाक 非常狡猾的人

साफ़ (क्रि०वि०) स्पष्ट रूप से, पूरी तरह से

हाल (पु०) 大厅

माफ़ी (स्त्री०) 宽恕，原谅

-- मांगना 请求宽恕，道歉

प्रेसीडेण्ट (पु०) अध्यक्ष

सेक्रेटरी (पु०) सचिव 秘书

इशारा (पु०) 示意，暗示

के इशारों पर नाचना 听从…摆布，任凭…使唤

मीटिंग (स्त्री०) अधिवेशन, बैठक 会，会议

हुड़दंग (स्त्री०) 捣乱，起哄

-- मचाना 捣乱，起哄

मचवाना (स०क्रि०) मचाना 的致使

चुनाव (पु०) 选举，竞选

-- जीतना 竞选取胜

सूत्र (पु०) 线

-- संचालक 牵线人，操纵者

लौंडा (पु०) 男孩，小伙子

अनुशासनहीन (वि०) 无纪律的

तुलना (अ०क्रि०) उद्यत होना 准备，下决心

एग्ज़ामिनेशन (पु०) परीक्षा 考试

शिकायत (स्त्री०) 抱怨；控诉

-- पहुंचाना 告状

भनक (स्त्री०) 传闻，谣传

कान में -- पड़ना 听到传闻

लताड़ (स्त्री०) 斥责，谴责

पिलाना (स०क्रि०) 使喝

लताड़ -- 斥责，谴责

बच्चू (पु०) 小子（含讥讽意）

फीका (वि०) 无光彩的

मुंह -- होना（因不高兴、不满意）板起面孔，脸色阴沉

व्यंग्यपूर्वक (क्रि०वि०) 讥讽地，讽刺地

भावी (वि०) भविष्य में होने वाला

कर्णधार (पु०) 舵手

छुरेबाज़ी (स्त्री०) 动刀，行凶

सूझना (अ०क्रि०) दृष्टि में आना; ध्यान में आना 看到；想到

सामना (पु०) 对面;对抗,斗争

का -- करना 对抗,与…斗争

प्रशासन (पु०) 行政,行政管理

-- चलना 进行管理

अंतरंग (पु०) 亲密的

-- मित्र 知心朋友

आगे (क्रि०वि०) आनेवाले समय में , भविष्य में

निपटना (अ०क्रि०) 对付,解决

एस० पी० 警察长（英语 Superintendent of Police 的缩写）

दादा (पु) 祖父；兄长

डलवाना (स०क्रि०) डालना 的致使

फेरना (स०क्रि०) 旋转；抚摩

पर हाथ -- 抚摩

चारा (पु०) उपाय

प्रिंसीपलशिप (स्त्री०) 校长的职务，校长的任职

समझौता (पु०) 妥协；协商

गुण्डा (पु०) 流氓，无赖

हैसियत (स्त्री०) 身份，资格

पहुंच (स्त्री०) किसी स्थान तक पहुंचने की योग्यता या शक्ति

ज़मानत (स्त्री०) 保证（金）

छूटना (अ०क्रि०) 免于处罚

भुगतना (स०क्रि०) 忍受，承担

बिगाड़ना (स०क्रि०) 损坏，损伤

परम (वि०) 最好的

पहल (स्त्री०) 发起,主动

-- करना · 发起;采取主动

प्राइवेट (वि०)私人的;私立的

झुकना (अ०क्रि०)弯腰，低头

झुक कर चलना 忍气吞声，俯首帖耳

भलाई (स्त्री०)好处，益处

मैनेजिंग (पु०) 管理

कमेटी (स्त्री०)委员会

तोड़-फोड़ (स्त्री०)तोड़ने और फोड़ने की क्रिया 破坏，毁坏

पूछ (स्त्री०) 理睬

जी-हुज़ूरी (स्त्री०) 俯首听命

गठबन्धन (पु०)勾结

रईस (पु०)有财势的人

टिप्पणियां

1. जितना बड़ा काम , उतने दाम ।

दाम 一词原指旧钱币（银币、铜币等），故沿袭至今习惯上仍多用作复数。如，इस कपड़े के कितने दाम होंगे ?（这件衣服多少钱？）दाम 用作单数，也不为错。如，इस पुस्तक का क्या दाम है ?（这本书多少钱？）

2. सांब , पैसे ।

साब为साहब 之简化。这种简化多出自文化水平较低的人之口。

3. घासी से हमारा नाम लोगे , तो वह बिना पैसे दे देगा ।

बिना पैसे 为 बिना पैसे के 之省略。

后置词 के बिना 在非倒置的情况下，के 也可省略，如

पैसे बिना （没有钱）。

用于代词后面时， के不可省略。如，आपके बिना 或 बिना आप के 。

4. अच्छा सा'ब ।

सा 后面的符号表示送气音。

5. मालिक , ये आप को पूछ रहे थे ।

本句 पूछना 的意思是“打听”、“询问”。在这个意义下，其宾语要求用后置词 को 。

6. हल्लो राकेश भाई , अब के तो बड़े दिनों में दर्शन दिये ।

१) 本句省略了主语 आप ने 。

२) अब के是个习语，意思是इस बार（这回，这次）也可用 अब की 。例如：

अब के （ अब की ） आपको मेरे साथ जाना पड़ेगा ।

（这回您得跟我一起去了）

7. आओ बैठो , कैसे भटक गये आज ?

भटकना 本意是“迷路”，这里是戏谑的说法，相当于汉语的“哪阵风把你给吹来了”。

8. मैं इश मामले में नहीं पॉड़ शकता ।

१) 这句话的正确读音应该是 मैं इस मामले में नहीं पड़ सकता 。从口音可以看出，这位校长系孟加拉人，因为孟加拉人的发音习惯多将 स , ष 读作श ， 将अ 读作ऑ ,如本文中的 ऑधिकार （ अधिकार ）, कॉरनी （ करनी ）, फॉल （ फल ）, हॉड़ताल （ हड़ताल ） , लॉड़का （ लड़का ）等。阅读时须予注

意。

对话中运用地方口音或方言土语，表明人物的籍贯、身份、性格等，可使语言生动，气氛浓郁，增强艺术感染力。

२）本句中 पड़ना 意为"陷入"、"介入"、"干预"。例如：

मैं तुम्हारे मामले में नहीं पड़ूंगा ।

（我不干预你们的事）

9. अब हम चाहते हैं कि हम तो तीन साल के लिये गये ही，इस प्रिंसीपल को भी कालेज से निकलवा कर छोड़ें ।

本句中 गये 意思是 निकाल दिये गये（被开除），这里用过去时代替将来时（ निकाल दिये जाएंगे ）。

按印度学校规定，对违反校规的学生可给以年限不等的"停学"处分。这里 तीन साल के लिये 即指停学三年。

10. … आप के काम जितने हम लोग आएंगे，उतना वह प्रिंसीपल नहीं आयेगा ।

成语 काम आना 意思是"有用处"，"起作用"。 काम 后面多理解为省略了 में。例如：

मेरी जायदाद बची रहेगी，तो हम अपने दुखी भाइयों के कुछ काम आ सकेंगे ।（如果我的财产保得住的话，那对我的穷弟兄们还会有些用处的）

जब यह चीज़ काम ही नहीं आती，तो उसे छोड़ना ही अच्छा ।

（这东西既然没有用不如扔掉）

11.（ बैठकर ）कोई सेवा ？

这是个省略句。全句应为 मैं आप की कोई सेवा कर सकता हूं ?

12. इन दादाओं को जेल में न डलवा दिया , तो मेरा नाम गौरी-शंकर नहीं ।

१) दादा 这里是讥讽的说法，相当于汉语的“小祖宗们”。

२) तो मेरा नाम ××× नहीं 是一种起誓的用语，相当于汉语的“我就不姓×”。

13. ··· ऊपर तक इन लोगों की पहुंच होती है ।

ऊपर 这里指“上面”，意即地方或中央领导。

14. ··· वर्ना मुझे क्या पड़ी है कि ···

作为成语，क्या पड़ना 意为“不必要”、“没有必要”、“何必”。其逻辑主语须加 को ，पड़ना 用阴性，可理解为省略了主语 ज़रूरत 。这句话 कि 后面可理解为省略了इस मामले में पड़ूं 。

从句可以用 कि 引导，也可以用जो引导。例如：

तुम्हें क्या पड़ी है जो ऐसे आदमी के लिये दौड़-धूप कर रहे हो ?

（你有什么必要为这样的人去奔走）

15. -आव（印）后缀，将动词转变为抽象名词。例如：

चुनना ——→ चुनाव 选举

बचना ——→ बचाव 得救

चढ़ना ——→ चढ़ाव 上升

व्याकरण

कहीं 引导的条件状语从句

用कहीं引导的条件状语从句含有假设的意味，但这种假设的条件在说话人看来是有可能实现的。有汉语“假如”、“万一”等意义。

用कहीं引导的条件状语从句的谓语动词通常用虚拟语气，有时也用简单过去时。从句在主句之前出现，主句前常用 तो。例如：

कहीं लोग देख लें तो ग़ज़ब हो जाए।

（万一让别人看见了就糟了）

कहीं बांध टूट गया तो खेत डूब जाएंगे।

（要是大堤决了口，田地都会被淹掉的）

有时，条件从句也可用假设语气，这时所述条件纯属假设。例如：

कहीं यह दवा तुम ने खा ली होती तो अनर्थ हो जाता।

（假若你把这药给吃了的话，那就糟了）

कहावतें

मित्र वही जो समय पर काम आवे।

（患难朋友才是真朋友）

नाम बड़े दर्शन थोड़े।

（盛名之下，其实难副）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

प्रिंसीपल	इंस्पेक्टर	सोफ़ा	हैलो	पार्टी
मिनिस्टर	ब्रीफ़केस	आर्डर	हल्लो	स्टूडेण्ट्स
सुपरिंटेंडेंट	प्रेसीडेण्ट	सेक्रेटरी	मीटिंग	एग्ज़ामिनेशन
फ़ाइनेन्स	यूनियन	प्राइवेट	कमेटी	मैनेजिंग
प्रिंसीपलशिप				

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान दीजिये :

१) हल्लो राकेश भाई , अब के तो बड़े दिनों में दर्शन दिये ।

२) आओ बैठो , कैसे भटक गये आज ?

३) आप तो जानते ही हैं कि आप के पास बिना मतलब के तो कोई आता नहीं है ।

४) हां , वह तो ठीक है । बताइये , मैं आप की क्या सेवा कर सकता हूं ?

५) आप के सामने झूठ बोलना बेकार है , क्योंकि आप , वकील आप के , चेहरा देखकर ही आदमी के दिल की बात जान जाते हैं ।

६) हां , वह तो है ही ।

७) आइये , प्रिंसीपल साहब , आप से मिलने की मेरी कई दिनों से इच्छा हो रही थी । आइये , बैठिये ।

८) अच्छा जी , मैं चलता हूं । नमस्ते ।

3. नीचे दिये वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) जितना बड़ा काम , उतने दाम ।

२) कुछ-कुछ भनक तो मेरे कानों में भी पड़ी है ।

३) ये भारत के भावी कर्णधार हैं , जिनको सिवाई लड़ाई-झगड़े और छुरेबाज़ी के और कोई काम नहीं सूझता है ।

४) न मानें , तो चारा ही क्या है ?

५) प्राइवेट कालेजों में तो झुक कर चलने में ही भलाई है ।

६) आजकल न्याय और योग्यता की कोई पूछ नहीं है ।

4. " बात यह है कि परीक्षा में ..." से लेकर " बिल्कुल । " तक की बातचीत का चीनी में अनुवाद कीजिये ।

5. निम्नलिखित शब्दों या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) बात बनना
२) नाम लेना
३) दर्शन देना
४) माफ़ी मांगना
५) शिकायत पहुंचाना
६) मुंह फीका होना
७) सूझना
८) बेफ़िक्र रहना

6. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1) 关于你的事情，昨天开会的时候我都跟老师说了。你就放心吧。

2) 人没有空气是活不了的，正像鱼没有水不能活一样。

3) 我们实行按劳分配，不劳动者不得食。

4) 你要是一意孤行，你将会自食其果。

5) 我们已下定决心，这项任务今天非完成不可。

6) 这件东西虽然旧了,但不要扔掉，留着它以后也许会有用

处的。

7）这个问题一定要调查清楚，不管会发生什么事。

8）你先尽量劝劝他们，通过交换意见能够解决好事情，何乐而不为呢？

9）这件事我有什么过错，我干吗要向他道歉？

10）话是这么说，不过你要是采取主动，问题不就解决了吗？而且这样做对谁也没有害处啊。

7. निम्नलिखित शब्द-समूहों के अर्थ हिन्दी में बताइये :

友好往来	宴请宾客
旧调重弹	打架斗殴
消除痕迹	忏悔赎罪
愁容满面	讨价还价
祈祷诵经	寂静无声
精疲力尽	支吾其词

8. नीचे दी गयी संज्ञाओं के लिये निम्नलिखित विशेषणों में से एक एक चुनिये , जो उचित हो :

कड़ी आर्थिक गंभीर असफल निम्न समतल

भावना स्वर निगाह हानि मैदान प्रयास

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) गौरीशंकर कैसा आदमी था ?

२) राकेश कैसा आदमी था? वह गौरीशंकर के पास किसलिये आया ?

३) राकेश क्यों हड़ताल करवाना चाहता था ?

४) गौरीशंकर ने राकेश की मांग स्वीकार की या नहीं ?

५) बनर्जी कैसा आदमी था ? वह गौरीशंकर के पास क्यों आया?

६) गौरीशंकर ने हड़ताल के बारे में क्या राय दी ?

७) क्या बनर्जी ने गौरीशंकर की राय स्वीकार की ? और क्यों ?

10. इस नाटक को खेलने की तैयारी कीजिये ।

पन्द्रहवां पाठ

सूत्रधार (२)

गौरीशंकर : कुछ जलपान तो कर लीजिये । (खड़े होते हैं)

बनर्जी : धन्यवाद । अब मैं चलूं ।

बुधुआ : (खाली हाथ प्रवेश कर) मालिक , लाला ने कहा...
(गौरीशंकर चुप रहने का संकेत करते हैं , लेकिन वह कहता जाता है) कि आपने उसे पार्टियों के ठेके दिलवाए हैं , तो कौन-सा अहसान किया है । नकद रुपये भी तो लिये हैं...

गौरीशंकर : (क्रोधित स्वर में) चुप गधे !

बुधुआ : पहले पूरी बात तो सुन लो मालिक , उसने फिर कहा —— उन्होंने नकद दो सौ रुपये नहीं लिये क्या ?

बनर्जी : यह क्या कह रहा है ? दो शौ रुपये नकद लेने की कौन-शी बात है , जिश पर आपको गुश्शा आ गया ?

गौरीशंकर : (घबड़ाहट और क्रोध का भाव छिपाते हुए) गधा है ।

बनर्जी : होगा , लेकिन बात क्या हुई ?

गौरीशंकर : आपसे उसका कोई सम्बन्ध नहीं है । यह पागल है ।

बनर्जी : मुझे तो ऐसा मालूम नहीं पड़ता । (उठते हुए) अच्छा, मेरी बात का ध्यान रखना । (निकल जाते हैं)

गौरीशंकर : (गुस्सा पीते हुए) यह अच्छा मूर्ख नौकर पल्ले पड़ा है । बेवकूफ़ को कितनी बार समझाया है कि ...! तू निकल जा मेरे घर से ।

राकेश : (प्रवेश कर) यह प्रिंसीपल क्या कह रहा था ?

गौरीशंकर : (मुस्करा कर) आप अभी तक यहीं हैं ?

राकेश : मैंने सोचा कि प्रिंसीपल यहां आया है तो ज़रूर हमारे बारे में बात करने आया होगा , इसलिये मैं बाहर छिप गया था।

गौरीशंकर : डर के मारे भागा-भागा फिर रहा है । मुझ से कह रहा था कि कुछ सहायता कीजिये । मैंने तो साफ़-साफ़ कह दिया है कि मैं लड़कों के मामले में आपका पक्ष नहीं ले सकता । दोष आपका ही था । आपने अपने कालेज के लड़कों की सहायता क्यों नहीं की ? यह सुन कर वह भीगी बिल्ली बना चला गया है । (चिन्ता भरे स्वर में) मामला बड़ा टेढ़ा पड़ गया है । (बुधुआ से) खड़ा क्यों है ? साहब के लिये पानी लाओ ।

बुधुआ : जी मालिक । (अन्दर चला जाता है)

गौरीशंकर : वह कह रहा था कि यदि लड़कों की हड़ताल हुई तो वह तुम लोगों को पुलिस द्वारा पकड़वा कर जेल भिजवा देगा ।

राकेश : जब तक आप हैं , हमें कोई ख़तरा नहीं है । (जेब में हाथ

डाल कर) अगर आपको रुपये-पैसे चाहिये , तो हम से कहिये ।

गौरीशंकर : हां , वह तो कहना ही पड़ेगा । एस० पी० और दूसरे अफ़सरों को देने के लिये कम से कम पांच सौ रुपये की ज़रूरत तो पड़ेगी ही ।

राकेश : वंडरफुल ! (जेब से नोट निकाल कर देते हुए) हम सबने इतना ही अन्दाज़ लगाया था । इस समय सौ रुपये लीजिये, बाकी फिर दे जाऊंगा । स्टूडेण्ट्स यूनीयन का फंड और किस दिन काम आयेगा ?

बुधुआ : (पानी के दो गिलास लेकर आता है) लीजिये,मालिक !

गौरीशंकर : (राकेश से रुपये लेते हुए) कोई बात नहीं । ऊपर से मेरे कुछ लग भी जाएं , तो परवाह नहीं । अपने ही आदमी हो , फिर आ जाएंगे । आप निश्चिन्त हो जाइये , मैं सब सुलट लूंगा ।

(राकेश निकल जाता है)

बुधुआ : अच्छा महाराज , मैं तो चला जाऊंगा , पर मेरी एक बात तो सुन लीजिये ।

गौरीशंकर : क्या है ?

बुधुआ : जब मैं घासीराम की दुकान पर पहुंचा ...

गौरीशंकर : मैं कुछ नहीं सुनना चाहता । जा , भाग , (सेठ कालीचरण हाथ में ब्रीफ़केस लेकर प्रवेश करते हैं । गौरीशंकर उन्हें आदरसहित कुर्सी पर बैठाते हैं । बुधुआ गिलास अंदर रख आता है और झाड़ू ला कर सफ़ाई करने लगता है । कभी

कभी उन दोनों की बातचीत सुनने के लिये खड़ा हो जाता है)

गौरीशंकर : आइये , सेठ जी । सुनाइये , क्या समाचार हैं ?

कालीचरण : अरे साहब , क्या बताऊँ ! बुरे समाचार हैं । इन मज़दूरों के मारे तो मेरी जान आफ़त में हो गई है । रोज़ कोई न कोई झगड़ा-टण्टा उठाए रखते हैं । कभी अपने वेतन बढ़वाने की बात कहते हैं और कभी फ़्री क्वार्टर , अस्पताल और स्कूल बनवाने की मांग रखते हैं । मैं तो इन रोज़ की मांगों से तंग आ गया हूं । मैंने बिज़िनेस में इतना सारा रुपया जैसे केवल इनको पालने के लिये ही लगा रखा है ।

गौरीशंकर : हां सेठ जी , कुछ नेता-टाइप लोग ही पर्दे के पीछे से इन लोगों को भड़काते रहते हैं । ये मज़दूर अन्धों की तरह उनके बताए हुए रास्ते पर चलने लगते हैं , चाहे इससे उनका अपना कितना ही नुकसान क्यों न हो जाय ।

कालीचरण : जी हां , लेकिन मैंने भी अब सोच रखा है कि बिना कड़ा रुख़ अपनाये काम चलेगा नहीं ।

गौरीशंकर : आपने ठीक सोचा है ।

कालीचरण : इसके लिये मुझे आपकी सहायता चाहिये ।

गौरीशंकर : (प्रसन्नता से) अजी साहब , क्यों नहीं । मैं सत्य और न्याय की रक्षा के लिये सदैव तैयार हूं ।

कालीचरण : इसीलिये तो आपके पास आना पड़ा । आप मेरी सहायता कीजिये । अगले चुनावों में मुझ से आपकी जो सेवा बन पड़ेगी , वह मैं करने को तैयार हूं ।

गौरीशंकर : सो तो आपकी दया है सेठ जी ! आप जैसे भले आदमियों के भरोसे ही तो मैं इस शहर में टिका हुआ हूं , वर्ना यह शहर मुझ जैसे आदमियों के योग्य है नहीं ।

कालीचरण : सो तो है ही । अच्छा , तो ज़रा मेरा काम सुन लीजिये।

गौरीशंकर : सुनाइये ।

कालीचरण : बात यह है कि मज़दूरों ने मेरे सामने कई मांगें रखी हैं , जैसे वेतन में बढ़ोतरी , बोनस , उनके बच्चों की मुफ़्त शिक्षा का प्रबन्ध , मुफ़्त मकान आदि । मांगें पूरी न होने पर वे हड़ताल करने की धमकी दे रहे हैं । आप जानते ही हैं कि हमारे पास तनख़ा आदि बांटने के बाद थोड़ा-सा रुपया बचता है , जिसमें से हमें सारे टैक्स चुकाने होते हैं , हिस्से-दारों को देना होता है , चन्दे देने होते हैं । और फिर अपने घर का ख़र्च भी तो कम नहीं है ।

गौरीशंकर : जी हां , मज़दूरों की मांगें बिल्कुल अनुचित हैं । मैं डी० सी० और मजिस्ट्रेट से मिलूंगा , आप चिन्ता न करें। अगर मज़दूरों ने कुछ तोड़-फोड़ की , तो पुलिस की गोलियों से भुनवा दूंगा । इन्होंने समझ क्या रखा है ?

कालीचरण : (ब्रीफ़केस उठाकर गौरीशंकर की ओर बढ़ाते हुए) बस, मैं इसीलिये यहां आया था । इस ब्रीफ़केस में ...

गौरीशंकर : (बुधुआ से) तुम्हारा काम ख़त्म नहीं हुआ ? जाओ,सेठ जी के लिये पानी लाओ ।

(बुधुआ अन्दर चला जाता है)

कालीचरण : अगर आप को और ज़रूरत हो तो, बेखटके कह दीजियेगा ।

मैं आपकी सेवा में और रुपये पहुंचा दूंगा ।

गौरीशंकर : अरे सेठ जी , आप चिन्ता मत कीजिये । (ब्रीफ़केस ले लेते हैं । बुधुआ एक ट्रे में पानी के दो गिलास ले आता है) मैं रखे लेता हूं । इससे काम चल जायेगा तो ठीक है , वरना ....

कालीचरण : ठीक है । आजकल तो इसके बिना कोई काम ठीक तरह से हो ही नहीं पाता । (उठते हुए) अच्छा , अब मैं चलता हूं । (एक गिलास उठाकर पानी पी लेते हैं और ख़ाली गिलास ट्रे में रख देते हैं)

बुधुआ : अजी साहब ! आप कुछ जलपान तो कर जाइये ।

गौरीशंकर : (खड़े होकर) हां बुधुआ ! सेठ जी के लिये कुछ ले आ ।

कालीचरण : अजी इसकी क्या ज़रूरत है ।

बुधुआ : (ट्रे को मेज़ पर रखकर बाहर जाता हुआ) ज़रूरत तो है सा'ब ! आप बैठिये तो सही । (निकल जाता है)

कालीचरण : (हंस कर बैठते हुए) आपका नौकर तो बड़ा होशियार है ।

गौरीशंकर : (धीरे-धीरे बैठते हुए) जी हां ।

कालीचरण : एक बात और है , नेता जी !

गौरीशंकर : क्या ?

कालीचरण : आप मुझे नयी मशीनरी के लिये कुछ फ़ारेन एक्स्चेंज दिलवा दें , तो बड़ी कृपा होगी ।

गौरीशंकर : यह बड़ा मुश्किल काम है । फ़ारेन एक्स्चेंज पर सरकार ने बहुत प्रतिबंध लगा रखे हैं , यह तो आपको मालूम ही है ।

कालीचरण : अरे साहब ! आपके लिये क्या मुश्किल काम है ? आप चाहें तो आज ही दिलवा सकते हैं । आपका तो सब जगह प्रभाव है । मिनिस्टर तक आपके आगे सिर झुकाते हैं ।

गौरीशंकर : वह तो ठीक है , लेकिन ...

कालीचरण : लेकिन-वेकिन कुछ नहीं । जो कुछ खर्च आप मांगेंगे , मैं देने को तैयार हूं ।

गौरीशंकर : आप तो (आगे कहने के लिये जैसे शब्द नहीं मिलते)

कालीचरण : बस , ठीक है , दस प्रतिशत आपका रहा ।

गौरीशंकर : आप तो सेठ जी , ज़बर्दस्ती काम करवा लेते हैं । आप से मैं " न " भी तो नहीं कह सकता । (बुधुआ और एक सिपाही के साथ एक पुलिस इन्स्पेक्टर प्रवेश करते हैं । गौरीशंकर और कालीचरण उनके अकस्मात आगमन से चौंक कर खड़े हो जाते हैं)

गौरीशंकर : (घबड़ाहट छिपाकर) आइये , इन्स्पेक्टर साहब , आज कैसे कष्ट किया ?

पु०ई० : हम आपको गिरफ़्तार करने आये हैं ।

गौरीशंकर : (विस्मय से) मुझे ? क्यों ? मेरा क्या अपराध है ?

पु०ई० : आपके कई अपराध हैं , एक हो , तो बताउं । आप सबसे बड़े ठग हैं ।

गौरीशंकर : (खोखली हंसी से) आप भी खूब मज़ाक करते हैं , इंस्पेक्टर साहब ! आइये , बैठिये । चाय पीएंगे या काफ़ी या कुछ और ... ?

पु०ई० : धन्यवाद । चलिये , जो कुछ पीना होगा , थाने में ही

पीएँगे । (कालीचरण से) और सेठ जी ! आपको भी थाने चल कर रिपोर्ट पर दस्तख़त करने होंगे । यह ब्रीफ़केस आप मुझे दीजिये । (इंस्पेक्टर ब्रीफ़केस ले लेता है, तभी बुधुआ सामने आ कर खड़ा हो जाता है)

गौरीशंकर : (घबड़ाहट से) बुधुआ ! जा तो ज़रा ...

पु०ई० : ही इज़ नाट बुधुआ । ही इज़ मि० जोशी, इन्स्पेक्टर, सी० आई० डी० (गौरीशंकर का मुंह फक हो जाता है । वे जोशी की ओर देखते हैं, तो उन्हें मुस्कराते हुए पाते हैं) अब आप अपने कितने अपराध जानना चाहते हैं ? आपके अपराध बहुत से हैं और उन सबके प्रमाण हमारे पास हैं । अभी उस लड़के को आपने हड़ताल के लिये उकसाया है और उससे सौ रुपये लिये हैं । अभी इन सेठ जी से रुपये ऐंठे हैं । इसका प्रमाण सेठ जी और यह ब्रीफ़केस हैं । आपकी हमारे पास और भी रिपोर्टें हैं, लेकिन अभी इतना ही काफ़ी है । आप दोनों हमारी जीप में थाने चलिये । (गौरीशंकर सिर झुका लेता है । सेठ जी बिना पसीना आये ही चेहरे पर रूमाल फेरते रहते हैं)

पु० ई० : चलिये ।

(वे सब बाहर जाने के लिये कदम बढ़ाते हैं)

-- समाप्त --

नाटककार : सुधींद्र कुमार

शब्दावली

ख़ाली (वि०) 空的

-- हाथ 空手

ठेका (ठीका) (पु०) 合同; 承包

-- देना 订合同; 承包

नकद (नगद) (वि०) (रुपया) जो तैयार या सामने हो 现有的，现存的(指钱)

-- रुपया 现钱，现金

गधा (पु०) 驴

पीना (स०क्रि०) चुपचाप सहकर रह जाना 忍住，压住

गुस्सा -- 压住火气

पल्ला (पु०) 衣襟

के पल्ले पड़ना 被负担,被承担

भागा भागना 的过去分词

भागा-भागा फिरना 四处奔走

पक्ष (पु०) 边，侧面;左右翼

-- लेना 站在…一边,支持…

भीगा (वि०) 潮湿的，湿透的

भीगी बिल्ली बनना 显出一副可怜相

टेढ़ा (वि०) जिसमें अनेक प्रकार की कठिनाइयां हों, जो सहज में ठीक न हो सकता हो 难办的，费周折的

पकड़वाना (स०क्रि०) पकड़ना 的致使

भिजवाना (स०क्रि०) भेजना 的致使

वंडरफुल (वि०) 极好的

अंदाज़ (पु०) 估计，推测

-- लगाना 估计，推测

फंड (पु०) 基金

सुलटना (स०क्रि०) सुलझाना 解决

महाराज (पु०) 对婆罗门的称呼

आदर-सहित (क्रि०वि०) 恭敬地

आफ़त (स्त्री०) विपत्ति, संकट 不幸，灾难

जान -- में होना 遇到麻烦

टंटा (पु०) व्यर्थ का झगड़ा
无谓的争吵

फ़्री (वि०) 免费的

तंग (वि०) 苦恼的
-- आना 苦恼

टाइप (पु०)〔构词成份〕“类型”

रुख़ (पु०)立场，态度
-- अपनाना 采取…立场〔态度〕

बन पड़ना 能够，可能

बढ़ोतरी (स्त्री०) 提高，增加

बोनस (पु०) 奖金；红利

तनख़ा (तनख़्वाह)(पु०) वेतन
工资，薪金

बांटना (स०क्रि०) 分发

टैक्स (पु०) कर 税，税金
-- चुकाना 纳税

हिस्सेदार (पु०)股东

डी० सी० 副专员(英语 Deputy Commissioner 的缩写)

मजिस्ट्रेट (पु) 地方法官

भुनवाना (स०क्रि०)भुनाना
〔枪毙〕的致使

बेखटके (क्रि०वि०) बिना आशंका के , निर्भय हो कर
无顾虑地，大胆地

सेवा में बड़े के सामने आदरपूर्वक

ट्रे (पु०)托盘，碟

मशीनरी (स्त्री०)机器，机械

फ़ारेन एक्स्चेंज (पु०)
外汇

प्रतिबन्ध (पु०)限制；规章
पर -- लगाना 限制；规定

ज़बर्दस्ती (क्रि०वि०)बलपूर्वक; दबाव पड़ने पर
强制地；被迫地

अकस्मात (क्रि०वि०)अचानक , सहसा

आगमन (पु०) कहीं से चलकर आना या पहुंचना
到来，抵达

ठग (पु०)敲诈者，
骗取财物者，骗子

मज़ाक (पु०) 玩笑

-- करना 开玩笑

थाना (पु०) पुलिस कार्यालय 警察所，派出所

दस्तख़त (पु०) 签字，签名

-- करना 签字，签名

सी ० आई० डी० 刑事调查局 (英语 Criminal Investigation Departmint的缩写)

फ़क (वि०) (व्यक्ति) भय, लज्जा आदि के कारण जिस के चेहरे का रंग उड़ गया हो (脸)变了色的

मुंह -- होना 脸变色

प्रमाण (पु०) 证据，证明

ऐंठना (स०क्रि०) 敲诈，勒索

जीप (स्त्री०) 吉普车

कदम (पु०) 脚步

-- बढ़ाना 迈步，走

टिप्पणियां

1. लाला ने कहा ...

लाला 是对文书、商人等的一种尊称，这里是指糖果店老板。

2. ऊपर से मेरे कुछ लग भी जाएं , तो परवाह नहीं ।

ऊपर से 意为"另外"。 मेरे कुछ 后面省略 रुपये。这句话的意思是"另外即使还需要我花点钱也没关系"。

3. अपने ही आदमी हो , फिर आ जाएंगे ।

फिर आ जाएंगे 这句话完整的说法应该是 " तुम से रुपये फिर आ जाएंगे " (你还会送钱来的)。

4. चाहे इससे उनका अपना कितना ही नुकसान क्यों न हो जाए।

本句中 क्यों न 为反诘语，与 चाहे 连用起加强语势的作用。

例如：

मैं तो यह नाटक खेलकर रहूंगा, चाहे दुखान्त ही क्यों न हो।

（我非演这剧不可，哪怕是悲剧也好）

5. लेकिन-वेकिन कुछ नहीं।

वेकिन 为附加成分，本身没有意义，与 लेकिन 配搭，含轻蔑意味。这句话的意思是"没什么但是"。

6. बस, ठीक है, दस प्रतिशत आप का रहा।

句中 रहा 为 रहना 的过去时，这是一种习惯用法，这句话的意思是"百分之十归您"。

7. आइये, इंस्पेक्टर साहब, आज कैसे कष्ट किया?

कष्ट किया 前面省略了 आने का 。

कष्ट करना 本意为"费力"，"辛苦"，"麻烦"，这里用作套语。

8. ही इज़ नाट बुधुआ। ही इज़ मि० जोशी, ...

这是句英语："他不是布吐阿，他是乔希先生。"

9. वे जोशी की ओर देखते हैं, तो उन्हें मुस्कराते हुए पाते हैं।

पाना 在这里是"看见"，"发现"的意思。在这种意义下，常有分词作为它的宾语补助语。例如：

मैंने लड़कों को गली में खेलते हुए पाया।

（我看见孩子们在胡同里玩耍）

उसने अपना खेत उजड़ा हुआ पाया ।

（他发现自己的田地荒芜了）

10．-सहित（梵） 后缀。表示“连同…”，“带…”。例如：

आदरसहित	恭敬地
बालबच्चेसहित	连同妻子儿女
मलाईसहित दूध	有奶皮的牛奶

व्याकरण

1．过去分词与 रखना 连用

过去分词（阳性复数简式）与 रखना 连用，表示“状态的保持”，即过去分词表示某种动作完成之后的“状态”，而 रखना 则表示这种状态的“保持”。

过去分词常由及物动词构成。例如：

उसने कई दिनों तक क्रान्तिकारी साथियों को अपने यहां छिपाये रखा ।

（他将革命同志在自己家里藏了好多天）

उन्होंने चोर को अपने बल से पकड़े ही रखा और भागने न दिया ।

（他们把小偷使劲抓住，不让他跑掉）

दुनिया के लोगो , हौसला बढ़ाये रखो ।

（全世界人民要有勇气）

2．独立分词（2）

独立分词除与 होना 连用外，还可与 लेना , देना 等连用。

这种用法表示一种“肯定”、“坚决”的语气，多用于现在时。例如：

मैं यह पुस्तक लिये लेता हूं ।

（我一定要这本书）

वह अभी पत्र लिखे देता है ।

（他马上就写信）

मैं तुम्हें बताये देता हूं कि ऐसा फिर मत करना ।

（我可告诉你，以后不要再这么干）

कहावतें

दीवार के भी कान होते हैं ।

（隔墙有耳）

जल में रहे मगर से बैर ।

（住在水里却与鳄鱼为敌；不怕官，就怕管）

अभ्यास

1. उच्चारण कीजिये :

ठेका	पल्ला	टेढ़ा	भिजवाना	निश्चिंत	टंटा
क्वार्टर	टाइप	टैक्स	बेखटके	ट्रे	फ़क
एक्स्चेंज	ठग	दस्तख़त	फ़ारेन	ऐंठना	जीप

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये और इंटोनेशन पर ध्यान दीजिये :

आइये, सेठ जी । सुनाइये, क्या समाचार है ?

अरे साहब , क्या बताऊं । बुरे समाचार हैं । इन मज़दूरों के मारे तो मेरी जान आफ़त में हो गयी है । रोज़ कोई न कोई झगड़ा-टंटा उठाये रखते हैं । कभी अपने वेतन बढ़वाने की बात कहते हैं और कभी फ़्री क्वार्टर , अस्पताल और स्कूल बनवाने की मांग रखते हैं । मैं तो इन रोज़ की मांगों से तंग आ गया हूं । मैं बिज़िनेस में इतना सारा रुपया जैसे केवल इन को पालने के लिये ही लगा रखा है ।

हां , सेठ जी , कुछ नेता-टाइप लोग ही पर्दे के पीछे से इन लोगों को भड़काते रहते हैं । ये मज़दूर अंधों की तरह उन के बताये हुए रास्ते पर चलने लगते हैं , चाहे इससे उनका अपना कितना ही नुकसान क्यों न हो जाये ।

जी हां , लेकिन मैं ने भी अब सोच रखा है कि बिना कड़ा रुख़ अपनाए काम चलेगा नहीं ।

आप ने ठीक सोचा है ।

इसके लिये मुझे आप की सहायता चाहिये ।

(प्रसन्नता से) अजी साहब , क्यों नहीं । मैं सत्य और न्याय की रक्षा के लिये सदैव तैयार हूं ।

इसीलिये तो आपके पास आना पड़ा । आप मेरी सहायता कीजिये । अगले चुनावों में मुझ से आपकी जो सेवा बन पड़ेगी , वह मैं करने को तैयार हूं ।

सो तो आप की दया है , सेठ जी । आप जैसे भले आदमियों के भरोसे ही तो मैं इस शहर में टिका हुआ हूं , वर्ना यह शहर मुझ जैसे आदमियों के योग्य है नहीं ।

सो तो है ही । अच्छा , तो ज़रा मेरा काम सुन लीजिये।

सुनाइये ।

3. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

१) अच्छा , मेरी बात का ध्यान रखना ।

२) मामला बड़ा टेढ़ा पड़ गया है ।

३) जब तक आप हैं , हमें कोई ख़तरा नहीं है ।

४) स्टूडेण्ट्स यूनीयन का फ़ंड और किस दिन काम आयेगा ?

५) चलिये , जो कुछ पीना होगा , थाने में ही पीएंगे ।

4. " बात यह है कि मज़दूरों ने ..." से लेकर " ... चौंककर खड़े हो जाते हैं) " तक का चीनी में अनुवाद कीजिये ।

5. नीचे दिये शब्दों या मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिये :

१) ख़ाली हाथ	५) रुख़ अपनाना
२) पक्ष लेना	६) के भरोसे
३) अंदाज़ लगाना	७) प्रतिबन्ध लगाना
४) तंग आना	८) मज़ाक करना

6. चीनी वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

1) 到底是怎么回事，惹你生这么大气？

2) 那是我的私事，跟你没有关系。

3) 这本书的价钱跟你估计的差不多。

4) 我劝你多少回了，你就是不听。现在只有自食其果了。

5) 这次考试要是再不及格，你只好退学了。

6) 对于他这种人非采取强硬态度不可。

7）我们要为国家和人民的利益而斗争，不管要付出多大牺牲。

8）请等一下，我马上拿给你。

9）麻烦您明天下午到我家来一趟，有件事需要您帮忙。

10）昨天回宿舍的时候，我看见他和一个人在路上谈话。

7. निम्नलिखित शब्द-समूहों के अर्थ हिन्दी में बताइये :

填写报名单	煮稀饭
训斥责骂	打官司
作劳役	注册
起风暴	祝福
擦亮	集中注意力
投票	烤火取暖

8. नीचे दिये शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिये :

रंगीन गली अनावश्यक फुटपाथ विमाता

गंदा कसाई इरादा लाइब्रेरी अस्तबल

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

१) गौरीशंकर ने बुधुआ को क्यों गालियां दीं ?

२) जब राकेश ने पूछा कि यह प्रिंसीपल क्या कह रहा था , तो गौरीशंकर ने क्या जवाब दिया ?

३) गौरीशंकर ने राकेश से यह क्यों कहा कि मामला बड़ा टेढ़ा पड़ गया है ?

४) इसपर राकेश ने क्या कहा और क्या किया ?

५) कालीचरण कैसा आदमी था ? वह गौरीशंकर के पास क्यों

आया ?

६) गौरीशंकर ने जब कालीचरण की मांग स्वीकार की तो कालीचरण ने क्या किया ?

७) कालीचरण ने फिर किस बात की मांग रखी ?

८) क्या गौरीशंकर ने वह मांग भी स्वीकार की ?

९) पुलिस इन्स्पेक्टर गौरीशंकर के घर में क्यों आया ?

१०) बुधुआ कैसा आदमी था ? वह गौरीशंकर के घर में नौकर का काम क्यों करता था ?

११) इस नाटक के अन्त में क्या हुआ ?

10. इस नाटक को खेलने की कोशिश कीजिये ।

सोलहवां पाठ

चिड़िया

पीपल की ऊंची डाली पर
बैठी चिड़िया गाती है ।
तुम्हें ज्ञात अपनी बोली में
क्या संदेश सुनाती है ?

चिड़िया बैठी प्रेम-प्रीति की
रीति हमें सिखलाती है ।

वह जग के बन्दी मानव को
मुक्ति-मंत्र बतलाती है ।

वन में जितने पंछी हैं ,
खंजन , कपोत , चातक , कोकिल ,
काक , हंस , शुक आदि वास
करते सब आपस में हिलमिल ।

सब मिल-जुल कर रहते हैं वे ,
सब मिल-जुल कर खाते हैं ।
आसमान ही उनका घर है ,
जहां चाहते जाते हैं ।

रहते जहां , वहीं वे अपनी
दुनिया एक बसाते हैं ।
दिन भर करते काम , रात में
पेड़ों पर सो जाते हैं ।

उनके मन में लोभ नहीं है ,
पाप नहीं , परवाह नहीं ।
जग का सारा माल हड़प कर
जीने की भी चाह नहीं ।

जो मिलता है, अपने श्रम से
उतना भर ले लेते हैं।
बच जाता तो औरों के हित,
उसे छोड़ वे देते हैं।

सीमा-हीन गगन में उड़ते
निर्भय विचरण करते हैं।
नहीं कमाई से औरों की
अपना घर वे भरते हैं।

वे कहते हैं—मानव, सीखो
तुम हम से जीना जग में
हम स्वच्छंद, और क्यों तुमने
डाली है बेड़ी पग में ?

तुम देखो हमको, फिर अपनी
सोने की कड़ियां तोड़ो।
ओ मानव, तुम मानवता से
द्रोह-भावना को छोड़ो।

पीपल की डाली पर चिड़िया
यही सुनाने आती है।

बैठ घड़ी भर, हमें चकित कर,
गा कर फिर उड़ जाती है।

शब्दावली

पीपल (पु०) 毕钵罗树，菩提树 (印度教徒视为圣树)
संदेश (पु०) समाचार
प्रीति (स्त्री०) प्रेम, मुहब्बत 爱，爱情
सिखलाना (स०क्रि०) सिखाना 教，传授
पंछी (पु०) पक्षी, चिड़िया
खंजन (पु०) 鹡鸰
कपोत (पु०) 鸽子
चातक (पु०) 印度杜鹃
कोकिल (स्त्री०) 杜鹃，布谷鸟
काक (पु०) 乌鸦
हंस (पु०) 天鹅
शुक (पु०) 鹦鹉
वास (पु०) 居住
बसाना (स०क्रि०) 使居住；移民
एक दुनिया -- 建立一个新世界
चाह (स्त्री०) 愿望
सीमा-हीन (वि०) 无边际的
गगन (पु०) आकाश
निर्भय (वि०) जिसे कोई डर न हो, निडर
विचरण (पु०) चलना, घूमना-फिरना
स्वच्छंद (वि०) स्वाधीन, स्वतंत्र
पग (पु०) पैर, पांव
मानवता (स्त्री०) मनुष्यत्व 人性
द्रोह (पु०) 仇恨；背叛
घड़ी (स्त्री०) 一小时
-- भर 一瞬间
चकित (वि०) 惊讶的，惊恐的
-- करना 使惊讶，使惊恐

अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों को अपनी कापी में एक-एक करके लिखिये और प्रत्येक शब्द के सामने कविता से चुनकर वे पंक्तियां लिखिये जिन में उस शब्द द्वारा बताये गये गुण का वर्णन हो :

   संतोष　　परिश्रम　　स्वतंत्रता　　मेल-जुल

   आत्मनिर्भरता

2. कवि ने पक्षियों और मनुष्यों के जीवन में क्या-क्या भिन्नताएं दिखाई हैं ?

3. पक्षी अपने को स्वतंत्र और मनुष्यों को बन्दी क्यों समझते हैं ?

4. आपको इस कविता की कौन कौन-सी पंक्तियां अधिक अच्छी लगती हैं ? क्यों ?

5. इस कविता को कंठस्थ कर सुनाइये ।

शब्द-भंडार

अंजाम पु 完成

---देना 完成;执行,实行 (६)

अंततः क्रि.वि 最后 (३)

अंतरंग वि 亲密的

---मित्र 知心朋友 (१४)

अंतर पु मन,हृदय (६)

अंदाज़ पु 估计, 推测

---लगाना 估计, 推测 (१५)

अंधा पु 盲人, 瞎子 (२)

अकस्मात क्रि.वि अचानक, सहसा (१५)

अक्षर पु 字母的体(形式), 字体 (१३)

अखरना अ.क्रि 不喜欢, 不合口味 (८)

अखाड़ा पु 摔跤场 (२)

अखिल वि 全部的, 整个的 (४)

अछूत पु (印度教) 不可接触者 (६)

अटल वि 不动的,坚定不移的

--रहना 毫不动摇, 坚定不移 (२)

अड़ना अ.क्रि. 停止; 坚持

---पर अड़ा रहना 坚持…… (२)

अतएव इसलिये (२)

अत्याचार पु 虐待, 欺凌 (४)

अधर्म पु 不道德 (७)

अधिकार पु 权力; 掌握; 控制

पर---करना 掌握, 控制 (२)

अध्याय पु 篇, 章, 节(书籍) (२)

अनसुनी स्त्री 装没听见, 不理睬

---करना 装没听见，
不理睬 (३)

अनावश्यक वि 不必要的 (११)

अनुचित वि 不适宜的，
不合理的 (७)

अनुमति स्त्री 允许
की---देना 允许…… (३)

अनुशासनहीन वि
无纪律的 (१४)

अपना 自己
अपने से 自己，自动 (५)

अपरिमित वि 无限的 (१३)

अपवित्र वि 不圣洁的 (६)

अफ़वाह स्त्री 谣言，传说
---फैलना 谣传 (४)

अभिनय पु 表演
---करना 表演 (५)

अमराई स्त्री आमों का
बगीचा (१३)

अम्मीजान स्त्री माता (६)

अरमान पु इच्छा，कामना (१०)

अलबत्ता बेशक; परन्तु (६)

अलसाना अ क्रि 疲乏，
无精打采 (८)

अलापना स क्रि 唱；弹
का राग--- 弹…调 (७)

अलाव पु 火堆；
取暖的火 (८)
---लगाना 生火，烧火

अल्लाह पु 安拉，真主 (६)

अवतार पु 化身 (४)

अवस्था स्त्री 情况
हर---में 在任何情况下 (२)

अव्वल 第一 (१०)

अशिक्षित वि
未受教育的 (८)

अष्टधातु स्त्री 八种金属
(金、银、铜、铁、
锡、铅、锌、汞)(१०)

असंतोष पु 不满 (४)

असंतोषजनक वि
不令人满意的 (११)

असहयोग पु 不合作
---आन्दोलन 不合作运动
(२)

अस्तबल पु 马厩 (११)
अहाता पु 院子，院落 (६)
आंकड़ा पु 数字 (१३)
आंख स्त्री 眼
---बदलना 态度改变，翻脸不认人 (५)
आकर्षित वि 被吸引的
---होना 被吸引 (५)
आग स्त्री 火
---लगाना 点火，放火 (६)
आगमन पु कहीं से चलकर आना या पहुंचना (१५)
आगे क्रि.वि 前面
---करना 放在前面 (४)
आगे क्रि.वि. आनेवाले समय में, भविष्य में (१४)
आग्रह पु 要求
से... का---करना 要求…作… (३)
आटा पु 小麦粉，粗面粉 (६)
आत्मिक वि 心灵上的 (७)
आदर-सहित क्रि.वि. आदर के साथ (१५)
आदर्शप्रिय वि 有理想的 (१३)
आदर्शवाद पु 思想主义 (७)
आदि पु आरम्भ, शुरू (७)
आद्य वि आद्या (६)
आधार पु 基础 (६)
आनन्द पु 享乐，享受 (७)
आनन्ददीप्ति स्त्री आनन्द की रोशनी (१३)
आफत स्त्री 不幸，灾难
जान---में होना 苦恼，遇到麻烦 (१५)
आम पु 芒果 (१३)
आमदनी स्त्री 收入 (१०)
आयु स्त्री 年纪，年龄 (६)
आरोप पु 指责，责备
का---लगाना 指责…，责备… (४)
आर्डर पु (अं) 定购；定货单 (१४)
आलोक पु प्रकाश, रोशनी (१३)

आलोकित वि明亮的，发光的
---होना 明亮，发光 (१३)
आवाज़ स्त्री 声音
---करना 发出声响 (१)
आशंका स्त्री 疑虑，担心 (६)
आशीर्वाद पु 祝福
---देना 祝福 (१२)
आश्वासन पु 安慰；保证
का---देना 安慰；保证 (६)
आसन पु 座位，座垫 (८)
आहट स्त्री 声音，脚步声 (१२)
आहार पु 食物 (३)
आहिस्ता क्रि.वि 慢慢地
आहिस्ते से 慢慢地 (१)
आह्लाद पु प्रसन्नता (१३)
इंस्पेक्टर पु(अं) 巡官 (१४)
इधर-उधर क्रि.वि. 这儿那儿，四处
---की बातें 东拉西扯，不着边际的话 (३)
इनएफीशियेंसी स्त्री (अं) 无效；无能 (१३)
इन्कार पु 拒绝；否认
से---करना 拒绝 (४)
इम्तहान पु परीक्षा (१०)
इरादा पु 愿望；意图 (१)
इल्ज़ाम पु 罪 (६)
इशारा पु 示意，暗示
के इशारों पर नाचना 听从……摆布，任凭……使唤 (१४)
इस्लाम पु 伊斯兰教 (४)
ईमानदारी स्त्री 诚实；忠诚 (२)
ईस्ट इंडिया कंपनी 东印度公司 (४)
उखड़ना अ.क्रि. 被挖出；剥落 (१)
उछलना अ.क्रि 欢跳 (५)
उड़ान स्त्री 飞翔 (११)
उड़ाना स.क्रि 使飞，放飞；砍断；消灭
गोली से --- 枪毙 (१)

उड़ाना स.क्रि.大吃. 猛吃 (८)
उत्कट वि 强烈的; 热烈的 (२)
उत्तराधिकारी पु 继承人 (४)
उदार वि 开通的;
宽宏大量的 (६)
उद्यमी वि 勤奋的，勤劳的 (२)
उद्यान पु 花园，园子 (५)
उद्योग-धंधा पु 工业企业 (४)
उपकार पु好处; 恩惠
का---मानना 对…感恩 (२)
उपदेशक पु उपदेश देनेवाला (७)
उपवन पु 花园 (६)
उबालना स.क्रि 煮沸 (१२)
उम्मीद स्त्री आशा (१३)
उलटना अ.क्रि; स.क्रि 翻 (८)
ऊंच वि 高尚的，高贵的 (१२)
ऊपरी पु 上级; 领导 (२)
एकदम क्रि.वि.马上; 一下子;
完全 (८)
एकाएक क्रि.वि 突然 (१)
एकाग्र वि注意力集中的
---करना 集中注意力 (६)
एग्ज़ामिनेशन पु(अं) परीक्षा (१४)
एम.ए.文学硕士
---करना 攻读文学硕士 (१०)
एस.पी. 警察长【英语 Superinten dent of Police 缩写】 (१४)
ऐंठना स.क्रि 敲诈，勒索 (१५)
औद्योगिक वि 工业的 (४)
कंधा पु 肩
---देना 抬尸架，送葬 (१२)
कटना अ.क्रि.（时间）度过,过去
दिन--- 过日子 (२)
कटोरा पु 碗，杯 (३)
कठोर वि 严酷的; 粗暴的 (२)
कड़ी वि 严历的 (७)
कद पु身材，身高 (६)
क़दम पु 脚步
---बढ़ाना 迈步，走 (१५)
कद्र(कदर) स्त्री आदर
---करना आदर करना (१३)
कपोत पु 鸽子 (१६)
कबरा वि 杂色的
कबरी बिल्ली 花猫 (८)
कब्र स्त्री 坟墓 (२)
कमर स्त्री 腰

---टूटना 丧失信心；
无所依靠 (२)
कमलिनी स्त्री 荷花 (५)
कमांडर पु(अं) 指挥官 (१)
कमेटी स्त्री 委员会 (१४)
कम्बल पु 毯子 (५)
क़र्ज़ पु 债，债务 (२)
कर्णधार पु 舵手 (१४)
कर्नल पु 上校 (४)
कलनाद पु 轻柔悦耳的声音 (५)
कलियुग पु 迦利时期 (८)
कलूटा वि 黑黑的
काला--- बहुत अधिक
काला (६)
कलेजा पु 心脏，心 (३)
कलेजा पु दिल
---मज़बूत करना 壮着胆，
鼓起勇气 (१२)
कष्टहीन वि 没有痛苦的，
没有苦恼的 (१३)
कसना स.क्रि 缠紧，握紧
पर कमर--- 下定决心，
准备… (८)
कसाई पु 屠夫 (६)
काँच पु 玻璃 (६)
काँपना अ.क्रि 发抖 (३)
कांसटिबल पु(अं) 警察；
警官 (६)
काँसा पु 青铜 (६)
काइयाँ पु बहुत बड़ा
चालाक (१४)
काक पु 乌鸦 (१६)
काठ पु 木头
---मार जाना 呆若木鸡 (१)
कान पु 耳朵
---खड़े करना 警觉，警惕 (१)
कानपुर 坎普尔（地名） (२)
काना वि 一只眼的，
独眼的 (५)
काम पु 工作；使用，利用
से---लेना 让…做工作；
使用…，利用… (२)
कामना स्त्री 愿望，欲望 (२)
काम निकलना 满足要求；
达到目的 (८)
कारतूस पु 子弹 (४)

कार्निवल पु 在各地巡回流动的游艺团 (५)

कार्यान्वित वि 被执行的，被施行的

----होना 执行，施行 (६)

कार्यालय पु 办公室 (२)

काव्य पु 诗 (७)

किंचित् वि 一点，少许 कुछ, थोड़ा

किंचित्मात्र बहुत ही थोड़ा (१३)

किरण स्त्री 光线，光辉 (५)

कुंभीपाक (नरक) पु 最低层的地狱 (८)

कुचक्र पु 阴谋，诡计

का---चलाना 搞阴谋… (४)

कुचलना स. क्रि. 踩，践踏；镇压 (४)

कुत्ता पु 狗 (२)

कुप्पी स्त्री 盛油的小皮囊 (१०)

कुप्रबंध पु 管理不善 (४)

कुप्रवृत्ति स्त्री 不良倾向 (७)

कुरता पु 印度式衬衫 (५)

कुरुचि स्त्री 邪念；低级趣味 (७)

कुरूप वि 丑的，丑陋的 (१३)

कुल पु 家族；家庭 (६)

कुहारा पु 喷泉 (५)

कूं-कूं स्त्री 狗叫声 (६)

कृष्ण पु 克利希那（即黑天，印度教大神之一）

हरे---! 天哪！ (८)

के पूर्व==के पहले (६)

के बकौल==के कथनानुसार (१४)

के मारे 由于；因为 (१)

के विषय में==के बारे में (७)

कोकिल स्त्री 杜鹃，布谷鸟 (१६)

कोमल वि 柔软的；嫩的 (३)

कोरम पु. (अं) 法定人数

---पूरा होना 达到法定人数 (८)

कोरा वि 纯的，纯粹的 (७)

कोर्ट मार्शल पु 军事法庭

का---होना 被送交军事法庭，受到军事法庭审判 (४)

कौड़ी स्त्री 小贝壳;小钱(११)

क्रिया-कर्म पु 安葬; 殡仪 (१०)

क्लर्क पु.(अं) 办事员，事务员 (१०)

क्लास पु.(अं) कक्षा

---लेना 上课 (११)

क्वार्टर पु.(अं) 住宅区 (६)

क्वीन्स कालेज 皇后学院 (१०)

क्षणिक वि 短暂的 (१२)

क्षुद्र वि 低下的 (७)

खंजन पु 鹡鸰 (१६)

खंडहर पु 废墟 (१०)

खटाखट क्रि.वि तुरंत (१३)

खड़क स्त्री 咯啷声

खड़क खड़क करना 发出咯啷声 (१)

खड़-खड़ स्त्री 咯咯声

---होना 发咯咯声 (१)

खद्दर पु 一种手工织的布，土布 (१४)

खद्दरधारी वि 穿土布衣的 (१४)

खपना अ.क्रि. 销售;消费 (७)

खम्भा पु 柱子 (१)

खाता पु 部门

पैकिंग--- 包装部 (२)

खादी स्त्री 土布 (५)

खाना पु 栏，格 (११)

खानापूरी स्त्री 填表

---करना 填表 (११)

ख़ामोशी स्त्री 寂静，沉寂 (६)

ख़ाली वि 空的

---जाना 落空，未击中目标 (५)

ख़ाली वि 空的

---हाथ 空手 (१५)

ख़ासियत स्त्री 特点 (२)

खिचड़ी स्त्री 米豆混煮的稀饭 (११)

खिलाड़ी वि 玩耍的 (२)

खिलौना पु 玩具 (५)

खिसकना अ.क्रि 溜走，走开 (१)

खीर स्त्री 奶粥 (८)

खुल्लमखुल्ला क्रि.वि 公开，公然 (४)

खुश वि प्रसन्न

---करना 使高兴,讨喜欢 (१३)

खून पु 血

पर---सवार होना ...动杀机 (८)

खैर स्त्री 安宁，平安

जान की---चाहना 想活命，想保住性命 (३)

खोज स्त्री 寻找，找 (२)

की---करना 找…

खोजना स.क्रि 寻找 (२)

खोना स.क्रि 失去；沉入 (६)

गंदा वि 脏的 (६)

गगन पु आकाश (१६)

गठबन्धन पु 密切关系；勾结 (१४)

गठरी स्त्री 包袱 (६)

गड़ाना स.क्रि 插入，埋入 (६)

गड़ेरिया (गड़रिया) पु 以养羊为业的一印度教种姓(१२)

गड्ढा पु 坑，穴；沟坎 (१०)

गणित पु 数学 (११)

गति स्त्री 状况，状态；速度 (६)

गद्दी स्त्री 座位；宝座，政权 (४)

गधा पु 驴 (१५)

गर्द स्त्री 灰尘 (७)

गर्भ पु 胚胎；子宫 (३)

गर्भवती वि 怀孕的

स्त्री 孕妇 (३)

गर्व पु 骄傲 (५)

गवर्नर-जनरल पु 总督 (४)

गली स्त्री 胡同 (१२)

गश्त स्त्री 巡逻，巡视

---लगाना 巡逻，巡视 (६)

गहराई स्त्री 深层，深度 (६)

गिनना स.क्रि. 数 (६)

गुंडा पु 流氓，无赖 (१४)

गुज़र पु 生活，过日子

---करना 生活；养活 (११)

गुठली स्त्री (果实的)核 (१३)
गुड़ पु 红糖, 土糖
---मिट्टी होना 毁坏,
败坏; 化为乌有 (१३)
गुड़िया स्त्री 洋娃娃 (५)
गुड्डा पु 大洋娃娃 (५)
गुणग्राहकता स्त्री 赞赏,
发现别人优点 (१३)
गुफ़ा स्त्री 山洞, 窑洞 (३)
गुर्राना अ.क्रि 吼叫, 狂吠 (२)
गूंजना अ.क्रि.回响,回声荡漾 (५)
ग़ैरहाज़िरी स्त्री अनुपस्थिति
(११)
गोद स्त्री 怀抱
---लिया पुत्र 养子 (४)
गोला पु 枪弹 (१)
गोलाबारी स्त्री 轰击
---करना 轰击 (१)
ग्वालियर 瓜廖尔 (४)
घंटी स्त्री 铃
--बोलना 铃响 (१४)
घटना स्त्री 事件 (१)
घटनास्थल पु 现场 (८)

घड़ी स्त्री 一小时
---भर 一瞬间 (१६)
घना वि 浓密的 (३)
घमासान वि 激烈的 (४)
घरद्वार पु 家 (६)
घरौंदा पु 玩具泥屋 (६)
घाट पु 剑刃
तलवार के---उतारना 刺死 (४)
घाटी स्त्री 山谷, 谷地 (१०)
घी पु 酥油 (८)
घुड़कना स.क्रि. 责骂 (५)
घुटना पु 膝盖 (६)
घुड़सवार पु 骑兵 (१)
घूंसा पु 拳头
---जमाना 用拳头殴打 (२)
घोर वि 恐怖的; 可恶的
चकनाचूर वि 被打得粉碎的;
疲倦的, 精疲力尽的 (६)
चकित वि惊讶的, 惊恐的
---करना 使惊讶, 使惊恐(१६)
चक्की स्त्री 磨子 (१)
चट्टान स्त्री 岩石 (१)
चतुर वि 机灵的 (५)

चना पु 一种三角小豆 (८)

चबेना पु 炒三角豆；炒米 (११)

चम्पत वि 溜走的，跑掉的 (८)

---होना 溜走，跑掉

चरना स.क्रि (牲畜) 吃青草 (३)

चरित्र पु 行为，品行 (७)

चर्बी स्त्री 油脂 (४)

चाकर पु 佣人，仆人 (२)

चातक पु 印度杜鹃 (१६)

चारखाना पु 带方格子的布 (५)

चारा पु उपाय (१४)

चारित्रिक वि 品格上的 (७)

चाल स्त्री 步伐，脚步

मस्तानी--- 蹒跚 (५)

चाह स्त्री इच्छा (१६)

चिकना वि 平滑的，光滑的 (१)

चिथड़ा पु 破布，破衣服 (५)

चिन्ता स्त्री 担心；忧虑

की---होना 担心…忧虑… (३)

चिमटना अ.क्रि. 搂抱 (५)

चिराग़ पु 油灯 (११)

चीनी पु 瓷器 (६)

चीरना स.क्रि 劈，剪，锯 (१)

चुकाना स.क्रि 偿还

क़र्ज़--- 偿还债务 (२)

चुनाव पु 选举，竞选

---जीतना 竞选取胜 (१४)

चुपका पु 安静 (१)

चुपके से 悄悄地

चुराना स.क्रि. 偷 (१२)

चूड़ी स्त्री 手镯 (५)

चूर वि 打碎的；疲倦的 (६)

चोट स्त्री 打击，攻击；责难

पर---करना 攻击；谴责 (१२)

चौंकना अ.क्रि 吃惊 (८)

चौकन्ना वि 警惕的，机警的 (१२)

चौकीदार पु 守卫，看守人 (२)

चौपट वि 被毁坏的 (४)

छँटना अ.क्रि. 被挑选

छँटा हुआ 狡猾的 (१२)

छाँटना स.क्रि. 切，割，裁，筛

भीड़--- 缓解拥挤现象 (१३)

छापामार 游击队；游击队员 (१)

छाया स्त्री 影子 (२)
की---में 追随…,
在…的庇护下
छुरी स्त्री 小刀，小匕首
को---मारना 用小刀刺 (६)
छुरेबाज़ी स्त्री 动刀，行凶 (१४)
छूटना अ.क्रि.免于处罚 (१४)
छूत स्त्री (印度教)由于与
"不可接触者"接触而玷污 (६)
छूना अ.क्रि. 接触
स.क्रि.接触，触摸 (६)
छोकरा पु लड़का (६)
छोड़ना स.क्रि. 放弃
के हाथ में--- 交给…;
托付给… (७)
छोर पु 一端，尽头 (१)
जगत स्त्री 井台 (१२)
जगमगाना अ.क्रि 闪闪发光 (५)
जड़ स्त्री 根
---पकड़ना 生根 (१३)
जन्मना अ.क्रि 出生，诞生 (३)
ज़बर्दस्ती क्रि.वि. 强制地;
被迫地 (१५)
जमना अ.क्रि 呆在原地,
坚守 (८)
जमा वि 集合起来的,
聚在一起的 (१२)
जमादार पु 班长 (६)
ज़मानत स्त्री 抵押(品),
保证(金) (१४)
जमाना स.क्रि.收集，聚集 (१)
जमाना स.क्रि.放牢固,
使固定
आसन--- 稳稳当当
地坐住 (८)
ज़मींदार पु 地主 (४)
जर्मन पु 德国人 (१)
जलपान पु 点心，小吃
---करना 吃点心 (५)
जलसा पु 群众集会 (७)
जल्दी स्त्री 快 (१)
की---होना 急于…
जहाज़ पु 船
हवाई--- 飞机 (१)
जांघिया पु 短裤，裤衩 (५)
जागरण पु 觉醒; 萌发 (७)

जागरूक वि 觉醒的；警觉的
---रहना 保持觉醒；保持警觉 (१३)
जाड़ा पु 冬季；寒冷 (५)
जाता रहना अ.क्रि. 消失，失去；死亡 (१२)
जादूगर पु 魔术师 (५)
जान स्त्री 生命
पर---देना 非常喜欢…，对…喜欢得要命 (३)
जान स्त्री 生命
---में---आना 放心；轻松 (८)
जायदाद स्त्री 财产 (२)
जाल-फरेब पु 欺诈 (१२)
ज़िद स्त्री 固执，坚定的要求 (३)
ज़िला पु 区，县 (२)
जीप स्त्री (अं) 吉普车 (१५)
जीव पु 生命；生物 (३)
जीविका स्त्री 生计 (५)
जी-हुज़ूरी स्त्री 俯首听命 (१४)
जेल पु (अं) 监狱，监牢 (२)

जुटना अ.क्रि. 认真从事（工作）(२)
जुटना अ.क्रि. 紧贴，连接 (८)
जुड़ना अ.क्रि. 连接，结合 (१)
जुआ पु 赌博 (१२)
जौ पु 大麦 (८)
ज्वर पु 发烧
(को)---आना 发烧 (१०)
झनझनाहट स्त्री 叮当声，金属撞击声 (८)
झपटना अ.क्रि. 猛扑 (१)
झरना अ.क्रि. （花、叶等）落下，脱落 (६)
झल्ली स्त्री 篮子，筐子 (६)
झांकना अ.क्रि. 窥视，窥探 (१२)
झाड़ू पु 扫帚
---लगाना 扫地 (२)
झुकना अ.क्रि. 弯腰，低头
झुक कर चलना 忍气吞声 (१४)
झुरमुट पु 树丛 (१)
झूठा वि झूठ बोलनेवाला (११)

झूमना अ.क्रि 踉跄而行 (५)

झूला पु 秋千；转盘 (५)

झेलना स.क्रि. 经受，忍受

  कठिनाई--- 遭受困难 (२)

झोला पु 袋子，口袋 (५)

टँगना अ.क्रि. 挂 (१४)

टंटा पु व्यर्थ का झगड़ा (१५)

टकराना अ.क्रि. 碰，撞 (३)

टाइप पु.(अं) 打字 (२)

टाइप (अं)〔构词成份〕表示"类型"、"典型"(१५)

टाइपिस्ट पु 打字员 (२)

टाफ़ी स्त्री 太妃糖 (६)

टालना स.क्रि. 移开;推拖 (३)

टिमटिमाना अ.क्रि. 闪烁，发微光 (६)

टीला पु 小丘 (१०)

टुकड़ा पु 一块，一段，一节

  के टुकड़े करना 把…分成几块〔段、节〕 (३)

टुकड़ा पु 一截，一段

  टुकड़े टुकड़े होना 断成几截 (५)

टुकड़ी स्त्री 一队 (१)

टुकुर-टुकुर क्रि.वि 目不转睛 (१२)

टूटना अ.क्रि. 断 (१)

टूटना अ.क्रि. 断，折

  पर टूट पड़ना 向…猛扑，急袭 (३)

टेढ़ा वि 难办的，费周折的 (१५)

टैंक पु.(अं) 坦克 (१)

टैक्स पु.(अं)税，税金

  ---चुकाना 纳税 (१५)

ट्रे पु.(अं) 托盘，碟 (१५)

ठंडक स्त्री 冷，寒冷 (६)

ठकुर सुहाती स्त्री चापलूसी

  ---करना चापलूसी करना (१३)

ठग पु 敲诈者，骗子，骗取财物者 (१५)

ठहरना अ.क्रि. 确定,谈定 (११)

ठाकुर पु 刹帝利种姓的称号 (१०)

ठाकुर पु 地主 (१२)

ठेका (ठीका) पु 合同；承包

---देना 订合同；承包 (१५)

ठोकर पु 踢

---मारना 踢 (२)

ठोकर स्त्री 踢

---खाना 挨踢

---मारना 踢 (६)

डंडा पु 棍子

---मारना 打棍子 (६)

डटना अ.क्रि. 站定，不动 (८)

डलवाना स.क्रि. डालना 的致使 (१४)

डांट स्त्री 责骂，训斥

---बताना 责骂，训斥 (१२)

डिवीज़न पु.(अं) 分级，分等，等级 (१०)

डी.सी. 副专员(英语 Deputy Commissioner 的缩写)(१५)

डोरी स्त्री रस्सी (५)

डोलना अ.क्रि. 摇动；动摇 (८)

ड्यूटी स्त्री.(अं) 职责

की---मिलना 负责… (६)

ढंकना स.क्रि. 盖 (१)

ढक्कन पु 盖 (१)

ढलान पु 斜坡 (३)

ढालना स.क्रि. 铸造 (१)

ढूंढ़ना स.क्रि. 寻找 (१)

तंग वि 苦恼的

---आना 苦恼 (१५)

तकलीफ़ स्त्री 困难，艰难；麻烦 (२)

तनख़ा पु 工资，薪金 (१५)

तनिक वि 小的，一点点的 (२)

तपाक पु 迅速

---से 迅速地 (१४)

तबदील स्त्री 改变

---करना बदलना (१०)

तरकारी स्त्री 菜，青菜 (६)

तलवार स्त्री 剑，宝剑 (४)

तले क्रि.वि नीचे (७)

तश्तरी स्त्री 小盘，碟子 (६)

तसल्ली स्त्री 安慰 (५)

तह स्त्री 底，底部；根底 (१३)

तहज़ीब स्त्री 文明，教养 (१३)

तहस-नहस वि 被毁坏的

---होना 毁坏 (१)

तांबा पु 铜 (२)

ताक पु 壁龛，壁橱 (८)

ताकना स.क्रि.凝视；细看

टुकुर-टुकुर--- 目不转睛地看，盯着看 (१२)

तागा पु 线（文内指圣线） (१२)

ताड़ी स्त्री 印度的一种土酒 (७)

ताना पु 讽刺，挖苦

---कसना 讽刺，挖苦 (१३)

तानेकशी स्त्री 讽刺，挖苦 (१३)

तापना अ.क्रि.烤火取暖 (६)

तारा पु 星 (६)

ताल्लुक पु 关系

---रखना 保持关系 (१३)

ताश पु 扑克牌 (५)

तुड़वाना स.क्रि. तोड़ना 的致使 (१२)

तुलना अ.क्रि.准备，下决心 (१४)

तूफ़ान पु 暴风雨

---उठना 起暴风雨 (६)

तृष्णा स्त्री 贪婪 (११)

तोड़-फोड़ स्त्री 破坏，毁坏 (१४)

तोप स्त्री 大炮 (१)

तोला पु 多拉（重量为11.6636克）(८)

तौल पु 重量 (८)

त्यागना स.क्रि. 放弃 (२)

थकान स्त्री 疲劳，劳累 (६)

थका-मांदा वि 疲惫的 (१२)

थकावट स्त्री थकान (६)

थाना पु 警察所，派出所 (१५)

थूकना स.क्रि. 吐 (१२)

दंग वि 吃惊的

---रह जाना 大为惊讶 (५)

दंगा पु 争吵 (६)

दक्षिणा स्त्री 香火钱

---चढ़ाना 给香火钱，
<讽>上供 (१३)

दबना अ.क्रि. 被压 (१)

दबना अ.क्रि. 被压在下面

दबे पांव 用脚尖走，
蹑手蹑脚地 (१२)

दरअसल क्रि.वि. 的确；
实际上 (१३)

दरख्वास्त स्त्री 申请；申请书

---देना 提出申请；
递交申请书 (१३)

दरजा पु 等，级 (१०)

दर्ज वि 登记的，记录的

---करना 登记，记录 (१३)

दर्शक पु 观众 (७)

दर्शन पु 观看；瞻仰

---देना 露面，呈现 (१४)

दर्शाना स.क्रि. 表示，表现(१३)

दल पु 一队，一群 (१)

दस्तख़त पु 签字，签名

---करना 签字，签名 (१५)

दस्ती वि 手的；有把手的

---बम पु 手榴弹 (१)

दहाड़ना अ.क्रि. 咆哮，
吼叫 (३)

दायें-बायें क्रि.वि.
左右 (१२)

दांव-पेंच पु (比武的)
架式，把式 (२)

दाम पु 钱；价钱 (१४)

दावत स्त्री 宴请

---देना 宴请 (६)

दिखलाना स.क्रि. 指示，
指向 (१)

दिन-दिन क्रि.वि 一天天 (७)

दिमाग पु 头脑

---ठंडा होना 冷静下来 (१)

दिल पु 心

---बैठ जाना 灰心失望；
心神不定，忐忑不安 (११)

दिलवाना स.क्रि. देना
的致使

आर्डर--- 使定购 (१४)

दीर्घ वि 长的，长久的 (५)

दुआर पु 门，家门 (१२)

दुर्वासना स्त्री 邪恶的欲望 (७)

दुर्व्यवहार पु 虐待

के साथ---करना 虐待… (४)

दुहाई स्त्री 宣布；声明

की---देना 宣布…；声明… (७)

देवता पु 神

देवताओं को याद करना 祷念神灵，祈祷神灵保佑 (१२)

देवत्व पु दैविकता (७)

देशभक्त वि 爱国的

पु 爱国者 (१)

देश-सेवा स्त्री 为国家服务 (२)

देशी वि 本国的；国内的 (४)

देह स्त्री शरीर, तन (१०)

देहली स्त्री 门槛 (८)

दैविकता स्त्री 神性，神的特点 (७)

दैहिक वि 身体的 (७)

दौड़-धूप स्त्री 奔走，奔忙；努力

---करना 奔走；努力 (२)

द्रोह पु 仇恨；背叛 (१६)

धंसना अ.क्रि.撞入，撞进 (६)

धकियाना स.क्रि. 推

कठिनाइयों को---克服艰难困苦 (७)

धक् स्त्री 心房的跳动

कलेजा---रह जाना 胆战心惊，十分惶恐 (३)

धक्-धक् स्त्री 心跳，心急促地跳

---करना 心跳加快；心惊胆战 (१२)

धक्का पु 推

--देना 推 (३)

धड़कन स्त्री 心跳，心悸 (११)

धड़ाम-से ज़ोर की आवाज़ के साथ (१२)

धमकाना स.क्रि. धमकी देना (१३)

धमा-चौकड़ी स्त्री 吵闹，喧闹

---मचाना 吵闹，喧闹 (६)

धराशायी वि 倒下的，倒塌的

---होना 倒塌 (१)

धर्म पु 道德 (७)

धारण पु 采取，采纳

रूप---करना 变得…；采取…形式 (४)

धीरज पु 忍耐，耐心

---छूटना 失去耐心，忍耐不住 (१३)

धुंधला वि 昏暗的 (१२)

धुंधलापन पु 阴暗；模糊 (८)

धुआं पु 烟 (१)

धुन स्त्री 愿望；执着追求 (११)

धूर्तता स्त्री 欺诈 (७)

धैर्य पु 忍耐；冷静 (५)

ध्येय पु 目标，目的 (२)

ध्वस्त वि 被破坏的，被毁坏的 (१)

नंगा वि 光秃秃的；赤裸的 (१)

नकद (नगद) वि 现有的，现存的（指钱）

---रुपया 现钱，现金 (१५)

नकल स्त्री 抄写;复制;模仿

की---करना 抄写；复制；模仿 (७)

नचाना स.क्रि. नाचना 的致使 (८)

नमकीन पु 咸味点心 (१४)

नमस्कार पु 敬礼；（见面或分手时用语）您好；再见

---करना 致敬礼 (५)

नयनाभिराम वि 好看的，漂亮的 (६)

नरक पु 地狱 (८)

नरेश पु 王公 (४)

नवां 第九 (१०)

नष्ट वि 毁坏了的 (१)

---होना 毁坏

नागपुर 那格布尔（地名）(४)

नागरिक पु 市民，公民 (१)

नाच पु 舞蹈 (८)

नाज़ी पु 纳粹 (१)

नाती पु बेटी का बेटा (१३)

नानी स्त्री 外祖母
---मर जाना 难受，如丧考妣 (१२)
नाम पु 名字
का---लेना 提到…的名字 (१४)
नायक पु नेता (६)
नाराज़ी स्त्री 气愤
---निकालना 发泄气愤 (१३)
नाली स्त्री 下水道 (६)
नाश पु 毁灭，消亡 (८)
निंदा स्त्री 谴责
की---करना 谴责 (४)
नि:श्वास पु 呼吸
दीर्घ--- 深呼吸
---लेना 吸气 (५)
नि:स्वार्थी वि 无私的 (१३)
निकम्मा वि 无用的，没有本事的 (५)
निगाह स्त्री 目光
पर---रखना 注视，注意 (७)
निचोड़ पु 精髓；要素；总结 (२)

निन्नानवे 九十九 (११)
निपटना अ.क्रि 对付，解决 (१४)
निपटाना स.क्रि. 解决，应付，对付 (१३)
निभाना स.क्रि. 保持，维持 (२)
निम्न वि 低下的 (७)
निराशा-जनक वि 令人失望的 (१०)
निराश्रित वि 无依无靠的 (३)
निराहार वि 不吃不喝的；绝食的 (११)
निर्बल वि 无力的 (७)
निर्भय वि जिसे कोई डर न हो，निडर (१६)
निर्भर वि 依靠的
पर---करना 依靠… (६)
निर्लज्जता स्त्री 无耻 (७)
निवासी पु 居民 (१)
निशान पु 标志；痕迹

---मिटना 痕迹被消除，被铲除 (७)

निशाना पु 目标；靶子

पर---लगाना 射击，瞄准后射击 (५)

निशानेबाज़ पु 射击手 (५)

निश्चिन्त वि 无忧虑的，放心的 (३)

निषेध पु 禁止，禁忌 (७)

निष्कर्ष पु 结论

---निकालना 得出结论 (६)

नीचा वि 低的；下面的

---करना 放低 (१)

नीरस वि 枯燥的，乏味的 (१३)

नुमा वि 像…的 (६)

नेत्र पु आंख (११)

नोटिस पु.(अं) 布告，告示(१)

---लगाना 贴布告，出告示

नौ 九

---दो ग्यारह हो जाना 逃跑，溜走 (५)

नौबत स्त्री 境况，情况

की---आना (पहुंचना, आ पहुंचना) 情况发展到… (२)

न्योतना स.क्रि. 邀请 (६)

पंच ५ 五 (६)

पंचाइत (पंचायत) स्त्री 印度农村中由五人组成的长老会

---बैठना 长老会开会 (८)

पंछी पु पक्षी, चिड़िया (१६)

पंजा पु 爪

में---लगाना 用爪子抓 (८)

पंजाब 旁遮普 (४)

पकड़वाना स.क्रि पकड़ना 的致使 (१५)

पकाना स.क्रि 煮，做熟 (११)

पकौड़ी स्त्री 用豆粉等作的炸丸子 (५)

पक्का वि 成熟了的；坚决的，坚定的 (३)

पक्ष पु 方面 (७)

पक्ष पु 边，侧面；左右翼

---लेना 站在…一边 (१५)

पग पु पैर, पांव (१६)

पटकना स.क्रि. 摔，扔 (८)

पड़ना अ.क्रि. 躺，卧 (६)

पतन पु 堕落，衰败 (७)

पत्ता पु 卡片；扑克牌的一张 (५)

पत्ती स्त्री 树叶 (१)

पत्र पु 报纸 (६)

पथ्य पु 病人吃的食物 (५)

पद पु 职位 (४)

पद्धति स्त्री 制度；方式 (४)

पन्ना पु(书，报的)页 (८)

परदा पु 幕，帷幔 (५)

परम वि 最好的；最重要的 (१४)

परलोक पु 来世，天国 (१०)

परहेज़ पु 禁忌，忌食 (६)

परिणाम पु 结果 (२)

परीक्षा स्त्री 考试，考验

की---लेना 考验… (३)

पल्टन स्त्री (अं) 队，小队 (१)

पलड़ा पु 秤盘，天平盘

---भारी होना 占优势，占上风 (२)

पलना अ.क्रि. 被养育，被抚养 (३)

पलपिटेशन पु.(अं) 心悸 (११)

पल्ला पु 衣襟

के पल्ले पड़ना 被负担，被承担 (१५)

पवित्रता स्त्री 神圣，圣洁 (६)

पशुत्व पु पाशविकता (७)

पसेरी स्त्री 五赛尔 (८)

पहर पु 三小时

चौथे--- 下午，傍晚 (६)

पहरा पु 岗哨，放哨

---देना 站岗，放哨 (१)

पहल स्त्री 发起；首创；主动

---करना 发起；采取主动 (१४)

पहलवान पु 角力士 (१२)

पहुंच स्त्री किसी स्थान तक पहुंचने की योग्यता या शक्ति (१४)

पहुंचाना स.क्रि. 送 (६)

पांव पु 脚 (११)

---ज़मीन पर न पड़ना
非常快乐，十分高兴
पागल वि 疯狂的 (२)
पागल पु 疯子 (६)
पाट पु 磨盘 (१)
पाटा पु 小板凳 (८)
पाठ पु （宗教）经文
---होना 诵经 (८)
पाबन्दी स्त्री 禁止；
限制；遵守 (१२)
पार पु 对岸；另一端
बेड़ा---होना 渡过难关，
过关 (११)
पारिवारिक वि 家庭的 (७)
पार्टी स्त्री 茶会 (१४)
पाल पु 布篷，帐篷 (६)
पाला स्त्री 霜；雪 (६)
पालिश स्त्री 擦亮；磨光
की---करना 擦；磨 (६)
पाशविकता स्त्री 兽性，
动物的特点 (७)
पासबुक पु 银行存折 (१३)
पिकेटिंग स्त्री (अं) 纠察，警戒
---करना 担任纠察，
执行警戒
任务 (२)
पिछवाड़ा पु 后屋，后院 (१)
पिटाई स्त्री 打，殴打 (२)
पिलाना स.क्रि. 使喝，
请人喝 (५)
पिलाना स.क्रि. 使喝
लताड़--- 斥责，谴责 (१४)
पिसना अ.क्रि. 被捣成碎末，
磨
चक्की के दो पाटों में पिस
जाना 腹背受敌 (१)
पिसना अ.क्रि. 被摧残，
受折磨 (४)
पिसायी स्त्री 劳累，疲劳 (१३)
पी.एम. 总理（英语 prime
minister 的缩写）(१४)
पीना स.क्रि. 忍住，压住
गुस्सा--- 压住火气 (१५)
पीपल पु 毕钵罗树，
菩提树 (१६)

पुष्ट वि 巩固的，坚实的

---करना 巩固，使稳固 (७)

पूंजी स्त्री 本钱，资本 (२)

पूंजीपति पु 资本家 (६)

पूछ स्त्री 理睬 (१४)

पूजा-पाठ पु 祈祷诵经 (८)

पूर्वज पु 先人，祖辈 (१३)

पूर्व पुरुष पु 祖先，先人 (७)

पेट पु 肚子

---के बल लेटना 匍伏 (१)

पेटी स्त्री 小盒子 (६)

पेश क्रि.वि. सामने,आगे

---करना 交，递交 (११)

पेशवा पु 领袖，首领 (४)

पैकिंग पु.(अं) 包装 (२)

पैगम्बर पु 使者，天使 (४)

पोखर पु 水池 (३)

पोता पु बेटे का बेटा (१३)

पोथी-पत्रा पु 经书 (८)

पोशाक स्त्री 衣服，服装 (६)

प्याला पु 杯，小碗 (३)

प्रचारक पु 宣传者

धर्म--- 传教士 (४)

प्रति स्त्री 副本，复本；（书，报的）一册，一份 (६)

प्रतिबन्ध पु 限制；条件；规章

पर---लगाना 限制;规定 (१५)

प्रतिष्ठित वि 被建立的

---करना 建立 (१)

प्रतिष्ठित वि 有威望的，有威信的 (१०)

प्रबंध-कारिणी सभा 管理委员会 (१०)

प्रमाण पु 证据，证明 (१५)

प्रयास पु 努力，尝试 (४)

प्रयोजन पु 意义，意图 (७)

प्रलोभन पु 引诱

---में पड़ना 受引诱 (७)

प्रवचन पु 对宗教经典的口头解说，传教，布道 (४)

प्रवृत्ति स्त्री 倾向 (१३)

प्रवेश पु 进入；加入

---करना 进入；加入 (१)

प्रवेश-पत्र पु 入学申请书，报名单 (११)

प्रशासन पु 行政，行政管理

---चलाना 进行管理 (१४)

प्रसव पु 分娩 (३)

प्राइवेट वि.(अं) 私人的；私立的 (१४)

प्राणी पु 人 (२)

प्रात:काल पु 早晨 (८)

प्राप्ति स्त्री 取得，获得 (४)

प्रायश्चित पु 忏悔；赎罪 (८)

प्रिंसिपल पु.(अं) 大学校长(१०)

प्रिंसीपल पु.(अं) 校长 (१४)

प्रिंसीपलशिप स्त्री.(अं) 校长的职务 (१४)

प्रीति स्त्री प्रेम, मुहब्बत (१६)

प्रेसीडेण्ट पु.(अं) अध्यक्ष (१४)

फ़ंड पु 基金 (१५)

फंदा पु 绳套，索套 (१२)

फ़क़ वि (脸)变了色的

मुंह---होना 脸变色 (१५)

फ़रमाना स.क्रि. 说，讲(用于对长者的敬语) (१३)

फांसी स्त्री 绞刑架

को---पर लटकाना 处以绞刑

को---देना 绞死 (४)

फ़ाइनेन्स मिनिस्टर पु 财政部长 (१४)

फ़ायदा पु 好处，利益

---निकालना 捞取好处 (१३)

फ़ॉरेन एक्स्चेंज पु.(अं) 外汇 (१५)

फ़ार्म पु.(अं) 表格 (११)

फिरना अ.क्रि. 转悠 (२)

फीका वि 没有光彩的，暗淡的

मुंह---होना (因不高兴，不满意)板起面孔，脸色阴沉 (१४)

फ़ीस स्त्री.(अं) 费，学费 (२)

फ़ुट पु 英尺 (६)

फ़ुटपाथ पु.(अं) 人行便道 (६)

फ़ुटबाल पु.(अं) 足球

---खेलना 踢足球 (२)

फुलझड़ी स्त्री 一种烟火 (१३)

फेरना स.क्रि. 转，旋转；抚摩

पर हाथ--- 抚摩 (१४)

फ़ैसला पु 决定

का---करना 决定… (२)

फ़्राक पु 女上衣；工装；男式礼服上衣 (६)

फ़्री वि.(अं) 免费的 (१५)

बंदूक स्त्री 步枪 (१)

बंधना अ.क्रि. 被包，被捆 (५)

बखत पु 一顿（饭） (८)

बगीचा पु 小花园 (१)

बचना अ.क्रि. 避免 (१)

से--- 免于…

बच्चू पु 小伙子，小子（含讽刺意）(१४)

बछड़ा पु 小牛，牛犊 (३)

बटोरना स.क्रि. 收集，聚集 (५)

बड़प्पन पु 高贵；荣誉 (६)

बड़बड़ाना अ.क्रि. 叨叨唠唠，嘟嘟囔囔 (६)

बड़ा घर जेलखाना (६)

बढ़ोतरी स्त्री 提高，增加 (१५)

बतलाना स.क्रि. बताना (८)

बदनसीब वि 不幸的，苦命的 (१२)

बदबू स्त्री 臭味

---आना 发出臭味 (१२)

बदबूदार वि 臭的，有臭味的 (१२)

बनना अ.क्रि. 装作，装成 (१२)

बन पड़ना 能够，可能 (१५)

बना रहना अ.क्रि. उपस्थित या वर्तमान रहना (१३)

बनावटी वि 人造的，假的 (५)

बन्दर पु 猴子 (५)

बम पु 炸弹 (१)

बमगोला पु 炸弹 (१)

बरसाना स.क्रि. 洒水；扫射

गोले--- 扫射，射击 (१)

बराबर वि 同样的；相等的 (८)

बर्बाद वि 被破坏的
---होना 被破坏 (१)
बल पु 皱纹；折痕
पर---पड़ना 出现皱纹，露出愁容 (८)
बल पु 力量
---लगाना 用力，使劲 (८)
बलवान वि 有力的 (७)
बशर्ते कि शर्त यह है कि... (१३)
बसाना स.क्रि. 使居住；移民
एक दुनिया--- 建立一个新世界 (१६)
बहलना अ.क्रि. 娱乐，消遣
मन--- 开心 (५)
बहलाना स.क्रि. 哄骗 (६)
बहू स्त्री 儿媳；媳妇；新娘 (८)
बाँटना स.क्रि. 分发 (१५)
बाँस पु 竹子 (८)
बाँसुरी स्त्री 笛子 (८)
बाँह स्त्री 臂膀
आधी बाँहों का 短袖的 (५)
बाइलो रशिया 白俄罗斯 (१)
बात बनना 成功，成事 (१४)
बादशाह पु 皇帝 (४)
बाबू पु 对父亲或长者的称呼 (५)
बारीकी स्त्री 细致 (१३)
बास स्त्री 味道 (१२)
बिगड़ना अ.क्रि. 毁坏；败落 (२)
बिगाड़ना स.क्रि. 损坏，损伤 (१४)
बिगुल पु.(अं) 喇叭，号角 (१)
बिज़नेस पु.(अं) व्यवसाय (७)
बिदाई स्त्री 告别
---लेना 告别 (५)
बिल्ली स्त्री 猫 (५)
बीच-बीच में रह रहकर，थोड़ी थोड़ी देर में (१३)
बीजगणित पु 代数学 (११)
बीड़ा पु 槟榔包
का---उठाना(लेना) 宣誓做…；担负起…工作 (२)
बुक-सेलर पु.(अं) 书商 (११)

बुज़ुर्ग वि वृद्ध (१३)

बुत पु 偶象 (१)

बुरा वि 恶毒的; 惨痛的 (२)

बुलवाना स.क्रि. बुलाना 的致使 (८)

बेखटके क्रि.वि 无顾虑地; 大胆地 (१५)

बेगार स्त्री 无偿劳动，劳役

---देना 作劳役 (१२)

बेघर वि 没有家的 (६)

बेज़बान वि 哑的; 无力反抗的 (६)

बेधना स.क्रि. 刺穿，戳穿 (१)

बेफ़िक्र वि 无忧无虑的 (१२)

बेवक़ूफ़ी स्त्री 愚蠢 (७)

बैंक पु.(अं) 银行 (१३)

बैठक स्त्री 客室 (१४)

बोटानिकल वि.(अं) 植物的 (५)

बोनस पु.(अं) 奖金; 红利 (१५)

बोना स.क्रि. 播种 (१३)

ब्याह पु 结婚 (५)

ब्यूटीफुल वि.(अं) 美丽的，好看的 (१३)

ब्रह्म-मुहूर्त पु 日出前两小时之内的时间 (८)

ब्रीफ़केस पु.(अं)（扁平的）公事皮包 (१४)

भटकना अ.क्रि. 徘徊; 迷路 (१४)

भड़कना अ.क्रि. 燃烧 (४)

भत्ता पु 津贴 (४)

भत्ता पु 补贴，津贴

महंगाई-भत्ता 物价补贴 (१३)

भनक स्त्री 传闻，谣传

कान में---पड़ना 听到传闻 (१४)

भरना स.क्रि. 填写 (११)

भरपेट क्रि.वि. 饱

---खाना 饱食 (५)

भलाई स्त्री 好处，益处 (१४)

भवन पु 建筑物，房屋 (१)

भागा भागना 过去分词

भागा भागा फिरना 四处奔走，东奔西跑 (१५)

भाग्यशाली वि 幸运的 (६)

भालू पु 狗熊 (५)

भावी वि भविष्य में होने-वाला (१४)

भिजवाना स.क्रि. भेजना 的致使 (१५)

भीगा वि 潮湿的，湿透的

भीगी बिल्ली बनना 显出一副可怜相 (१५)

भीषण वि 严酷的，可怕的 (४)

भुगतना स.क्रि. 忍受，承担 (१४)

भुनवाना स.क्रि. भुनाना (枪毙)的致使 (१५)

भूखा वि 饥饿的 (३)

भूनना स.क्रि. 烤，烘 (३)

भूलना-भालना अ.क्रि. भूलना (११)

भेड़ स्त्री 羊 (१२)

भैया पु 兄弟(爱称)；老兄，老弟 (१४)

भौंह स्त्री 眉毛

---चढ़ाना 皱眉毛，皱眉头 (६)

भ्रम पु 错觉 (७)

मंडली स्त्री 小组，小队；一伙 (५)

मंडी स्त्री 市场 (४)

मकान पु 房子；家 (१०)

मचलना अ.क्रि. 坚持要某件东西，(为要某件东西而)纠缠；任性 (६)

मचवाना स.क्रि. मचाना 的致使 (१४)

मज़दूरी स्त्री 工人的工作，做工 (२)

मजबूरी स्त्री 被迫，迫不得已 (१२)

मज़ाक पु 玩笑

---करना 开玩笑 (१५)

मजूरी स्त्री 工钱 (१२)

मज़ेदार वि 有趣味的；愉快的 (२)

मतभेद पु 不同意见 (७)

मतलब पु 意图；私利 (१४)

मत्था पु 额 (८)

मदरसा पु 学校 (१)

मधु-मक्खी स्त्री 蜜蜂 (१३)

मधुमय वि 甜蜜的 (१३)
मध्य वि 中间的
---भारत 中印度 (४)
मन पु 满(重量单位,
约合4 0千克)(८)
मना वि 被禁止的
को... के लिये---करना
禁止…做… (५)
मनाना स.क्रि. 劝说,
使同意 (१४)
मनाना स.क्रि. 祈祷 (५)
मनोवृत्ति स्त्री 观念;心意,
意向 (१३)
मनोवेग पु 内心的冲动;
情绪 (७)
मन्सूबा पु 心愿 (१)
मम्मी स्त्री माँ (६)
मरघट पु 火葬场;坟地 (२)
मरीज़ वि बीमार (१०)
मर्द पु 男人 (१)
मशीनरी स्त्री.(अं)
机器,机械 (१५)

मस्ताना वि 陶醉的,
沉醉的 (५)
महंगाई स्त्री 物价上涨,
涨价 (१३)
महत्ता स्त्री 意义,价值 (७)
महरी स्त्री 女佣人 (८)
महाजन पु 放债者 (११)
महाराज पु 对受尊敬的婆
罗门的称呼 (१५)
मांजना स.क्रि.擦净;擦亮(११)
मानवता स्त्री 人性 (१६)
माफ़ वि 得到宽恕的,
被赦免的
फ़ीस---करना 免费 (१०)
माफ़ी स्त्री 宽恕,原谅
---मांगना 请求宽恕,
道歉 (१४)
मार स्त्री 打击,射击 (१)
मारकाट स्त्री 斗殴 (७)
मार्ग पु 道路 (२)
मि.先生(英语Mister缩写)(१०)
मिटाना स.क्रि.消灭,铲除(७)

मिठास स्त्री 甜 (५)
मिल-मालिक पु 工厂主 (१४)
मिशन पु 传教机构
---स्कूल 教会学校 (६)
मिसरानी (मिश्रानी) स्त्री
女婆罗门；婆罗门的妻子 (८)
मीटिंग स्त्री (अं) 会，会议 (१४)
मुआफ़ वि माफ़ (१०)
मुकदमा पु 诉讼，案件
---करना 告状
---चलाना 打官司，告状 (१२)
मुग़ल 莫卧尔（王朝名） (४)
मुट्ठी स्त्री 拳头；掌心 (१३)
मुठभेड़ स्त्री 交手；冲突，争执
से---होना 与…交手；
与…发生冲突 (२)
मुद्रित वि 被印出的，
印刷的 (६)
मुरझाना अ क्रि 凋谢 (६)
मुलाकात स्त्री 会面 (१०)
मुसली पु स्त्री 穆斯林 (६)
मुसाफ़िरी स्त्री 旅程；旅行 (२)
मूंछ स्त्री 胡须 (११)
मैट्रिकुलेशन पु (अं)
大学入学考试 (१०)
मैनेजिंग पु (अं) 管理 (१४)
मैल पु 污物 (७)
मोड़ना स क्रि 转，改变方向
से मुंह--- 逃避，躲避 (८)
मोम पु 腊
---होना 软化，融化 (१३)
मोल-तोल पु 讨价还价 (८)
मोहलत स्त्री 期限 (३)
म्युनिसिपैलिटी स्त्री (अं)
市；市政委员会 (६)
याद स्त्री 记忆，回忆
---दिलाना 提醒 (३)
यूनियन पु (अं) 联合会 (१४)
रंगीन वि 彩色的 (६)
रंगून 仰光 (४)
रईस पु 有财势的人 (१४)
रक्त पु 血 (३)
रक्षक पु 保护者 (३)
रचना स्त्री 创作；创造
की---करना 创作；创造 (७)
रत्ती वि 极少的

---भर 极少的 (१२)
रसातल पु 地狱
---पहुंचना 毁灭 (१३)
रसोई स्त्री 厨房 (६)
राग पु 音调，曲调 (७)
राजकीय वि 国家的，官方的 (४)
रायफल स्त्री (अं) 来福枪，步枪 (१)
राष्ट्र-प्रेम पु 爱国 (२)
रिक्शा पु 人力车 (६)
रिटायर्ड वि (अं) 退休的 (२)
रियायत स्त्री 宽容 (१२)
रिवाजी वि 风俗的，习俗的 (१२)
रिवाल्वर पु (अं) 左轮手枪 (१)
रुकावट स्त्री 阻碍，停滞 (५)
रुख पु 立场，态度
---अपनाना 采取…立场〔态度〕 (१५)
रुचि स्त्री 喜好，爱好
से---होना 喜欢… (७)
रुआंसा वि 欲哭的 (८)
रूखा वि 枯燥的 (१३)
रूठना अ क्रि 不高兴，生气 (५)
रूह स्त्री 灵魂；心灵
---कांपना 非常害怕 (११)
रेखा स्त्री 线条；标记 (५)
रेखागणित पु 几何学 (११)
रोंगटा पु 汗毛
रोंगटे खड़े हो जाना〔由于惊恐〕汗毛竖起 (२)
रोक स्त्री 阻止，阻挡 (६)
रोक स्त्री 禁止，制止 (१२)
रोना अ क्रि 诉苦
से--- 向…诉苦 (१०)
रौंदना स क्रि 踩
पैरों तले---踩在脚下；鄙弃 (७)
लखनऊ 勒克瑙〔地名〕 (२)
लगाव पु 联系，关系 (२)
लट्टू पु 灯泡；陀螺 (५)
लड़खड़ाना अ क्रि 口吃，结巴 (८)
लताड़ स्त्री 斥责，谴责 (१४)

लदना अ.क्रि. 盖; 缠裹 (५)

लहंगा पु (印度妇女穿的)裙子 (६)

लहू पु 血 (१२)

लाइब्रेरी स्त्री.(अं) पुस्तकालय (११)

लाठी स्त्री 竹竿

---मारना 用竹竿打 (१२)

लार्ड पु 勋爵 (४)

लालसा स्त्री 渴望 (११)

लिखाना स.क्रि. लिखना 的致使

नाम--- 注册;入,进入(११)

लिपि स्त्री 字体;书法(१३)

लिवाना स.क्रि.(लाना 的致使)带,携带 (५)

लुटेरा पु 强盗; 掠夺者 (७)

लूटमार स्त्री 抢劫 (१)

लेई-पूंजी स्त्री 全部财产; 全部积蓄 (१०)

लेखन पु 写作 (६)

ले-दे स्त्री 顶嘴, 争执

---करना 顶嘴 (१४)

लेनिन 列宁 (१)

लोटना अ.क्रि. 翻滚,滚转 (१२)

लोट-पोट वि 笑得前仰后合的

हंसते-हंसते---हो जाना 笑得前仰后合 (५)

लोटा पु 水罐 (१२)

लौंडा पु 男孩; 不懂事的孩子 (१४)

वंडरफुल वि.(अं) 极好的 (१५)

वकील पु 律师 (६)

वक्त पु 时间 (१)

वर पु 新郎 (५)

वर्धा 瓦尔塔(地名) (२)

वर्षीय वि वर्ष का (६)

वादा पु 诺言 (३)

वास पु 居住 (१६)

विकराल वि 可怕的, 恐怖的; 严厉的 (४)

विक्रमी वि 属于健日王时代的 (१०)

विचलित वि 动摇的 (७)

विद्रोह पु 起义; 暴动 (४)

विद्रोही वि 起义的,暴动的 (४)

विधान पु 规定 (८)
विनय पु 谦恭; 礼貌 (१३)
विनोद पु 娱乐 (५)
विपत्ति स्त्री 灾难 (२)
विपरीत वि 不顺利的 (१३)
विमाता स्त्री 继母，后母 (१०)
विषय पु 课程 (११)
विषाद पु 忧郁，悲伤，失望 (५)
विस्फोट पु 爆发 (४)
विस्मय पु 惊异; 疑惑 (६)
विस्मित वि 惊异的 (११)
वीभत्स वि 凶残的，令人嫌恶的 (७)
वृक्ष पु 树 (१)
वृत्ति स्त्री 意念，观念 (७)
वृत्ति स्त्री 意念; 性格 (१३)
वेश पु 服装，装束 (१०)
वोट पु (अं) 选票
---देना 投票 (६)
व्यंग्यपूर्वक क्रि वि 讥讽地 (१४)
व्यग्र वि 不安的 (५)
व्यथित वि 为…所苦恼的 (११)
व्यवसाय पु 企业，商业 (२)
व्रत पु 誓言，誓愿
---रखना 发誓，立誓 (११)
शरबत पु 果汁，饮料 (५)
शराब स्त्री 酒 (२)
शरारत स्त्री 调皮; 恶作剧 (३)
शर्त स्त्री 条件
इस---पर 在这个条件下 (२)
शव पु 尸体 (६)
शहज़ोर वि 强有力的，力气大的 (१२)
शहद पु 蜂蜜
---इकट्ठा करना 采蜜 (१३)
शास्त्र पु 宗教经典 (८)
शिकायत स्त्री 怨言，抱怨; 控诉
---पहुंचाना 提出控诉，告状 (१४)
शिलिंग पु (अं) 先令 (१३)
शीत स्त्री 冷 (६)
शुक पु 鹦鹉 (१६)

शेरनी स्त्री 母狮 (३)

शोषण पु 剥削 (४)

शौकीन वि 爱好…的，有…嗜好的

का---होना 爱好… (१०)

श्रीमती स्त्री 夫人，太太 (५)

संकट पु 危难；困境 (२)

संक्षेप पु 简略的叙述，简要 (४)

संगठित वि 组织起来的，有组织的

---करना 组织 (२)

संग्राम पु 战争；战斗 (४)

संचालक वि 领导的，指挥的 (७)

संचालन पु 领导；管理；主持

का---करना 领导；管理；主持 (४)

संतोषजनक वि 令人满意的 (११)

संदेश पु समाचार (१६)

संध्या स्त्री शाम (५)

संयम पु 克制，节制 (७)

संरक्षण पु 保护 (४)

संवत् पु 印度健日王的纪元（始于公元前57年左右）(१०)

संस्कार पु 净化；完善 (७)

सख्त वि 强烈的 (१२)

सगा वि 亲生的，同母的 (३)

सचेत वि 觉醒的

---करना 使觉醒，唤醒 (७)

सटना अ.क्रि. 紧靠，靠近 (६)

सटरपटर स्त्री मामूली चीज (६)

सड़ना अ.क्रि. 腐败，腐烂 (१२)

सतह स्त्री 水平 (७)

सत्य पु 真理；现实 (१२)

सदैव क्रि.वि. 经常，总 (३)

सद्भावना स्त्री 善意，诚意 (२)

सनसनाना अ.क्रि. 作呼呼声，发嗖嗖声 (१)

सनसनी स्त्री 恐怖 (७)

सनोवर पु 松树 (१)

सन्त पु 仙人，出家人 (७)

सन्तरी पु.(अं) 哨兵 (१)

सन्नाटा पु 寂静，沉静 (१)

सपना पु 梦 (६)

सपाट वि 平的，平坦的 (१०)

सफल वि 有成效的，
有成绩的 (६)

सबेरे वि.क्रि. 早晨 (१)

समझौता पु 妥协；协商；
协定 (१४)

समतल वि 平的，平坦的 (१०)

समधिन स्त्री 岳母；婆婆；
亲家 (६)

समर्थक पु 赞成；支持 (६)

समवयस्क वि 同年龄的 (६)

समेटना स.क्रि. 收拢 (६)

सम्भ्रांत वि 受尊敬的，
可敬的 (१३)

सर्वप्रथम क्रि.वि.首先，起初(४)

सलवार पु.一种宽裤腿裤子(६)

सलामत वि 平安的；完好的

सही---वि 完好的，
平安无恙的

क्रि.वि. 完好地 (१)

सवाल-जवाब पु 问答；询问，
问话

से---करना 问话 (१)

सहकारी वि合作的，协作的(११)
पु 助手，副手

सहमत वि 同意的 (५)

से---होना 同意

सहमना अ.क्रि. डरना (६)

सहयात्री पु 同路人，旅伴 (१३)

सांप पु 蛇 (१२)

सांस स्त्री 呼吸

ठंडी---लेना 叹气 (८)

सांस स्त्री 呼吸

सुख की---लेना 心情平静，
安逸 (१२)

सांय-सांय करना 显得阴森可怖(५)

साड़ी स्त्री 纱丽 (६)

सात्विक वि प्राकृतिक;
वास्तविक (१३)

साथ पु 共同，一起

का---देना 支持… (४)

साधन पु 手段，方法 (७)

साधना स.क्रि. 瞄准 (१)

सान्त्वना स्त्री 安慰

---मिलना 得到安慰 (१३)

साफ़ क्रि.वि.स्पष्ट रूप से,पूरी
तरह से (१४)

साबित वि 完整的 (१०)

साबुत वि 完整的，完全的 (१)

सामना पु 前面，面前；
对抗，斗争

का---करना 对抗，
与…斗争 (१४)

साम्प्रदायिक वि 教派的 (६)

साया पु 阴影，影子 (१२)

सार्जेंट मेजर पु 中士，军士长 (४)

साला पु पत्नी का भाई (११)

सास स्त्री 婆婆；岳母 (८)

साहबी वि 绅士风度的 (६)

साहू पु महाजन (१२)

सिकुड़ना अ.क्रि. 缩，萎缩 (८)

सिक्ख पु 锡克人 (४)

सिखलाना स.क्रि. सिखाना (१६)

सिद्ध वि 被证实的

---होना 被证实 (२)

सिधारना अ.क्रि. जाना；रवाना
होना

परलोक--- मर जाना (१०)

सिनेमा हाल पु.(अं) 电影院 (७)

सिफ़ारिश स्त्री 推荐，
介绍(信) (१०)

सिफ़ारिशी वि 推荐的，
介绍的 (१०)

सिमटना अ.क्रि. 缩，卷缩 (६)

सिरा पु 端，头 (१२)

सिविल सर्जन पु 政府医官 (६)

सी.आई.डी. 刑事调查局
(英语Criminal Investigation Department缩写) (१५)

सीटी स्त्री 哨 (६)

सीमा-हीन वि 无边无际的 (१६)

सीलन स्त्री 潮湿 (६)

सुझाना स.क्रि. 出主意；建议 (६)

सुनसान वि 寂静无声的 (५)

सुनी-अनसुनी स्त्री 装听不见
---करना 装没听见 (१३)

सुपरिंटेंडेंट पु.(अं) 督学；
主管人 (१४)

सुराख पु 孔，小洞
---करना 挖洞 (१२)

सुलटना स.क्रि. सुलझाना (१५)

सूंघना स.क्रि. 嗅，闻

सूझना अ.क्रि. 想，想出 (३)

सूझना अ.क्रि. 看到，想到 (१४)

सूट पु.(अं)(一套)衣服，西服 (१३)

सूत पु 线; 纱 (५)

सूती वि 线的 (५)

सूत्र पु 线

---संचालक 牵线人,

操纵者 (१४)

सूत्रधार पु 傀儡戏演员

〔牵线人〕 (१४)

सूना वि 空旷的,

无人居住的 (१)

सृष्टि स्त्री 创造 (७)

सेंकना स.क्रि. 烤; 暖 (६)

सेक्रेटरी पु.(अं) 秘书 (१४)

सेठ पु 富人; 商人 (१४)

सेनापति पु 司令官,将领 (४)

सेवा में बड़े के सामने आदर-

पूर्वक (१५)

सैकंड 第二 (१०)

सैय्यद पु 穆斯林四大宗

族之一 (६)

सोफ़ा पु 沙发椅 (१४)

सौदा पु 生意, 买卖 (११)

सौम्य पु 温和的,和善的 (११)

स्टाफ़ पु.(अं)工作人员

〔总称〕 (१३)

स्टूडेण्ट्स पु.(अं)学生〔复〕(१४)

स्तन-पान पु 吮吸〔母亲的奶〕

---करना 吮吸〔母亲的奶〕(३)

स्थान पु 地方

का---लेना 代替, 取代 (२)

स्पीच स्त्री.(अं) 演说 (६)

स्वच्छंद वि स्वाधीन, स्वतंत्र (१६)

स्वदेशी वि 本国的, 国内的

---आन्दोलन 独立运动 (७)

स्वस्थ वि 健康的 (७)

स्वार्थी वि 自私自利的 (१३)

हंस पु 天鹅 (१६)

हक पु 权利 (७)

हटाना स.क्रि.使离开; 移开 (२)

हठ पु 固执, 执拗 (२)

हड़ताल स्त्री 罢工, 罢课, 罢市

---करना 罢工, 罢课,

罢市 (१४)

हड़पना स.क्रि.侵吞; 夺取 (२)

हताश वि 失望的 (११)

हत्या स्त्री 杀害

की---करना 杀害… (४)

हथियार पु 武器 (१)

हमला पु 进攻, 攻击

---बोल देना 发起进攻 (१)

हमेशा क्रि.वि. 经常

---के लिये 永远 (३)

हरकत स्त्री 行为，活动 (६)

हलकोरा पु 波浪 (१२)

हलवाई पु 做糖果点心的人 (११)

हल्लो 招呼用语 (१४)

हवा स्त्री 风

जेल की---खाना 坐牢 (२)

हवाई वि 空中的，航空的 (१)

हस्तलिपि स्त्री 书法;笔迹 (१३)

हांफना अ.क्रि. 喘 (८)

हाथ पु 手

---से निकल जाना 失去 (११)

हाथ पु 手

से---मिलाना 与…握手 (१४)

हानि स्त्री 损害，损伤

---पहुंचना 受到损害 (७)

हाय 唉

---राम 唉！天哪！ (६)

हार्ट पु.(अं) दिल (११)

हॉल पु.(अं) 大厅 (१४)

हाल-चाल पु 情况，状况 (६)

हिंडोला पु 转盘的座厢；
摇篮 (५)

हितैषी पु भला चाहनेवाला,
मित्र (१३)

हिम्मत स्त्री 勇气，胆量

---बांधना 鼓起勇气，
振奋精神 (१०)

हिलना-मिलना अ.क्रि. 往来，
交往；要好 (६)

हिसाब पु 收支的计算，账目

---खोलना（在银行）
开户头 (१३)

हिस्सेदार पु 股东 (१५)

हीरा पु 金刚石，钻石 (१३)

हुक्म पु 命令

---देना 命令 (१)

हुड़दंग स्त्री 捣乱，起哄

---मचाना 捣乱，起哄 (१४)

हृदयंगम वि 领悟的，接受的

---करना 领悟，接受 (१३)

हेतु पु 原因，理由

इस--- 因此，所以 (२)

हैलो 喂（招呼用语） (१४)

हेडमास्टर पु.(अं) (中、小学) होम पु 牺牲
校长 (१०) का---करना 牺牲 (
हैसियत स्त्री 身份，资格(१४)

［Ｇｅｎｅｒａｌ Ｉｎｆｏｒｍａｔｉｏｎ］
书名＝印地语基础教程　第４册
作者＝
页数＝２８７
ＳＳ号＝１１５３６９９２
出版日期＝
出版社＝
ＤＸ号＝１１５３６９９２
ＵＲＬ＝ｈｔｔｐ：／／ｂｏｏｋ．ｓｚｄｎｅｔ．ｏｒｇ．ｃｎ／ｂｏｏｋＤｅｔａｉｌ．ｊｓｐ？ｄｘＮｕｍｂｅｒ＝１１５３６９９２＆ｄ＝０Ｅ１ＣＦＦ８５Ｂ０２３Ｂ１Ｃ４ＣＡ９３３７ＥＡ９６ＦＦ５Ａ２Ｆ